रजिस्ट्री सं० डी० एल० (एन) 04/0007/2003—05 REGD. NO. D. L.-(N)04/0007/2003—05

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं० 38] नई दिल्ली, सितम्बर 11—सितम्बर 17, 2005, शनिवार/भाद्र 20—भाद्र 26, 1927
No. 38] NEW DELHI, SEPTEMBER 11—SEPTEMBER 17, 2005, SATURDAY/BHADRA 20—BHADRA 26, 1927

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (Other than the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 2005

का० आ० 3251.—केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा राज्य सरकार के गृह विभाग की अधिसूचना सं. 20/4/2005-3 एचजी-1, दिनांक 6-9-2005 द्वारा प्राप्त सहमति से भारतीय दंड संहिता की धारा 148, 149, 323 और 302 के अधीन पी.एस. सिटी गोहाना (सोनीपत) में दर्ज एफआईआर सं. 157 दिनांक 27-8-2005, भारतीय दंड संहिता की धारा 148, 149, 109, 427, 435, 436, 307, 120-बी और अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन पी.एस. सिटी गोहाना (सोनीपत) में दर्ज एफआईआर सं. 159 दिनांक 31-8-2005 तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 323, 506, 427, 436, 341, 332, 353, 307, 395 और सार्वजनिक संपत्ति क्षति अधिनियम, 1984 की धारा 3 एवं 8 के अधीन पी.एस. सेक्टर-5, पंचकुला, हरियाणा में दर्ज एफआईआर सं. 410 दिनांक 2-9-2005 तथा उपर्युक्त अपराधों से संबंधित अथवा संसक्त प्रयत्न, दुष्प्रेरण और षड्यंत्र तथा उसी संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए अथवा उन्हीं तथ्यों से उद्भूत किन्हीं अन्य अपराध और अपराधों के अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार सम्पूर्ण हरियाणा राज्य पर करती है।

[सं. 228/49/2005-एवीडी II]

चंद्र प्रकाश, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 9th September, 2005

S.O. 3251.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the Government of Haryana issued vide Home Department No. 20-4-2005-3HG-I, dated 6th September, 2005, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of Delhi Special

Police Establishment to the whole of the State of Haryana for investigation of FIR No. 157 dated 27-8-2005 u/s 148, 149, 323 and 302 IPC registered at PS City Gohana (Sonepat) FIR No. 159 dated 31-8-2005 u/s 148, 149, 109, 427, 435, 436, 307, 120-B IPC and Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prevention of Attrocities) Act, 1989 registered at PS City Gohana (Sonepat) and FIR No. 410 dated 2-9-2005 u/s 147, 148, 149, 323, 506, 427, 436, 341, 332, 353, 307, 395 IPC and Section 3 and 4 of Public Property Damage Act, 1984, registered at PS Sector-5, Panchkula, Haryana and attempt, abetment and conspiracy in relation to or in connection with the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction or arising out of the same facts.

[No. 228/49/2005-A.V.D. II]

CHANDRA PRAKASH, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2005

का० आ० 3252.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 9) की धारा 8 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निर्देश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबंध (धारा-6 "क" को छोड़कर) उक्त अधिनियम की अनुसूची में विनिर्दिष्ट "राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर" के कर्मचारियों, जो कि 1 जनवरी, 2004 के पूर्व सेवारत थे, के लाभार्थ स्थापित भविष्य निधि पर भी लागू होंगे।

[सं. 4(1)-संस्था V/95(II)]

मनोज जोशी, विशेष कार्य अधिकारी (आई. सी.)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 23rd August, 2005

S.O. 3252.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 8 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act (except Section 6A) shall apply to the Provident Fund established for the benefit of the employees of the "National Institute of Ayurveda, Jaipur" who were in service before the 1st January, 2004.

[No. 4(1)-EV/95(II)]

MANOJ JOSHI, Officer on Special Duty (IC)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2005

का० आ० 3253.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 9) की धारा 8 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित सार्वजनिक संस्थान का नाम उक्त अधिनियम की अनुसूची में शामिल करती है, अर्थात् :—

"राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर"

[सं. 4(1)-संस्था V/95(I)]

मनोज जोशी, विशेष कार्य अधिकारी (आई. सी.)

New Delhi, the 23rd August, 2005

S.O. 3253.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 8 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds to the list of institutions sepecified in the Schedule to the said Act, the following institution, namely :—

"National Institute of Ayurveda, Jaipur"

[No. 4(1)-EV/95(I)]

MANOJ JOSHI, Officer on Special Duty (IC)

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2005

का० आ० 3254.—राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ङ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्रीमती नीलम साहनी, संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय को तत्काल प्रभाव से अगले आदेशों तक, डा. अमर सिंह के स्थान पर राष्ट्रीय आवास बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 7/15/2000-बी.ओ. I]

जी. बी. सिंह, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(BANKING DIVISION)

New Delhi, the 7th September, 2005

S.O. 3254.— In exercise of the powers conferred by clause (e) of Sub-section (1) of Section 6 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987), the Central Government, hereby appoints Smt. Nilam Sawhney, Joint Secretary, Ministry of Rural Development as Director on the Board of Directors of the National Housing Bank with immediate effect and until further orders *vice* Dr. Amar Singh.

[F. No. 7/15/2000-BO-I]

G.B. SINGH, Under Secy.

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 2005

का० आ० 3255.—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 9 की उपधारा (2) के अनुसरण में श्री बी. के. पांडा, कोयला खान भविष्य निधि आयुक्त, धनबाद को 31 दिसम्बर, 2004 (अप.) से अगले अन्य आदेश तक प्राधिकारी के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. 20/6/2004-पीआरआईडब्ल्यू/एएसओ (पार्ट-I)]

के. मदीवानन, उप सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 2nd September, 2005

S.O. 3255.— In pursuance of Sub-section (2) of Section 9 of the Coal Mines Provident Fund and

Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby specifies Shri B. K. Panda, Coal Mines Provident Fund Commissioner, Dhanbad as the authority with effect from the 31st December, 2004 (Afternoon) until further orders.

[No. 20/6/2004-PRIW/ASO (Part-I)]

K. MATHIVANAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 2005

का० आ० 3256.—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 3-ग की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री बी. के. पांडा को 31 दिसम्बर, 2004 (अप.) से अगले अन्य आदेश तक, कोयला खान भविष्य निधि संगठन में कोयला खान भविष्य निधि आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 20/6/2004-पीआरआईडब्ल्यू/एएसओ (पार्ट-I)]

के. मदीवानन, उप सचिव

New Delhi, the 2nd September, 2005

S.O. 3256.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3-C of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri B. K. Panda as the Coal Mines Provident Fund Commissioner in the Coal Mines Provident Fund Organisation, Dhanbad with effect from the 31st December, 2004 (Afternoon), until further orders.

[No. 20/6/2004-PRIW/ASO (Part-I)]

K. MATHIVANAN, Dy. Secy.

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 2005

का० आ० 3257.—केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उपर्युक्त अधिनियम के प्रावधानों के अध्यधीन इस अधिसूचना की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए निम्नलिखित व्यक्ति का नामांकन अधिसूचित करती है :

1.	श्री विक्टर टी. थॉमस, अध्यक्ष, केरल राज्य रेशम उत्पादन सहकारी संघ लि. (सेरिफेड), तिरूवनंतपुरम।	इस अधिनियम की धारा 4 (3) (जे) के तहत केन्द्र सरकार द्वारा नामित

[फा. सं. 25012/56/99-रेशम]

बसंत प्रताप सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 9th September, 2005

S.O. 3257.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby notifies the nomination of the following person to serve as member of the Central Silk Board for a period of three years from the date of this notification subject to the provisions of the said Act :

1.	Shri Victor T. Thomas, Chairman, Kerala State Sericulture Co-operative Federation Limited (SERIFED), Thiruvananthapuram	Nominated by the Central Government under Section 4(3)(j) of the Act

[F. No. 25012/56/99-Silk]

BASANT PRATAP SINGH, Jt. Secy.

नागर विमानन मंत्रालय

(एएआई अनुभाग)

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 2005

का० आ० 3258.—भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 (1994 की सं. 55) की धारा 3 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, दिल्ली उच्च न्यायालय में श्री एस. एच. खान द्वारा दायर की गई रिट याचिका पर अंतिम निर्णय के आने तक श्री पी. सेठ को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, उनके द्वारा पदभार ग्रहण करने की तारीख से, उनकी सेवानिवृत्ति अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, पांच वर्ष की अवधि के लिए 25750-650-30950 के वेतनमान में सदस्य (प्रचालन) के रूप में नियुक्त करती है।

[सं.-एवी.-24011/006/2001-एएआई]

के. रामाकृष्णन, अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

(AAI Section)

New Delhi, the 2nd September, 2005

S.O. 3258.— In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Airports Authority of India Act, 1994 (No. 55 of 1994) the Central Government hereby appoints Shri P. Seth, as Member (Operations) in Airports Authority of India in the pay scale of Rs. 25750-650-30950 for a period of five years with effect from the date of assumption of the charge of the post or till the date of his superannuation or until further orders, whichever is earlier, subject to the final result in the Writ Petition filed by Shri S.H. Khan in the High Court of Delhi.

[No. Av.-24011/006/2001-AAI]

K. RAMAKRISHNAN, Under Secy.

उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का० आ० 3259.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस 15591 : 2005/आईएसओ 8569 : 1996 यांत्रिक कंपन और प्रघात—भवनों में संवेदनशील उपस्करों में यांत्रिक प्रघात और कंपन प्रभाव का मापन और मूल्यांकन	—	31 जुलाई, 2005
2.	आईएस 15592 : 2005/आईएसओ 8608 : 1995 यांत्रिक कंपन—सड़क सतह प्रोफाइल—लिए गए आंकड़ों की रिपोर्टिंग	—	31 जुलाई, 2005
3.	आईएस 15594 : 2005/आईएसओ 10815 : 1996 यांत्रिक कंपन—रेलगाड़ियों के गुजरने से रेल सुरंगों में होने वाले यांत्रिक कंपन का मापन	—	31 जुलाई, 2005

इस भारतीय मानक की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना, पूणे तथा तिरूवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

तिथि 05 सितम्बर, 2005

[सं. : एम.ई.डी./जी.-2 : 1]

सी०के० वेदा, वैज्ञा० एफ एवं प्रमुख यांत्रिक इंजीनियरिंग

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3259.— In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards Established	No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Established
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15591 : 2005/ISO 8569 : 1996 Mechanical vibration and shock—Measurement and evaluation of shock and vibration effects on sensitive equipment in buildings	—	31 July, 2005
2.	IS 15592 : 2005/ISO 8608 : 1995 Mechanical vibration—Road surface profiles—Reporting of measured data	—	31 July, 2005
3.	IS 15594 : 2005/ISO 10815 : 1996 Mechanical vibration—Measurement of vibration generated internally in Railway tunnels by passage of the trains	—	31 July, 2005

Copy of this Standard is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

Date : 05 September, 2005

[No. MED/G-2 : 1]

C. K. VEDA, Sc. F. and Head Mechanical Engineering

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3260.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स प्रेरणा इंजीनियर्स, विश्वास खण्ड-III, 3/413, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा निर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "ई टी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "यूरो-टेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/27 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का भार सैल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 15 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 50 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है;

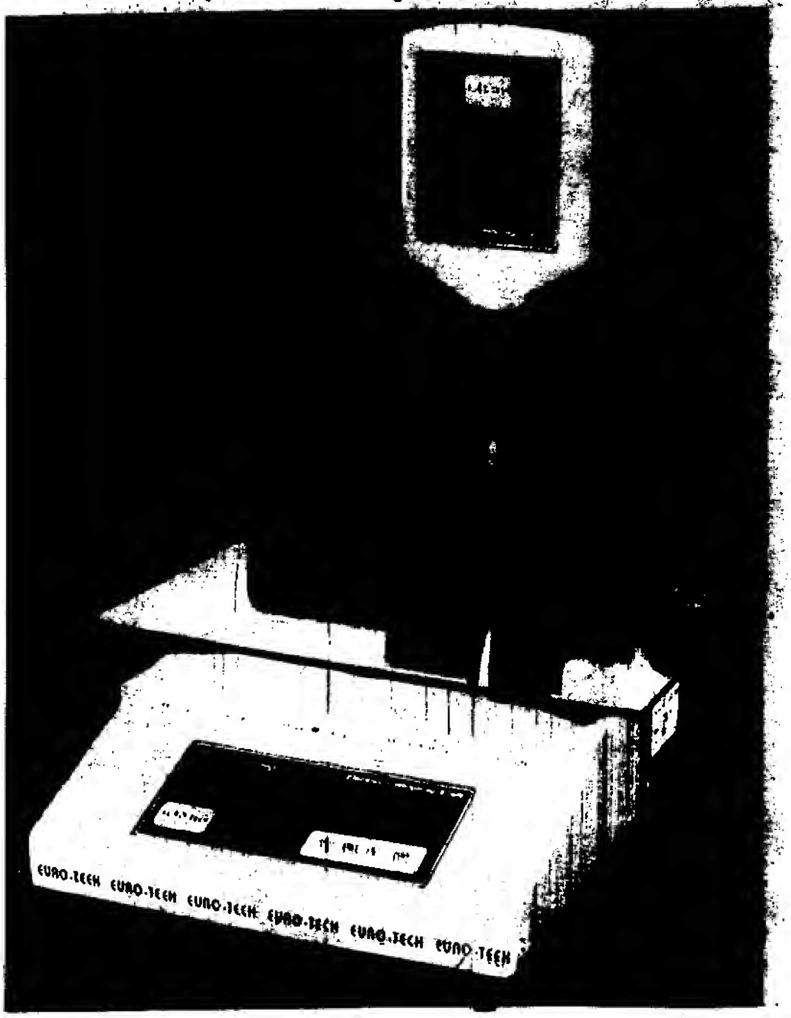

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 5,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(270)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3260.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) and (8) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of "ET" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "EURO-TECH" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s.Prerna Engineers, Vishwash Khand-III, 3/413, Gomti Nagar, Lucknow, U.P. and which is assigned the approval mark IND/09/2005/27;

The said model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 15 kg. and minimum capacity of 50 g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 V and 50 Hz alternate current power supply.

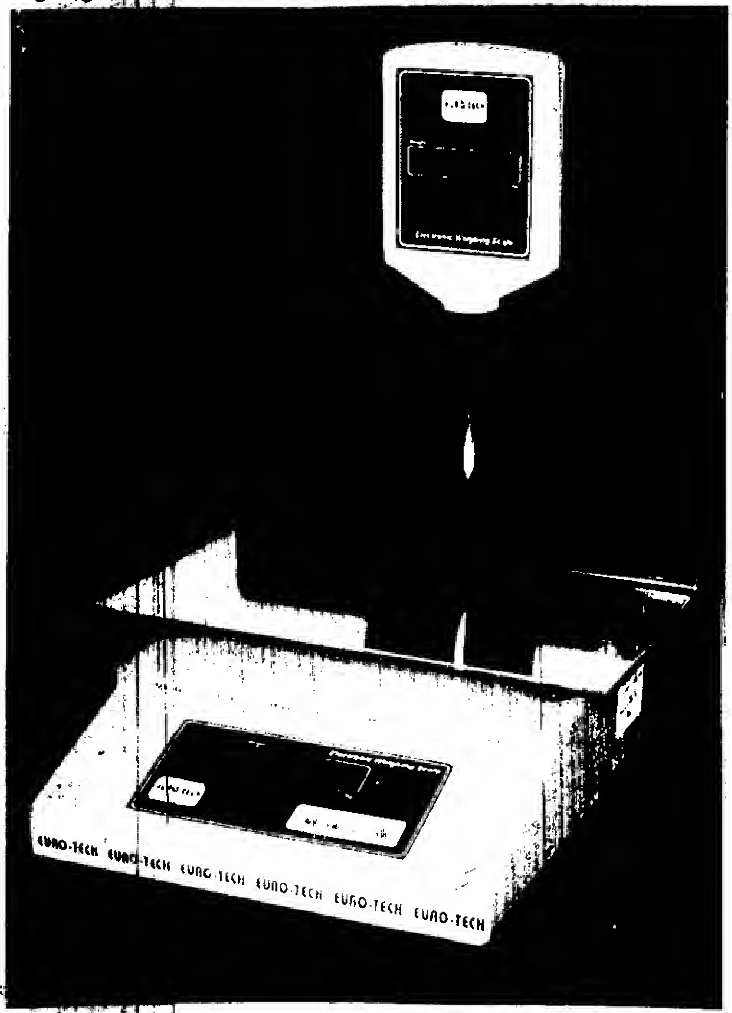

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make and performance of same series with maximum capacity up to 50 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 5,000 for 'e' value of 1mg. to 50 mg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 5,000 to 50,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(270)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3261.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स प्रेरणा इंजीनियर्स, विश्वास खण्ड-III, 3/413, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा निर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ई पी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, स्वत:सूचक, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "यूके-टेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/28 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का भार सैल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) का है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल सहित 50 कि. ग्रा. से अधिक और 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(270)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3261.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issued and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic (Platform type) weighing instrument with digital indication of "EP" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "EURO-TECH" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Prerna Engineers, Vishwash Khand-III, 3/413, Gomti Nagar, Lucknow, U.P. and which is assigned the approval mark IND/09/2005/28;

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based weighing instrument with a maximum capacity of 1000 kg and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100 g. It has a tare device with 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display idicates the weighing result. The instruments operates on 230 volts and 50 Hertz alternate current power supply.

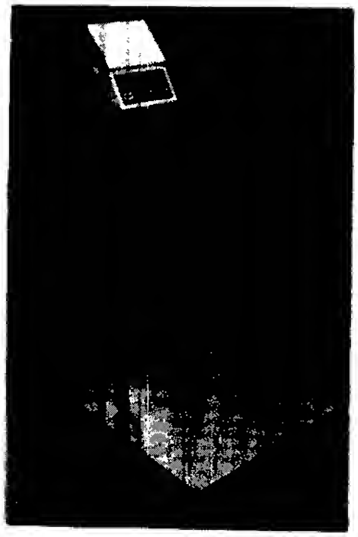

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 5000 kg. and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5 g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(270)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3262.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स रिप्यूटिड माइक्रो सिस्टम, 32/बी, बालबण सोसायटी, नवावादाज, अहमदाबाद-380013 द्वारा निर्मित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-I) वाले "आर ए" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "रेपटेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/109 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विद्युत चुम्बकीय शक्ति प्रतिकर सिद्धांत पर आधारित अस्वचालित (टेबल टॉप प्रकार का तोलन उपकरण है।) इसकी अधिकतम क्षमता 120ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 मि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 मि. ग्रा. है। द्रव्य क्रिस्टल प्रदर्श (एल सी डी) प्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 50000 के समतुल्य या उससे अधिक से सत्यापन के लिए संख्यांक सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(186)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3262.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issued and publishes the certificate of approval of the model of, non-automatic weighing instrument (Table top type) with "RA" series belonging to special accuracy (Accuracy class-I) and with brand name "REPTECH" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Reputed Micro Systems, 32/B, Lalbg Society, Navawadaj, Ahmedabad-380013 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/109;

The said model (see the figure given below) is a Electromagnetic force compensation based non automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of maximum capacity 120g, minimum capacity is 100 mg and the value of verification scale interval 'e' is 1 mg. The display unit is of liquid crystal display (LED) type. The instruments operates on 230V, and 50 Hz alternate current power supply.

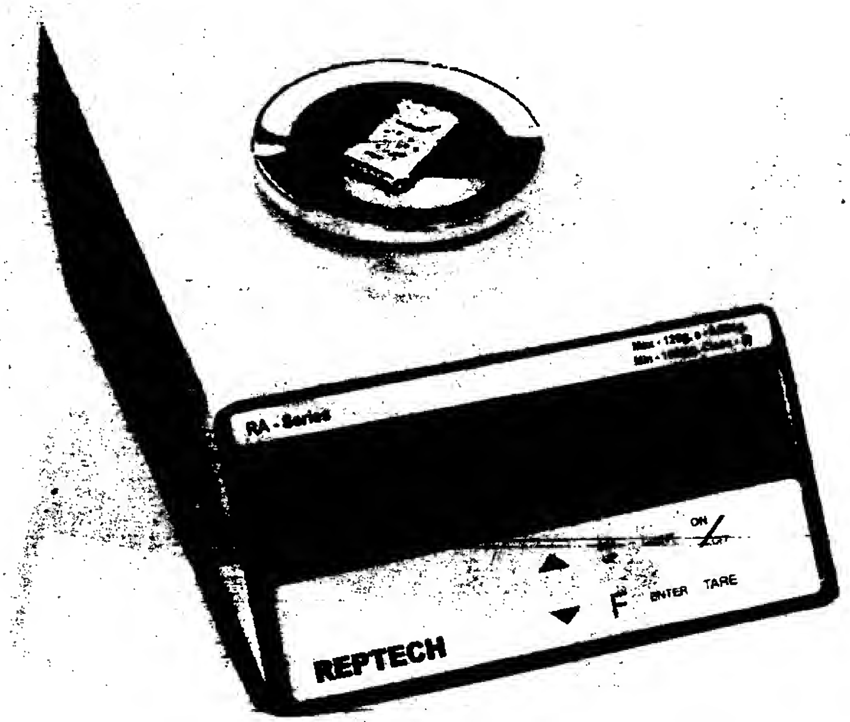

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg.and with number of verification scale interval (n) more than or equal to 50,000 for 'e' value of 1 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(186)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3263.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स रिप्यूटिड माइक्रो सिस्टम, 32/बी, जालबण सोसायटी, नवावादाज, अहमदाबाद-380013 द्वारा निर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "आर बी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टोप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "रेपटेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/110 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

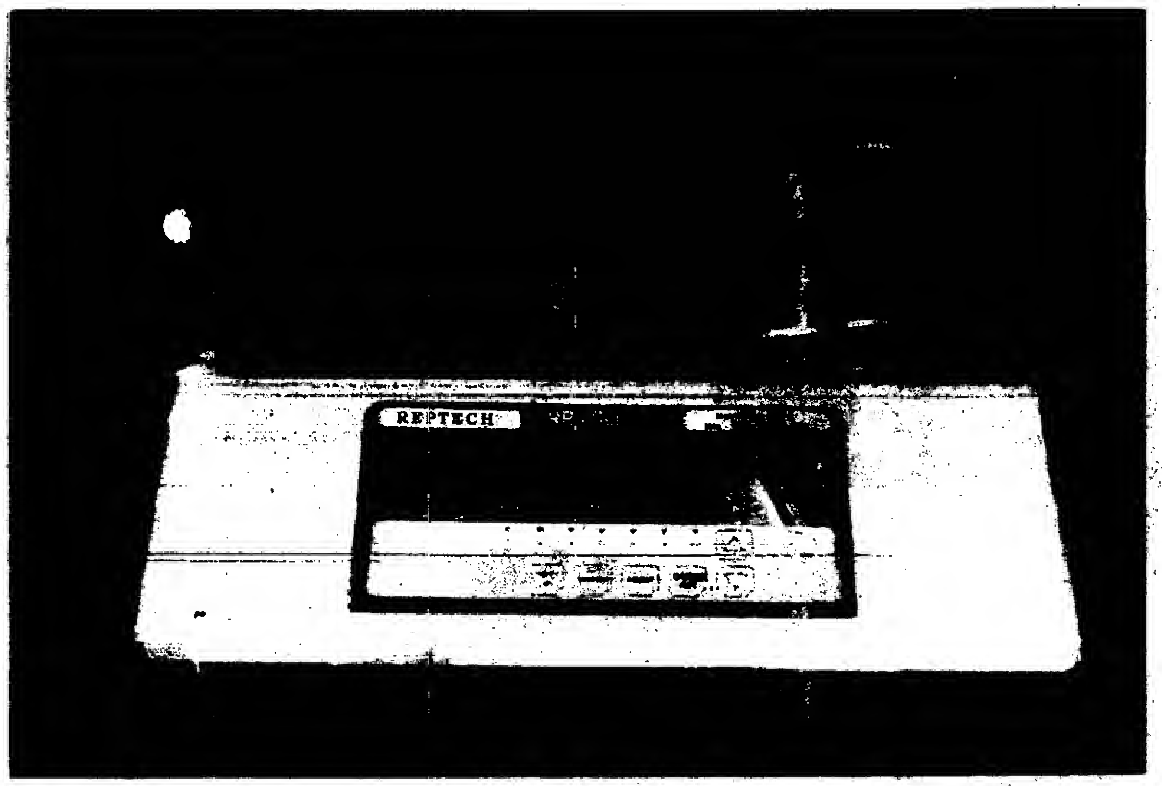

उक्त मॉडल एक लोड सेल आधारित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) के (टेबल टोप प्रकार) अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 22 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हट्र्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उसे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(186)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3263.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issued and publishes the certificate of approval of the model of, non-automatic (Table Top Type) of weighing instrument with digital indication of 'RB' series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "REPTECH" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Reputed Micro Systems, 32/B, Lalbag Society, Navawadaj, Ahmedabad-380013, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/2005/110;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) high accuracy (Accuracy class-II) with a maximum capacity 22 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval 'e' is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230V, and 50 Hz alternative current power supply.

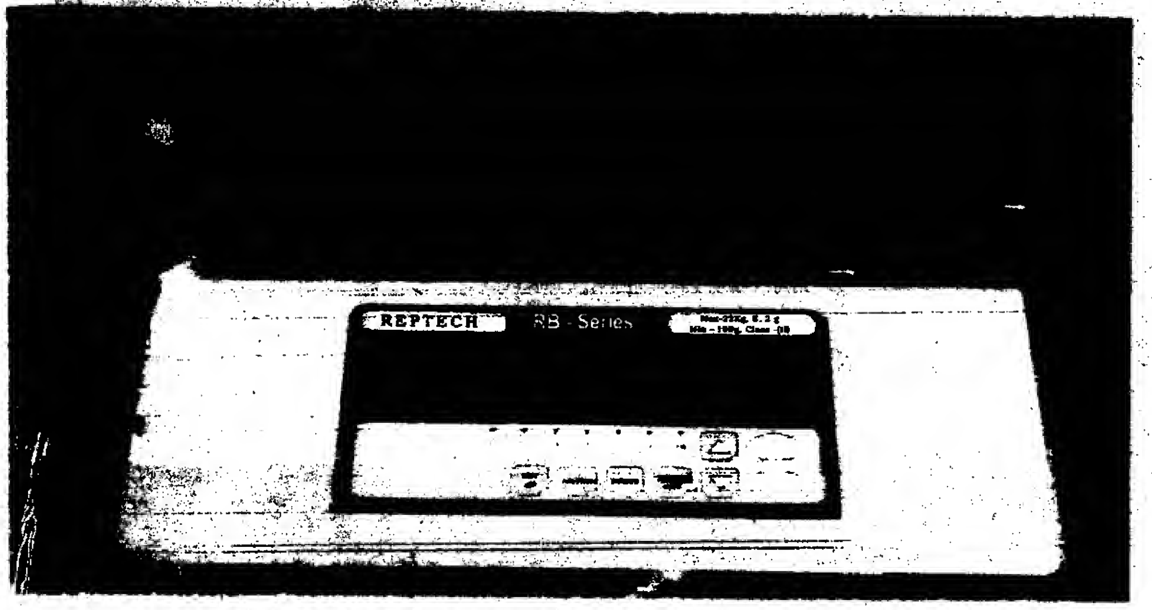

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of the Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1 mg. to 50 mg. and with the number of verification scale interval (n) in the range 5000 to 50,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(186)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3264.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स रिप्यूटिड माइक्रो सिस्टम, 32/बी, बालबण सोसायटी, नवावादाज, अहमदाबाद-380013 द्वारा निर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आर एल टी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टोप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "रेपटेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/111 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल एक लोड सेल आधारित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) के (टेबल टोप प्रकार) अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 22 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उसे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(186)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3264.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of, non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of 'RLT' series medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "REPTECH" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Reputed Micro Systems, 32/B, Lalbag Society, Navawadaj, Ahmedabad-380 013, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/2005/111;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) of medium accuracy (Accuracy class-III) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100 g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Ligh Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230V, and 50 Hz alternative current power supply.

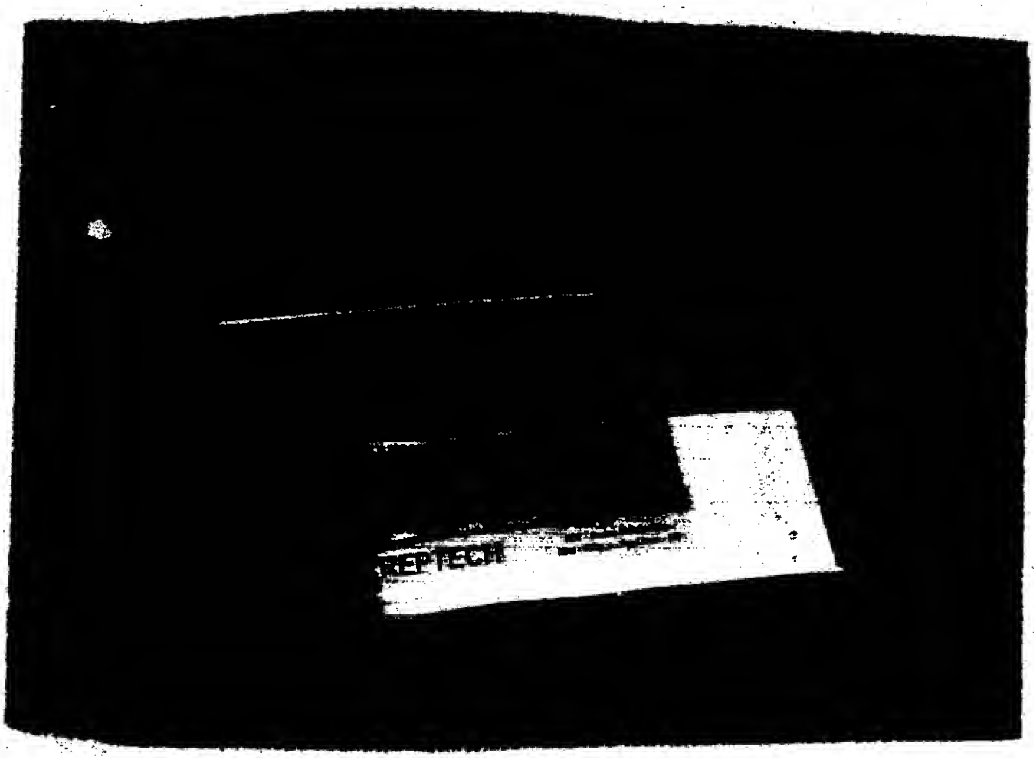

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the power conferred by Sub-section (12) of the Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10000 for 'e' value of 100 mg to 2g and with the number of verification scale interval (n) in the range 500 to 10000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(186)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3265.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स रिप्यूटिड माइक्रो सिस्टम, 32/बी, लाल बाग सोसायटी, नवावादाज, अहमदाबाद-380013 द्वारा निर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "आर पी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "रेपटेक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/112 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित (प्लेटफार्म प्रकार का) मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से अधिक 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(186)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3265.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model non-automatic weighing instrument (Plateform type) with digital indication of "RP" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "Reptech" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Reputed Micro Systems, 32/B, Lalbag Society, Navawadaj, Ahmedabad-380 013, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/05/112;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plateform type) of medium accuracy (Accuracy class-III) with a maximum capacity of 1000kg and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230 V, 50 Hz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg and up to 5000kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(186)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3266.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स भाग्यश्री इंडस्ट्रीज, प्लाट सं. 39 और 40, चित्तारेडी कालोनी, तारबंद, X रोड, सिकन्दराबाद (आन्ध्र प्रदेश) द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एस आई एल-एच" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सिलीकान" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2004/411 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

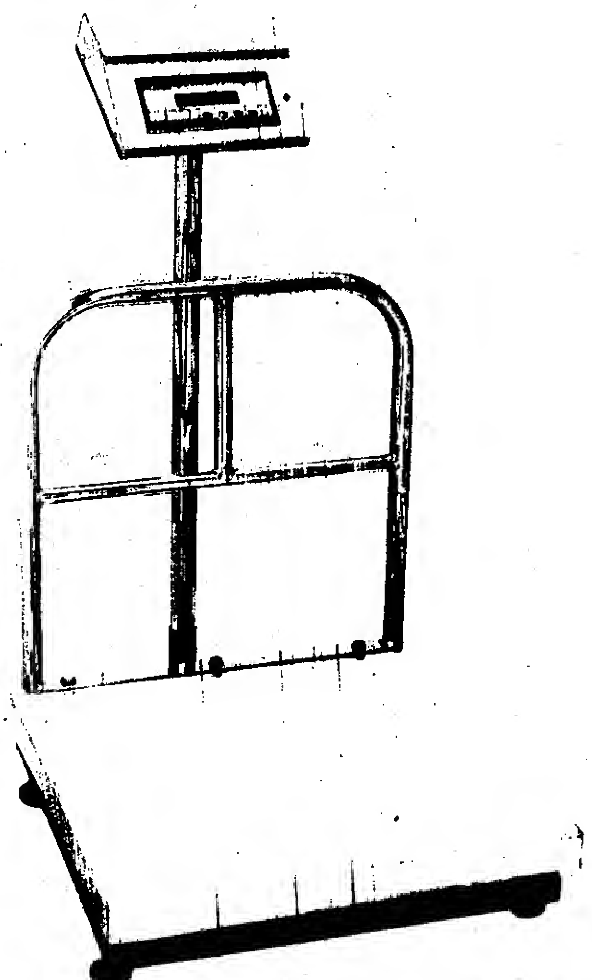

उक्त मॉडल विकृत (स्ट्रेन) गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 300 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 20 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए भी सीलबंद की जाएगी।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में मापमान (एन) अंतराल सहित 50 कि. ग्रा. से अधिक और 1000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के है, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(69)/2004]

विज्ञान

पी

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3266.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Plateform type) with digital indication of "SIL-H" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "SILICON" (herein after referred to as the said model), manufactured by M/s. Bhagyashree Industries, Plot Nos. 39 and 40, Chittaready Colony, Tarbaund, 'X' Road, Secunderabad-(Andhra Pradesh) and which is assigned the approval mark IND/09/2004/411;

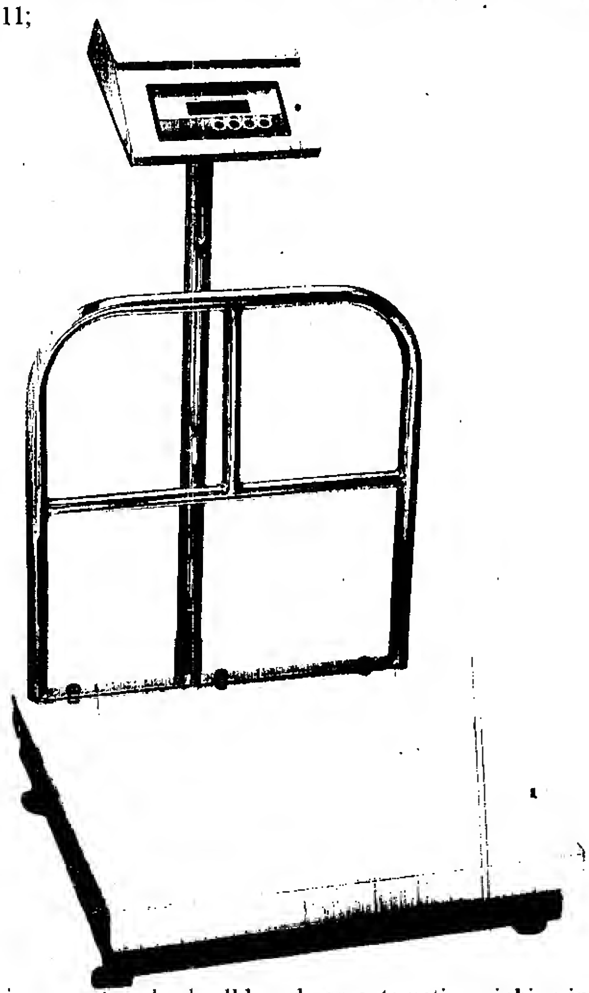

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plateform type) with a maximum capacity of 300kg and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 20g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg and up to 1000kg with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(69)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3267.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स एवरी बरकेल लि. फाउंडरी लेन, स्मिथविक पश्चिम, मिडलैंड्स, बी 66 2एल पी, यूनाइटेड किंगडम द्वारा विनिर्मित और मैसर्स एवरी इंडिया लिमिटेड, प्लॉट सं. 50-54, सेक्टर-25, बल्लभगढ़-121004 हरियाणा द्वारा भारत में बिना किसी परिवर्तन या परिवर्धन के विक्रीत "एच एल-122" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एवरी बरकेल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/13/04/467 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

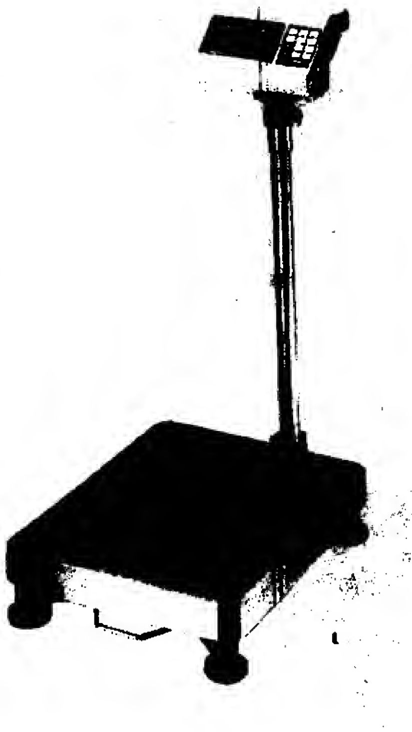

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित वर्ग III उपकरणों के $e \geq 100$ मि. ग्रा. के लिए ≤ 3500 तथा वर्ग III उपकरणों के लिए $n \leq 1000$ सत्यापन मापमान अन्तराल के संबंध में अधिकतम क्षमता सहित एकल या बहु अंतराल का अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव क्रिस्टल प्रदर्श (एल सी डी) तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट के सीलबंद के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए भी सीलबंद किया जाएगा।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(216)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3267.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, along with the Model approval certificate issued by the Netherlands Meetinsituut (MNI), Netherlands, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of the non-automatic weighing instrument with digital indication of series "HL 122" with brand name 'Avery Berkel'and manufactured by M/s. Avery Berkel Ltd.,Fundary Lane, Smethwick, West Midlands.B66 2LP, United Kingdom and sold in India without any alteration or additions by M/s. Avery India Ltd., Plot Nos.50—54, Sector 25, Ballabhgarh-121004, Haryana and which is assigned the approval mark IND/13/04/467;

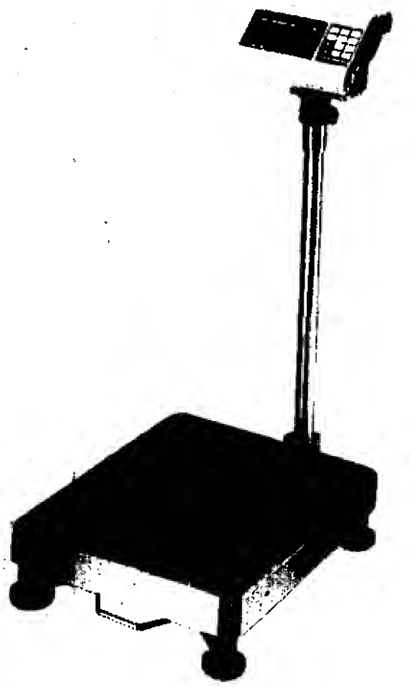

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument of single or multi interval with a maximum capacity in respect of vertification scale interval n $\leq$ 3500 for e $\geq$ 100mg for class III instruments and n $\leq$ 1000 for class IIII instruments. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The liquid crystal display (LCD) indicates the weighing result. The instruments operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

[F. No. WM-21(216)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3268.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स दामजी गोविन्द जी ग्रुप, चिराग आई हास्पिटल रोड, महालक्ष्मी चौक के निकट, सावरकुण्डला-364515, गुजरात द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "डी जी जी-टी टी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "दाम जी गोविन्द जी ग्रुप" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/05/447 समनुदेशित किया गया है,अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

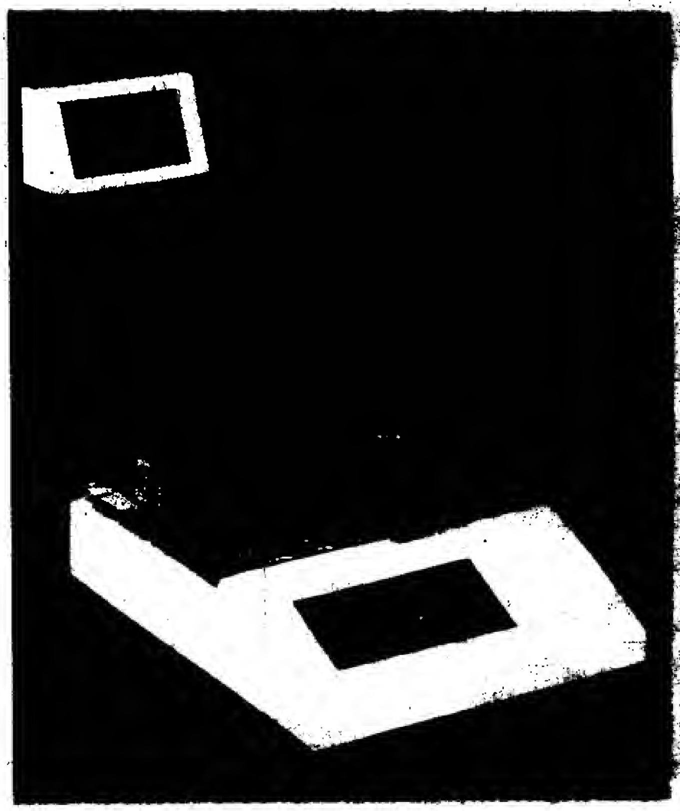

उक्त मॉडल विकृति गेज प्रकार का लोड सेल आधारित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 22 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,00 तक की रेंज में मापमान (एन) अंतराल सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम.-21(236)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3268.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of "DGG-TT" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "Damji Govindji Group" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s Damji Govindji Group, 'Chirag' Eye Hospital Road, Near Mahalaxmi Chowk, Savarkundla-364515, Gujarat which is assisgned the approval mark IND/09/05/447;

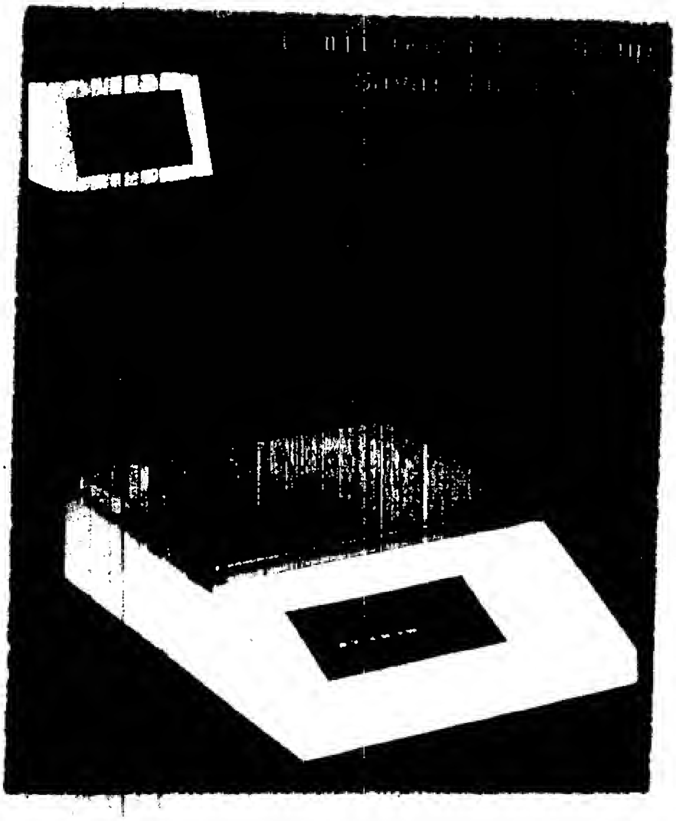

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 22kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principles, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(236)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3269.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स दामजी गोविन्द जी ग्रुप, 'चिराग' आई हास्पिटल रोड, महालक्ष्मी चौक के निकट, सावरकुण्डला-364515, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डी जी जी-टी एफ" श्रृंखला के अंकक सूचन रहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टोप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "दाम जी गोविन्द जी ग्रुप" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/05/448 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

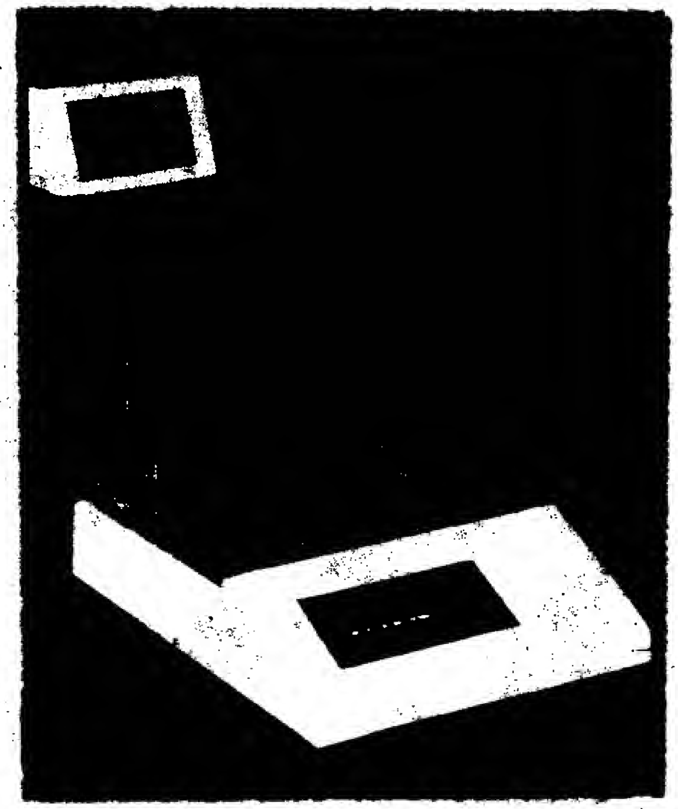

उक्त मॉडल विकृति गेज प्रकार का लोड सेल आधारित तोलन उपकरण (टेबलटोप प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में मापमान (एन) अंतराल सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(236)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3269.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of "DGG-TF" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "Damji Govindji Group" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Damji Govindji Group, 'Chirag' Eye Hospital Road, Near Mahalaxmi Chowk, Savarkundla-364515, Gujarat which is assisgned the approval mark IND/09/05/448;

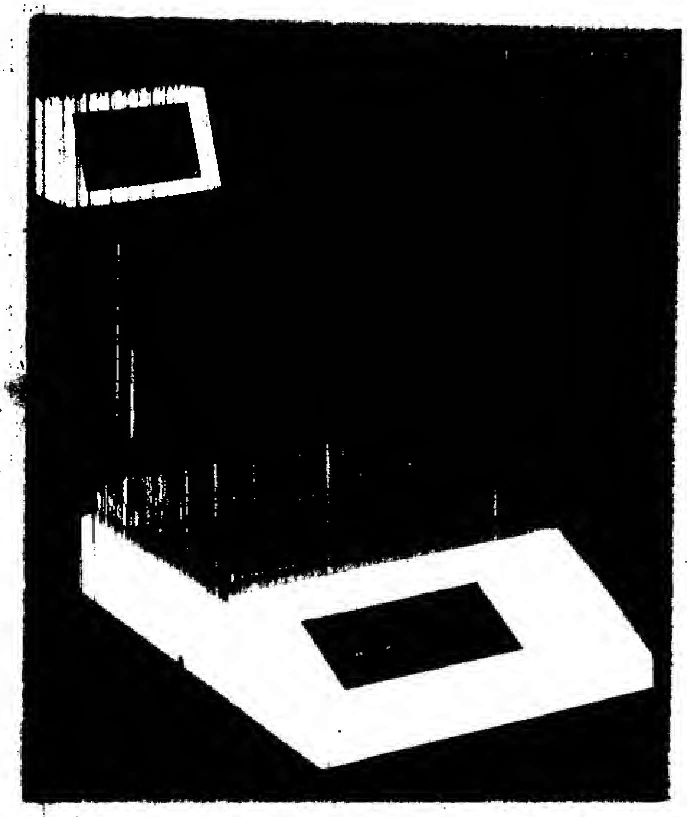

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg and minumum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verfication scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg to 2g and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principles, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(236)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3270.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स दामजी गोविन्द जी ग्रुप, 'चिराग' आई हास्पिटल रोड, महालक्ष्मी चौक के निकट, सावरकुण्डला-364515, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डी जी जी-जी एफ" शृंखला के अंकक सूचन रहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "दाम जी गोविन्द जी ग्रुप" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/05/449 समनुदेशित किया गया है,अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

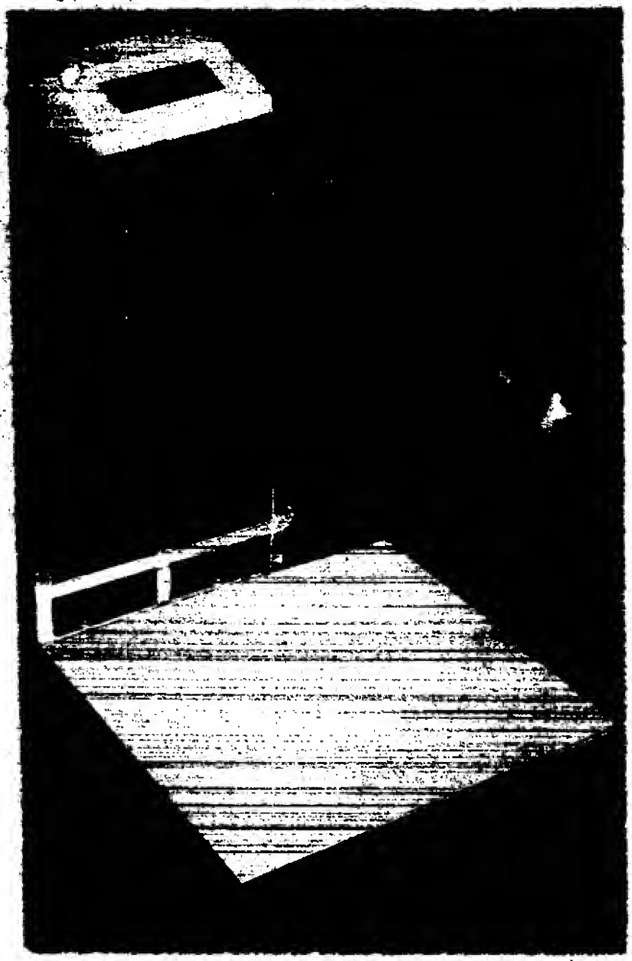

उक्त मॉडल विकृति गेज प्रकार का लोड सेल आधारित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में मापमान (एन) अंतराल सहित 50 कि. ग्रा. से अधिक और 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(236)/2004]

पी

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3270.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the non-automatic weighing instrument (Plateform type) with digital indication of "DGG-PF" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "Damji Govindji Group" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Damji Govindji Group, 'Chirag' Eye Hospital Road, Near Mahalaxmi Chowk, Savarkundla-364515, Gujarat which is assigned the approval mark IND/09/05/449;

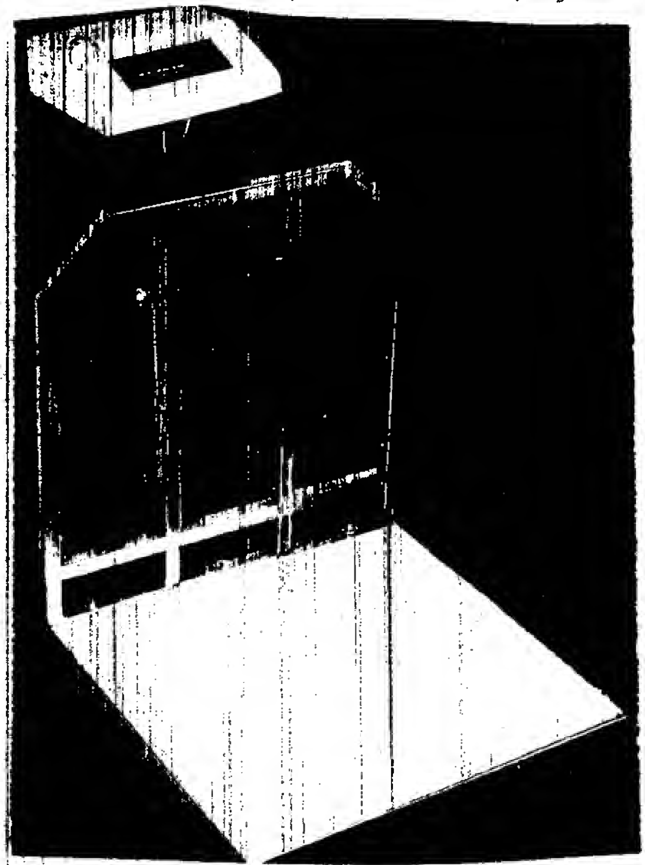

The said Model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plateform type) with a maximum capacity of 1000kg and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volt, 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg and upto 5000kg with verfication scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principles, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(236)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2005

का.आ. 3271.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सौरभ पैकेजिंक सिस्टम, ब्लाक नं. 4, मेन काम्प्लैक्स, पाडवाल अस्पताल के सामने, अकूर्दी, चिरवाली रोड, चिरवाली, तालुक हवेली, पुणे-410501, महाराष्ट्र द्वारा निर्मित स्वचालित, भरण मशीन (कप फिलर) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सौरभ" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/45 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

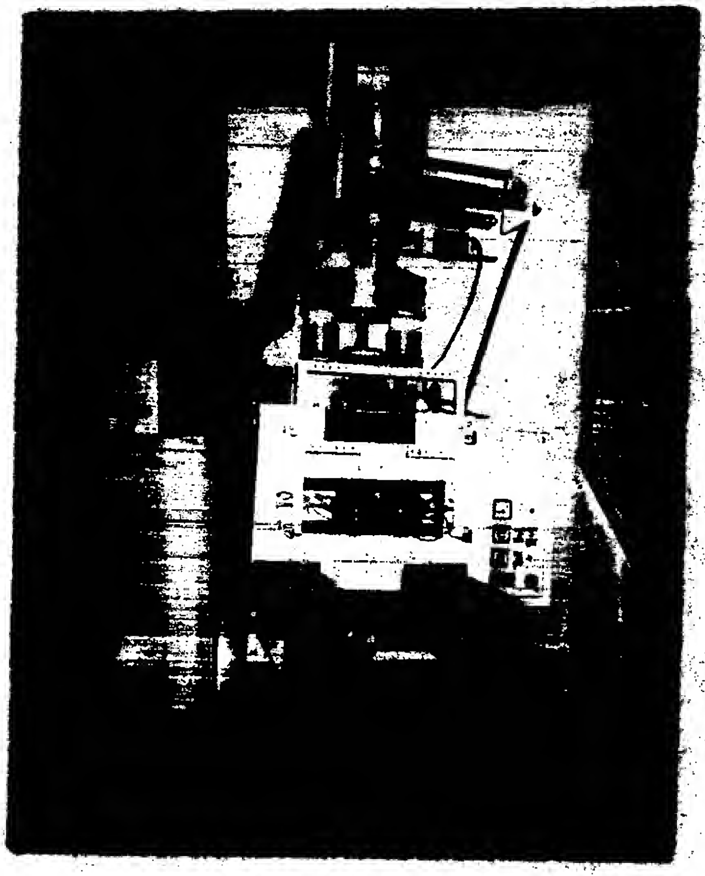

उक्त मॉडल एक आयतनीय यांत्रिक (कप फिलर प्रकार का) स्वचालित भरण मशीन है। इसकी अधिकतम क्षमता 100 ग्रा. है। इसका निर्गत 20 भरण दर प्रति मिनट है। यह नमक, मसाले, दालें, चिप्स, अनाज, चाय, चीनी, चावल, बीज, डिटर्जेंट, औषधीचूर्ण, कृषि उत्पाद इत्यादि जैसे मुक्त बहाव वाले उत्पादों को भरने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन की भरण मशीन भी होंगी जो 10 ग्रा. से 1 कि.ग्रा. तक की रेंज क्षमता वाले हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू एम-21(328)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 1st September, 2005

S.O. 3274.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of model of automatic filling machine (Cup Filler) (herein referred to as the said model) and with brand name "Saurabh" manufactured by M/s. Saurabh Packaging Systems, Block No. 4, Mane Complex, Opposite Padwal Hospital, Akurdi Chikhali Road, Chikhali, Taluk Haveli, Pune-410 501, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/2005/45;

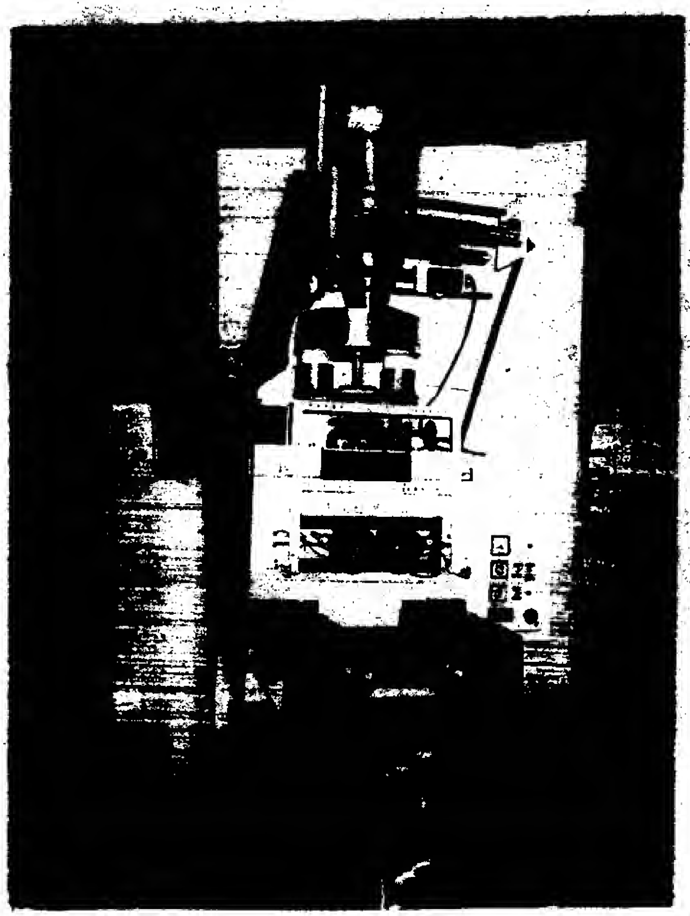

The said model is a volumetric machanical (Cup Filler type) automatic filling machine of maximum capacity 100g. Its output is 20 fills per minute. It operates on 230 V and 50 Hz alternative current power supply. It is used for filling the free flowing products such as salts, spices, pulses, chips, grains, tea, sugar, rice, seeds, detergents, pharmaceuticals, agricultural products etc.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the filling machine of similar make, accuracy and performance of same series with capacity ranging between from 10g. to 1 kg., manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(328)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2005

का.आ. 3272.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब; केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सौरभ पैकेजिक सिस्टम ब्लाक नं. 4, मेन काम्प्लैक्स, पाडवाल अस्पताल के सामने, अकूर्दी, चिरवाली रोड, चिरवाली, तालुक हवेली, पुणे-410501, महाराष्ट्र द्वारा निर्मित स्वचालित, भरण मशीन (पिस्टन फिलर) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सौरभ" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/46 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

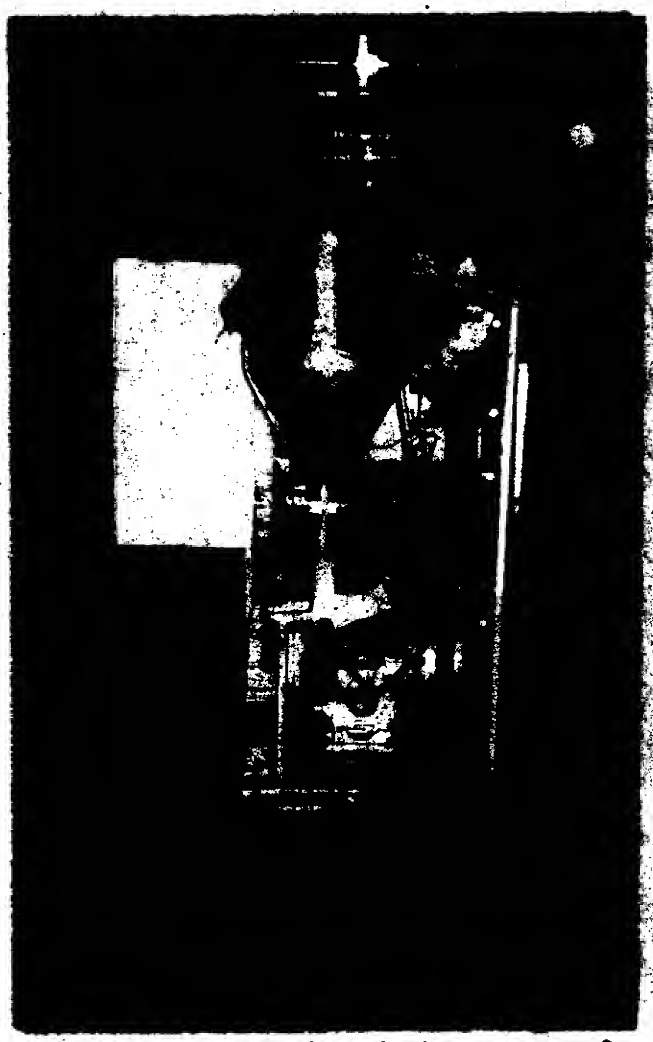

उक्त मॉडल एक स्वचालित भरण मशीन (पिस्टन फिलर) है। इसकी अधिकतम क्षमता 100 मि.ग्रा. है। इसका निर्गत 40 भरण दर प्रति मिनट है। यह पानी, खाद्य तेल, रसायनिक इत्यादि जैसे मुक्त बहाव वाले उत्पादों को भरने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन की भरण मशीन भी होंगी जो 10 मि. ग्रा. से 1000 मि. ग्रा. तक की रेंज क्षमता या समतुल्य द्रव्यमान वाले हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(328)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 1st September, 2005

S.O. 3272.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of model of automatic filling machine (Piston Filler) (herein referred to as the said model) and with brand name "Saurabh" manufactured by M/s. Saurabh Packaging Systems, Block No. 4, Mane Complex, Opposite Padwal Hospital, Akurdi Chikhali Road, Chikhali, Taluk Haveli, Pune-410 501, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/2005/46;

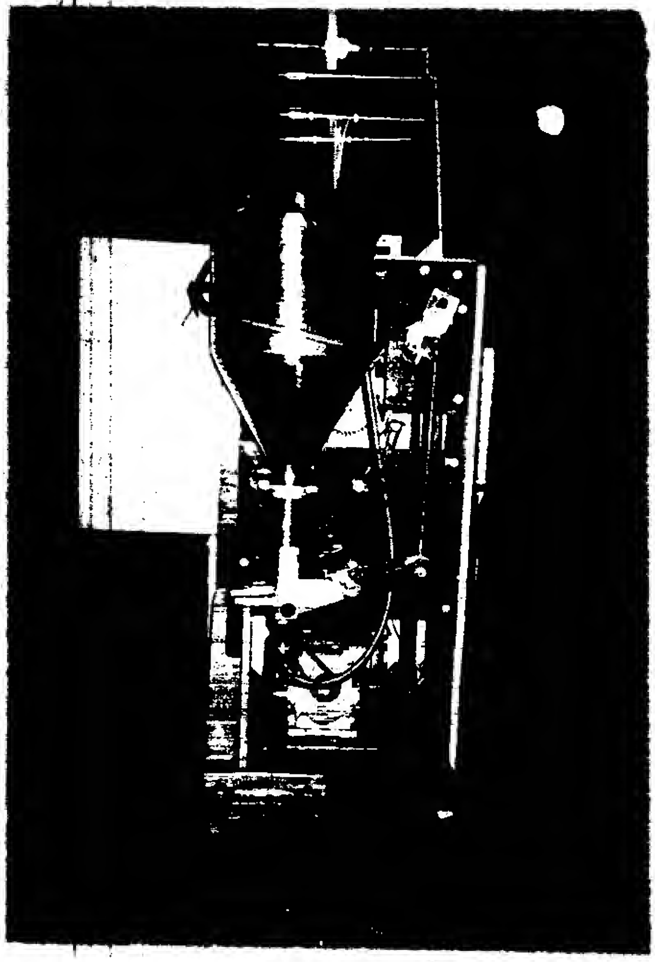

The said model is an automatic filling machine (Piston Filler) of maximum capacity 100 ml. Its output is 40 fill per minute. It operates on 230 V and 50 Hz alternative current power supply. It is used for filling the free flowing products such as water, edible oil, chemical etc.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the filling machine of similar make, accuracy and performance of same series with capacity ranging between from 10 ml to 1000 ml or equivalent mass, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(328)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2005

का.आ. 3273.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सौरभ पैकेजिंग सिस्टम ब्लाक नं. 4, मेन काम्प्लैक्स, पाडवाल अस्पताल के सामने, अकुर्दी, चिरवाली रोड, चिरवाली, तालुक हवेली, पुणे-410 501, महाराष्ट्र द्वारा निर्मित "क्यू ओगर" शृंखला की स्वत: सूचक, स्वचालित, भरण मशीन (ओगर फिलर) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "क्वास्को" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/47 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

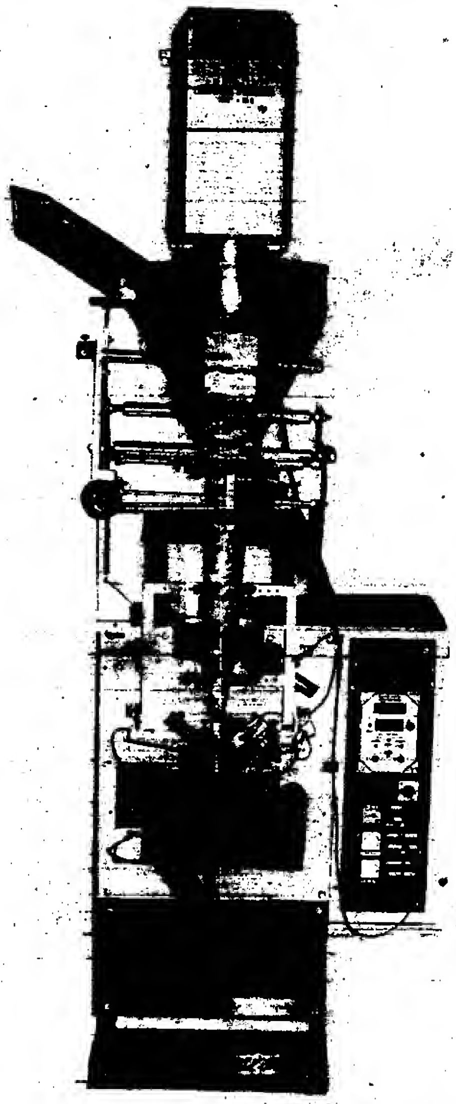

उक्त मॉडल एक स्वचालित भरण मशीन (ओगर फिलर) है। इसकी अधिकतम क्षमता 100 ग्रा. है। इसका निर्गत 30 भरण दर प्रति मिनट है। यह आटा, गेहूं का आटा, बेसन, चीनी पाउडर, नमक पाउडर, मसाले इत्यादि जैसे मुक्त बहाव वाले उत्पादों को भरने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन की भरण मशीन भी होंगी जो 10 ग्रा. से 1 कि. ग्रा. तक की रेंज क्षमता वाले हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(328)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 1st September, 2005

S.O. 3273.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of model of self indicating, Automatic Filling Machine (Auger Filler) or "Q Auger" series with brand name "QASCO" (herein referred to as the said Model) manufactured by M/s. Saurabh Packaging Systems, Block No. 4, Mane Complex, Opposite Padwal Hospital, Akurdi Chikhali Road, Chikhali, Taluk Haveli, Pune-410 501, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/2005/47;

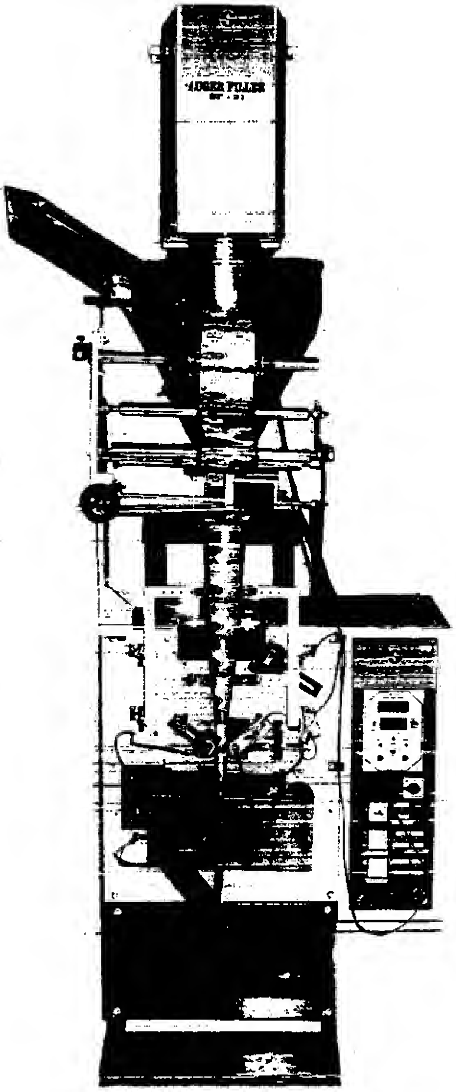

The said model is an automatic filling machine (Auger Filler) of maximum capacity 100g. Its output is 30 fills per minute. It operates on 230 V and 50 Hz alternative current power supply. It is used for filling the free flowing powder products such as aata, wheat flour, gram flour, sugar powder, salts powder, spices etc.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the filling machine of similar make, accuracy and performance of same series with capacity ranging between from 10g. to 1kg., manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(328)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2005

का.आ. 3274.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सौरभ पैकेजिंक सिस्टम ब्लाक नं. 4, मेन काम्प्लैक्स पाडवाल अस्पताल के सामने अकूर्दी, चिरवाली रोड, चिरवाली, तालुक हवेली, पुणे-410501, महाराष्ट्र द्वारा निर्मित स्वचालित, भरण मशीन (के फिलर) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "सौरभ" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/48 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

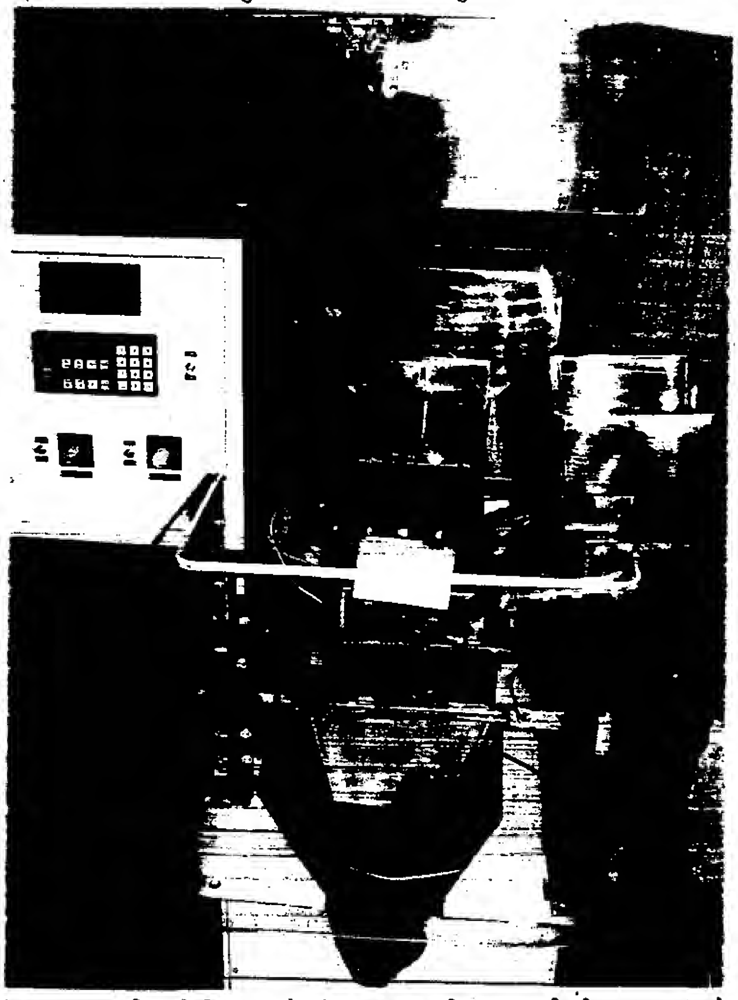

उक्त मॉडल एक स्वचालित भरण मशीन (वे फिलर) जो अंकक सूचन सहित (एल सी डी प्रकार का) लोड सैल और इलैक्ट्रानिक्स के सिद्धान्त पर कार्य करता है। इसकी अधिकतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है। इसका निर्गत 10 भरण दर प्रति मिनट है। यह गेहूं, चना, चीनी, नमक, मसाले कणी इत्यादि जैसे मुक्त बहाव वाले उत्पादों को भरने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह 230 वोल्ट, और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल का निर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन की भरण मशीन भी होंगी जो 10 ग्रा. से 1 कि.ग्रा. तक की रेंज क्षमता वाले हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(328)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 1st September, 2005

S.O. 3274.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of model of automatic filling machine (Weigh Filler) (herein referred to as the said model) and with brand name "Saurabh" manufactured by M/s. Saurabh Packaging Systems, Block No. 4, Mane Complex, Opposite Padwal Hospital, Akurdi Chikhali Road, Chikhali, Taluk Haveli, Pune-410 501, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/2005/48;

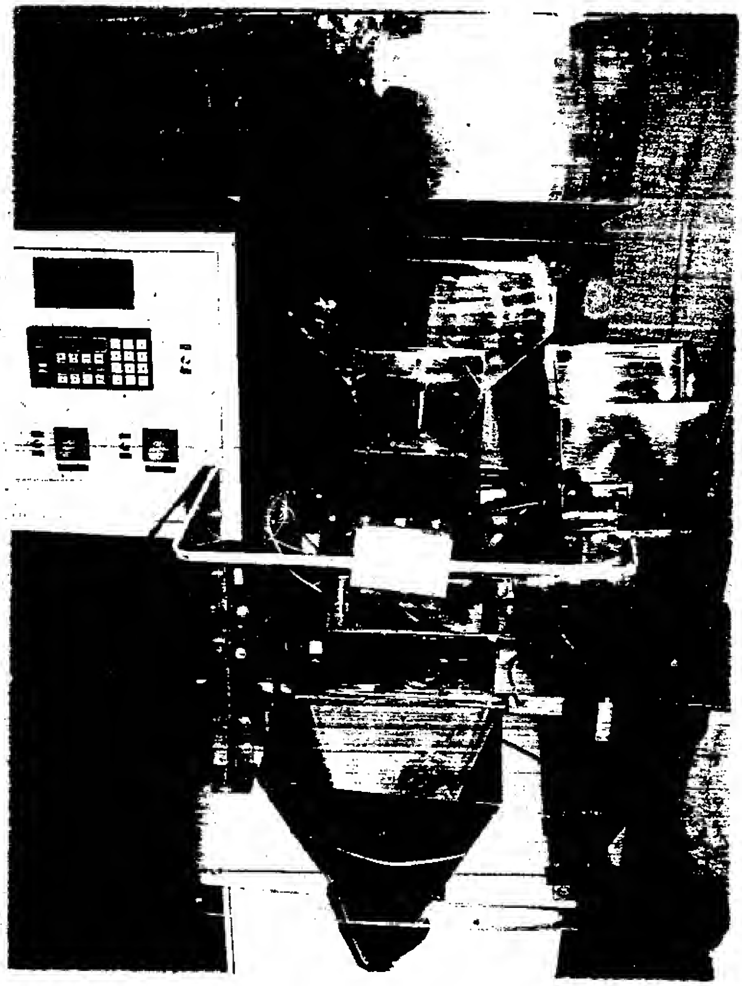

The said model is an automatic filling machine (Weigh Filler) working on the principle of load cell and electronics with digital indication (LCD) type and of maximum capacity 1 kg. Its output is 10 fills per minute. It operates on 230 V and 50 Hz alternative current power supply. It is used for filling the free flowing products such as wheat, gram, sugar, salts, spices, granules etc.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the filling machine of similar make, accuracy and performance of same series with capacity ranging between from 10g to 1 kg., manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(328)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का.आ. 3275.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स नोबल इलैक्ट्रानिक, भट्ट की अम्बाली, आर सी टेक्नीकल हाई स्कूल के सामने, धीकान्ता रोड, अहमदाबाद-380001 द्वारा निर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्शता वर्ग-III) वाले "एन सी पी" श्रृंखला के अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (कंवजटन किट प्लेटफार्म मशीन प्रकार) के माडल का, जिसके ब्रांड का नाम "नोबल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/132 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

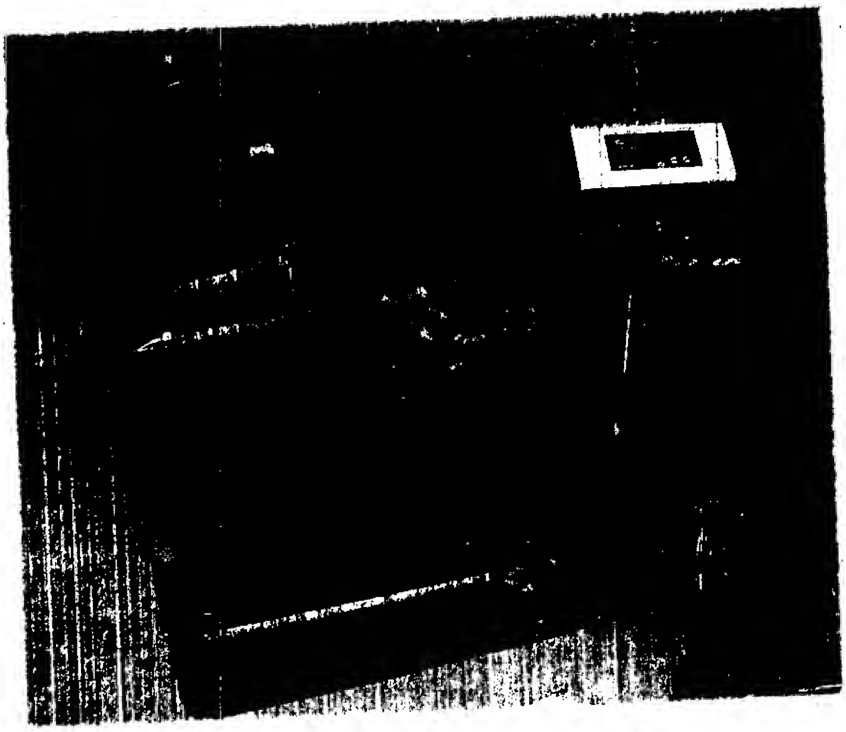

उक्त मॉडल विकृति गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (कंवर्जन किट प्लेटफार्म मशीन प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. है और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल को विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 5000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(166)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3275.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic (Conversion kit Platform machine) weighing instrument with digital indication of "NCP" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "NOBLE" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Noble Electronics, Bhut's Ambali, Opposite R.C. Technical High School, Gheekanta Road, Ahmedabad-380 001 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/132;

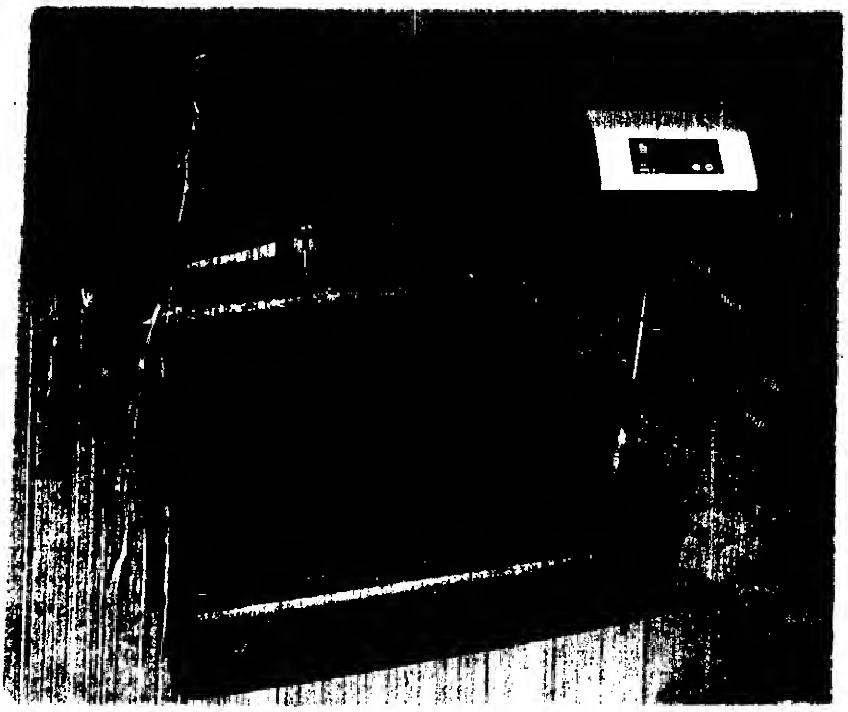

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Conversion kit Platform machine) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. and upto 5000 kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5 g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(166)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का.आ. 3276.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स नोबल इलैक्ट्रॉनिक, भट्ट की अम्बाली, आर सी टेक्नीकल हाई स्कूल के सामने, घीकान्ता रोड, अहमदाबाद-380 001 द्वारा निर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एन एस टी" श्रृंखला के अस्वचालित, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "नोबल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/131 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

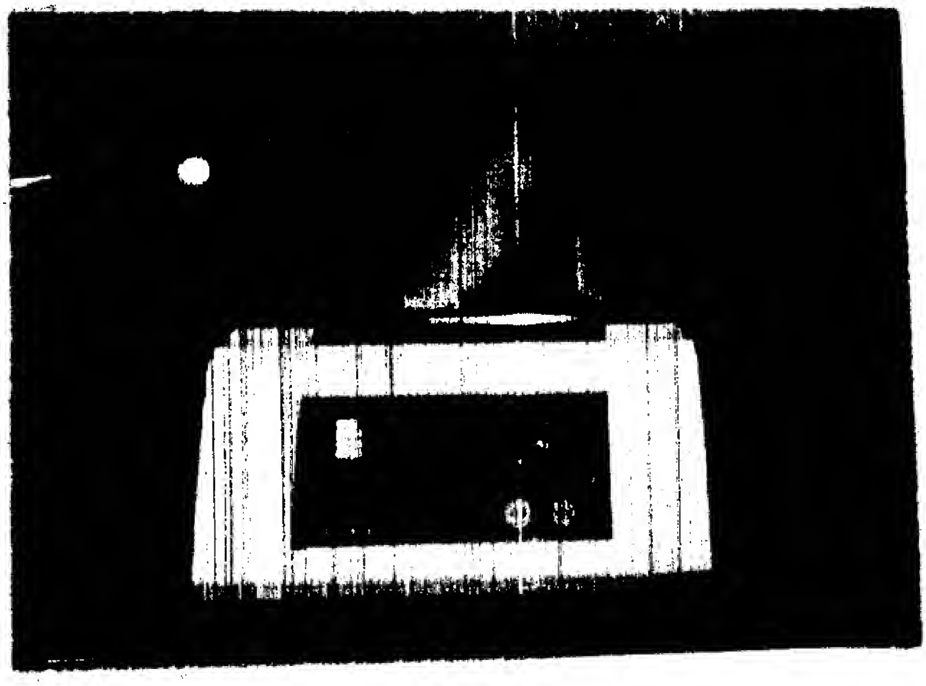

उक्त मॉडल विकृति गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित (टेबलटॉप प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हट्‌र्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 50,000 तक की रेंज में मापमान (एन) अंतराल सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k} के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(166)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3276.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic (Table Top Type) weighing instrument with digital indication of "NST" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "NOBLE" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s Noble Electronics, Bhut's Ambali, Opposite R.C. Technical High School, Gheekanta Road, Ahmedabad-380 001 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/131;

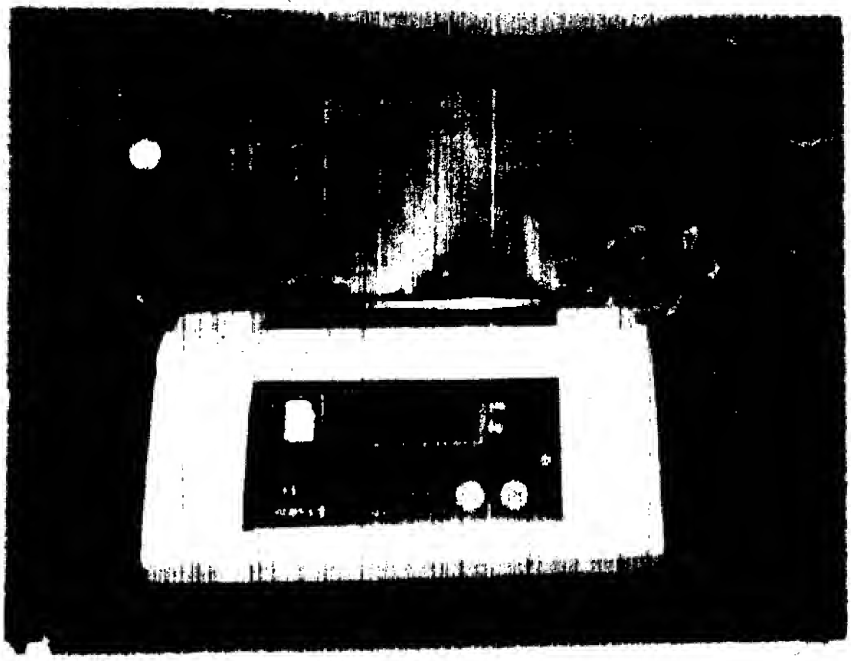

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50 kg. with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50000 for 'e' value of 1mg. to 50mg. and with the number of verification scale interval (n) in the range 5000 to 50000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(166)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का.आ. 3277.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सुपर मीटर मैन्यूफेक्चरिंग कम्पनी, 59बी मनधवा, पुणे-411036 द्वारा निर्मित " I-डी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित टैक्सी मीटर के मॉडल का जिसके ब्रांड का नाम "सुपर मीटर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/115 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

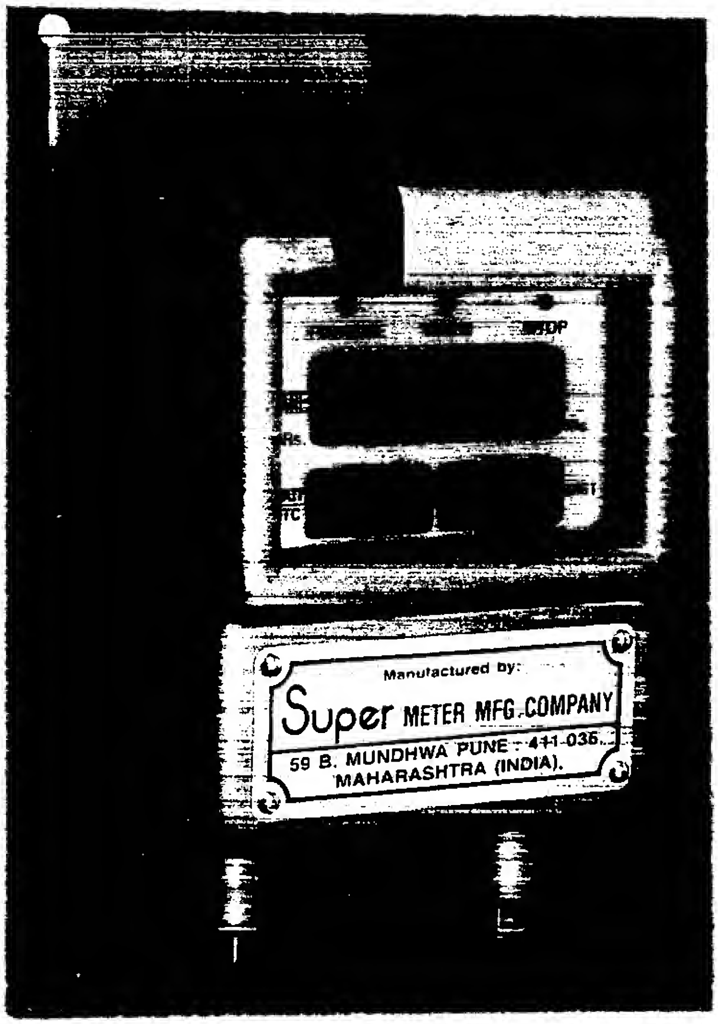

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकन करने के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए भी सीलबंद किया जाएगा।

उक्त मॉडल अंकक सूचन के सहित एक टैक्सी मीटर है, जिसमें दूरी और समय मापने की युक्ति समाविष्ट है। यह निरंतर योग करता है तथा यात्रा के किसी भी क्षण पर यात्री द्वारा संदेय प्रभार प्रदर्शित करता है। "संदेय किराया" कतिपय गति से ऊपर तय की गई दूरी तथा उस गति से नीचे लगे समय सीमा का फलनक है। मीटर का पठन सात खण्ड का प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) द्वारा उपदर्शित किया जाता है। मीटर का "के" घटक 1400 पल्स/किलोमीटर है। मीटर में भाड़ा सूचन के लिए पांच अंकक है, चार अंकक दूरी और समय सूचन के लिए है। यह 9 वोल्ट डी सी से 18 वोल्ट डी सी पर कार्य करता है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(44)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3277.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of "Taxi Meter" with digital indication of "I-D" series with brand name "SUPER METER" manufactured by M/s. Super Meter Manufacturing Company, 59-B, Mundhwa, Pune-411036 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/115;

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

The Model is a "Taxi Meter" with digital indication incorporated with a distance and time measuring device. It totalizes continuously and indicate at any moment of journey, the charges payable by the passenger. The fare to pay is a function of the distance travelled above a certain speed and the time elapsed below a specified speed during the journey. The reading of the meter is indicated by seven segment Light Emitting Diode (LED). The 'K' factor of the meter is 1400 pulses/kilometer. The meter consists of five digit for fare indication, four digit for distance and time indication. It operates on 9V DC to 18V DC.

[F. No. WM-21(44)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का.आ. 3278.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सुपर मीटर मन्यूफेक्चरिंग कम्पनी, 59बी, मनधवा, पुणे-411 036 द्वारा निर्मित "II-डी" शृंखला के अंकक सूचन सहित टैक्सी मीटर के मॉडल का जिसके ब्रांड का नाम "सुपर मीटर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/116 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

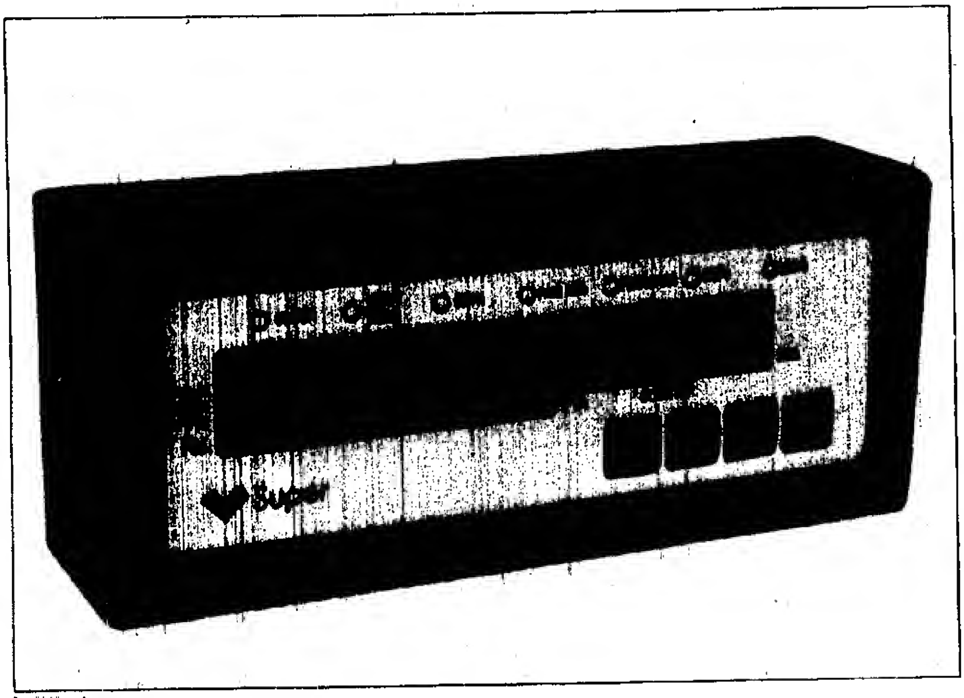

स्टाम्पिग प्लेट को मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए भी सीलबंद किया जाएगा।

उक्त मॉडल अंकक सूचन के सहित एक टैक्सी मीटर है, जिसमें दूरी और समय मापने की युक्ति समाविष्ट है। यह निरंतर योग करता है तथा यात्रा के किसी भी क्षण पर यात्री द्वारा संदेय प्रभार प्रदर्शित करता है। "संदेय किराया" कतिपय गति से ऊपर तय की गई दूरी तथा उस गति से नीचे लगे समय सीमा का फलनक है। मीटर का पठन सात खण्ड का प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) द्वारा उपदर्शित किया जाता है। मीटर का "के" घटक 650 पल्स/किलोमीटर है। मीटर में भाड़ा सूचन के लिए पांच अंकक है, चार अंकक दूरी और समय सूचन के लिए है। यह 9 वोल्ट डी सी से 18 वोल्ट डी सी पर कार्य करता है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(44)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3278.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of "Taxi Meter" with digital indication of "II-D" series with brand name "SUPER METER" manufactured by M/s. Super Meter Manufacturing Company, 59-B, Mundhwa, Pune-411 036 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/116;

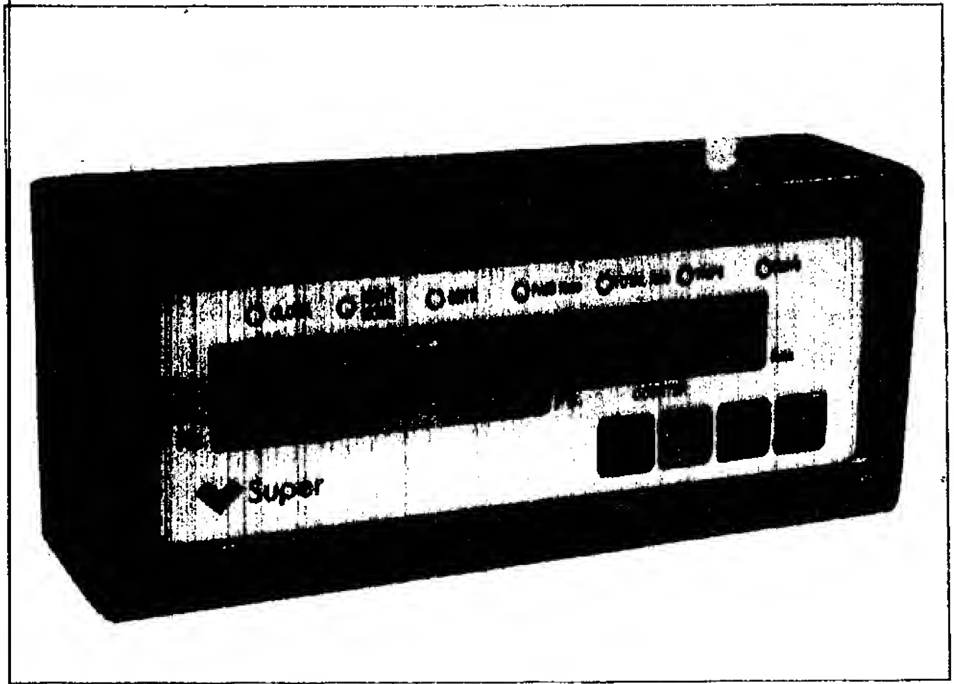

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

The Model is a "Taxi meter" with digital indication incorporated with a distance and time measuring device. It totalizes continuously and indicate at any moment of journey, the charges payable by the passenger. The fare to pay is a function of the distance traveled above a certain speed and the time elapsed below a specified speed during the journey. The reading of the meter is indicated by seven segment Light Emitting Diode (LED). The 'K' factor of the meter is 650 pulses/kilometer. The meter consists of five digit for fare indication, four digit for distance and time indication. It operates on 9V DC to 18V DC.

[F. No. WM-21(44)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3279.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स फीडलाइन पावर प्राडक्टस, 5, नीलकंठ हाउस, एस-529, स्कूल ब्लाक, विकास मार्ग, शकरपुर, नई दिल्ली-110092 द्वारा निर्मित उच्च (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एटीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एसेण्ट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/06 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(87)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3279.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of "ATT" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "ACCENT" (herein after referred to as the said model), manufactured by M/s Feedline Power products, 5, Neelkanth House, S-524, School Block, Vikas Marg, Sakarpur, New Delhi-110092 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/06;

The said model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 30kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternative current power supply;

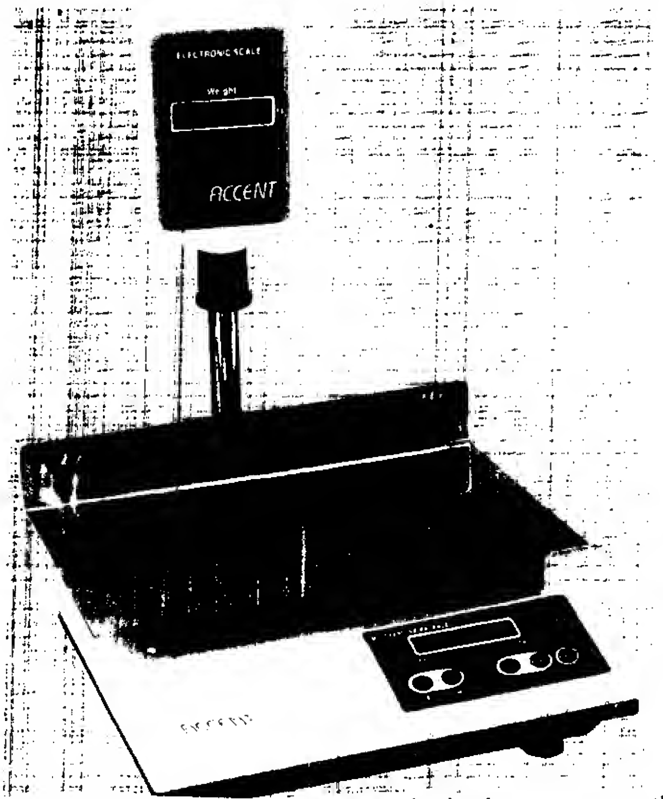

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with number of verifiaction scale interval (n) in the range of 5,000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, K being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(87)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3280.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स फीडलाइन पावर प्राडक्टस, 5, नीलकंठ हाउस, एस-529, स्कूल ब्लाक, विकास मार्ग, शकरपुर, नई दिल्ली-110092 द्वारा निर्मित मध्यम (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एपीएफ" शृंखला के अंकक सूचन सहित, स्वत: सूचक, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेट फार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एसेण्ट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/07 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का भार सैल आधारित अस्वचालित (तोलन उपकरण है) है। इसकी अधिकतम क्षमता 2000 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 किलो ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 200 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

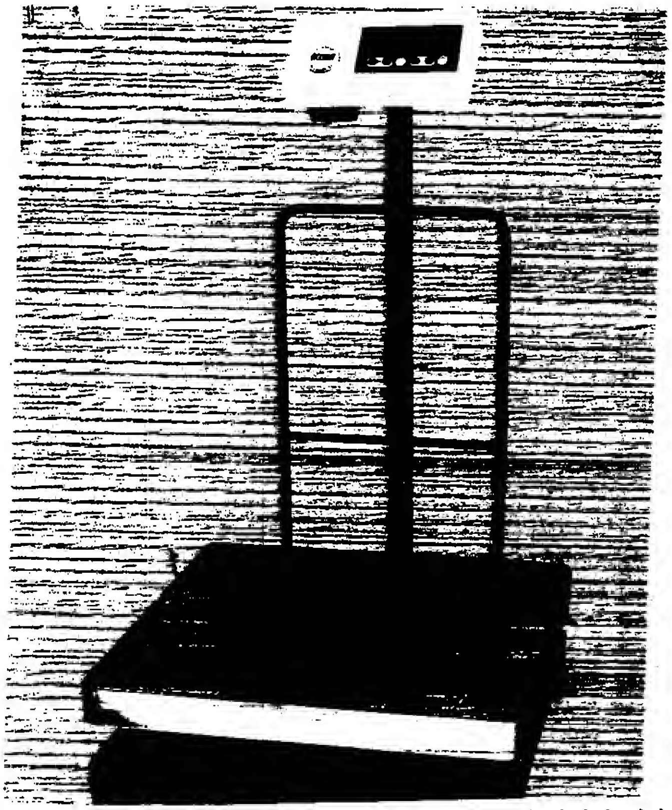

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 5,000 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(87)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3280.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of the self indicating non-automatic (plate form type) weighing instrument with digital indication of "APF" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "ACCENT", (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Feedline Power products, 5, Neelkanth House, S-524, School Block, Vikas Marg, Sakarpur, New Delhi-110092 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/07;

The said model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 2000kg and minimum capacity of 4kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternative current power supply;

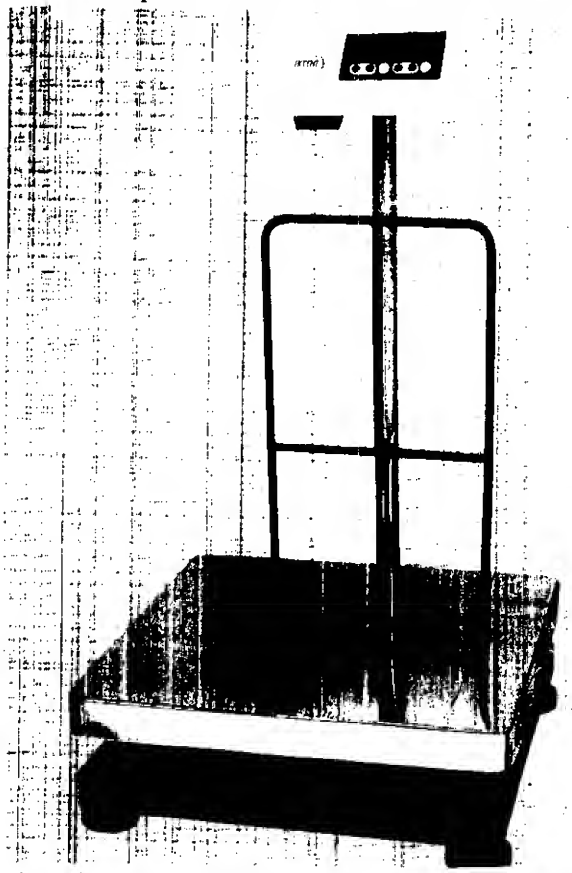

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity above 50kg and up to 5,000kg and with number of verifiaction scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, K being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(87)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3281.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नवया इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, प्लाट सं. 13-172, एस आई एफ को के पीछे, फतेहनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, बाला नगर हैदराबाद-500018 द्वारा निर्मित "एनईएल-100" शृंखला के स्वचालित भरण मशीन (पिस्टन फिलर) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "नवया पैक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/58 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल एक स्वचालित (पिस्टन फिलर) भरण मशीन है। इसकी अधिकतम क्षमता 100 ग्रा. या तुल्यमान मात्रा है। इसकी आउटपुट 25-30 थैलियां प्रति मिनट है। यह 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता हैं। यह खाद्य तेल, रसायनिक आदि जैसे अमुक्त बहाव वाले उत्पादों को भरने के लिए प्रयोग किया जाता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन की भरण मशीन भी होंगी जो 2 ग्राम. से 1000 ग्रा. तक की रेंज क्षमता वाले हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(112)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3281.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of Model of automatic filling machine (Piston Filler) (herein referred to as the said Model) of series 'NEL-100' and brand name "Navya Pack", manufactured by M/s. Navya Engineering Industries, Plot No. 13-172, behind SIFCO, Fatehnagar Industrial Area, Balanagar, Hyderabad-500018 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/58;

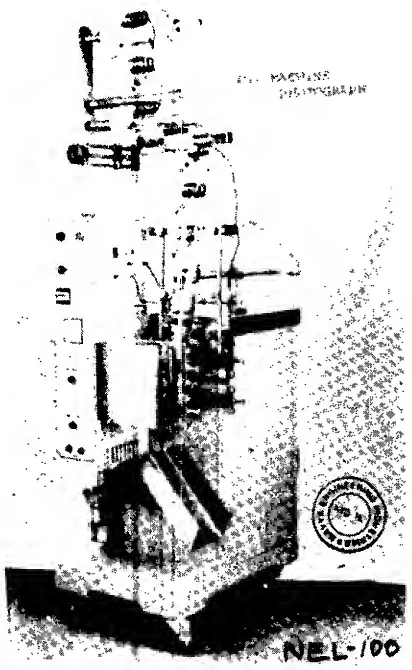

The said Model is an automatic filling machine (Piston Filler) of maximum capacity 1000g or equivalent volume. Its output is 25-35 pouches per minute. It operates on 230 Volts and 50 Hertz alternate current power supply. It is used for filling the non-free flowing products such as edible oil, chemicals, etc.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with capacity in the range 2 g to 1000g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(112)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3282.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एफ एस टी इलैक्ट्रानिक्स, प्रथम तल, प्लाट सं. 64, इंडस्ट्रीयल फोकल पाइन्ट, फेस-9, मोहाली, जिला रोपड़, पंजाब द्वारा निर्मित उच्च (यथार्थता वर्ग-II) वाले "बी टी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एवराइट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/01 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 15 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 50 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

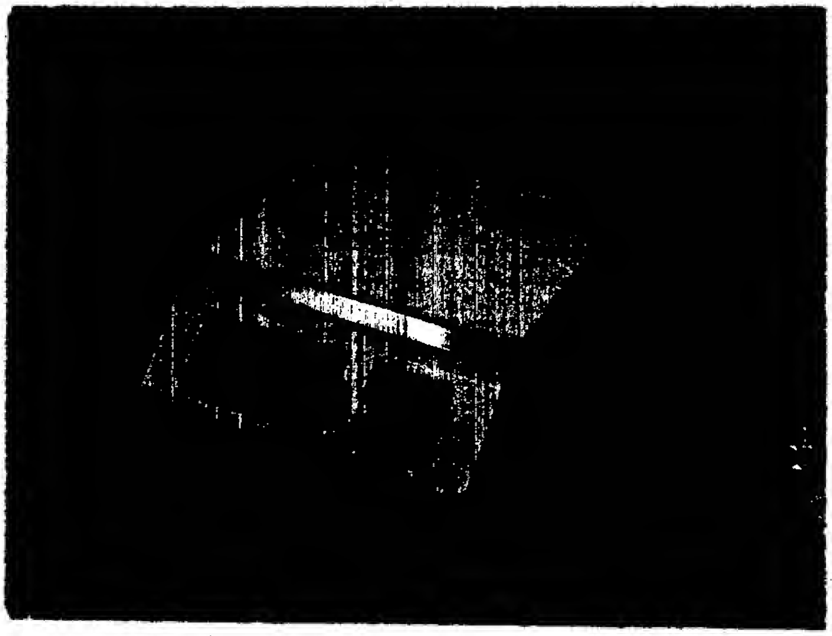

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल का विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 5,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो घनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(117)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3282.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Table Top type) with digital indication of "BT" series of high accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "EVER RIGHT", (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. FST Electronics, 1st Floor, Plot No. 64, Industrial Focal Point, Phase-IX, Mohali District—Ropar, Punjab and which is assigned the approval mark IND/09/2005/01;

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 15kg and minimum capacity of 50g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply;

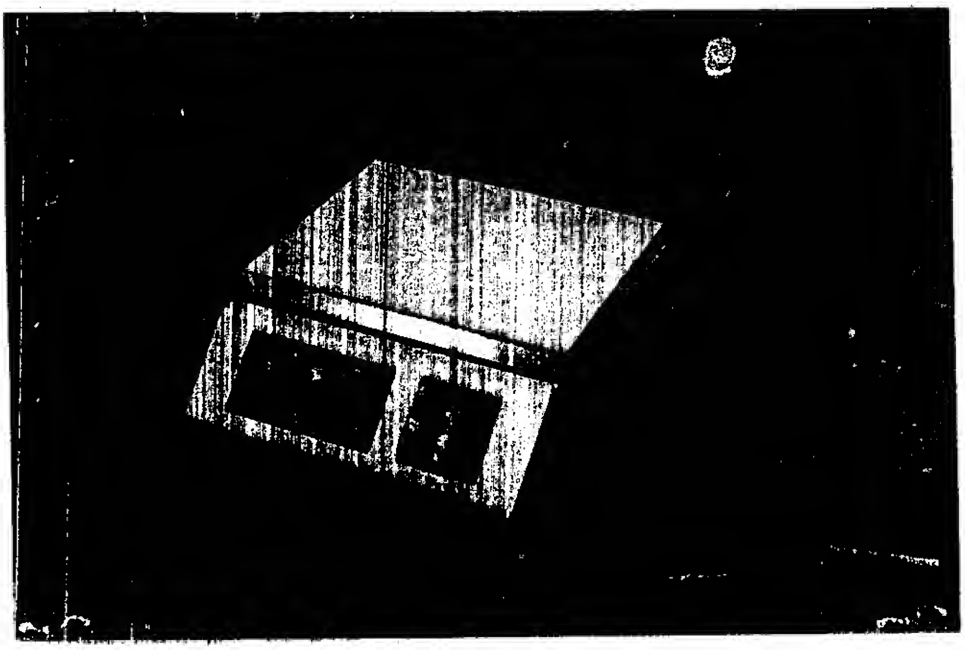

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity upto 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 5,000 for 'e' value of 1mg to 50 mg and with a number of verifiaction scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100 mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, K being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(117)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3283.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एफ एस टी इलैक्ट्रानिक्स, प्रथम तल, प्लाट सं. 64, इंडस्ट्रीयल फोकल पाइन्ट, फेस-9, मोहाली, जिला रोपड़, पंजाब द्वारा निर्मित उच्च (यथार्थता वर्ग-II) वाले "बीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेट फार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "एवरराइट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/02 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृति गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेट फार्म प्रकार) है। इसकी अधिकतम क्षमता 150 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 500 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 10 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

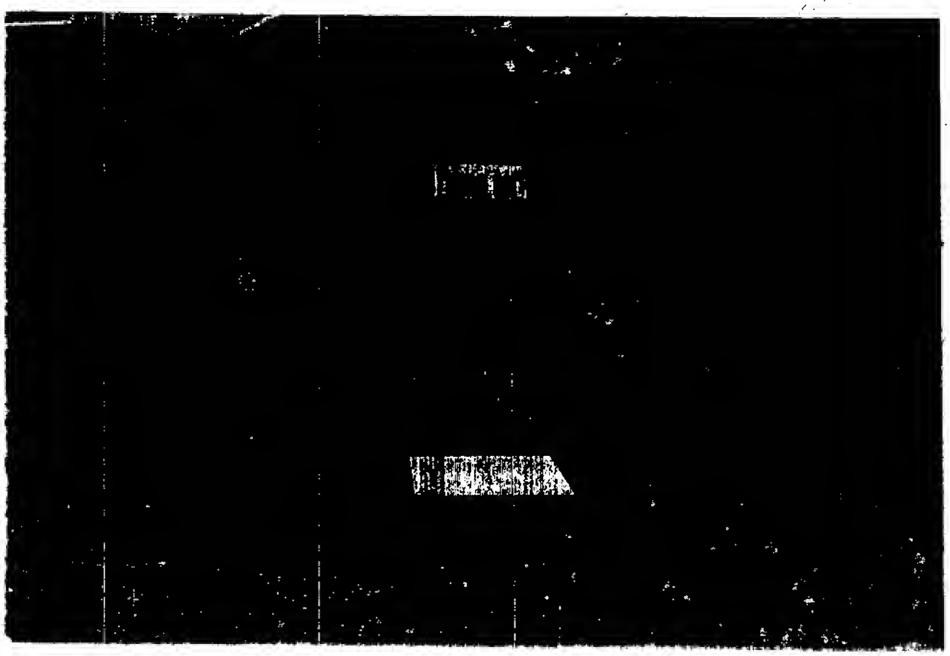

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा.या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 500 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(117)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3283.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Plat form type) with digital indication of "BT" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "EVER RIGHT", (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. FST Electronics. 1st Floor, Plot No. 64, Industrial Focal Point, Phase-IX, Mohali District—Ropar, Punjab and which is assigned the approval mark IND/09/2005/02;

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plat form type) with a maximum capacity of 150kg and minimum capacity of 500g. The verification scale interval (e) is 10g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternatve current power supply;

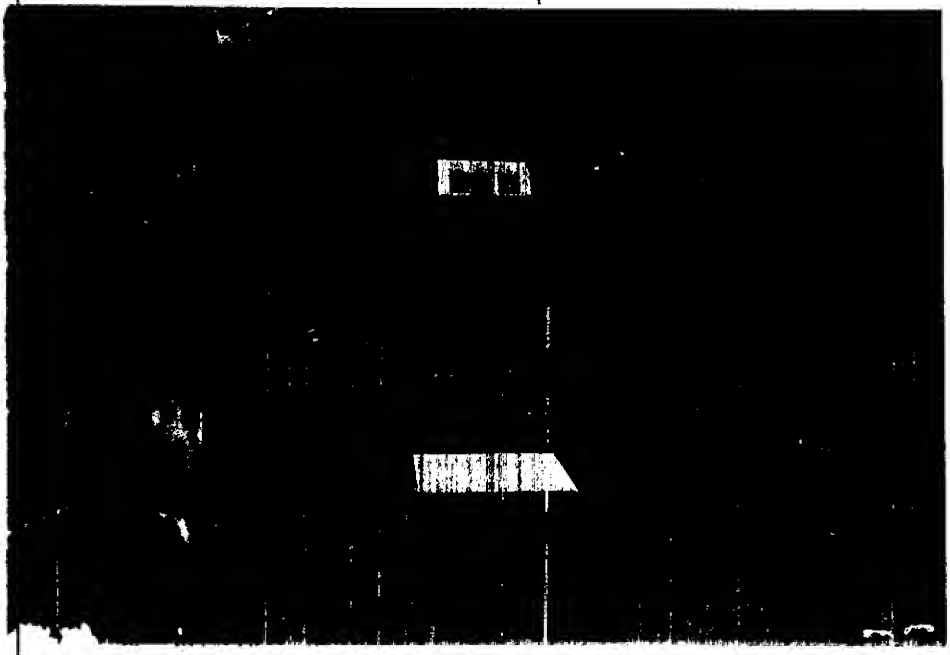

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity ranging above 50kg to 500kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, K being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design accuracy and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(117)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3284.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स जनरल एनर्जी मेनेजमेंट सिस्टम प्रा. लि., 521-522, कमर्शियल टावर, लि. मेरिडिअन होटल, विंडसर प्लेस, नई दिल्ली, अंकक सूचन सहित एक वितरक पम्प (ब्लेन्डर वितरक एकल/दोहरी दर्शन जिसके साथ पूर्व सेट सुविधा-ल्यूब आइल पूर्व मिश्रित सुविधा है) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "न्योवो पिगनन" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/129 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

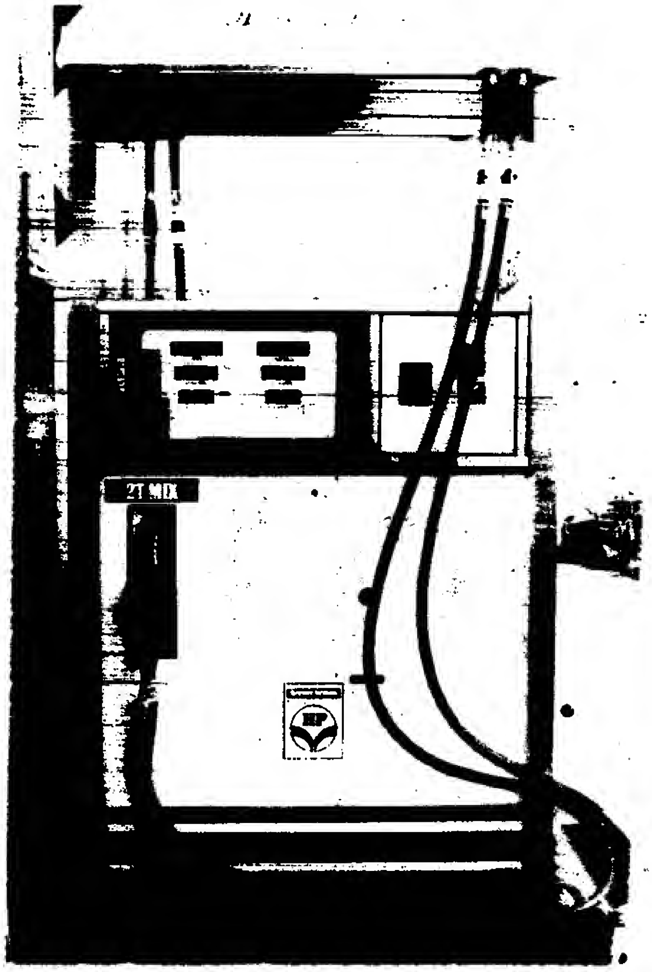

उक्त मॉडल एक द्रव क्रिस्टल प्रदर्शन (एल सी डी) सहित अंकक सूचन का एक वितरक पम्प (ब्लेन्डर वितरक-एकल/दोहरे दर्शन जिसके साथ पूर्व सेट सुविधा- ल्यूब आयल पूर्व मिश्रित सुविधा भी) है। इसकी अधिकतम क्षमता 99.99 लीटर और लघु विभाजन-10 मि. ली. है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है। कीमत उपदर्शन या यूनिट के माध्यम से वितरित मात्रा के उपदर्शन के लिए इसमें युक्ति विद्यमान है। अधिकतम प्रवाहर दर 45 ली. प्रति मिनट है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(140)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3284.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of Dispensing pump (Blender Dispenser-Single/Double versions with pre set facility-Lube oil pre mix facility) of digital indication with brand name "Nuovo Pignone" of 'DPX-A' series (herein referred to as the said Model) manufactured by M/s. General Energy Management Systems Pvt. Ltd., 521 522, Commercial Tower, Le Meridian Hotel, Windsor Place, New Delhi and which is assigned the approval mark IND/09/2005/129;

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

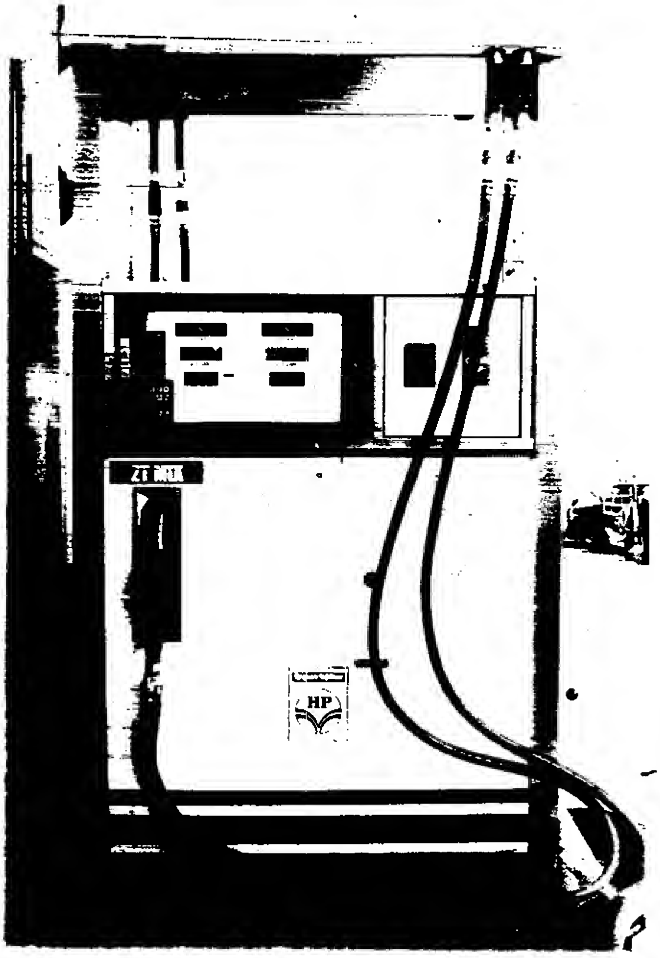

The said Model (see the figure given below) is a dispensing pump (Blender Dispenser-Single/Double versions with pre set facility-Lube oil pre mix facility) of digital indication with liquid Crystal Display (LCD). Its maximum capacity is 99.99 litre and smallest division is 10ml. It operates on 230V, 50 Hertz alternate current power supply. It has a preset device for indication of price or volume dispensed through the unit. The maximum flow rate is 45 liter per minute.

[F. No. WM-21(140)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3285.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स अल्फा डिजीटल सिस्टम, सं. 13, अभिलाषा सोसायटी, न्यू सामा रोड, बड़ोदा-390 002 द्वारा निर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "ए डी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "माइक्रोटेक" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/88 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

Alpha Digital System

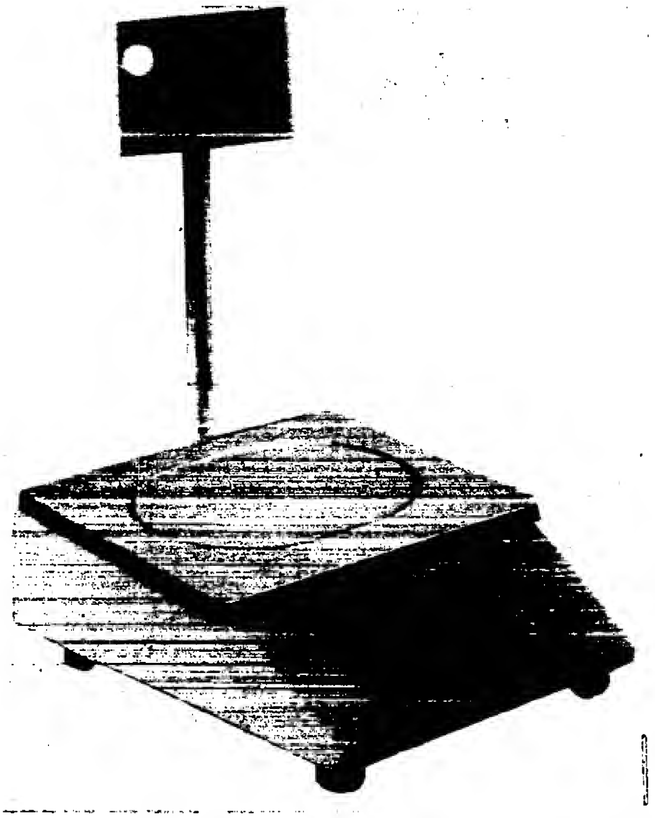

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(202)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3285.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) herein after referred to as the said Act and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic (Table top type) weighing instrument with digital indication of High Accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "MICROTEK", and "AD" series (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Alpha Digital System, No. 13, Abhilasha Society, New Sama Road, Baroda-390 002 and which is assigned the approval mark IND/09/05/88;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) of high accuracy (accuracy class-II) with a maximum capacity of 30kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50Hertz alternative current power supply.

Alpha Digital System

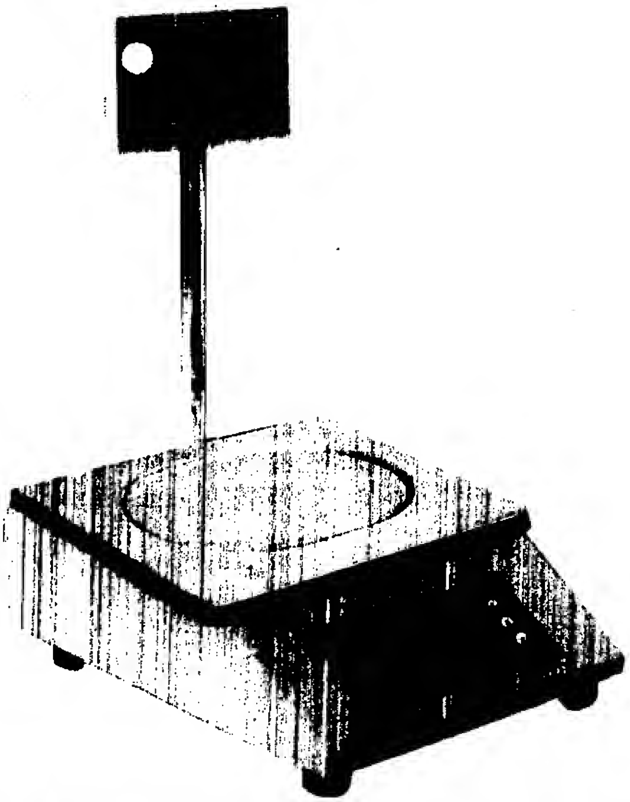

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 5,0000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with the number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(202)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3286.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स पुनीत इंस्ट्रमेंट्स, 13 पंचावटी इण्डस्ट्रियल एस्टेट, नरोदा—मेमाको रोड, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा निर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "पी आई टी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "पिनेकल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/05/100 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित (टेबल टाप प्रकार का) उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

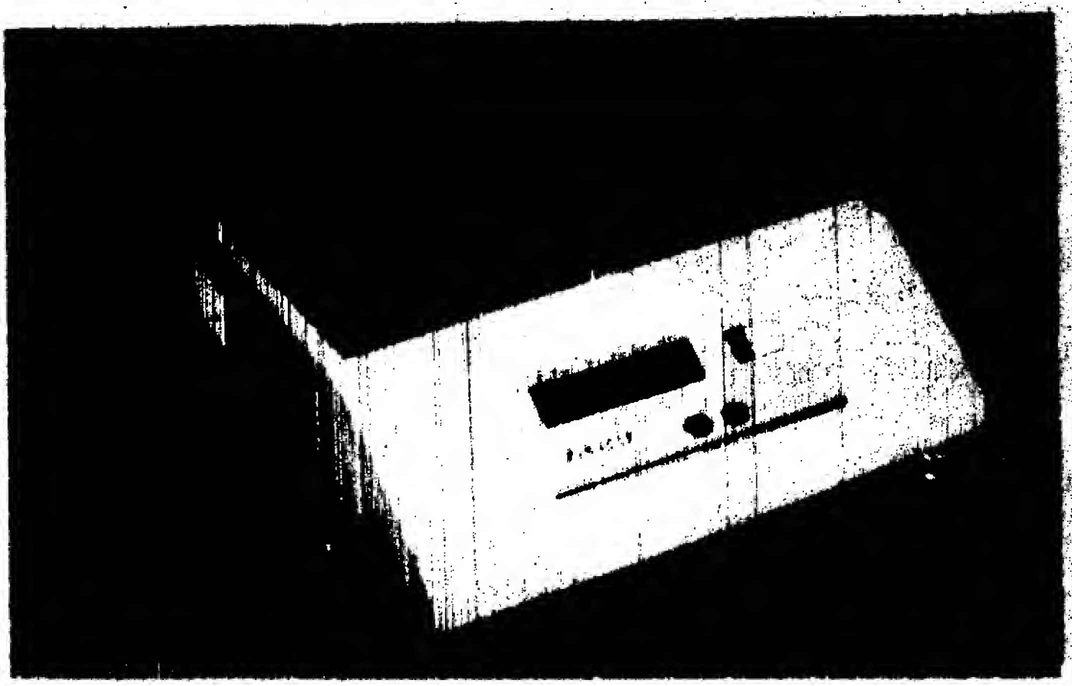

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(206)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3286.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic (Table top type) weighing instrument with digital indication of "PIT" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "PINACLE" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Puneet Instruments, 13, Panchawati Industrial Estate, Naroda-Memco Road, Ahmedabad, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/05/100;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) of high accuracy (Accuracy Class-II) with a maximum capacity of 30kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternative current power supply;

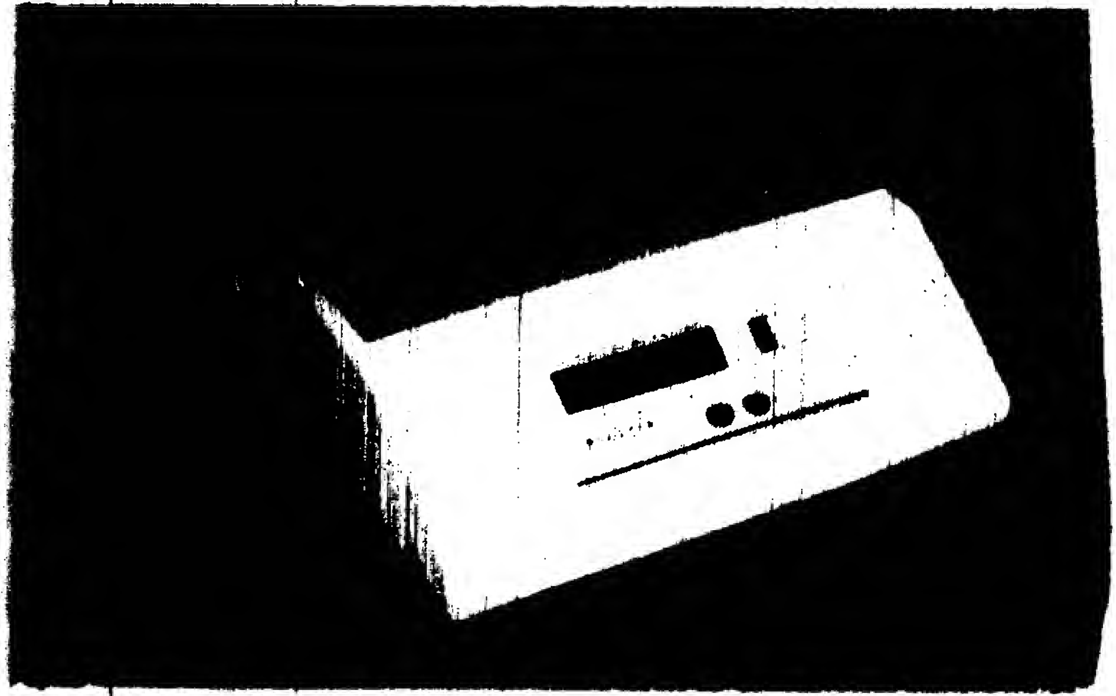

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 5,0000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, K being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(206)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3287.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स पुनीत इंस्ट्रूमेंट्स, 13 पंचावटी इण्डस्ट्रियल एस्टेट, नरोरा-मेमको रोड, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "पी आई पी" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "पिनेकल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/101 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

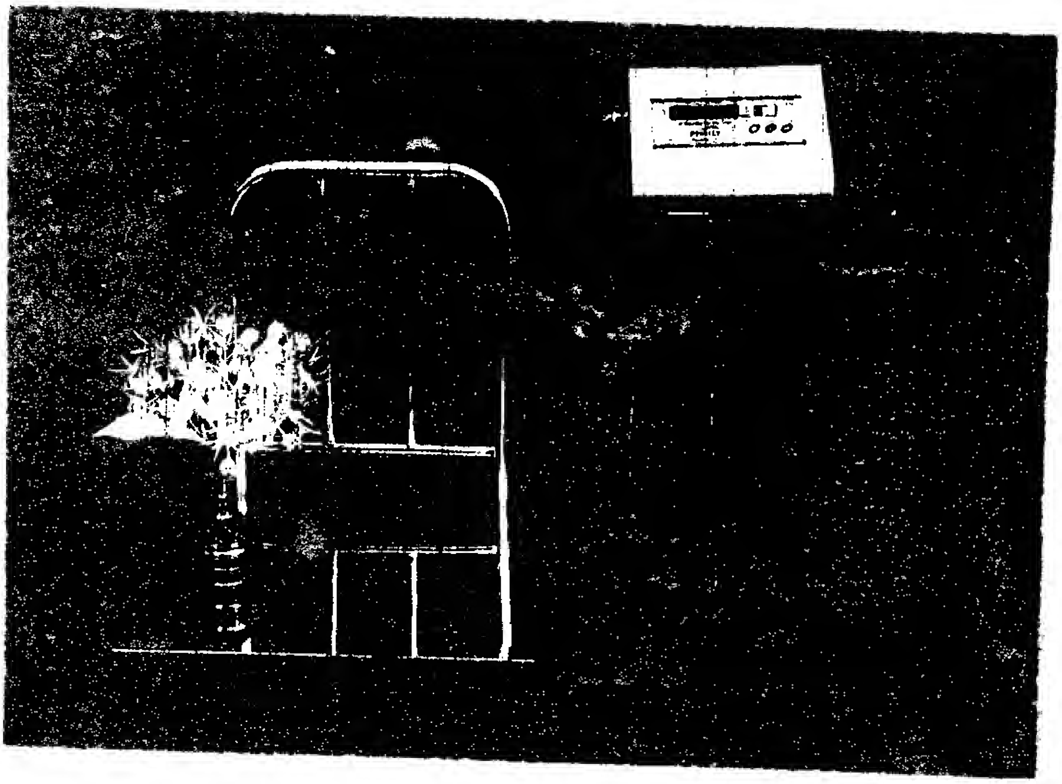

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित (प्लेटफार्म प्रकार का) मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 500 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हट्‌र्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक 1000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(206)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3287.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic (Plateform type) weighing instrument with digital indication of "PIP series" of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "PINACLE" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Puneet Instruments, 13, Panchawati Industrial Estate, Naroda-Memco Road, Ahmedabad, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/2005/101;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) of medium accuracy (Accuracy Class-III) with a maximum capacity of 500kg and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity above 50kg and upto 1000 kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 1,0000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(206)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3288.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेनलोजिक ओटोमेशन (प्रा.) लिमिटेड, सं. 52, 5 डी, सरवासीआ ग्राहास अपार्टमेंट्स, गांधी स्ट्रीट, वेस्ट ममबलम, चेन्नै-600033 तमिलनाडु द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-II) वाले "एस एल ए-जे" शृंखला के स्वत: सूचक अस्वचालित, इलैक्ट्रानिक, अंकक सूचन सहित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सेनलोजिक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2004/511 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) दबाव (स्ट्रेन) मापी प्रकार भार सेल आधारित अस्वचालित (टेबल टाप प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 600 ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 400 मि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 20 मि.ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

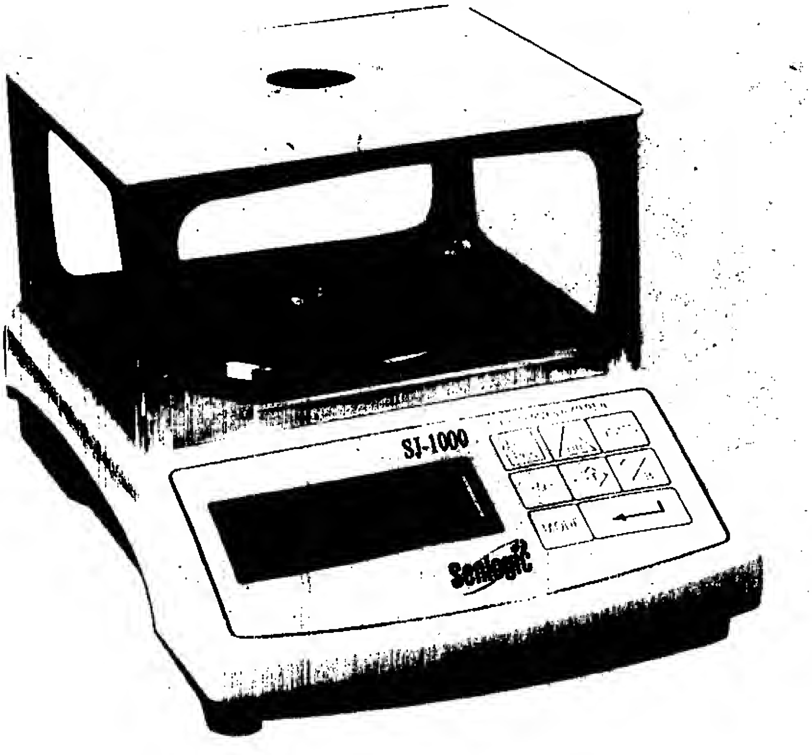

स्टाम्पिंग प्लेट के सीलबंद के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का निर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 5000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(252)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3288.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of self-indicating, non-automatic, (Table Top type) weighing instrument with digital indication of "SLA-J" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "SENLOGIC" (herein referred to as the Model), manufactured by M/s. Senlogic Automation (P) Limited, No. 52, 5/D, Sarvasrea Grahas Apartments, Gandhi Street, West Mambalam, Chennai-600033, Tamil Nadu and which is assigned the approval mark IND/09/2004/511;

The said model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 600g and minimum capacity of 400mg. The verification scale interval (e) is 20mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternate current power supply.

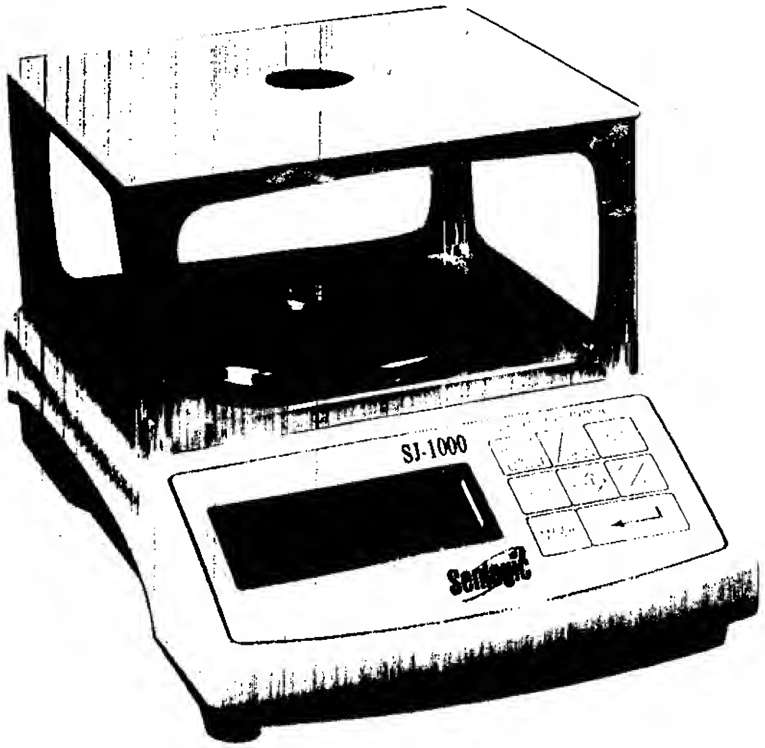

In addition to sealing the stamping plate, sealing is done to prevent the opening the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 5000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(252)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3289.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सेनलोजिक ओटोमेशन (प्रा.) लिमिटेड, सं. 52, 5 डी, सरवासीआ ग्राहास अपार्टमेंटस, गांधी स्ट्रीट, वेस्ट ममबलम, चेन्नै-600033, तमिल नाडु द्वारा विनिर्मित मध्यम यर्थथता वर्ग (यथार्थता वर्ग-III) वाले "एस एल ए-पी सी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, स्वत: सूचक अस्वाचालित, इलैक्ट्रानिक तोलन उपकरण (यांत्रिक प्लेटफार्म के लिए कन्वर्जनकिट) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सेनलोजिक" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2004/512 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विकृति मापी प्रकार भार सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 300 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

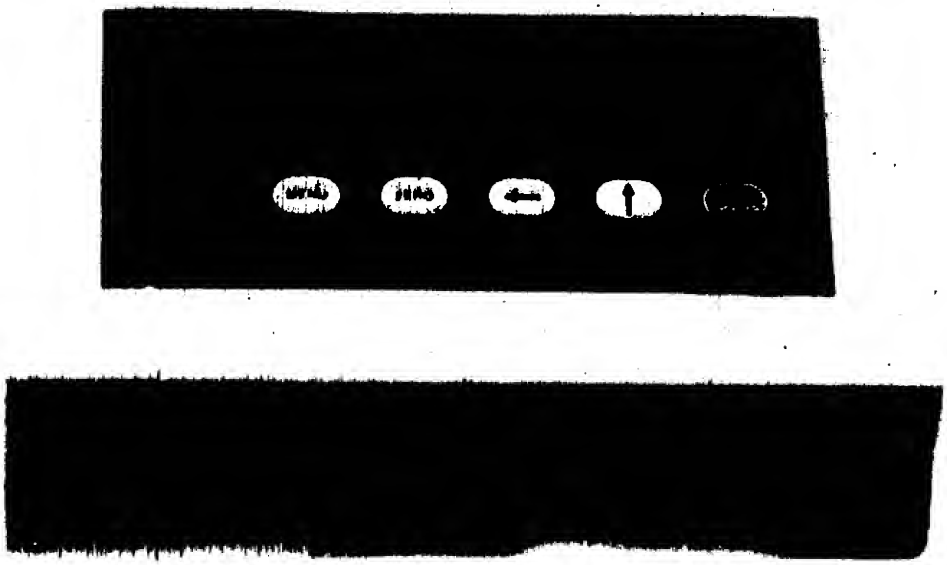

स्टाम्पिंग प्लेट के सीलबंद के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का निर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 1,00,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5,000 से 1,00,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से 1000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(252)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3289.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Conversion kit for mechanical Platform) with "SLA-PC" series belonging to medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "SENLOGIC" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Senlogic Automation (P) Limited, No. 52, 5/D, Sarvasrea Grahas Apartments, Gandhi Street, West Mambalam, Chennai-600033, Tamil Nadu and which is assigned the approval mark IND/09/2004/512;

The said model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 300 kg and minimum capacity of 2 kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternate current power supply.

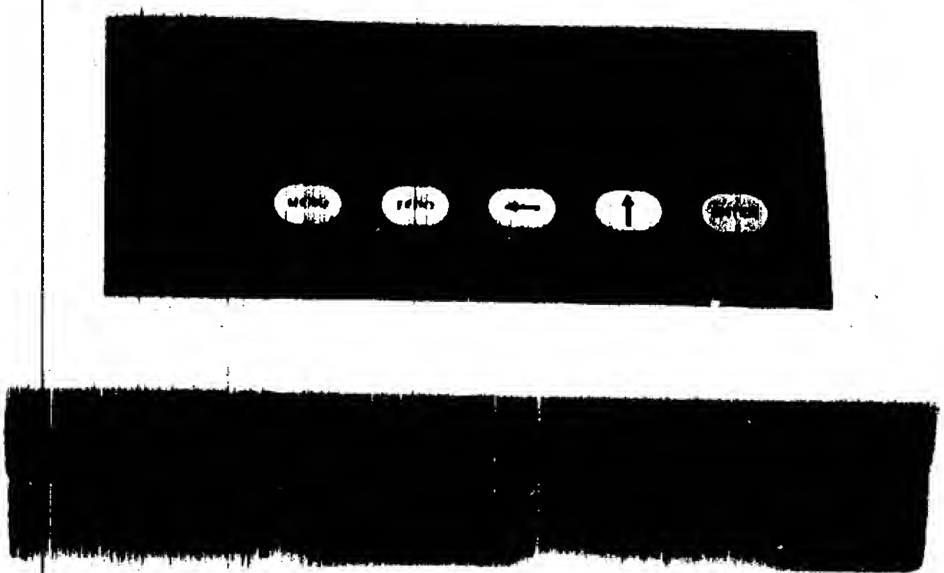

In addition to sealing the stamping plate, sealing is done to prevent the opening the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with maximum capacity above 50kg and upto 1000 kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 1,00,000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 100,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, K being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(252)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3290.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स वीनस वेईंग सिस्टम्स, डी नं. 76-8-5/3सी, पीआरके एंड पीपीआर बिल्डिंग, स्वाति थियेटर रोड, भवानीपुरम, विजयवाड़ा-520012, आंध्र प्रदेश द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-II) वाले "वी डब्ल्यू एस-जे" शृंखला के अंकक सूचन सहित, स्वत: सूचक, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "वीनस" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2004/368 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल विकृति गेज प्रकार का लोड सेल आधारित अस्वचालित (टेबल टाप प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 15 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 50 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 100 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मान सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(282)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3290.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the self indicating, non-automatic (Table top type) weighing instrument with digital indication of "VWS-J" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "VENUS" (herein after referred to as the said model), manufactured by M/s. Venus Weighing Systems, D. No. 76-8-5/3c, PRK & PPR Building, Swathi Theater Road, Bhawani puram, Vijayawada-520012, Andhra Pradesh and which is assigned the approval mark IND/09/2003/368;

The said model (see the figure given below) is strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) with a maximum capacity of 15kg and minimum capacity of 50g. The verification scale interval (e) is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230 Volts and 50Hertz alternative current power supply;

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to stop the opening of the machine for fraudulent practices.

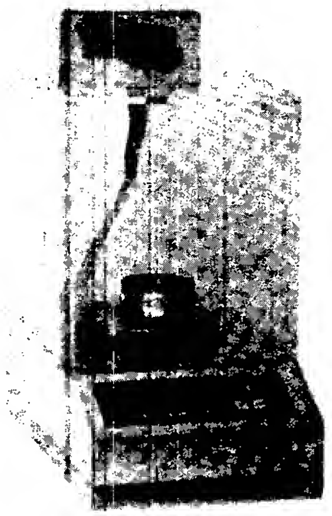

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(282)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3291.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ग्रम्मी इंस्ट्रूमेंट, यूनिट सं. 104, विक्रांत इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, गोवंडी-दिओनार रोड, मुंबई-400088 द्वारा निर्मित उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-II) वाले ''ग्रम्मी डिजीटल'' श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम ''ग्रम्मी डिजीटल'' है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/66 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) है जो अंकक सूचन सहित लोड सेल के सिद्धांत पर कार्य करता है। इसकी अधिकतम क्षमता 15 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 50 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि.ग्रा. से 50 मि.ग्रा. तक ''ई'' मान के लिए 100 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के ''ई'' मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ''ई'' मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(325)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3291.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of "GRAMME-DIGITAL" series belonging to high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "GRAMME-DIGITAL" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Gramme Instruments, Unit No. 104, Vikrant Industrial Estate, Govandi-Deonar Road, Mumbai-400 088 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/66;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) working on the principle of load cell with digital indication of maximum capacity of 15 kg and minimum capacity of 50g. The value of verification scale interval 'e' is 1g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The display unit is of Light Emitting Diode (LED) type. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternative power supply;

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 50,000 for 'e' value of 1mg to 50mg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100 mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(325)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3292.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ग्रम्मी इंस्ट्रूमेंट, यूनिट सं. 104, विक्रांत इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, गोवंडी-दिओनार रोड, मुंबई-400088 द्वारा निर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ग्रम्मी डिजीटल" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टाप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "ग्रम्मी डिजीटल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/67 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित अस्वचालित (टेबल टाप प्रकार का) अंकक सूचन सहित लोड सेल सिद्धांत पर कार्य करने वाला तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 25 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(325)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3292.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of "GRAMME-DIGITAL" series belonging to medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "GRAMME-DIGITAL" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Gramme Instruments, Unit No. 104, Vikrant Industrial Estate, Govandi-Deonar Road, Mumbai-400 088 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/67;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table Top type) working on the principle of load cell with digital indication of maximum capacity of 25 kg and minimum capacity of 100g. The verification scale interval 'e' is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The display unit is of Light Emitting Diode (LED) type. The instrument operates on 230 Volts and 50Hertz alternative power supply;

In addition to sealing the stamping plate sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg to 2 g and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5 g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, K being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(325)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का०आ० 3293.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ग्रम्मी इंस्ट्रूमेंट, यूनिट सं. 104, विक्रांत इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, गोवंडी-दिओनार रोड, मुंबई-400088 द्वारा निर्मित उच्च यर्थथता वर्ग (यथार्थता वर्ग-II) वाले "ग्रम्मी डिजीटल" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वाचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "ग्रम्मी डिजीटल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/68 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 550 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2.5 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 50 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 1000 कि.ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(325)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3293.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of "GRAMME-DIGITAL" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "GRAMME-DIGITAL" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s. Gramme Instruments, Unit No. 104, Vikrant Industrial Estate, Govandi-Deonar Road, Mumbai-400 088 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/68;

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 550 kg and minimum capacity of 2.5kg. The verification scale interval 'e' is 50g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply;

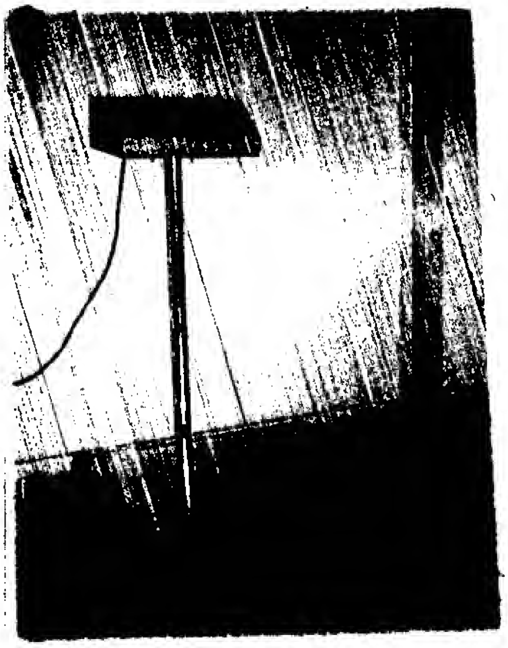

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg and up to 1000 kg and with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,0000 for 'e' value of 100 mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design accuracy and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(325)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2005

का. आ. 3294.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ग्रम्मी इंस्ट्रूमेंट, यूनिट सं० 104, विक्रांत इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, गोवंडी-दिओनार रोड, मुंबई-400088 द्वारा निर्मित मध्यम (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ग्रम्मी डिजीटल" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के माडल का, जिसके ब्रांड का नाम "ग्रम्मी डिजीटल" है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त माडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/2005/69 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का लोड सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार का) मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 5000 कि.ग्रा. की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(325)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 5th September, 2005

S.O. 3294.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of "Gramme-Digital " series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "Gramme-Digital" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Gramme Instrument, Unit No. 104, Vikrant Industrial Estate, Govandi-Deonar Road, Mumbai-400088 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/69;

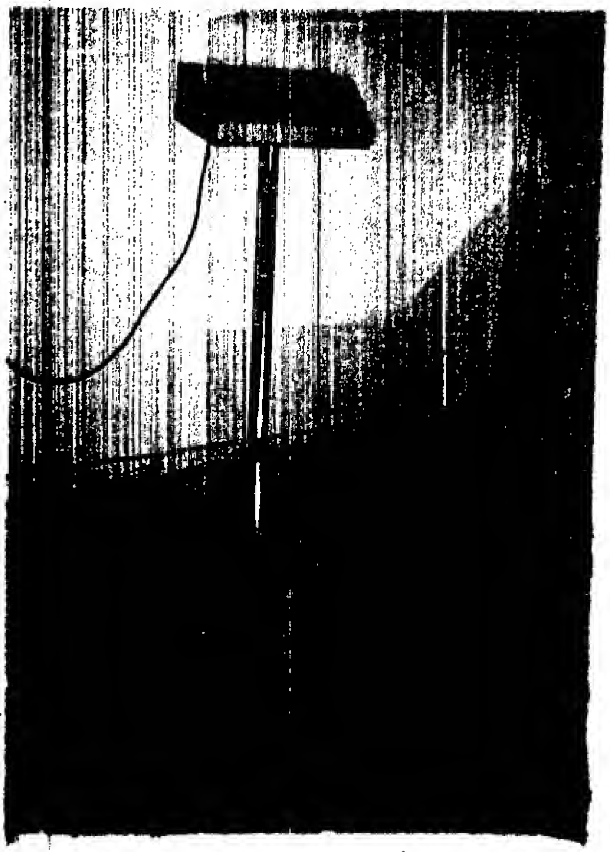

The said model is a strain gauge type load cell principle based non-automatic weighing instrument (Platform type) of medium accuracy (Accuracy Class-III) with a maximum capacity of 1000kg and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230V and 50Hz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg and up to 5000kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principles, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(325)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का. आ. 3295.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स कैनन वेइंग सिस्टम्स, प्राइवेट लिमिटेड, केनरा बैंक के सामने, बेगुर रोड, पटेल लेआउट, बंगलौर-560068 द्वारा निर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "सीएम" शृंखला के अंकक प्रदर्श सहित अस्वचालित इलैक्ट्रानिक तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "कैनन" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/05/59 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) अंकक सूचन सहित अस्वचालित (प्लेटफार्म प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 300 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यवकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। यह भार (कि.ग्रा.) से आयतन (एल) में बदलने के लिए इलैक्ट्रोनिक कार्यक्रम भी रखता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबंद भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 1000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य है।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(179)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3295.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic (Platform type) weighing instrument with digital display of medium accuracy (Accuracy class-III) of 'CM' series with brand name "CANON" (hereinafter referred to as the model), manufactured by M/s Canon Weighing System Private Limited, Opp. Canara Bank, Begur Road, Patel Layout, Bangalore-560 068 and which is assigned the approval mark IND/09/05/59;

The said model (see the figure given below) is non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of maximum capacity 300kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. It is also having electronic programmed to convert mass (kg.) to volume (L). The instrument operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and up to 1000kg. with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k, or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(179)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का. आ. 3296.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स एबिलिटी पैकेजिंग, सं० 6, एडिशनल एम आई डी सी, सतारा-415 001 द्वारा निर्मित स्वचालित भारमितीय भरण उपकरण आयतनीय प्रकार का, ''आटो पैक-एफ एल'' शृंखला का, (जिसे इसमें उक्त माडल कहा गया है) जिसके ब्रांड का नाम ''आटो पैक'' है (जिसे इसमें उक्त माडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/2005/87 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

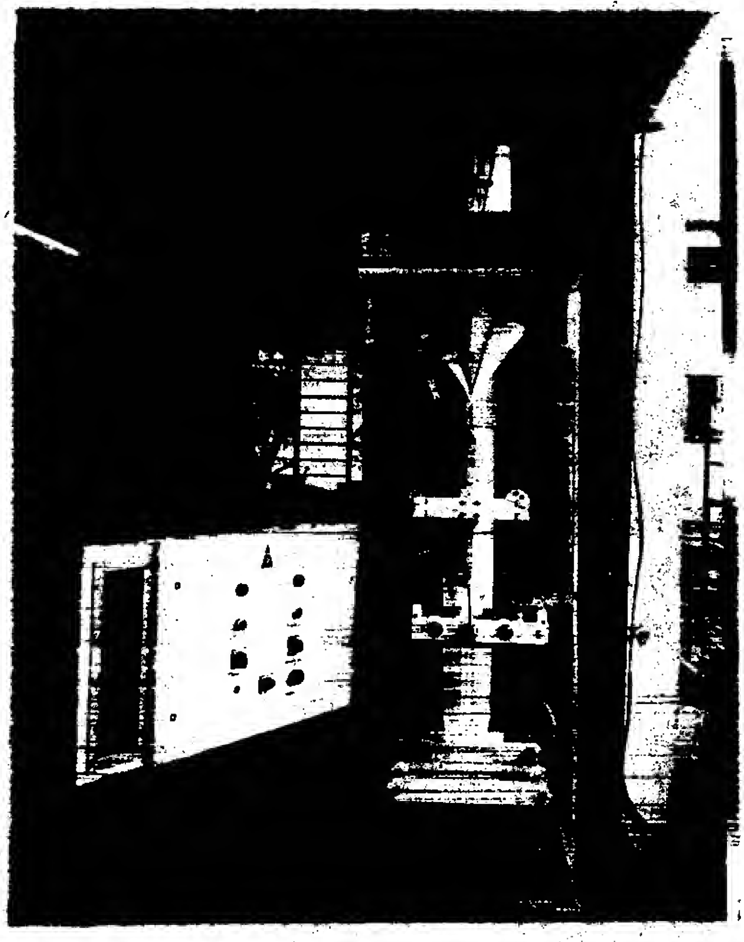

उक्त मॉडल एक समय आधारित स्वचालित भारमितीय भरण (आयतनीय प्रकार का) उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 ग्रा. या समतुल्य आयतन और न्यूनतम क्षमता 10 ग्रा. है। इसकी आउटपुट 10-35 भरण प्रति मिनट है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है। यह मुक्त बहाव वाले द्रव जैसे नील, दूध, छाछ, ताड़ी, मिनरल पानी इत्यादि जैसे उत्पादों को भरने के लिए प्रयोग होता है।

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के भरण उपकरण भी होंगे जो 10 ग्रा. से 1000 ग्रा. या समतुल्य आयतन तक के रेंज में हों।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(234)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3296.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) (hereinafter reffered to as the said Act) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of automatic gravimetric filling instrument-Volumetric type (herein referred to as the said Model) of series 'AUTO PACQ-FL' with brand name "AUTO PACQ" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s Ability Packaging, No. 6, Additional—MIDC, Satara-415 001 and which is assigned the approval mark IND/09/05/87;

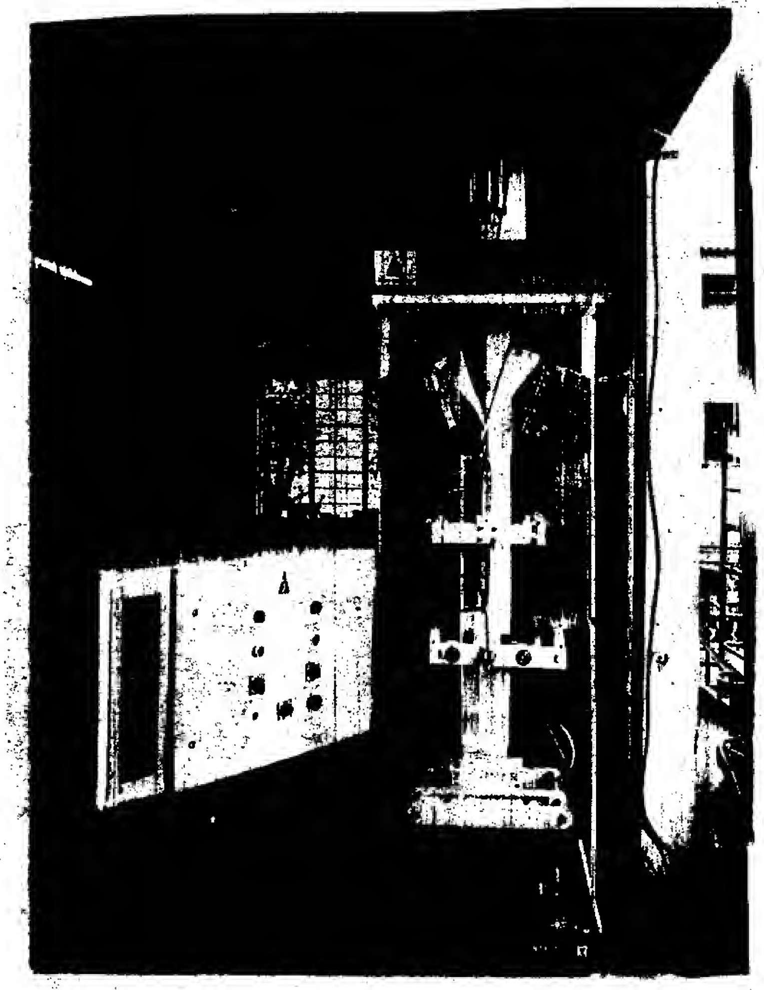

The said model is a time based automatic gravimetric filling instrument (Volumetric type). Its maximum capacity is 1000 g or equivalent volume. Its minimum capacity is 10g. Its output is 10-35 fills per minute. It operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply. It is used for filling free flowing liquid such as blue, milk, butter milk, arrack, mineral water etc.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the filling machine of similar make, accuracy and performance of the same series with capacity ranging between 10g to 1000g or equivalent volume manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(234)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का. आ. 3297.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स सिस्ट्रान माइक्रोसिस्टम, बी-9, बाला जी एवन्यु, जणेज बंगला मार्ग, वस्त्रपुर, अहमदाबाद-380015 द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-II) वाले "सिस्ट्रान" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (तुला चौकी प्रकार) के माडल का, जिसके ब्रांड का नाम "सिस्ट्रान" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/2004/347 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

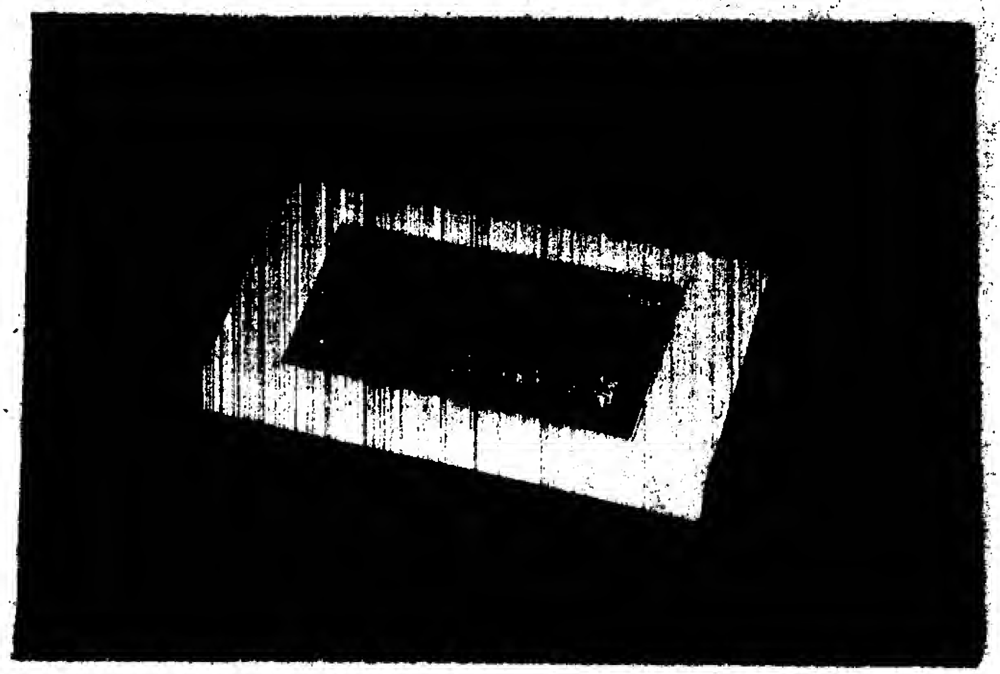

उक्त मॉडल एक अस्वचालित (तुला चौकी) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 50000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 250 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 5 कि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट के सीलबन्द के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का निर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 कि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 5 टन से ऊपर और 100 टन तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(194)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3297.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (weighbridge type) with digital indication belonging to high accuracy (Accuracy class-II) of 'SYSTRON' series with brand name "SYSTRON" (herein referred to as the said model), manufactured by M/s Systron Microsystem, B-9, Balaji Avenue, Judges' Bunglows Road, Vastrapur, Satellite, Ahmedabad-380 015 and which is assigned the approval mark IND/09/2004/347;

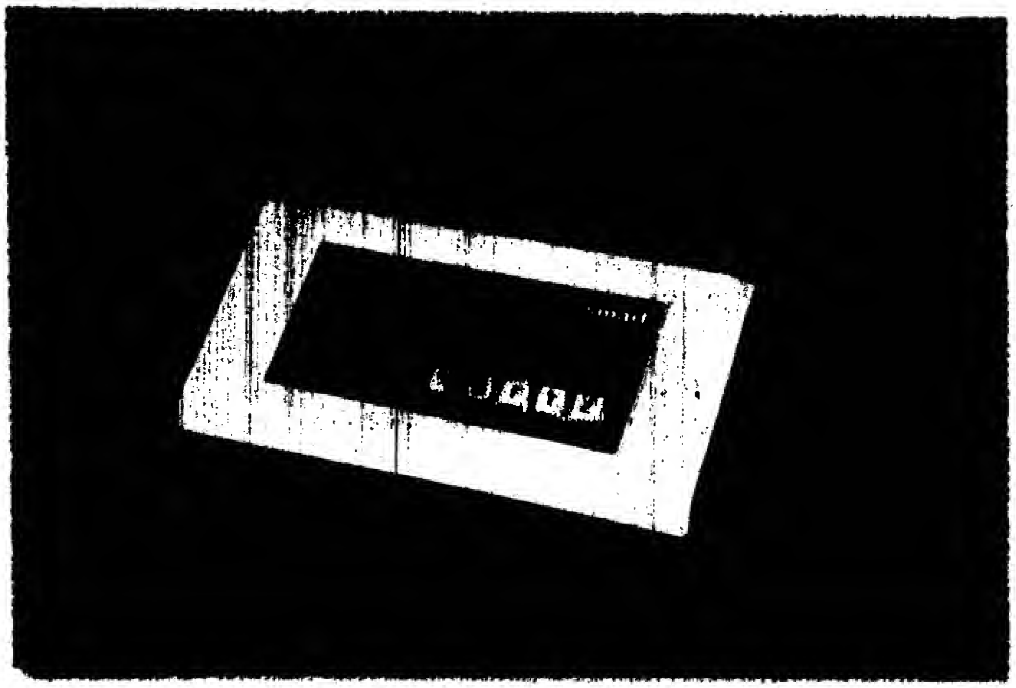

The said model is a non-automatic weighing instrument (weighbridge) with a maximum capacity of 50,000kg and minimum capacity of 250kg. The verification scale interval (e) is 5kg. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 Volts, 50Hertz alternative current power supply. The load cell is of strain gauge type.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 5 tonne and up to 100 tonne with verification scale interval (n) in the range of 500 to 50,000 for 'e' value of 5kg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(194)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का. आ. 3298.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स वार्माफ्यूल टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड, 23/6, कालीगांव, मथुरा रोड, फरीदाबाद, हरियाणा द्वारा निर्मित ''वार्या'' श्रृंखला के अंकक सूचन सहित डिस्पेंसिंग पम्प के माडल का, जिसके ब्रांड का नाम ''वार्या'' है (जिसे इसमें उक्त माडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी/09/05/113 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी और प्रकाशित करती है।

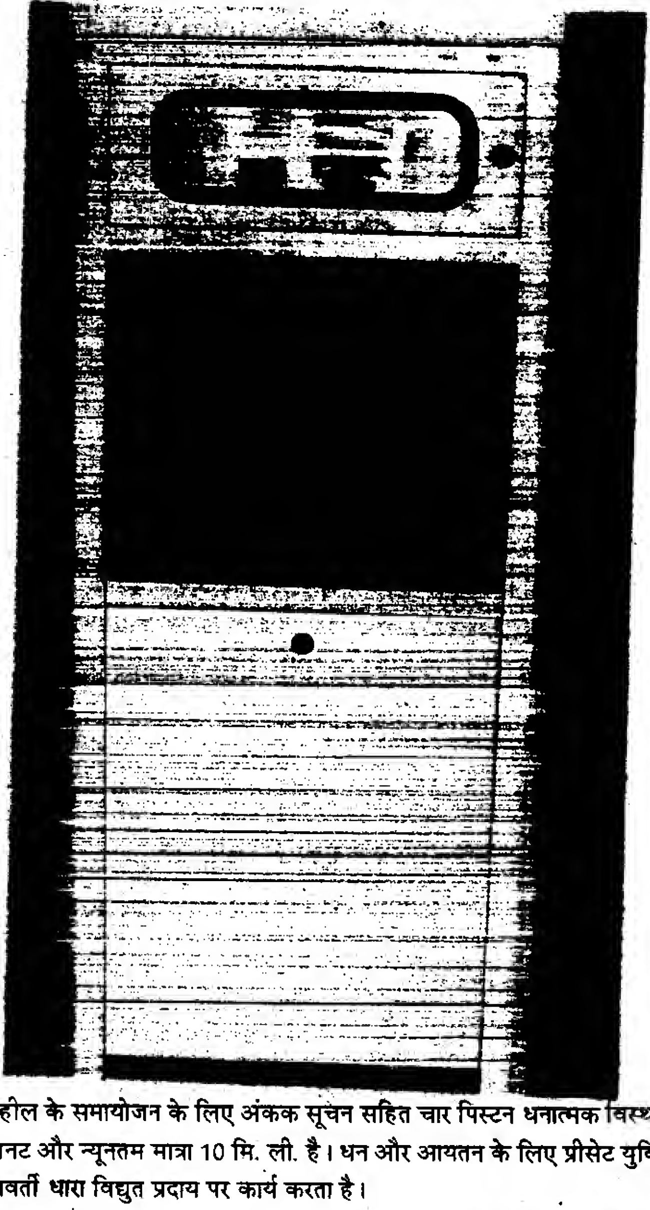

उक्त मॉडल केलीविशन व्हील के समायोजन के लिए अंकक सूचन सहित चार पिस्टन धनात्मक विस्थापन मीटर वाली डिस्पेंसिंग पंप है। इसकी अधिकतम प्रवाह 45 लीटर/मिनट और न्यूनतम मात्रा 10 मि. ली. है। धन और आयतन के लिए प्रीसेट युक्ति है। प्रदर्श द्रव क्रिस्टल प्रकार है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

[फा.सं. डब्ल्यू. एम.-21(163)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3298.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of Dispensing Pump with digital indication of "VARYA" series with brand name "VARYA" (herein after referred to as the said model), manufactured by M/s Varya Fuel Technology Private Limited, 23/6, Kail Gaon, Mathura Road, Faridabad, Haryana and which is assigned the approval mark IND/09/05/113;

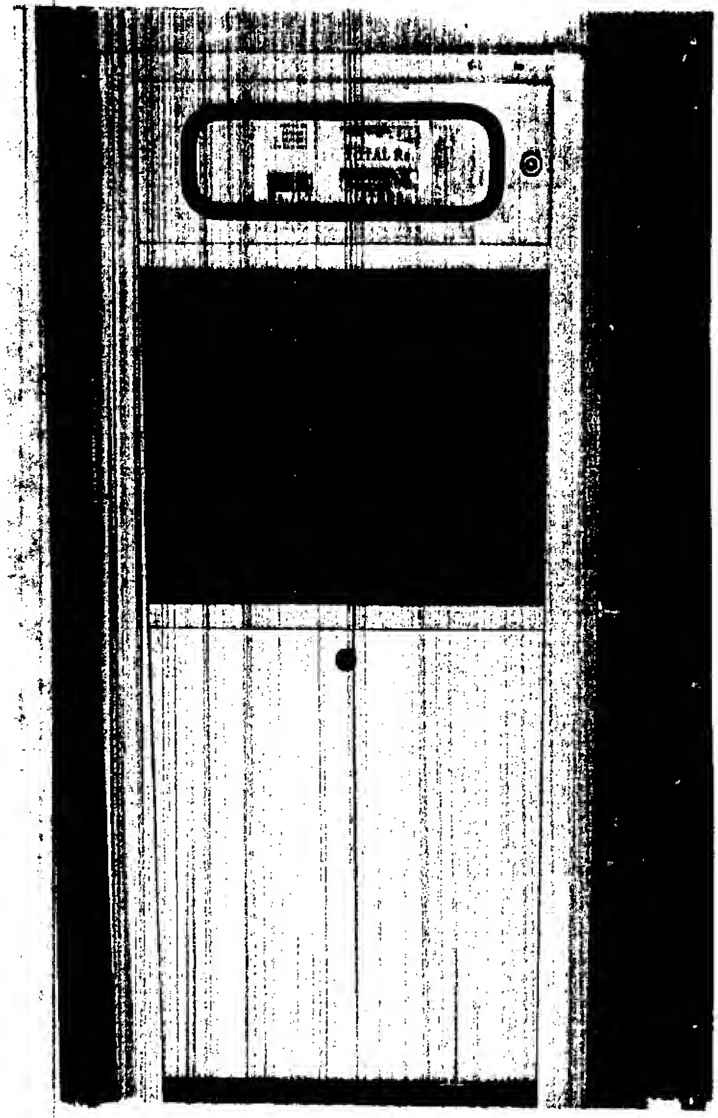

The said model is a dispensing pump with digital display having four piston positive displacement meter provided for calibration wheel for adjustment The maximum flow rate is 45 litre per minute and the smallest graduation is 10ml. It has preset device for money and volume. The display is of liquid crystal display (LCD) type. The maximum volume and price display is in 6 digits. The instruments operates on 230V, 50 Hertz alternate current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done on the Metering unit and totalizer to prevent the fraudulent practices.

[F. No. WM-21(163)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का.आ. 3299.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स आसकर डिजीटल सिस्टम, सी/28, मुरलीधर सोसायटी, काठवाड़ रोड, नरोदा, अहमदाबाद-382330 द्वारा निर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ओ एस सी-टीटी" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टोप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आसकर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/64 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

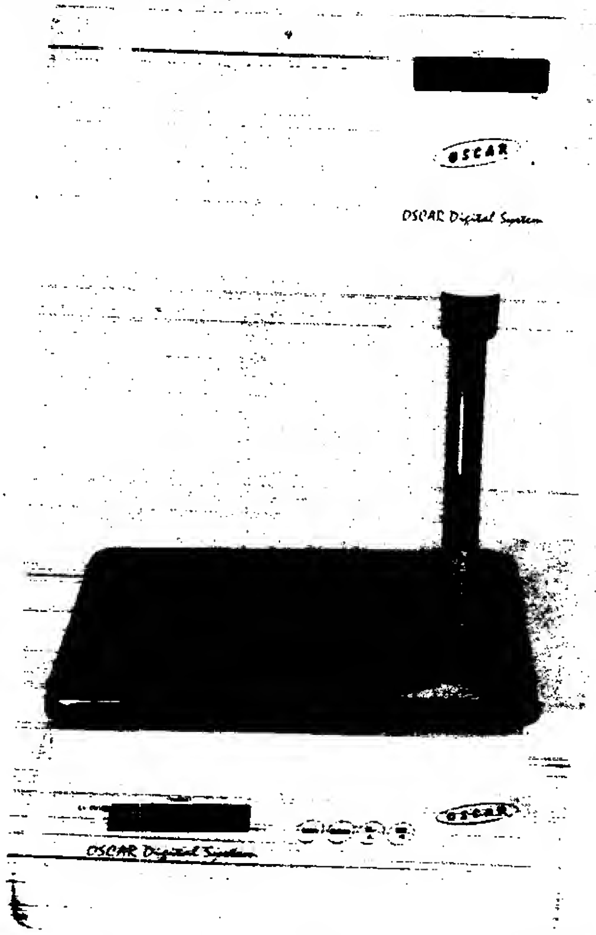

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सैल आधारित (टेबल टोप प्रकार का) अकक सूचन सहित लोड सेल सिद्धांत पर कार्य करने वाले (टेबल टोप प्रकार का) के अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. और मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) का है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 5 ग्रा. है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सील बन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक के रेंज में सत्यापन मापमान अन्तराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू एम-21(135)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3299.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Table Top Type) with digital indication of "OSC-TT" series belonging to medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "OSCAR" (hereinafter referred to as the Model), manufactured by M/s. Oscar Digital System, C/28, Murlidhar Society, Kathvad Road, Naroda, Ahmedabad-382 330 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/64;

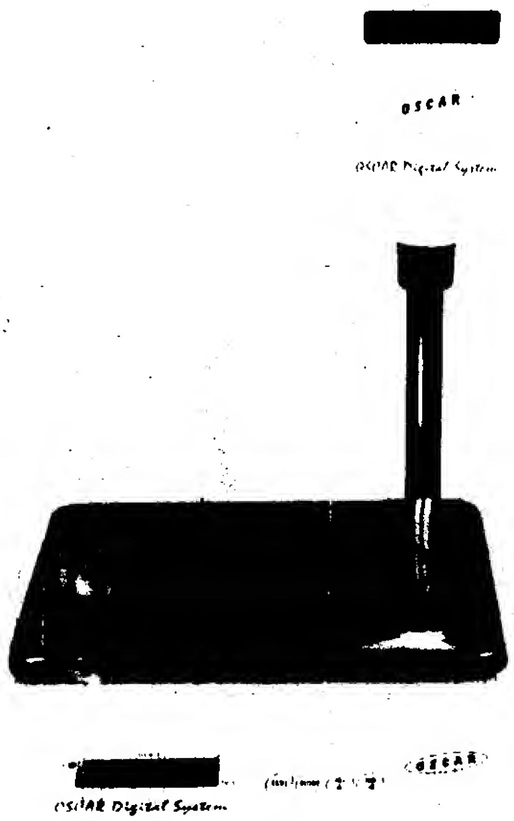

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) working on the principle of load cell with digital indication of maximum capacity 30kg., minimum capacity of 100g. and belonging to medium accuracy class (accuracy class-III). The verification scale interval (e) is 5g. The Display unit is of Light Emitting Diode (LED) type. The instrument operates on 230V, 50Hz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg to 2g and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(135)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का.आ. 3300.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स आसकर डिजीटल सिस्टम, सी/28, मुरलीधर सोसायटी, काठवाड़ रोड, नरोदा, अहमदाबाद-382330 द्वारा निर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "ओ एस सी-पीएफ" शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "आसकर" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/65 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

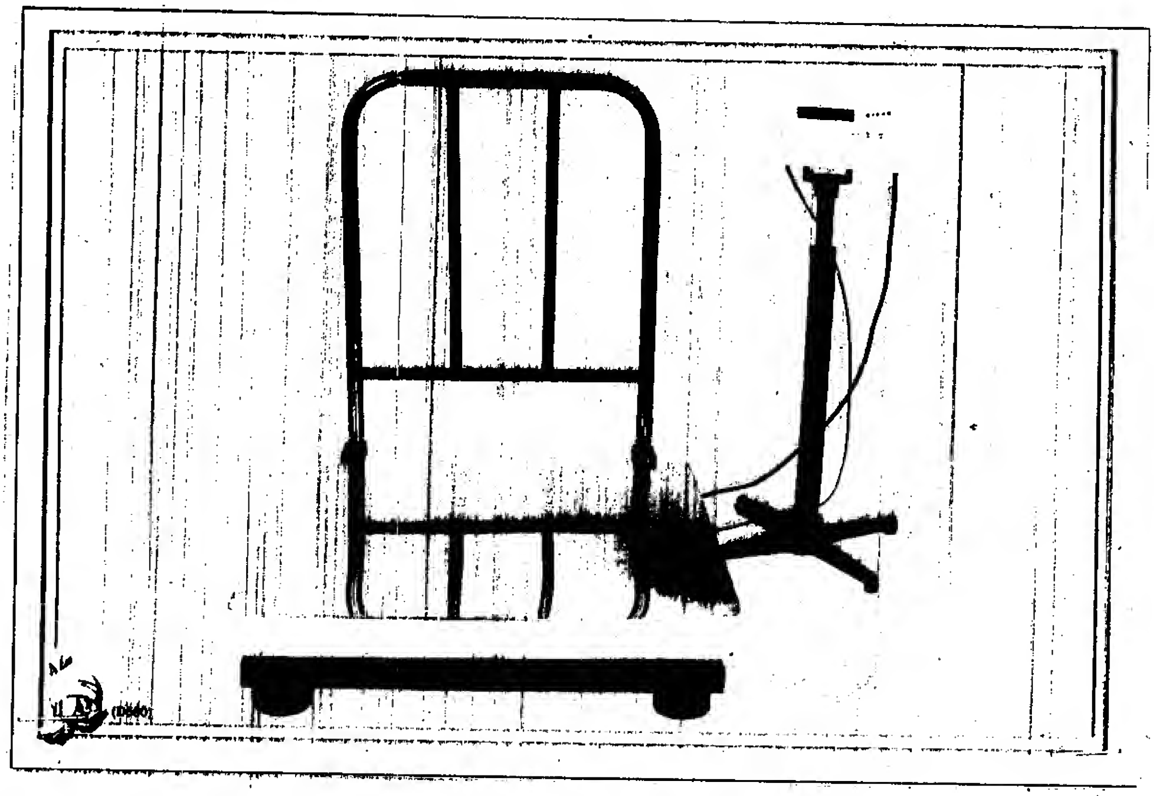

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल सिद्धांत पर मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) के (प्लेटफार्म प्रकार) का अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक अधेतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित अधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सील बन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन माप अन्तराल (एन) सहित और 50 कि. ग्रा. से अधिक और 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू एम-21(135)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3300.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Platform Type) with digital indication of "OSC-PF" series belonging to of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "OSCAR" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Oscar Digital System, C/28, Murlidhar Society, Kathvad Road, Naroda, Ahmedabad-382 330 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/65;

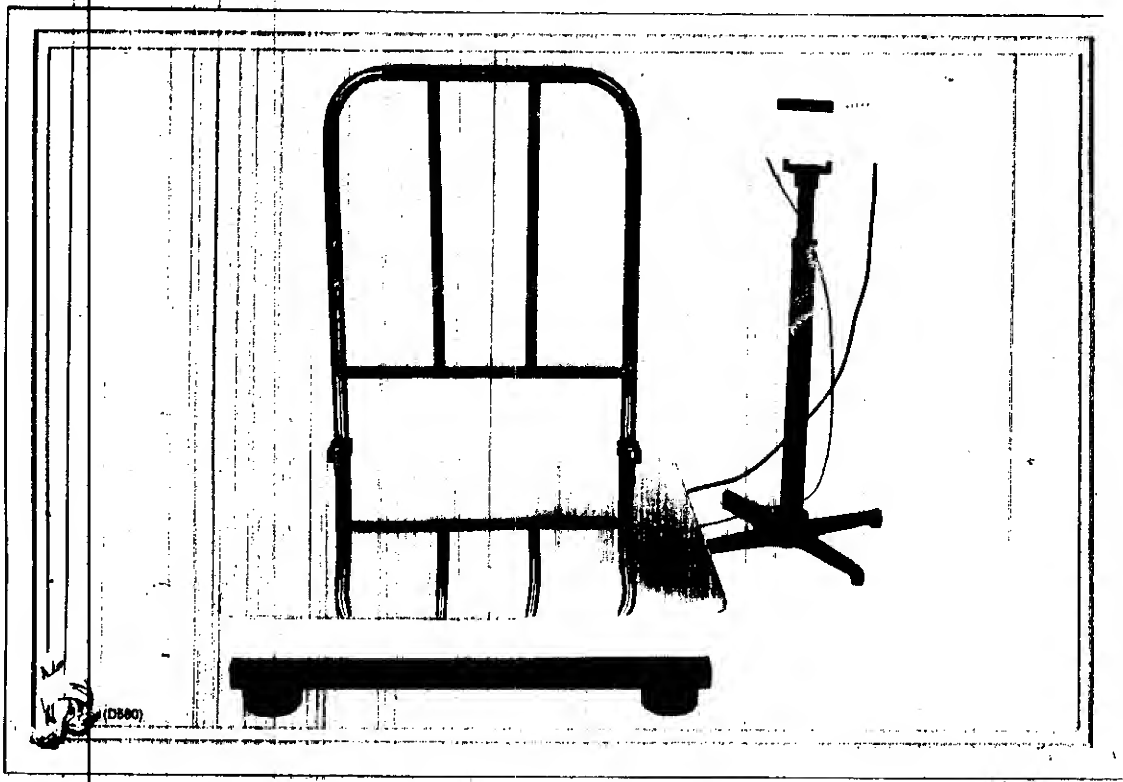

The said model is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Plaform type) of medium accuracy (accuracy class-III) with a maximum capacity of 1000 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230V, 50Hz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg. and upto 5000kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(135)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2005

का.आ. 3301.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स स्टैंडर्ड स्केल कं., सं. 10676, छुन्ना मार्किट, इलाहाबाद बैंक के पास, अमृतसर पंजाब द्वारा निर्मित सामान्य यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-III) वाले सदृश सूचन सहित, तोलन अस्वचालित उपकरण (यांत्रिक प्लेटफार्म मशीन, प्रोवेट प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "नोबल" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/62 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल एक यांत्रिक प्रकार का यौगिक लीवर आधारित (यांत्रिक प्लेटफार्म मशीन, प्रोवेट प्रकार) अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 300 कि. ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 2 कि. ग्रा. है। सत्यापन मापमान अंतराल (ई) का मान 100 ग्रा. है।

स्टाम्पिंग प्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए, 500 से 10,000 तक की रेंज में मापमान अन्तराल (एन) सहित 50 कि. ग्रा. से 500 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू एम-21(258)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th September, 2005

S.O. 3301.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Mechanical platform machine, pro weight type), (herein referred to as the said model) with analogue indication of medium accuracy (Accuracy class-III) with series and brand name "NOBLE", manufactured by M/s. Standard Scale Company, No. 10676, Dhunna Market, Near Allahabad Bank, Amritsar, Punjab and which is assigned the approval mark IND/09/2005/62;

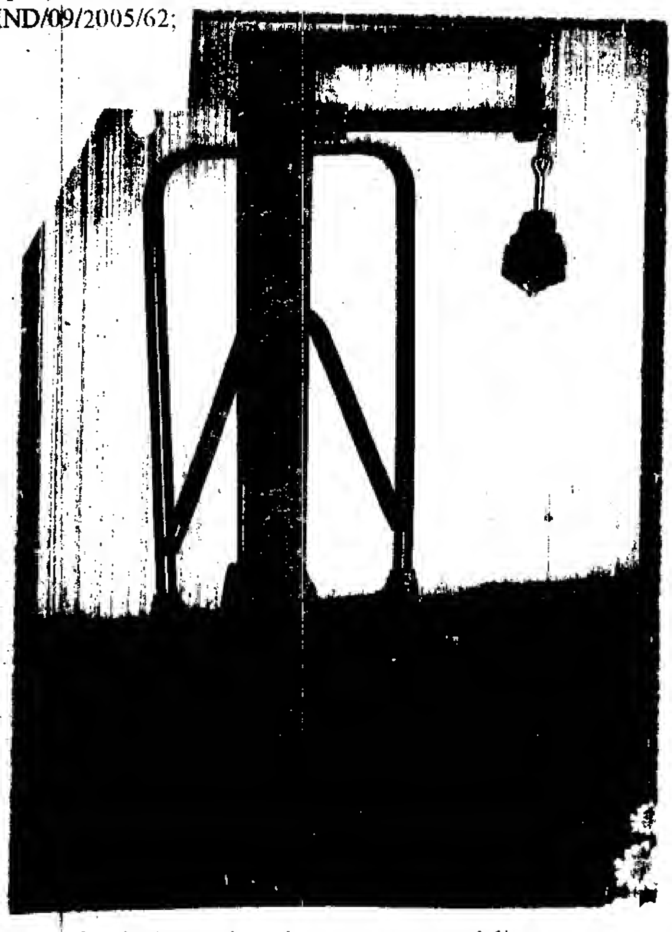

The said model is a mechanical type based upon compound liver non-automatic weighing instrument (Mechanical platform machine, pro weight type), with a maximum capacity of 300 kg. and minimum capacity of 2kg. The verification scale interval (e) is 100g.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity in the range of 50kg to 500kg with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(258)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2005

का.आ. 3302 .—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स फ्लैश पाइंट इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, सर्वे सं. 7, प्लाट सं. 170, पी सी टी टी डी ए, एम आई डी सी, भोसारी-411026 महाराष्ट्र द्वारा निर्मित प्रुविंग मेजर मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "फ्लैश पाइंट पी टी" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/139 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

मॉडल शांकवीय सिरों के मध्य वेल्ड किया गया बेलनाकार ढांचे का बना है जो टैंक को खाली करते समय द्रवों का मुक्त बहाव सुनिश्चित करता है। पात्र का ढांचा नरम इस्पात का बना है और आंतरिक सतह को इपोक्सी विलेप से अस्तर किया गया है। अंशाकन माप अत्यधिक है निचले शंकु में ठीक से बैठाई गई वेल्ड की गई संरचना टैंक को खाली करने में सहायता करने के लिए एक निकास नली वाल्व है। ऊपरी शंकु शांकवीय ग्रीवा में ठीक बैठाया जाता है, कब्जेदार ऊपरी ढक्कन टैंक में गंद के प्रवेश को रोकने के लिए है। ऊपरी ग्रीवा गेज ग्लास से उपलब्ध की जाती है जो द्रव के स्तर को दर्शाता है। इसकी अधिकतम क्षमता 2000 लीटर और कम से कम गणका 200 मि. ली. है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सील बन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन प्रुविंग मेजर भी होंगे जो अधिकतम क्षमता में 50 लीटर और 5000 लीटर तक की रेंज के हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू एम-21(48)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th September, 2005

S.O. 3302.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of Proving Measure with brand name "FLASH POINT PT" (hereinafter referred to as the said model) manufactured by M/s. Flash Point Equipment Private Limited, Survey No. 7, Plot No. 170, PCTTDA, MIDC, Bhosari-411 026, Maharashtra and which is assigned the approval mark IND/09/2005/139;

The model is a Proving Measure, consists of a cylindrical body welded between conical ends, which ensure free flow of liquids while draining the tank. The body of the vessel is made of mild steel and internal surface lined with epoxy coating. Calibrating measures is of fully: welded construction fitted to the bottom cone is an outlet drain valve to assist in draining operation of the tank. The top cone is fitted with a neck having a conical, hinged top cover to prevent ingress of dirt in the tank. Top neck is provided with the gauge glass which indicate the level of the liquid. Its maximum capacity is 2000 litre and least count is 200ml.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent from the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the providing measure of similar make, accuracy and performance with maximum capacity in the range of 50litre and upto 5000litre manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the said model has been manufactured.

[F. No. WM-21(48)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2005

का०आ० 3303.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स मेटलर टोलेडो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, अमर हिल्स, साकी विहार रोड, पोवई, मुंबई-400072 द्वारा निर्मित मध्यम यर्थथता वर्ग (यथार्थता वर्ग-III) वाले "8442" शृंखला के अंकक सूचन सहित दोहरी रेंज वाले अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबलटोप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्रांड का नाम "मेटलर टोलेडो" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/93 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

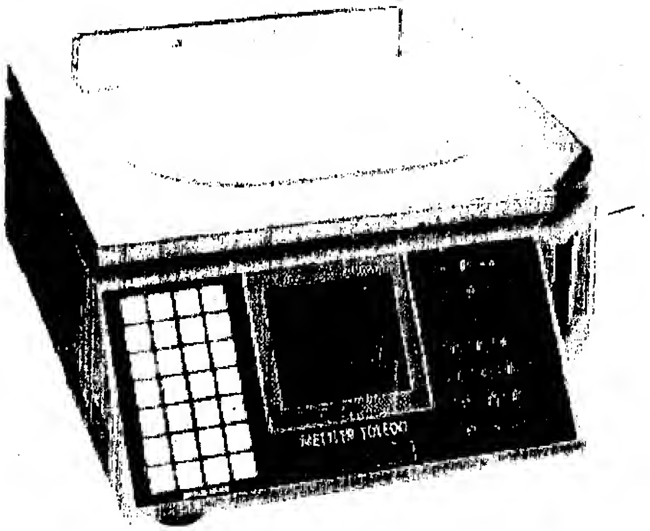

उक्त मॉडल एक विकृति गैज प्रकार का लोड सेल आधारित अंकक सूचन सहित दोहरी रेंज के (टेबलटोप प्रकार का) अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 15 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 40 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 2 ग्रा. से 6 कि.ग्रा. और 5 ग्रा. से अधिक 6 कि.ग्रा. और 15 कि.ग्रा. तक की है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव्य क्रिस्टल प्रदर्श (एल सी डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है। मशीन में मूल्य परिकलन, ठकडे गिनने वाले, छपाई सुविधा भी है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में मापमान (एन) अंतराल सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(209)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th September, 2005

S.O. 3303.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Models described in the said report (see the figure given below), is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the non-automatic weighing instrument (Table top type) of dual range with digital indication of "8442" series belonging to medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "METTLER TOLEDO" (hereinafter referred to as the model), manufactured by M/s. Metter-Toledo India Private Limited, Amar Hill, Saki Vihar Road, Mumbai and which is assigned the approval mark IND/09/2005/93;

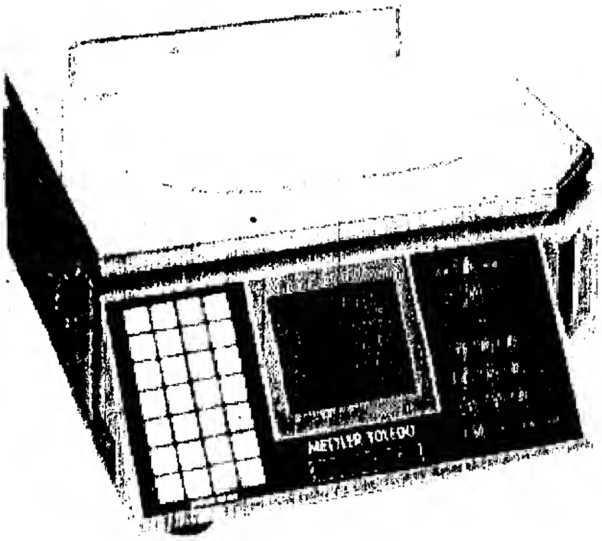

The said model is a strain gauge load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) of dual range with digital indication. The maximum capacity is 15 kg and minimum capacity 40g. The value of verification scale interval 'e' is 2g upto 6kg and 5g above 6 kg and upto 15kg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The liquid crystal (LCD) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230V, and 50Hz alternative current power supply. The machine is also having price computing, piece counting and printing facility.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said model shall also cover the weighing instruments of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 1000 for 'e' value of 100mg to 2g and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(209)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2005

का.आ. 3304.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स प्रिसिश्जन इलैक्ट्रॉनिक इन्स्ट्रूमेंट कम्पनी, 77, स्वर्ण पार्क, मुंडका, नई दिल्ली-110041 द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता वर्ग (यथार्थता वर्ग-III) वाले ''जी टी एच'' शृंखला के अंकक सूचन सहित, अस्वचालित तोलन उपकरण (लटकने वाला प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम ''गोल्ड टेक'' है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/04/524 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

उक्त मॉडल विकृति गेज प्रकार भार सेल आधारित अस्वचालित (लटकने वाला प्रकार) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा० और न्यूनतम क्षमता 200 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 10 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट के सील के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सील भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे उक्त अनुमोदित मॉडल का निर्माण किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. से 2 ग्रा. तक ''ई'' मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक के ''ई'' मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ''ई'' मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू एम-21(54)/2004]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th September, 2005

S.O. 3304.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the model of non-automatic weighing instrument (Hanging type) with digital indication of "GTH" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "GOLD TECH" (hereinafter referred to as the said model), manufactured by M/s. Precision Electronic Instruments Company, 77, Swaran Park, Mundaka, New Delhi-110041 and which is assigned the approval mark IND/09/04/524;

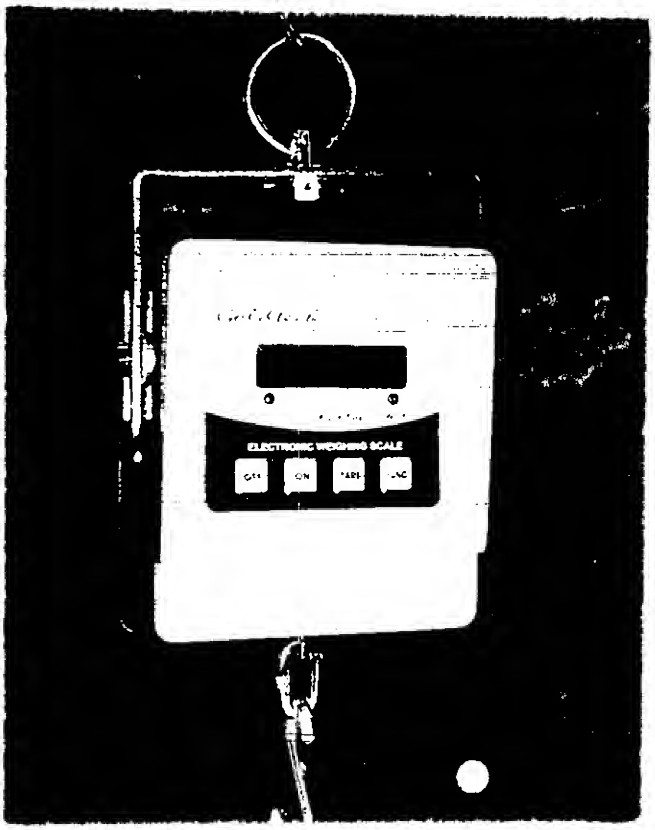

The said Model is a strain guage type load cell based not-automatic weighing instrument (Hanging type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 200g. The verification scale interval (e) is 10g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instruments operates on 230 Volts, and 50Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100 mg. to 2 g. and with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k where k is a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principles, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(54)/2004]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2005

का.आ. 3305.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स ऐटकोम टेकनोलॉजी लि., 6ए, लालवानी इण्डस्ट्रियल एस्टेट, 14 जी. डी. आम्बेडकर रोड, वाडाला, मुंबई-400031 द्वारा निर्मित विशेष यथार्थता (यथार्थता वर्ग-I) वाले "ए बी" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टोप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "एटको" है (जिसे इसमें उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/99 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है;

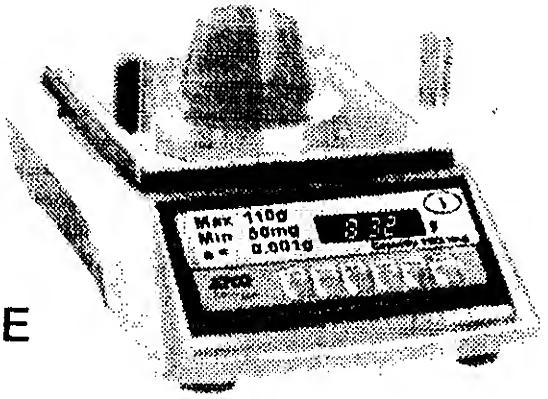

ANALYATICAL SCALE
(Class I)

उक्त मॉडल एक विद्युत चुम्बकीय शक्ति, प्रतिकर सिद्धांत पर आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 200 ग्रा० और न्यूनतम क्षमता 100 मि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 1 मि. ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। द्रव्य क्रिस्टल प्रदर्शन (एल सी डी) प्रदर्श तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट और 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सील बन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 और उससे अधिक की रेंज में मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं, जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा.सं. डब्ल्यू एम-21(293)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th September, 2005

S.O. 3305.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic (Table Top Type) weighing instrument with digital indication of "AB" series of special accuracy (Accuracy class-I) and with brand name "ATCO" (hereinafter referred to as the said Model), manufactured by M/s. Atcom Technologies Limited, 6A, Lalwani Industrial Estate, 14, G. D. Ambedkar Road, Wadala, Mumbai-400031, Maharastra and which is assigned the approval mark IND/09/2005/99.

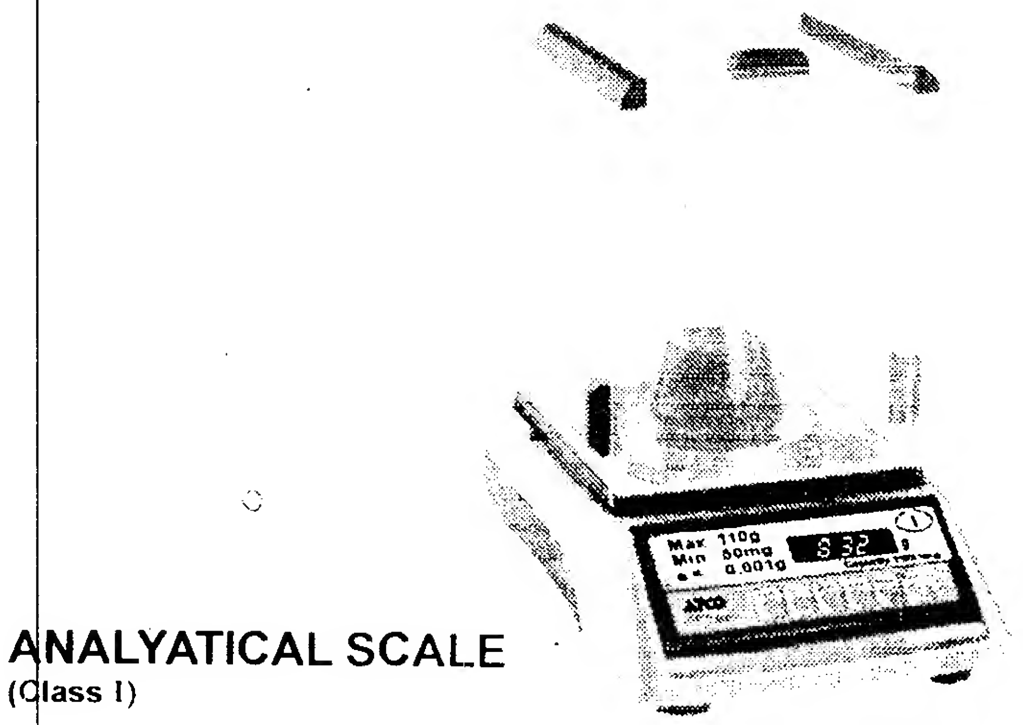

The said Model is a electromagnetic force compensation Principle based non-automatic weighing instrument with a maximum capacity of 200g. and minimum capacity of 100mg. The verification scale interval (e) is 1mg. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Liquid Crystal Display (LCD) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230Volts and 50Hz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity upto 50kg with verification scale interval (n) in the range of 50,000 and above for 'e' value of 1mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(293)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का.आ. 3306.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स दीप मार्किटिंग, ए/2, शगुन अपार्टमेंट, कोस्मो विला, रॉ हाऊस के निकट, प्रेम चन्द नगर रोड, अहमदाबाद-380015 गुजरात द्वारा निर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "डी डब्ल्यू-500" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "दीपी-वे" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2004/509 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

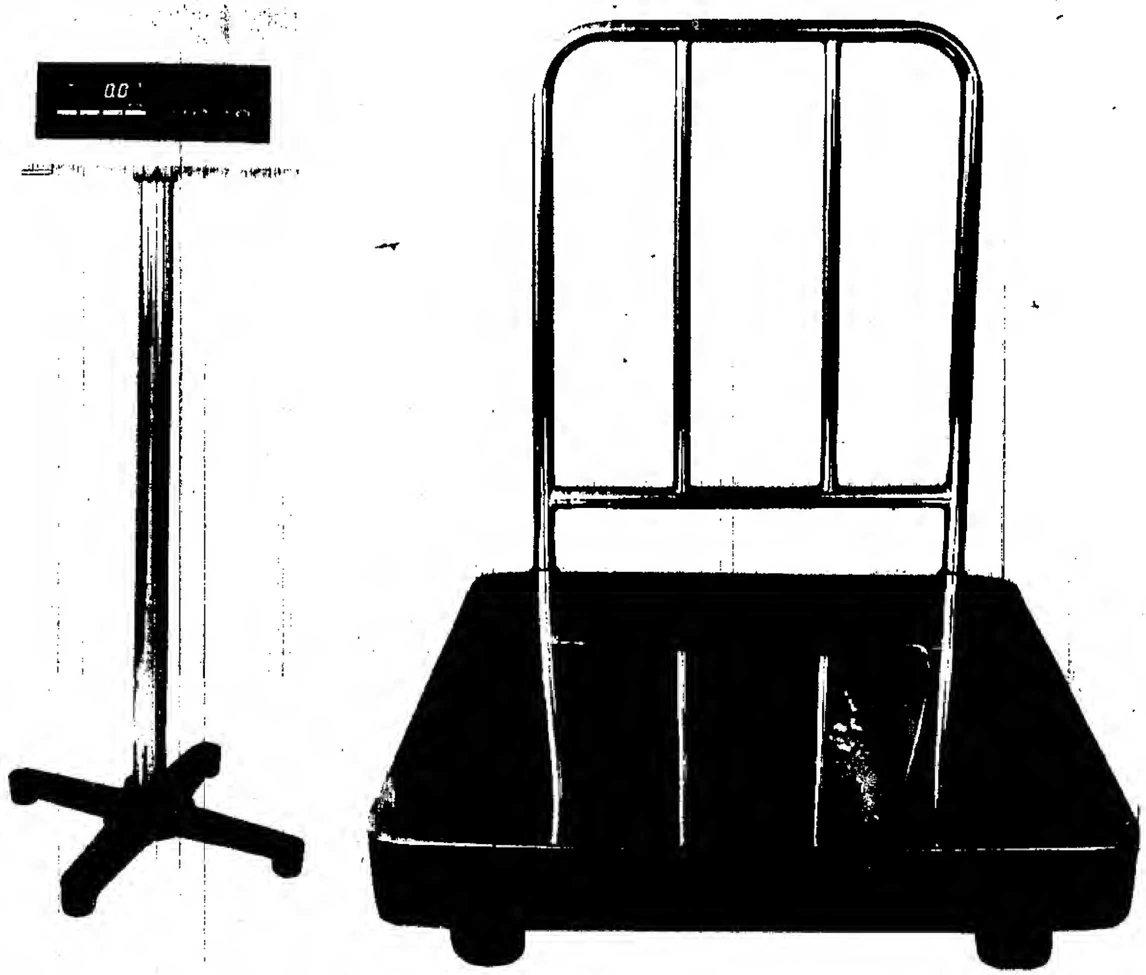

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विकृति गेज प्रकार का लोड सेल आधारित अस्वचालित (प्लेटफार्म प्रकार का) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 500 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 1 कि.ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 20 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 1,000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^{k}, 2×10^{k} या 5×10^{k}, के हैं जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(229)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3306.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of "DW-500" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "DIGI-WEIGH" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Deep Marketing, A/2, Shagun Apartment, Near Cosmovilla Row House, Prem Chand Nagar Road, Ahmedabad-380 015, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/2004/509;

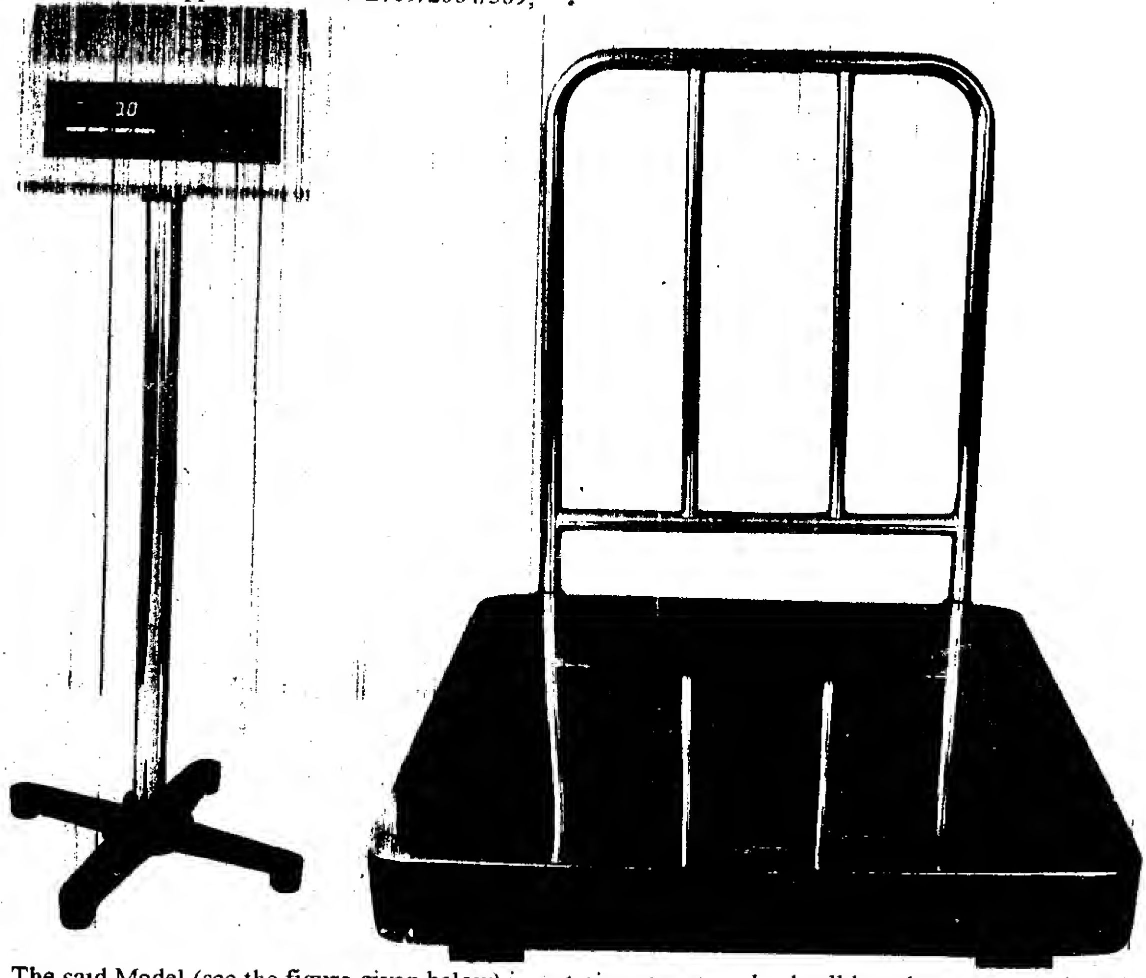

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 500 kg. and minimum capacity of 1 kg. The verification scale interval (e) is 20g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing result. The instruments operates on 230 V, 50 Hz alternative current power supply.

In addition to sealing stamping plate, sealing shall also be done to prevent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the power conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instruments of similar make, and performance of same series with maximum capacity ranging above 50 kg. to 1000 kg. with mumber of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accusacy and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(229)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का.आ. 3307.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स दीप मार्किटिंग, ए/2, शगुन अपार्टमेंट, कोस्मो विला, रॉ हाऊस के निकट, प्रेम चन्द नगर रोड, अहमदाबाद-380015 गुजरात द्वारा विनिर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले ''डी डब्ल्यू-30'' शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टोप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम ''दीगी-वे'' है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/04/507 समनुद्देशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

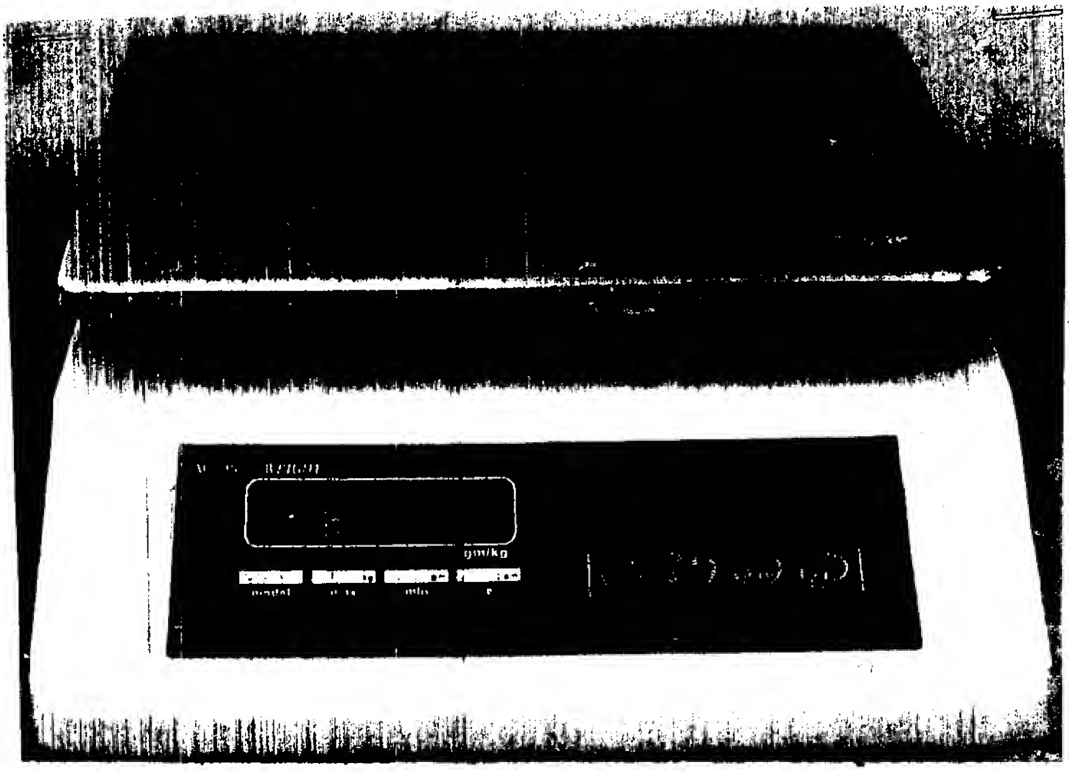

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विकृति गेज प्रकार का लोड सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टोप प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 2 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 1 मि. ग्रा. से 50 मि. ग्रा. तक ''ई'' मान के लिए 100 से 5,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 100 मि. ग्रा. या उससे अधिक के ''इ'' मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में मापमान (एन) अंतराल सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और ''ई'' मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(229)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3307.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of non-automatic weighing instrument (Table top type) with digital indication of "DW-30" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "DIGI-WEIGH" (herein after referred to as the said Model), manufactured by M/s. Deep Marketing, A/2, Shagun Apartment, Near Cosmovilla Row House, Prem Chand Nagar Road, Ahmedabad-380 015, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/04/507;

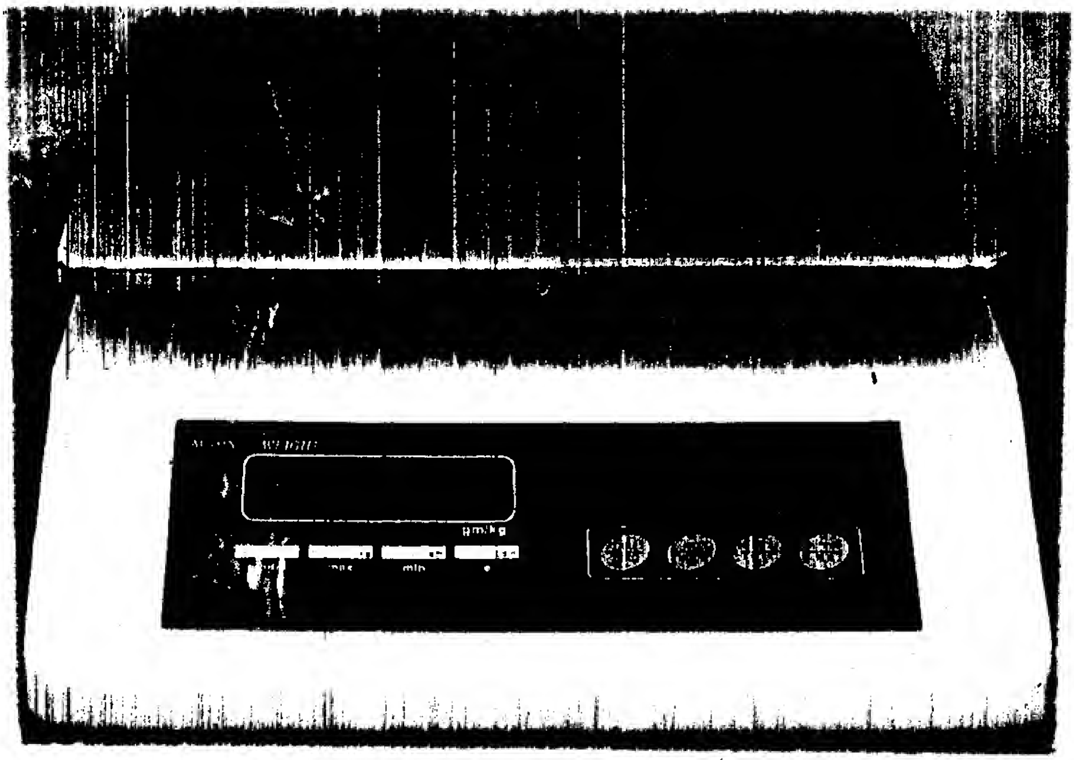

The said Model (see the figure given above) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 2g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) indicates the weighing result. The instruments operates on 230 Volts, 50 Hertz alternative current power supply.

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to preven the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, and performance of same series with maximum capacity up to 50kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 100 to 5000 for 'e' value of 1mg. to 50mg and with number of verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100mg or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, k being the positive or negative whole number or equal to zero, manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(229)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director, of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का.आ. 3308 .—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स दीप मार्किटिंग, ए/2, शगुन अपार्टमेंट, कोस्मो विला, रॉ हाऊस के निकट, प्रेम चन्द नगर रोड, अहमदाबाद-380 015 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डी डब्ल्यू-30" शृंखला के अंकक सूचन सहित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "दीपी-वे" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2004/508 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विकृति गेज प्रकार का लोड सेल आधारित अस्वचालित तोलन उपकरण (टेबल टॉप प्रकार का) है। इसकी अधिकतम क्षमता 30 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 100 ग्रा. है । सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 5 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

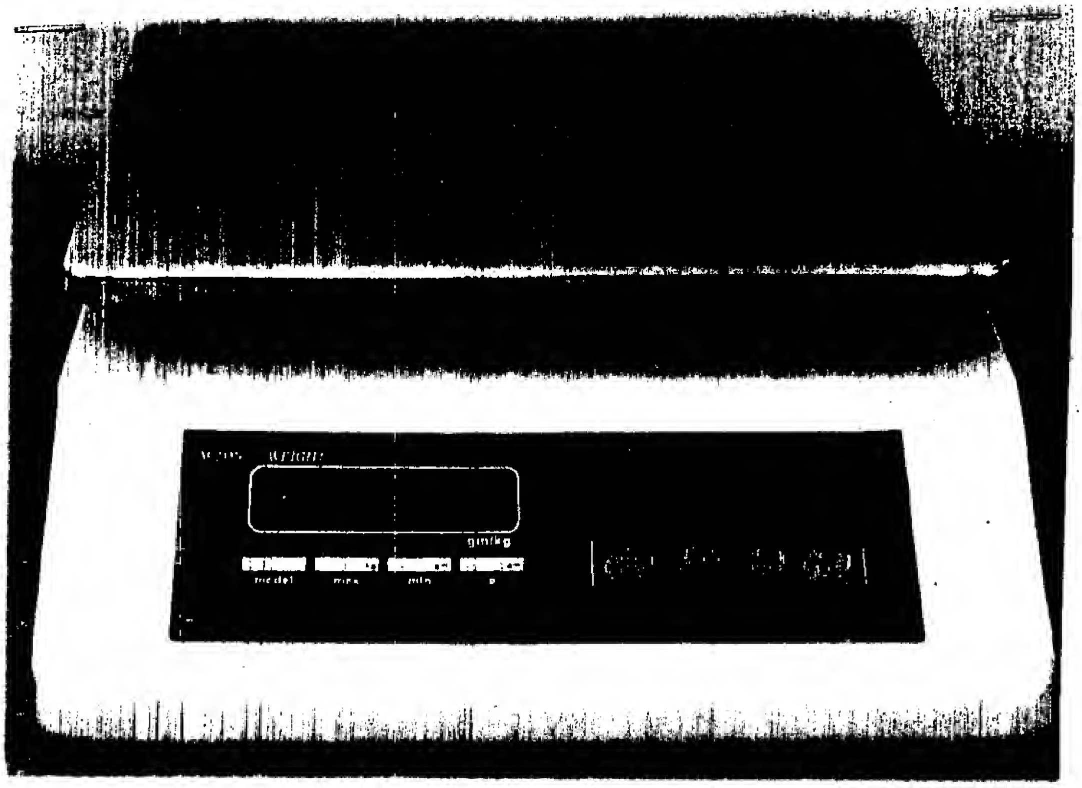

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि. ग्रा. से 2 ग्रा. तक "ई" मान के लिए 100 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) और 5 ग्रा. या उससे अधिक क "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में मापमान (एन) अंतराल सहित 50 कि. ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(229)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3308 .—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of Model of non-automatic (Table-top type) weighing instrument with digital indication of "DW-30" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "DIGI-WEIGH" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Deep Marketing, A/2, Shagun Apartment, Near Cosmovilla Row House, Prem Chand Nagar Road, Ahmedabad-380 015, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/2004/508;

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based non-automatic weighing instrument (Table top type) with a maximum capacity of 30 kg. and minimum capacity of 100g. The verification scale interval (e) is 5g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 V, 50 Hz alternative current power supply.

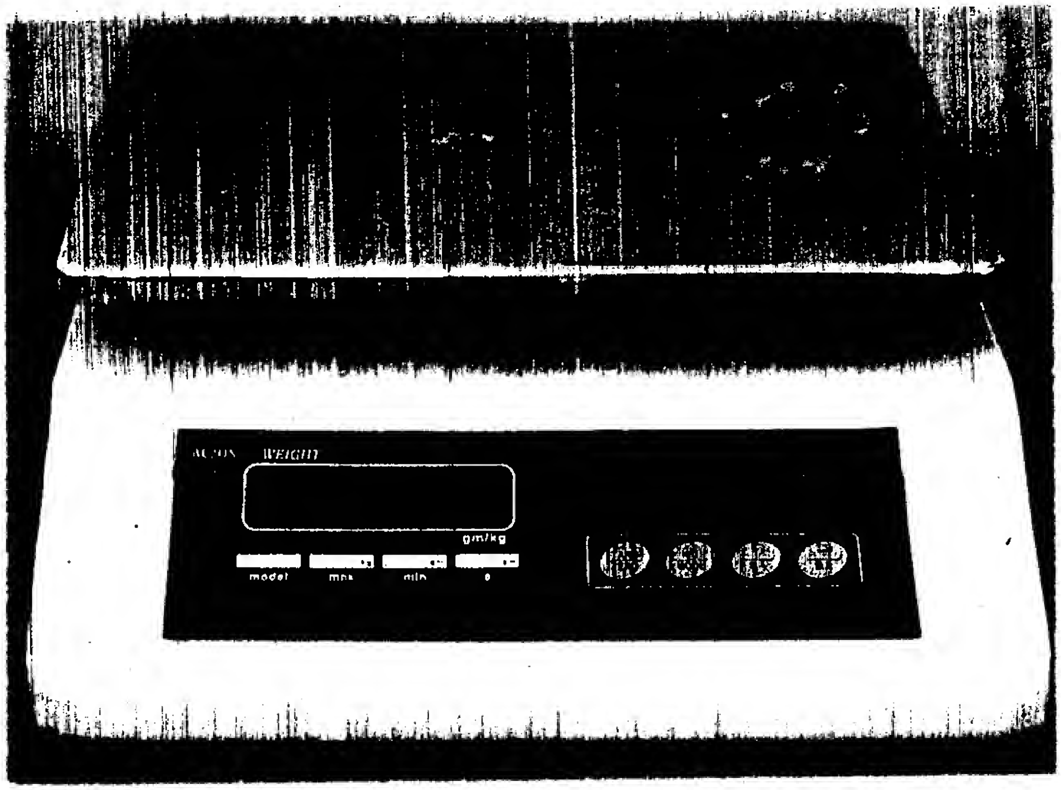

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent from opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity up to 50kg with verification scale interval (n) in the range of 100 to 10,000 for 'e' value of 100mg. to 2g or with verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(229)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2005

का.आ. 3309.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अत:, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स दीप मार्किटिंग, ए/2, शगुन अपार्टमेंट, कोस्मो विला, रॉ हाऊस के निकट, प्रेम चन्द नगर रोड, अहमदाबाद-380015 गुजरात द्वारा विनिर्मित मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग-III) वाले "डी डब्ल्यू-1" श्रृंखला के अंकक सूचन सहित स्वत: सूचक, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "दीगी-वे" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2004/510 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) विकृति गेज प्रकार का लोड सेल आधारित तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 1000 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 4 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 200 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एल ई डी) प्रदर्श परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

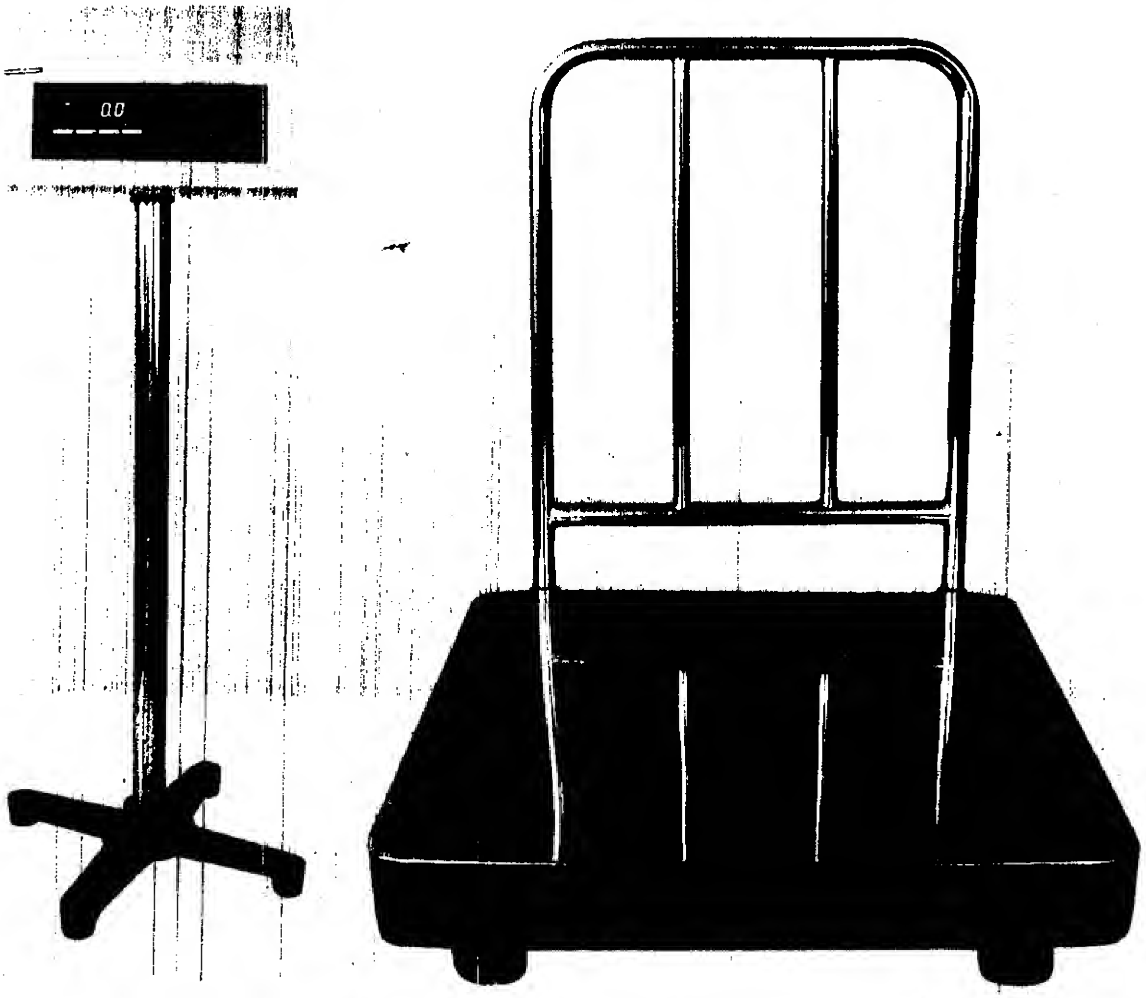

स्टाम्पिंग प्लेट को मुद्रांकित करने के अतिरिक्त, कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए मशीन को खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 5 ग्रा. या उससे अधिक "ई" मान के लिए 500 से 10,000 तक की रेंज में सत्यापन मापमान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(229)/2002]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 6th September, 2005

S.O. 3309.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of self indicating, non-automatic (Platform type) weighing instrument with digital indication of "DW-1k" series of medium accuracy (Accuracy class-III) and with brand name "DIGI-WEIGH" (herein referred to as the said Model), manufactured by M/s. Deep Marketing, A/2, Shagun Apartment, Near Cosmovilla Row House, Prem Chand Nagar Road, Ahmedabad-380 015, Gujarat and which is assigned the approval mark IND/09/2004/510;

The said Model (see the figure given below) is a strain gauge type load cell based weighing instrument with a maximum capacity of 1000kg. and minimum capacity of 4kg. The verification scale interval (e) is 200g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode (LED) display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 V, 50 Hz alternative current power supply.

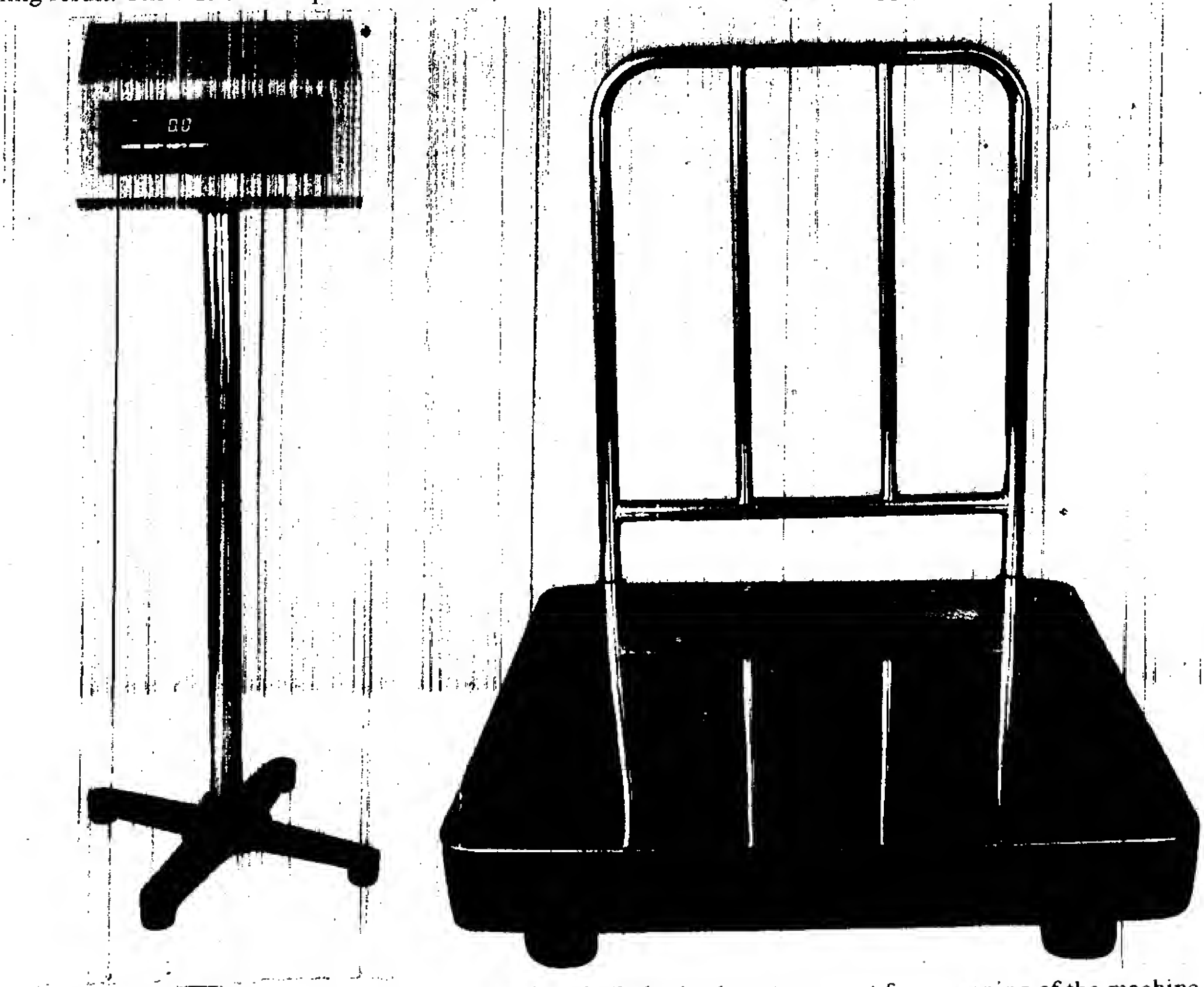

In addition to sealing the stamping plate, sealing shall also be done to prevent from opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of same series with maximum capacity above 50kg and up to 5000 kg and with number of verification scale interval (n) in the range of 500 to 10,000 for 'e' value of 5g. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer with the same principle, design and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(229)/2002]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2005

का.आ. 3310.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स परफेक्ट इंडस्ट्रीज, सी-157, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II, नई दिल्ली-110064 द्वारा निर्मित उच्च यथार्थता (यथार्थता वर्ग-II) वाले "पीएफ-पीएफ" शृंखला के अंकक सूचन सहित स्वतः सूचक, अस्वचालित तोलन उपकरण (प्लेटफार्म प्रकार का) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "परफेक्ट" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2005/95 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल एक विकृत गेज प्रकार का भार सेल आधारित (प्लेटफार्म प्रकार का) तोलन उपकरण है। इसकी अधिकतम क्षमता 1200 कि.ग्रा. और न्यूनतम क्षमता 5 कि.ग्रा. है। सत्यापन मापमान अन्तराल (ई) का मान 100 ग्रा. है। इसमें एक आधेयतुलन युक्ति है जिसका शत प्रतिशत व्यकलनात्मक धारित आधेयतुलन प्रभाव है। प्रकाश उत्सर्जक डायोड तोलन परिणाम उपदर्शित करता है। उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी शृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे जो 100 मि.ग्रा. या उससे अधिक के "ई" मान के लिए 5000 से 50,000 तक की रेंज में सत्यापन मान अंतराल (एन) सहित 50 कि.ग्रा. से अधिक और 5000 कि.ग्रा. तक की अधिकतम क्षमता वाले हैं और "ई" मान 1×10^k, 2×10^k या 5×10^k, के हैं जो धनात्मक या ऋणात्मक पूर्णांक या शून्य के समतुल्य हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(106)/2003]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th September, 2005

S.O. 3310.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) (hereinafter referred to as the said Act) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over period of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of Model of self indicating, non-automatic weighing instrument (Platform type) with digital indication of "PFPF" series of high accuracy (Accuracy class-II) and with brand name "PERFECT" (hereinafter referred to as the Model), manufactured by M/s. Perfect Industries, C-157, Mayapuri Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110064 and which is assigned the approval mark IND/09/2005/95;

The said Model is a load cell based weighing instrument (Platform type) with a maximum capacity of 1200kg. and minimum capacity of 5kg. The verification scale interval (e) is 100g. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The Light Emitting Diode indicates the weighing result. The instruments operates on 230 Volts and 50 Hertz alternative current power supply.

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity above 50kg and up to 5000 kg with verification scale interval (n) in the range of 5000 to 50,000 for 'e' value of 100 mg. or more and with 'e' value of 1×10^k, 2×10^k or 5×10^k, where k being a positive or negative whole number or equal to zero manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which. the said approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(106)/2003]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 2005

का.आ. 3311.—केन्द्रीय सरकार का, विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) तथा बाट और माप मानक (मॉडलों का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि लगातार प्रयोग की अवधि में भी उक्त मॉडल यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा प्रदान करता रहेगा;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स पाउच पैकिंग इंडस्ट्रीज, राजीव गांधी काम्प्लेक्स, 21/3, मथुरा रोड, प्रताप स्टील के सामने, बल्लभगढ़-121004 द्वारा निर्मित "पीपी-050" श्रृंखला के स्वतः सूचक, स्वचालित भरण मशीन (कप फिलर प्रकार) के मॉडल का, जिसके ब्राण्ड का नाम "पाउच पैकिंग इंडस्ट्रीज" है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मॉडल कहा गया है) और जिसे अनुमोदन चिह्न आई एन डी/09/2004/553 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र जारी और प्रकाशित करती है।

उक्त मॉडल (नीचे दी गई आकृति देखें) एक स्वचालित भरण मशीन (कप फिलर) है। इसकी क्षमता 20 ग्रा. से 500 ग्रा. है। इसका उपयोग दूध पाउडर, मसाले, काफी पाउडर, चाय, डिटर्जेंट पाउडर, ग्लूकोज पाउडर, नमक, सूजी, चीनी आदि जैसे मुक्त बहाव वाले उत्पादों को भरने के लिए होता है। इससे प्रति मिनट 60 पाउच भरे जाते हैं। यह 230 वोल्ट और 50 हट्र्ज प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर कार्य करता है।

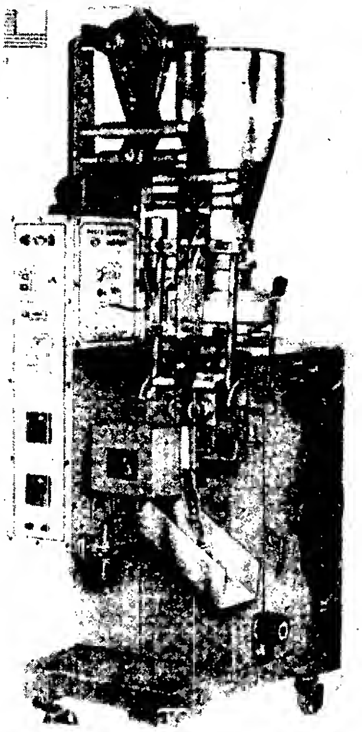

स्टाम्पिंग प्लेट के मुद्रांकन के अतिरिक्त मशीन को कपटपूर्ण व्यवहारों के लिए खोलने से रोकने के लिए सीलबन्द भी किया जाएगा।

और, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि उक्त मॉडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित मॉडल विनिर्मित किया गया है, विनिर्मित उसी श्रृंखला के वैसे ही मेक, यथार्थता और कार्यपालन के तोलन उपकरण भी होंगे, जिनकी क्षमता 20 ग्रा. से 500 ग्राम तक की रेंज के बीच की है।

[फा. सं. डब्ल्यू एम-21(163)/2001]

पी. ए. कृष्णामूर्ति, निदेशक, विधिक माप विज्ञान

New Delhi, the 7th September, 2005

S.O. 3311.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain its accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-sections (7) and (8) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby issues and publishes the certificate of approval of the Model of self indicating, automatic filling machine (Cup Filler) of "PP-050" series with brand name "POUCH PACKING INDUSTRIES" (herein referred to as the adid Model), manufactured by M/s Pouch Packing Industries, Rajiv Gandhi Complex, 21/3, Mathura Road, Opp. Pratap Street, Ballabhgarh-121 004 and which is assigned the approval mark IND/09/2004/553;

The said model (see the figure given below) is an automatic filling machine (Cup Filler) with a capacity range of 20g to 500g. It is used for filling the free flowing products like milk powder, spices, coffee powder, tea powder, detergent powder, glucose poweder, suzi, salt, sugar etc. It fills 60 pouches per minute. The instrument operates on 230-Volts and 50-Hertz alternate courrent power supply;

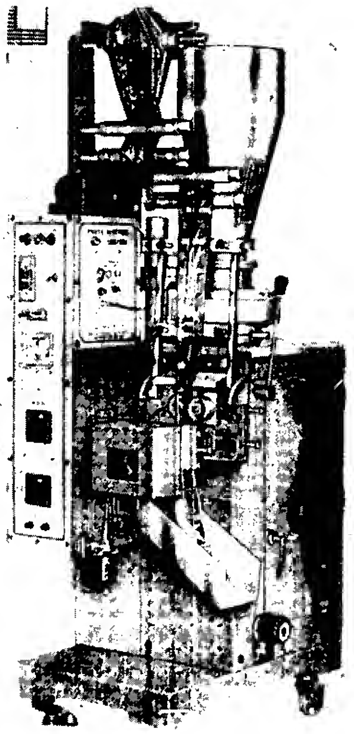

In addition to sealing stamping plate, sealing shall also be done to provent the opening of the machine for fraudulent practices.

Further, in exercise of the power conferred by Sub-section (12) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the said Model shall also cover the weighing instrument of similar make and performance of same series with capacity in the range 20g to 500g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design, accuracy and with the same materials with which, the said approved model has been manufactured.

[F. No. WM-21(163)/2001]

P. A. KRISHNAMOORTHY, Director of Legal Metrology

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 2005

का. आ. 3312.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1023 तारीख 9 मार्च, 2005, जो भारत के राजपत्र तारीख 19 मार्च, 2005 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में मध्यप्रदेश राज्य में मांगल्या (इंदौर) संस्थापन से हरियाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए मुंबई–मांगल्या पाइपलाइन विस्तार परियोजना के माध्यम से भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 30 मई, 2005 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात , और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : छाता जिला : मथुरा राज्य : उत्तर प्रदेश

क्रम सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1	आझईकलां	2	0.0750
		106	0.2130
		123	0.0960
		126	0.0540
		129	0.0216
		133	0.2890
		136	0.0680
		137	0.0370
		139	0.0470
2	आझईखुर्द	1119	0.0200
		1128	0.0810
		1129	0.2810
		1196	0.0130
		1194	0.0070
		1195	0.1060
		1197	0.0850
2	आझईखुर्द (जारी...)	1249	0.0150
		1248	0.1590
		1247	0.1540
		1240	0.0210
		1237	0.0680
		1238	0.0760
		1233	0.0340
		1232	0.0950
		1239	0.0080
		1231	0.3010
		1227	0.0160
		1226	0.0120
		1228	0.1880
		1067	0.1260
		1066	0.1320
		1065	0.0870
		1064	0.0400
		1062	0.1430
		1061	0.0720
		1377/1250	0.1850
		1121	0.0300
3	अजनौठी	28	0.1800
		29	0.1160
		30	0.0290
		31	0.3320
		32	0.0300
		128	0.0300
		127	0.3880
		164	0.0150
		165	0.0070
		399	0.3240
		398	0.1600
		402	0.0150
		405	0.0250
		406	0.3750
		407	0.0150
		457	0.1520
		458	0.0130
		456	0.3750
		470	0.1440
		472	0.0940
		467	0.0150
		468	0.0050
		465	0.0300
		466	0.3460
4	अकबरपुर	135	0.0600
		136	0.2850
		184	0.1230
		223	0.2310
		192	0.3750
		183	0.2520
		187	0.0080
		106	0.3890
		111	0.0120
		112	0.0080
		128	0.3240
		127	0.0090
		131	0.0080
		177	0.0150
		90	0.0080
		96	0.1230
		97	0.2240

1	2	3	4
4	अकबरपुर (जारी...)	48	0.0120
		40	0.0760
		41	0.0120
		47	0.0900
		44	0.1080
		43	0.0080
		42	0.0050
		35	0.1800
		36	0.2380
		33	0.0290
		18	0.0080
		10	0.0580
		12	0.0580
		14	0.0080
		13	0.0360
		15	0.1080
		8	0.0080
		1	0.1160
		201	0.0100
		210	0.3480
		216	0.0100
		224 A	0.2410
		226	0.0150
		240	0.0070
		244	0.1000
		243	0.3030
		255	0.0120
		270	0.0690
		271	0.0080
		273	0.5760
		272	0.0720
		278	0.0080
		283	0.0300
		388	0.0300
		418	0.0150
		416 B	0.0510
		406	0.0250
		409	0.0250
		889	0.0200
		866	0.0360
		945	0.0080
		963	0.0080
		962	0.0080
		956	0.2520
		954	0.0210
		949	0.0080
		948 B	0.0770
		947	0.3240
		946	0.0070
		275	0.0070
		423	0.0200
		422	0.2810
		421	0.0140
		412	0.3100
		413	0.0070
		414	0.0150
		417	0.0050
		415 A	0.1230
		966	0.0300
		967	0.1110
		964	0.0190
		981	0.6020

1	2	3	4
4	अकबरपुर (जारी...)	978	0.0150
		977	0.0290
		979	0.0800
		980	0.0080
		958	0.0680
		957	0.1370
		233	0.2980
5	बहरावली	47	0.0280
		57	0.1100
		58	0.1290
		62	0.0350
		63	0.0410
		65	0.2810
		48	0.0150
8	बिड़ावली	108	0.2670
		107	0.1950
		106	0.0040
		105	0.0440
		109	0.0050
		110	0.0110
		104	0.2250
7	बरौली	59	0.2520
		60	0.0940
		61	0.0190
		63	0.1090
		64	0.1020
		67	0.1960
		65	0.0060
		72	0.0820
		73	0.0440
		75	0.2190
		74	0.0160
		103	0.3100
		108	0.0150
		136	0.2100
		131	0.1180
		126	0.0020
		127	0.2230
		68	0.0100
		71	0.0130
		76	0.2600
		135	0.0360
		125	0.1800
		120	0.3390
		122	0.0360
		123	0.0360
		112	0.0360
		119	0.2160
8	चन्दोरी	1	0.0150
		6	0.0120
		7	0.1440
		8	0.2520
		22	0.0130
		28	0.4040
		29	0.1520
		108	0.3100
		107	0.1230
		109	0.0080
		116	0.0080
		115	0.0220
		117	0.2020

1	2	3	4
8	चन्दोरी (जारी...)	118	0.2380
		119	0.1300
		143	0.0150
		142	0.2310
		141	0.0150
		132	0.0400
		133	0.2960
		140	0.1670
		139	0.2160
		137	0.0250
		138	0.3640
		187	0.0150
		166	0.0110
		185	0.0820
		202	0.2190
		199	0.2200
		198	0.1750
		197	0.0160
		195	0.1820
		194	0.0340
		191	0.0650
		193	0.0080
		192	0.3790
		318	0.0180
		317	0.0250
		322	0.3680
		211	0.0150
		321	0.1950
		323	0.1880
9	चौमुहाँ	598	0.2090
		597	0.2100
		605	0.2090
		707	0.0080
		712	0.0150
		714	0.0080
		715	0.0370
		681	0.0150
		682	0.1660
		686	0.0150
		687	0.0290
		661	0.0940
		666	0.0230
		665	0.0080
		601	0.2270
		602	0.0290
		613	0.0510
		713	0.4470
		709	0.0150
		706	0.2600
		683	0.1520
		659	0.1440
		660	0.0080
		664	0.0080
		668	0.0080
		670	0.0080
		625	0.2670
		626	0.0120
		616	0.0940
		1025	0.0110
		1033/1	0.0420
		1037	0.1650
		1038	0.0090

1	2	3	4
9	चौमुहाँ (जारी...)	1069	0.0050
		1073	0.2160
		1074	0.1020
		1072	0.4110
		1079	0.0080
		1080	0.2670
		663	0.1370
		662	0.0720
		648	0.1230
		647	0.0050
		669	0.1230
		640	0.1160
		639	0.0120
		627	0.2360
		1048	0.0080
		1050	0.0080
		1047	0.1310
		1046	0.0090
		1045	0.2600
		1109	0.0110
		1084	0.0940
		1085	0.2880
		1070	0.0440
		628	0.1250
10	गुहेता सातबिसा	63	0.2020
		64	0.0590
		66	0.1790
		68	0.1090
		70	0.2510
		71	0.1020
		74	0.0570
		76	0.2310
		60	0.0140
		72	0.0150
		73	0.0200
		77	0.3100
		225	0.0190
		224	0.3100
		238	0.0360
		203	0.4990
		209	0.0150
		217	0.3770
		214	0.0080
		211	0.5030
		213	0.0200
		250	0.1350
		251	0.1750
11	खरौट	452	0.0580
		445	0.1010
		441	0.1270
		508	0.3330
		688	0.1440
		660	0.0230
		658	0.0160
		661	0.0120
		657	0.1660
		650	0.2140
		437	0.4610
		453	0.2090
		444	0.1440
		443	0.0250

1	2	3	4
11	खरौट (जारी...)	439	0.3460
		686	0.0650
		685	0.1080
		678	0.1950
		679	0.1160
		677	0.0290
		675	0.0360
		676	0.0360
		659	0.0800
		649	0.0740
		648	0.0650
		1321	0.0200
		1366	0.2500
		643	0.2600
		1335	0.3030
		1334	0.0270
12	सेंमरी	281	0.0290
		275	0.0060
		276	0.0520
		277	0.1380
		280	0.0080
		279	0.4420
		278	0.0190
		282	0.0080
		283	0.1370
		324	0.1890
		327	0.0080
		329	0.0120
		330	0.1380
		336	0.0370
		351	0.0140
		355	0.0440
		356	0.1040
		362	0.0130
		365	0.0100
		363	0.2020
		366	0.0250
		325	0.0940
		287	0.1300
13	हथाना	1251	0.5190
		1149	0.1010
		1151	0.0720
		1152	0.4040
		1051	0.6270
		1032	0.1590
		782	0.1300
		783	0.1230
		784	0.0510
		785	0.1230
		795	0.0150
		786	0.0440
		1074	0.2740
		1072	0.0930
		1076	0.0130
		1087	0.8570
		862	0.3760
		880	0.1990

1	2	3	4
13	हथाना (जारी...)	982	0.0350
		980	0.0330
		974	0.0090
		973	0.2200
		972	0.0510
		804	0.0250
		803	0.0250
		802	0.4760
		797	0.1660
		801	0.0190
		975	0.3680
		976	0.0100
		683	0.0510
		881	0.0110
14	छाताखास	913	0.3320
		916	0.4970
		911	0.0220
		902	0.0240
		889	0.1880
		696	0.0190
		550	0.0720
		549	0.1230
		547	0.0150
		546	0.1230
		912	0.0150
		917	0.0360
		909	0.0650
		892	0.0150
		890	0.0720
		884	0.0430
		842	0.0050
		839	0.0150
		840	0.0180
		814	0.0370
		816	0.0160
		811	0.1660
		815	0.2450
		790	0.0150
		792	0.0800
		791	0.2880
		770	0.1160
		844	0.3530
		843	0.0360
		837	0.1440
		822	0.6410
		818	0.0220
		813	0.0220
		784	0.0150
		785	0.0220
		769	0.0290
		768	0.0150
		774	0.4180
		775	0.0580
		758	0.0080
		759	0.0150
		757	0.2740
		726	0.0360

1	2	3	4
14	छाताखास (जारी...)	717	0.4610
		714	0.0080
		715	0.0150
		708	0.2380
		706	0.5550
		683	0.0800
		690	0.5910
		691	0.3240
15	फालैन	116	0.0290
		120	0.1010
		136	0.0220
		132	0.1230
		133	0.0940
		214	0.0200
		212	0.1080
		208/1	0.0440
		208/2	0.3320
		208/3	0.1800
		208/4	0.2600
		208/5	0.1250
		207	0.0070
		460	0.0510
		457	0.0290
		463	0.0190
		464	0.1730
		465	0.3240
		466	0.0580
		439	0.1800
		438	0.3090
		437	0.0220
		436	0.0550
		435	0.0360
		434	0.0450
		517	0.0210
		521	0.2090
		522	0.0170
		520	0.0870
		523	0.2450
		525	0.0150
		561	0.4400
		593	0.1880
		594	0.0080
		592	0.3600
		589	0.0280
		587	0.3460
		586	0.0360
		611	0.1660
		612	0.3170
		613	0.0080
		458	0.0360
		119	0.1110

[फा०सं०आर०–31015/4/2005–ओ आर.-II]

हरीश कुमार अवर सचिव

MININSTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 13th September, 2005

S. O. 3312.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh, an extension pipeline to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan in the NCT of Delhi should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule, may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Lai Singh, Competent Authority, Mumbai-Mangiya Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, 179, Vishwa Laxmi Nagar, Mathura – 281004 (Uttar Predesh).

SCHEDULE

Tehsil : Chhata District : Mathura State : Uttar Pradesh

S.No.	Name Of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1	AAJHAIKALAN	2	0.0750
		106	0.2130
		123	0.0960
		126	0.0540
		129	0.0216
		133	0.2890
		136	0.0680
		137	0.0370
		139	0.0470
2	AAJHAIKHURD	1119	0.0200
		1128	0.0810
		1129	0.2810
		1196	0.0130
		1194	0.0070
		1195	0.1060
		1197	0.0850
		1249	0.0150
		1248	0.1590
		1247	0.1540
		1240	0.0210
		1237	0.0680
		1238	0.0760
		1233	0.0340
		1232	0.0950
		1239	0.0080
		1231	0.3010

1	2	3	4
2	AAJHAIKHURD (Contd...)	1227	0.0160
		1226	0.0120
		1228	0.1880
		1067	0.1260
		1066	0.1520
		1065	0.0870
		1064	0.0400
		1062	0.1430
		1061	0.0720
		1377/1250	0.1850
		1121	0.0300
3	AJANAUTHI	28	0.1800
		29	0.1100
		30	0.0290
		31	0.3320
		32	0.0300
		128	0.0300
		127	0.3880
		164	0.0150
		165	0.0070
		399	0.3240
		398	0.1600
		402	0.0150
		405	0.0250
		406	0.3750
		407	0.0150
		457	0.1520
		458	0.0130
		456	0.3750
		470	0.1440
		472	0.0940
		467	0.0150
		468	0.0050
		465	0.0300
		466	0.3460
4	AKBARPUR	135	0.0600
		136	0.2850
		184	0.1230
		223	0.2310
		192	0.3750
		183	0.2520
		187	0.0080
		106	0.3890
		111	0.0120
		112	0.0080
		128	0.3240
		127	0.0090
		131	0.0080
		177	0.0150
		90	0.0080
		96	0.1230
		97	0.2240
		48	0.0120
		40	0.0760
		41	0.0120
		47	0.0900
4	AKBARPUR (Contd...)	44	0.1080
		43	0.0080
		42	0.0050
		35	0.1800
		36	0.2380
		33	0.0290
		18	0.0080
		10	0.0580
		12	0.0580
		14	0.0080
		13	0.0360
		15	0.1080
		6	0.0080
		1	0.1160
		201	0.0100
		210	0.3480
		216	0.0100
		224 A	0.2410
		226	0.0150
		240	0.0070
		244	0.1000
		243	0.3030
		255	0.0120
		270	0.0690
		271	0.0080
		273	0.5760
		272	0.0720
		278	0.0080
		283	0.0300
		388	0.0300
		418	0.0150
		416 B	0.0510
		406	0.0250
		409	0.0250
		869	0.0200
		866	0.0360
		945	0.0080
		963	0.0080
		962	0.0080
		956	0.2520
		954	0.0210
		949	0.0080
		948 B	0.0770
		947	0.3240
		946	0.0070
		275	0.0070
		423	0.0200
		422	0.2810
		421	0.0140
		412	0.3100
		413	0.0070
		414	0.0150
		417	0.0050
		415 A	0.1230
		966	0.0300
		967	0.1110

1	2	3	4
4	AKBARPUR (Contd...)	964	0.0190
		981	0.6020
		978	0.0150
		977	0.0290
		979	0.0800
		980	0.0080
		958	0.0680
		957	0.1370
		233	0.2980
5	BAHARAVALI	47	0.0280
		57	0.1100
		58	0.1290
		62	0.0358
		63	0.0410
		65	0.2810
		48	0.0150
6	BIDAVALI	108	0.2670
		107	0.1950
		106	0.0040
		105	0.0440
		109	0.0050
		110	0.0110
		104	0.2250
7	BAROULI	59	0.2520
		60	0.0940
		61	0.0190
		63	0.1090
		64	0.1020
		67	0.1960
		65	0.0060
		72	0.0820
		73	0.0440
		75	0.2190
		74	0.0160
		103	0.3100
		108	0.0150
		136	0.2100
		131	0.1180
		126	0.0020
		127	0.2230
		86	0.0100
		71	0.0130
		76	0.2600
		135	0.0360
		125	0.1800
		120	0.3390
		122	0.0360
		123	0.0360
		112	0.0360
		119	0.2160
8	CHANDAURI	1	0.0150
		6	0.0120
		7	0.1440
		8	0.2520
		22	0.0130
		28	0.4040
		29	0.1520
		108	0.3100
		107	0.1230
		109	0.0080
		116	0.0080

1	2	3	4
8	CHANDAURI (Contd...)	115	0.0220
		117	0.2020
		118	0.2380
		119	0.1300
		143	0.0150
		142	0.2310
		141	0.0150
		132	0.0400
		133	0.2960
		140	0.1670
		139	0.2160
		137	0.0250
		138	0.3640
		187	0.0150
		186	0.0110
		185	0.0820
		202	0.2190
		199	0.2200
		198	0.1750
		197	0.0160
		195	0.1820
		194	0.0340
		191	0.0650
		193	0.0080
		192	0.3790
		318	0.0180
		317	0.0250
		322	0.3680
		211	0.0150
		321	0.1950
		323	0.1860
9	CHAUMUHAN	598	0.2090
		597	0.2100
		605	0.2090
		707	0.0080
		712	0.0150
		714	0.0080
		715	0.0370
		681	0.0150
		682	0.1660
		686	0.0150
		687	0.0290
		661	0.0940
		666	0.0230
		665	0.0080
		601	0.2270
		602	0.0290
		613	0.0510
		713	0.4470
		709	0.0150
		706	0.2600
		683	0.1520
		659	0.1440
		660	0.0080
		664	0.0080
		668	0.0080
		670	0.0080
		625	0.2670
		626	0.0120
		616	0.0940
		1025	0.0110
		1033/1	0.0420

1	2	3	4
9	CHAUMUHAN (Contd...)	1037	0.1650
		1038	0.0090
		1069	0.0050
		1073	0.2160
		1074	0.1020
		1072	0.4110
		1079	0.0080
		1080	0.2670
		663	0.1370
		662	0.0720
		648	0.1230
		647	0.0050
		669	0.1230
		640	0.1160
		639	0.0120
		627	0.2360
		1048	0.0080
		1050	0.0080
		1047	0.1310
		1046	0.0090
		1045	0.2600
		1109	0.0110
		1084	0.0940
		1085	0.2880
		1070	0.0440
		628	0.1250
10	GUHETA SATBISA	63	0.2020
		64	0.0590
		66	0.1790
		68	0.1090
		70	0.2510
		71	0.1020
		74	0.0570
		76	0.2310
		60	0.0140
		72	0.0150
		73	0.0200
		77	0.3100
		226	0.0190
		224	0.3100
		238	0.0360
		203	0.4990
		209	0.0150
		217	0.3770
		214	0.0080
		211	0.5030
		213	0.0200
		250	0.1350
		251	0.1750
11	KHAROT	452	0.0580
		445	0.1010
		441	0.1270
		508	0.3330
		688	0.1440
		660	0.0230
		658	0.0160
		661	0.0120
		657	0.1660
		650	0.2140
		437	0.4610
		453	0.2090
		444	0.1440

1	2	3	4
11	KHAROT (Contd...)	443	0.0250
		439	0.3460
		686	0.0650
		685	0.1080
		678	0.1950
		679	0.1160
		677	0.0290
		675	0.0360
		676	0.0360
		659	0.0800
		649	0.0740
		648	0.0650
		1321	0.0200
		1366	0.2500
		643	0.2600
		1335	0.3030
		1334	0.0270
12	SENMARI	281	0.0290
		275	0.0060
		276	0.0520
		277	0.1380
		280	0.0080
		279	0.4420
		278	0.0190
		282	0.0080
		283	0.1370
		324	0.1890
		327	0.0080
		329	0.0120
		330	0.1380
		336	0.0370
		351	0.0140
		355	0.0440
		356	0.1040
		362	0.0130
		365	0.0100
		363	0.2020
		366	0.0250
		325	0.0940
		287	0.1300
13	HATHANA	1251	0.5190
		1149	0.1010
		1151	0.0720
		1152	0.4040
		1051	0.6270
		1032	0.1590
		782	0.1300
		783	0.1230
		784	0.0510
		785	0.1230
		795	0.0150
		786	0.0440
		1074	0.2740
		1072	0.0930
		1076	0.0130

1	2	3	4
13	HATHANA (Contd...)	1087	0.8570
		882	0.3760
		880	0.1990
		982	0.0350
		980	0.0330
		974	0.0090
		973	0.2200
		972	0.0510
		804	0.0250
		803	0.0250
		802	0.4760
		797	0.1660
		801	0.0190
		975	0.3680
		976	0.0100
		883	0.0510
		881	0.0110
14	CHHATAKHAS	913	0.3320
		916	0.4970
		911	0.0220
		902	0.0240
		889	0.1880
		696	0.0190
		550	0.0720
		549	0.1230
		547	0.0150
		546	0.1230
		912	0.0150
		917	0.0360
		909	0.0650
		892	0.0150
		890	0.0720
		884	0.0430
		842	0.0050
		839	0.0150
		840	0.0180
		814	0.0370
		816	0.0160
		811	0.1660
		615	0.2450
		790	0.0150
		792	0.0800
		791	0.2880
		770	0.1160
		844	0.3530
		843	0.0360
		837	0.1440
		822	0.6410
		818	0.0220
		813	0.0220
		784	0.0150
		785	0.0220
		769	0.0290
		768	0.0150
		774	0.4180
		775	0.0580
		758	0.0080
14	CHHATAKHAS (Contd...)	759	0.0150
		757	0.2740
		726	0.0360
		717	0.4610
		714	0.0080
		715	0.0150
		708	0.2380
		706	0.5550
		683	0.0800
		690	0.5910
		691	0.3240
15	PHALAIN	116	0.0290
		120	0.1010
		136	0.0220
		132	0.1230
		133	0.0940
		214	0.0200
		212	0.1080
		208/1	0.0440
		208/2	0.3320
		208/3	0.1800
		208/4	0.2600
		208/5	0.1250
		207	0.0070
		460	0.0510
		457	0.0290
		463	0.0190
		464	0.1730
		465	0.3240
		466	0.0580
		439	0.1800
		438	0.3090
		437	0.0220
		436	0.0550
		435	0.0360
		434	0.0450
		517	0.0210
		521	0.2090
		522	0.0170
		520	0.0870
		523	0.2450
		525	0.0150
		561	0.4400
		593	0.1880
		594	0.0080
		592	0.3600
		589	0.0260
		587	0.3460
		586	0.0360
		611	0.1660
		612	0.3170
		613	0.0080
		458	0.0360
		119	0.1110

[F.N. R-31015/4/2005-OR-II]

HARISH KUMAR Under Secretary

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 2005

का. आ. 3313.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्यप्रदेश राज्य में मांगल्या (इन्दौर) संस्थापन से हरियाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादकों के परिवहन के लिए भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती हैं;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री लाल सिंह, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई मांगल्या पाइपलाइन विस्तार परियोजना, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, 179, विश्व लक्ष्मी नगर, मथुरा–281004 (यू.पी.) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील : छाता　　जिला : मथुरा　　राज्य : उत्तर प्रदेश

क्रम सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1	आझईकलां	133	0.1430
		1	0.0750
		5	0.1584
		88	0.2550
		90	0.3390
		95	0.3600
		108	0.1480
		138	0.0450
		92	0.0080
		94	0.0300
		105	0.0080
		125	0.0760
2	आझईखुर्द	1225	0.0120
3	अजनौठी	457	0.1000
		456	0.0570
4	अकबरपुर	40	0.0320
		273/1002	0.0300
		948B	0.0166
		274	0.0070
5	बरौली	72	0.0380
		118	0.0093
		294	0.0870
		128	0.0080
6	चौमुहाँ	1040	0.2810
7	खरौट	438	0.2880
		680	0.0120
		1338	0.1200
		1358	0.0350
		1353	0.1260
		1352	0.0432
8	सेंमरी	329	0.0100
		287	0.0860
		208	0.0610
		364	0.1750
9	हथाना	1075	0.0130
		1057	0.6270
		1022	0.0340
		1023	0.0350
10	छाताखास	817	0.0250
		703	0.0080
		705	0.0080
		752	0.0150
		793	0.0080
		764	0.0080
		825	0.0080
11	फालैन	97	0.0080
		98	0.0200
		99	0.3600
		111	0.1550
		112	0.2300
		113	0.0850
		114	0.3750
		115	0.1440
		120	0.4030
		136	0.0220
		131	0.3240
		208/1	0.1910
		473	0.0100
		435	0.1080
		512	0.0100
		594	0.0170
		130	0.0100

[फा0सं0आर0–31015/4/2005–ओ आर.-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 13th September, 2005

S. O. 3313.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh, an extension pipeline to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan in the NCT of Delhi should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule, may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Lal Singh, Competent Authority, Mumbai-Manglya Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, 179, Vishwa Laxmi Nagar, Mathura – 281004 (Uttar Pradesh).

SCHEDULE

Tehsil : Chhata District : Mathura State : Uttar Pradesh

S.No.	Name Of Village	Survey No.	Area in Hectare,
1	2	3	4
1	AAJHAIKALAN	133	0.1430
		1	0.0750
		5	0.1584
		88	0.2550
		90	0.3390
		95	0.3600
		108	0.1480
		138	0.0450
		92	0.0080
		94	0.0300
		105	0.0080
		125	0.0760
2	AAJHAIKHURD	1225	0.0120
3	AJANAUTHI	457	0.1000
		456	0.0570
4	AKBARPUR	40	0.0320
		273/1002	0.0300
		948B	0.0166
		274	0.0070
5	BAROULI	72	0.0380
		118	0.0093
		294	0.0870
		128	0.0080
6	CHAUMUHAN	1040	0.2810
7	KHAROT	438	0.2880
		880	0.0120
		1338	0.1200
		1358	0.0350
		1353	0.1280
		1352	0.0432
8	SENMARI	329	0.0100
		287	0.0860
		208	0.0610
		364	0.1750
9	HATHANA	1075	0.0130
		1057	0.6270
		1022	0.0340
		1023	0.0350
10	CHHATAKHAS	817	0.0250
		703	0.0080
		705	0.0080
		752	0.0150
		793	0.0080
		764	0.0080
		825	0.0080
11	PHALAIN	97	0.0080
		98	0.0200
		99	0.3600
		111	0.1550
		112	0.2300
		113	0.0850
		114	0.3750
		115	0.1440
		120	0.4030
		136	0.0220
		131	0.3240
		208/1	0.1910
		473	0.0100
		435	0.1080
		512	0.0100
		594	0.0170
		130	0.0100

[F.N. R-31015/4/2005-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secretary

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 2005

का. आ. 3314.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्यप्रदेश राज्य में मांगल्या (इन्दौर) संस्थापन से हरियाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादकों के परिवहन के लिए भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती हैं;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री लाल सिंह, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई मांगल्या पाइपलाइन विस्तार परियोजना, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, 179, विश्व लक्ष्मी नगर, मथुरा–281004 (यू.पी.) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील : छाता जिला : मथुरा राज्य : उत्तर प्रदेश

क्रम सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1	बरचावली	273	0.1080
		272	0.0360
		269	0.0450
		270	0.0080
		268	0.0504
		260	0.0850
		259	0.0060
		261	0.0100
		254	0.0450
		253	0.1150
		248	0.0250
		251	0.0216
		250	0.0850
		249	0.0100
		244	0.0350
		235	0.0750
		233	0.0150
		234	0.0720
		230	0.0100
		229	0.2880
		225	0.1008
		191	0.1250
		190	0.0790

[फा0सं0आर0–31015/4/2005–ओ आर.-II]

हरीश कुमार अवर सचिव

New Delhi, the 13th September, 2005

S. O. 3314.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh, an extension pipeline to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan in the NCT of Delhi should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Govemment that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule, may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Lal Singh, Competent Authority, Mumbai-Manglya Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, 179, Vishwa Laxmi Nagar, Mathura – 281004 (Uttar Pradesh).

SCHEDULE

Tehsil : Chhata District : Mathura State : Uttar Pradesh

S.No.	Name Of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1	BARCHAWALI	273	0.1080
		272	0.0360
		269	0.0450
		270	0.0080
		268	0.0504
		260	0.0850
		259	0.0060
		261	0.0100
		254	0.0450
		253	0.1150
		248	0.0250
		251	0.0216
		250	0.0850
		249	0.0100
		244	0.0350
		235	0.0750
		233	0.0150
		234	0.0720
		230	0.0100
		229	0.2880
		225	0.1008
		191	0.1250
		190	0.0790

[F.N. R-31015/4/2005-OR-II]

HARISH KUMAR Under Secretary

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 2005

का. आ. 3315.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का आ 3195 तारीख 13 दिसम्बर, 2004, जो भारत के राजपत्र तारीख 18 दिसम्बर, 2004 में प्रकाशित की गई थी, (जिसके सम्बन्ध में भारत के राजपत्र तारीख 30 अप्रैल, 2005 में प्रकाशित अधिसूचना का.आ. 1600 तारीख 25 अप्रैल, 2005 द्वारा शुद्विपत्र जारी किया गया था), द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में मुन्द्रा-दिल्ली पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन के माध्यम से गुजरात राज्य में मुन्द्रा से दिल्ली तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 17 फरवरी, 2005,को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, इस मंत्रालय के सहमति पत्र सं आर-31015/7/03-ओ आर-II दिनांक 25-11-2004 द्वारा लगाई गई शर्तो के अधीन सभी विल्लंगमों से मुक्त, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1.	शिवपुरी	8119(स.नदी)	0	12	24
		8114(स.भूमि)	0	03	73
		8113	0	09	68
		8112	0	02	81
		8111	0	13	59
		8110	0	01	21
		8109	0	20	70
		8096	0	05	41
		8098	0	02	64
		8097	0	18	59
		8079	0	13	14
		8073	0	02	42
		8075	0	02	73
		8076	0	02	91
		8077	0	07	12
		8078	0	01	32
		8063	0	00	83
		8056/8470	0	00	96
		8056/8469	0	25	53
		8062	0	00	29
		8056	0	03	94
		8041	0	06	97
		8040	0	06	08
		8037	0	18	24
		8029	0	01	32
		8034	0	38	62
		7919	0	30	34
		7924	0	19	44
		7925	0	00	75
		7926	0	21	06
		7927	0	10	59
		7928	0	00	20
		7817(स.रास्ता)	0	01	80
		7406	0	12	24
		7398	0	04	09
		7405	0	11	16
		7402	0	16	20

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
			क्षेत्रफल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1.	शिवपुरी (जारी...)	7420	0	14	40
		7479	0	14	51
		7421/1(पी.डब्ल्यू.डी.) 7421/2	0	01	12
		7378(स.रास्ता)	0	02	82
		7372/2(पी.डब्ल्यू.डी.) 7372/1	0	02	10
		7371 7371/2(पी.डब्ल्यू.डी.)	0	09	29
		7370	0	09	55
		7369	0	11	47
		7349	0	05	62
		5519	0	07	56
		5517	0	04	08
		5518	0	07	75
		5516	0	00	20
		5521	0	14	00
		5515	0	09	54
		5547	0	03	06
		5545/8736	0	00	42
		5545	0	19	63
2.	टोडी	5557(स.नाला)	0	03	39
		5557/8734	0	03	69
		5565	0	07	68
		5566	0	08	28
		5568	0	05	29
		5572	0	20	70
		5670	0	10	44
		5669	0	14	22
		5642	0	08	10
		5667	0	00	64
		5665	0	02	34
		5644	0	01	62
		5664	0	07	16
		5654	0	21	55
		5157	0	09	53
		5158	0	06	43
		5151	0	05	40
		5149	0	09	24

तहसील : शाहपुरा   जिला : जयपुर   राज्य : राजस्थान

क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
2.	येडी (जारी...)				
		5147	0	09	72
		5118	0	14	70
		5122	0	09	90
		5117	0	00	20
		5125	0	00	84
		5124	0	06	30
		5127	0	07	72
		5128	0	08	46
		5051	0	00	55
		5050	0	12	61
		5048	0	05	57
		5047	0	07	10
		5046	0	03	96
		5045	0	02	15
		5010(स.भूमि)	0	04	28
		4956	0	00	84
		4957	0	09	36
		4958	0	01	09
		4965	0	05	88
		4964	0	08	28
		4966	0	06	30
		4963	0	00	20
		4967	0	03	04
		4969	0	07	02
		4968	0	00	20
		4938(स.चारागाह)	0	18	59
		4810/8672/1 4810/8672/2 }	0	15	20
		4936	0	13	02
		4920	0	23	63
		4919	0	27	08
		4811	0	16	42
		4812	0	00	24
		4813/8675	0	09	50
		4813	0	04	65
		4809/1 4809/1/1 4809/2 }	0	28	80
		4827	0	02	93

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
3.	उदावाला	4763/1 4763/2	0	04	35
		4580	0	24	88
		4617	0	04	10
		4618	0	08	40
		4628	0	02	65
		4627	0	04	61
		4629	0	01	14
		4626	0	13	54
		4634	0	11	33
		4635/8589	0	12	92
		4636	0	26	52
		4638	0	09	40
		4639	0	26	11
		4732	0	01	45
		4732/8371/1 4732/8371/2	0	18	27
		4731	0	12	24
		4730	0	08	62
		4727	0	18	72
		4713	0	08	66
		4716	0	12	03
		4718	0	09	64
		4685	0	02	72
		4689	0	13	20
		4688	0	11	19
		4686	0	00	20
		4709(स.चारागाह)	0	00	85
		4705	0	14	91
		4703	0	00	99
		4706	0	07	62
4.	निवारा	1509	0	15	84
		1504	0	05	76
		1503	0	07	63
		1502	0	00	96
		1498	0	07	46
		1497	0	06	48
		1496	0	05	45
		1495	0	10	18

तहसील : शाहपुरा जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
4.	निठारा (जारी...)	1494	0	08	72
		1493	0	09	42
		1492(स.नाला)	0	06	80
		1486(स.चारागाह)	0	05	03
		1482	0	20	23
		1483	0	21	34
		1484(स.चारागाह)	0	27	21
		1434	0	18	01
		1438	0	04	30
		1364	0	14	84
		1363	0	02	52
		1362	0	05	21
		1371	0	16	17
		1372	0	08	79
		1376	0	09	72
		1380/1576	0	08	97
		1380	0	00	48
		1382	0	08	64
		1383	0	10	80
		1386	0	05	68
		1387	0	05	86
		1421	0	00	93
		1390	0	02	66
		1395(स.चारागाह)	0	34	16
		1392	0	07	92
		1397	0	28	00
		1398(स.चारागाह)	0	07	56
		1400(स.चारागाह)	0	06	12
		1401(स.नाला)	0	03	18
5.	लेटकाबास	1352(स.बहड)	0	04	68
		1322(स.नाला)	0	05	22
		1321(स.बहड)	0	01	82
		1326	0	23	54
		1327	0	02	97
		1328	0	01	72
		1329 1329/1	0	00	20
		1330	0	03	75
		1379/1406(स.नाला)	0	04	58

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
			क्षेत्रफल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
5.	लेटकाबास (जारी...)	1378	0	00	20
		1376	0	00	30
		1377	0	03	12
		1381(स.चारागाह)	0	02	34
		1092	0	00	20
		1084(स.चारागाह)	0	04	32
		1082	0	06	52
		1083(स.बहड)	0	02	84
6.	लाखनी	552	0	09	21
		545(स.चारागाह)	0	03	71
		538	0	05	10
		541	0	06	37
		540	0	01	26
		540/613(स.चारागाह)	0	00	72
		539(स.चारागाह)	0	03	96
		557(स.चारागाह)	0	30	09
7.	कांट	1891(स.चारागाह)	0	01	80
		1890(स.नाला)	0	02	28
		1889(स.चारागाह)	0	44	10
		1893(स.चारागाह)	0	32	32
		1894(स.चारागाह)	0	12	60
		1898(स.चारागाह)	0	10	94
		1899(स.चारागाह)	0	09	95
		1900	0	00	20
		1901/2102 1971/2102	0	01	54
		1901/2103	0	02	31
		1907	0	05	58
		1915	0	00	20
		1914	0	09	94
		1937	0	04	32
		1938	0	00	20
		1936	0	03	78
		1939	0	00	56
		1952	0	09	36
		1967	0	05	59
		1961	0	00	56
		1962	0	04	08
		1958	0	06	84

तहसील : शाहपुरा जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
7.	कांट (जारी...)	1975	0	05	40
		1980	0	05	58
		1982	0	03	40
		1985	0	05	17
		1988	0	04	48
		1990	0	03	96
		1996	0	05	77
		1994	0	00	90
		2000	0	03	42
		2004	0	03	31
		2008	0	06	73
		2009/1 2009/2	0	02	21
		2011	0	05	76
		2024	0	10	20
		2022	0	04	50
		2023(स.नाला)	0	05	45
		1460(स.नाला)	0	00	30
8.	देबन	2527	0	09	18
		2539	0	05	50
		2540	0	21	96
		2541	0	18	72
		2543	0	04	91
		2545	0	26	82
		2547	0	15	23
		1184	0	21	78
		1189	0	00	25
		1182(स.नदी)	0	04	47
		1201	0	16	30
		1202	0	03	41
		1200	0	16	92
		1199	0	12	09
		1216	0	11	82
		1219	0	18	37
		1221(स.रास्ता)	0	02	70
		1289	0	30	42
		1290	0	07	16
		1288	0	08	10
		1281	0	14	47

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
			क्षेत्रफल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
8.	देवन (जारी...)	1291	0	00	20
		1282	0	00	39
		1280	0	11	82
		1277	0	09	62
		1276	0	00	21
		1319(स.रास्ता)	0	02	41
		1375	0	12	18
		1377	0	23	09
		1378	0	00	58
		1392	0	23	09
		1402	0	13	44
		1403	0	01	80
		1401	0	05	82
		1406	0	04	77
		1407	0	04	02
		1413	0	15	03
		1410/2915	0	03	11
		1412(स.रास्ता)	0	01	98
		1410	0	00	20
		1435	0	11	35
		940	0	04	11
		939	0	10	26
		941	0	13	61
		943	0	04	21
		933	0	16	57
		944	0	07	20
		945	0	06	15
9.	माधोकाबास	921	0	00	92
		950मिन(स.भूमि)	0	05	57
		920	0	02	58
		912	0	08	46
		911(स.भूमि)	0	01	28
		913	0	03	61
		914(स.भूमि)	0	01	08
		910(स.भूमि)	0	12	36
		890(स.रास्ता)	0	03	61
		874	0	02	10
		873	0	17	87
		870	0	05	25

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
9.	माधोकाबास (जारी...)	872	0	00	24
		871	0	03	37
		867	0	11	29

[फा. सं. आर-31015/60/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 13th September, 2005

S.O. 3315.— Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3195 dated the 13th December, 2004, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 18th December, 2004, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of petroleum products from Mundra in the State of Gujarat to Delhi through Mundra-Delhi Petroleum Product Pipeline by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 17th February, 2005;

And whereas the competent authority has, under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of publication of the declaration, in Hindustan Petroleum Corporation Limited, free from all encumbrances, subject to the conditions imposed vide this Ministry's consent letter no. R-31015/7/03 OR-II dated 25-11-2004.

SCHEDULE

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1.	**SHIVPURI**	8119(G/L River)	0	12	24
		8114(G/L)	0	03	73
		8113	0	09	68
		8112	0	02	81
		8111	0	13	59
		8110	0	01	21
		8109	0	20	70
		8096	0	05	41
		8098	0	02	64
		8097	0	18	59
		8079	0	13	14
		8073	0	02	42
		8075	0	02	73
		8076	0	02	91
		8077	0	07	12
		8078	0	01	32
		8063	0	00	83
		8056/8470	0	00	96
		8056/8469	0	25	53
		8062	0	00	29
		8056	0	03	94
		8041	0	06	97
		8040	0	06	08
		8037	0	18	24
		8029	0	01	32
		8034	0	38	62
		7919	0	30	34
		7924	0	19	44
		7925	0	00	75
		7926	0	21	06
		7927	0	10	59
		7928	0	00	20
		7817(G/L Cart Track)	0	01	80
		7406	0	12	24
		7398	0	04	09
		7405	0	11	16
		7402	0	16	20

Tehsil : SHAHAPURA District : JAIPUR State : RAJASTHAN

Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1.	**SHIVPURI (Contd...)**	7420	0	14	40
		7479	0	14	51
		7421/1(P.W.D.) 7421/2	0	01	12
		7378(G/L Cart Track)	0	02	82
		7372/2(P.W.D.) 7372/1	0	02	10
		7371 7371/2(P.W.D.)	0	09	29
		7370	0	09	55
		7369	0	11	47
		7349	0	05	62
		5519	0	07	56
		5517	0	04	08
		5518	0	07	75
		5516	0	00	20
		5521	0	14	00
		5515	0	09	54
		5547	0	03	06
		5545/8736	0	00	42
		5545	0	19	63
2.	**TODI**	5557(G/L Nala)	0	03	39
		5557/8734	0	03	69
		5565	0	07	68
		5566	0	08	28
		5568	0	05	29
		5572	0	20	70
		5670	0	10	44
		5669	0	14	22
		5642	0	08	10
		5667	0	00	64
		5665	0	02	34
		5644	0	01	62
		5664	0	07	16
		5654	0	21	55
		5157	0	09	53
		5158	0	06	43
		5151	0	05	40
		5149	0	09	24

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
2.	TODI (Contd...)	5147	0	09	72
		5118	0	14	70
		5122	0	09	90
		5117	0	00	20
		5125	0	00	84
		5124	0	06	30
		5127	0	07	72
		5128	0	08	46
		5051	0	00	55
		5050	0	12	61
		5048	0	05	57
		5047	0	07	10
		5046	0	03	96
		5045	0	02	15
		5010(G/L)	0	04	28
		4956	0	00	84
		4957	0	09	36
		4958	0	01	09
		4965	0	05	88
		4964	0	08	28
		4966	0	06	30
		4963	0	00	20
		4967	0	03	04
		4969	0	07	02
		4968	0	00	20
		4938(G/L Pasture)	0	18	59
		4810/8672/1 4810/8672/2	0	15	20
		4936	0	13	02
		4920	0	23	63
		4919	0	27	08
		4811	0	16	42
		4812	0	00	24
		4813/8675	0	09	50
		4813	0	04	65
		4809/1 4809/1/1 4809/2	0	28	80
		4827	0	02	93

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
3.	UDAWALA	4763/1 4763/2	0	04	35
		4580	0	24	88
		4617	0	04	10
		4618	0	08	40
		4628	0	02	65
		4627	0	04	61
		4629	0	01	14
		4626	0	13	54
		4634	0	11	33
		4635/8589	0	12	92
		4636	0	26	52
		4638	0	09	40
		4639	0	26	11
		4732	0	01	45
		4732/8371/1 4732/8371/2	0	18	27
		4731	0	12	24
		4730	0	08	62
		4727	0	18	72
		4713	0	08	66
		4716	0	12	03
		4718	0	09	64
		4685	0	02	72
		4689	0	13	20
		4688	0	11	19
		4686	0	00	20
		4709(G/L Pasture)	0	00	85
		4705	0	14	91
		4703	0	00	99
		4706	0	07	62
4.	NITHARA	1509	0	15	84
		1504	0	05	76
		1503	0	07	63
		1502	0	00	96
		1498	0	07	46
		1497	0	06	48
		1496	0	05	45
		1495	0	10	18

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
4.	NITHARA (Contd...)	1494	0	08	72
		1493	0	09	42
		1492(G/L Nala)	0	06	80
		1486(G/L Pasture)	0	05	03
		1482	0	20	23
		1483	0	21	34
		1484(G/L Pasture)	0	27	21
		1434	0	18	01
		1438	0	04	30
		1364	0	14	84
		1363	0	02	52
		1362	0	05	21
		1371	0	16	17
		1372	0	08	79
		1376	0	09	72
		1380/1576	0	08	97
		1380	0	00	48
		1382	0	08	64
		1383	0	10	80
		1386	0	05	68
		1387	0	05	86
		1421	0	00	93
		1390	0	02	66
		1395(G/L Pasture)	0	34	16
		1392	0	07	92
		1397	0	28	00
		1398(G/L Pasture)	0	07	56
		1400(G/L Pasture)	0	06	12
		1401(G/L Nala)	0	03	18
5.	LETKAWAS	1352(G/L Behad)	0	04	68
		1322(G/L Nala)	0	05	22
		1321(G/L Behad)	0	01	82
		1326	0	23	54
		1327	0	02	97
		1328	0	01	72
		1329 1329/1	0	00	20
		1330	0	03	75
		1379/1406(G/L Nala)	0	04	58

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
5.	LETKAWAS (Contd...)	1378	0	00	20
		1376	0	00	30
		1377	0	03	12
		1381(G/L Pasture)	0	02	34
		1092	0	00	20
		1084(G/L Pasture)	0	04	32
		1082	0	06	52
		1083(G/L Behad)	0	02	84
6.	LAKHANI	552	0	09	21
		545(G/L Pasture)	0	03	71
		538	0	05	10
		541	0	06	37
		540	0	01	26
		540/613(G/L Pasture)	0	00	72
		539(G/L Pasture)	0	03	96
		557(G/L Pasture)	0	30	09
7.	KANT	1891(G/L Pasture)	0	01	80
		1890(G/L Nala)	0	02	28
		1889(G/L Pasture)	0	44	10
		1893(G/L Pasture)	0	32	32
		1894(G/L Pasture)	0	12	60
		1898(G/L Pasture)	0	10	94
		1899(G/L Pasture)	0	09	95
		1900	0	00	20
		1901/2102 1971/2102	0	01	54
		1901/2103	0	02	31
		1907	0	05	58
		1915	0	00	20
		1914	0	09	94
		1937	0	04	32
		1938	0	00	20
		1936	0	03	78
		1939	0	00	56
		1952	0	09	36
		1967	0	05	59
		1961	0	00	56
		1962	0	04	08
		1958	0	06	84

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
7.	KANT (Contd...)	1975	0	05	40
		1980	0	05	58
		1982	0	03	40
		1985	0	05	17
		1988	0	04	48
		1990	0	03	96
		1996	0	05	77
		1994	0	00	90
		2000	0	03	42
		2004	0	03	31
		2008	0	06	73
		2009/1 2009/2	0	02	21
		2011	0	05	76
		2024	0	10	20
		2022	0	04	50
		2023(G/L Nala)	0	05	45
		1460(G/L Nala)	0	00	30
8.	DEVAN	2527	0	09	18
		2539	0	05	50
		2540	0	21	96
		2541	0	18	72
		2543	0	04	91
		2545	0	26	82
		2547	0	15	23
		1184	0	21	78
		1189	0	00	25
		1182(G/L River)	0	04	47
		1201	0	16	30
		1202	0	03	41
		1200	0	16	92
		1199	0	12	09
		1216	0	11	82
		1219	0	18	37
		1221(G/L Cart Track)	0	02	70
		1289	0	30	42
		1290	0	07	16
		1288	0	08	10
		1281	0	14	47

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
8.	DEVAN (Contd...)	1291	0	00	20
		1282	0	00	39
		1280	0	11	82
		1277	0	09	62
		1276	0	00	21
		1319(G/L Cart Track)	0	02	41
		1375	0	12	18
		1377	0	23	09
		1378	0	00	58
		1392	0	23	09
		1402	0	13	44
		1403	0	01	80
		1401	0	05	82
		1406	0	04	77
		1407	0	04	02
		1413	0	15	03
		1410/2915	0	03	11
		1412(G/L Cart Track)	0	01	98
		1410	0	00	20
		1435	0	11	35
		940	0	04	11
		939	0	10	26
		941	0	13	61
		943	0	04	21
		933	0	16	57
		944	0	07	20
		945	0	06	15
9.	MADHOKABAS	921	0	00	92
		950Min(G/L)	0	05	57
		920	0	02	58
		912	0	08	46
		911(G/L)	0	01	28
		913	0	03	61
		914(G/L)	0	01	08
		910(G/L)	0	12	36
		890(G/L Cart Track)	0	03	61
		874	0	02	10
		873	0	17	87
		870	0	05	25

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
9.	**MADHOKABAS (Contd...)**	872	0	00	24
		871	0	03	37
		867	0	11	29

[No. R-31015/60/2004-O.R.-II]
HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 2005

का. आ. 3316.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मुन्द्रा (गुजरात) से दिल्ली तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री शिवदत्त गौड़, सक्षम प्राधिकारी, मुन्द्रा-दिल्ली पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन परियोजना, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डी-7 लालबहादुर नगर (पूर्व), क्लार्क्स आमेर होटल के सामने, जवाहरलाल नेहरु मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017(राजस्थान) को लिखित रुप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1.	शिवपुरी	8114(स.भूमि)	0	06	03
		8112	0	01	03
		8110	0	01	03
		8120(स.रास्ता)	0	12	60
		8096	0	00	53
		8075	0	00	47
		8076	0	01	59
		8077	0	02	00
		8063	0	00	71
		8056/8469	0	00	35
		8062	0	00	37
		8056	0	00	48
		8041	0	00	49
		8040	0	00	76
		8037	0	00	48
		8034	0	02	18
		7919	0	00	62
		7925	0	00	33
		7927	0	00	39
		7398	0	00	59
		7379	0	15	72
		7371 7371/2(पी.डब्ल्यू.डी.)	0	01	21
		7370	0	00	15
		7349	0	00	32
		5518	0	01	13
		5521	0	00	22
		5547	0	00	76
		5545	0	01	97
2.	टोडी	5557(स.नाला)	0	00	75
		5557/8734	0	00	27
		5642	0	01	14
		5644	0	00	48
		5654	0	00	41
		5157	0	00	73
		5149	0	00	30
		5147	0	00	18
		5124	0	00	42
		5127	0	00	20

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
2.	टोडी (जारी...)	5051	0	01	29
		5050	0	01	75
		5048	0	00	37
		4957	0	00	24
		4938(स.चारागाह)	0	00	59
		4810/8672/1 4810/8672/2	0	00	52
		4936	0	00	84
		4921	0	02	80
		4920	0	02	19
		4919	0	00	44
		4811	0	00	86
		4813	0	00	57
3.	उदावाला	4763/1 4763/2	0	00	51
		4617	0	00	10
		4618	0	00	40
		4628	0	00	55
		4627	0	00	79
		4626	0	01	22
		4634	0	00	19
		4635/8589	0	01	42
		4636	0	01	62
		4638	0	01	04
		4639	0	01	43
		4685	0	00	16
		4688	0	00	33
		4686	0	00	20
		4705	0	02	37
		4706	0	04	26
4.	निठारा	1503	0	00	29
		1494	0	00	46
		1493	0	00	30
		1486(स.चारागाह)	0	00	73
		1482	0	00	65
		1483	0	00	26
		1434	0	01	07
		1438	0	00	38
		1364	0	00	28
		1362	0	00	19
		1372	0	00	21

तहसील : शाहपुरा जिला : जयपुर राज्य : राजस्थान

क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल हेक्टेयर	क्षेत्रफल एयर	क्षेत्रफल वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
4.	निवारा (जारी...)				
		1376	0	00	28
		1380/1576	0	00	63
		1386	0	00	80
		1395(स.चारागाह)	0	00	90
5.	लेटकाबास	1321(स.बहड)	0	01	96
		1327	0	02	21
		1329 1329/1	0	16	00
		1330	0	08	85
		1379/1406(स.नाला)	0	00	28
		1376	0	15	90
		1092	0	17	98
		1084(स.चारागाह)	0	00	18
		1081	0	13	28
		1079	0	06	84
		1077	0	07	56
6.	लाखनी	552	0	49	11
		545(स.चारागाह)	0	01	51
		542	0	06	48
		541	0	01	26
		541/614	0	01	19
		557(स.चारागाह)	0	07	53
7.	कांट	1890(स.नाला)	0	00	06
		1893(स.चारागाह)	0	01	16
		1899(स.चारागाह)	0	01	09
		1901/2103	0	01	49
		1914	0	01	04
		1939	0	00	16
		1962	0	00	40
		1996	0	00	71
		2004	0	00	29
		2009/1 2009/2	0	00	49
		2022	0	00	82
		2023(स.नाला)	0	00	33
8.	देवन	2529	0	05	04
		2528	0	24	32
		2539	0	10	70
		2543	0	07	69
		2547	0	02	35
		1184	0	02	97

तहसील : शाहपुरा		जिला : जयपुर	राज्य : राजस्थान		
			क्षेत्रफल		
क्रम सं.	गाँव का नाम	खसरा सं.	हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
8.	देवन (जारी...)	1201	0	01	34
		1216	0	00	42
		1219	0	00	17
		1290	0	00	76
		1282	0	00	15
		1280	0	00	42
		1276	0	00	19
		1319(स.रास्ता)	0	00	11
		1375	0	00	60
		1378	0	00	42
		1392	0	00	67
		1402	0	01	22
		1401	0	00	30
		1407	0	00	30
		1413	0	00	81
		1410/2915	0	00	13
		1435	0	00	71
		940	0	01	29
		941	0	00	79
		943	0	00	47
		945	0	00	69
9.	माधोकाबास	950मिन(स.भूमि)	0	00	73
		913	0	01	19
		914(स.भूमि)	0	00	24
		890(स.रास्ता)	0	00	53
		874	0	00	24
		873	0	00	49
		870	0	00	33
		867	0	00	59

[फा. सं. आर-31015/60/2004-ओ.आर-II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 13th September, 2005

S. O. 3316.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Mundra (Gujarat) to Delhi, a pipeline should be laid by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Shivdutt Gaur, Competent Authority, Mundra-Delhi Petroleum Product Pipeline Project, Hindustan Petroleum Corporation Limited, D-7, Lal Bahadur Nagar (East), Opp. Clarks Amer Hotel, Jawaharlal Nehru Marg, Malviya Nagar, Jaipur – 302017 (Rajasthan).

SCHEDULE

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1.	SHIVPURI	8114(G/L)	0	06	03
		8112	0	01	03
		8110	0	01	03
		8120(G/L)	0	12	60
		8096	0	00	53
		8075	0	00	47
		8076	0	01	59
		8077	0	02	00
		8063	0	00	71
		8056/8469	0	00	35
		8062	0	00	37
		8056	0	00	48
		8041	0	00	49
		8040	0	00	76
		8037	0	00	48
		8034	0	02	18
		7919	0	00	62
		7925	0	00	33
		7927	0	00	39
		7398	0	00	59
		7379	0	15	72
		7371 7371/2(P.W.D.) }	0	01	21
		7370	0	00	15
		7349	0	00	32
		5518	0	01	13
		5521	0	00	22
		5547	0	00	76
		5545	0	01	97
2.	TODI	5557(G/L Nala)	0	00	75
		5557/8734	0	00	27
		5642	0	01	14
		5644	0	00	48
		5654	0	00	41

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
2.	TODI (Contd...)	5157	0	00	73
		5149	0	00	30
		5147	0	00	18
		5124	0	00	42
		5127	0	00	20
		5051	0	01	29
		5050	0	01	75
		5048	0	00	37
		4957	0	00	24
		4938(G/L Pasture)	0	00	59
		4810/8672/1 4810/8672/2	0	00	52
		4936	0	00	84
		4921	0	02	80
		4920	0	02	19
		4919	0	00	44
		4811	0	00	86
		4813	0	00	57
3.	UDAWALA	4763/1 4763/2	0	00	51
		4617	0	00	10
		4618	0	00	40
		4628	0	00	55
		4627	0	00	79
		4626	0	01	22
		4634	0	00	19
		4635/8589	0	01	42
		4636	0	01	62
		4638	0	01	04
		4639	0	01	43
		4685	0	00	16
		4688	0	00	33
		4686	0	00	20
		4705	0	02	37
		4706	0	04	26
4.	NITHARA	1503	0	00	29
		1494	0	00	46
		1493	0	00	30
		1486(G/L Pasture)	0	00	73
		1482	0	00	65
		1483	0	00	26
		1434	0	01	07
		1438	0	00	38
		1364	0	00	28

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
4.	NITHARA (Contd...)	1362	0	00	19
		1372	0	00	21
		1376	0	00	28
		1380/1576	0	00	63
		1386	0	00	80
		1395(G/L Pasture)	0	00	90
5.	LETKABAS	1321(G/L Behad)	0	01	96
		1327	0	02	21
		1329 1329/1	0	16	00
		1330	0	08	85
		1379/1406(G/L Nala)	0	00	28
		1376	0	15	90
		1092	0	17	98
		1084(G/L Pasture)	0	00	18
		1081	0	13	28
		1079	0	06	84
		1077	0	07	56
6.	LAKHANI	552	0	49	11
		545(G/L Pasture)	0	01	51
		542	0	06	48
		541	0	01	26
		541/614	0	01	19
		557(G/L Pasture)	0	07	53
7.	KANT	1890(G/L Nala)	0	00	06
		1893(G/L Pasture)	0	01	16
		1899(G/L Pasture)	0	01	09
		1901/2103	0	01	49
		1914	0	01	04
		1939	0	00	16
		1962	0	00	40
		1996	0	00	71
		2004	0	00	29
		2009/1 2009/2	0	00	49
		2022	0	00	82
		2023(G/L Nala)	0	00	33
8.	DEVAN	2529	0	05	04
		2528	0	24	32
		2539	0	10	70
		2543	0	07	69
		2547	0	02	35
		1184	0	02	97

Tehsil : SHAHAPURA		District : JAIPUR	State : RAJASTHAN		
Sr. No.	Name of the Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
8.	DEVAN (Contd...)	1201	0	01	34
		1216	0	00	42
		1219	0	00	17
		1290	0	00	76
		1282	0	00	15
		1280	0	00	42
		1276	0	00	19
		1319(G/L Cart Track)	0	00	11
		1375	0	00	60
		1378	0	00	42
		1392	0	00	67
		1402	0	01	22
		1401	0	00	30
		1407	0	00	30
		1413	0	00	81
		1410/2915	0	00	13
		1435	0	00	71
		940	0	01	29
		941	0	00	79
		943	0	00	47
		945	0	00	69
9.	MADHOKABAS	950Min(G/L)	0	00	73
		913	0	01	19
		914(G/L)	0	00	24
		890(G/L Cart Track)	0	00	53
		874	0	00	24
		873	0	00	49
		870	0	00	33
		867	0	00	59

[No. R-31015/60/2004-O.R.-II]

HARISH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का. आ. 3317.—तेल उद्योग (विकास) अधिनियम, 1974 (1974 का 47) की धारा-3 की उपधारा (3) (खण्ड-ग) द्वारा प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री सुबीर राहा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ओ.एन.जी.सी. को दिनांक 20.06.2005 से तेल उद्योग विकास बोर्ड के सदस्य के रूप में, अधिकतम अगले दो वर्ष तक, या अगले आदेश जारी होने तक, जो भी पहले हो, पुनर्नियुक्त करती है।

[फा. सं. जी-35012/2/91-वित्त-II]

के. पी. के. नम्बीसन, अवर सचिव

New Delhi, the 14th September, 2005

S. O. 3317.— In exercise of the powers conferred by Clause (c) of Sub-section (3) of Section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby re-appoints Shri Subir Raha, C&MD, Oil & Natural Gas Corporation Limited from 20.6.2005 for a period not exceeding two years or till further orders, whichever is earlier as Member of the Oil Industry Development Board:

[F. No. G-35012/2/91-Fin.-II]
K.P.K. NAMBISSAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2005

का. आ. 3318.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी और भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1907 तारीख 24 मई, 2005 द्वारा उड़ीसा राज्य में पारादीप से पश्चिमी बंगाल राज्य में हल्दिया तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा कच्चे तेल के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन हेतु उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमि मे उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशाय की घोषणा की थी।

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 27-6-2005 को उपलब्ध करा दी गई थी।

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है।

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाना है।

अतः, अव, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा करती है कि इश अधिसूचना की अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार पाइपलाइनें बिछाए जाने हेतु अर्जित किया जाता है।

और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त भुमि के उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड मे निहित होगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : सुताहाटा　　जिला : पूर्व मिदनापुर　　राज्य : पश्चिमी बंगाल

गाँव का नाम	अधिकारिता सूचि संख्या	प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
इश्वरदह जालपाइ	53	1	00	00	87
		3	00	01	09
		15	00	15	29
		17	00	03	91
		62	00	01	74
		67	00	00	20
		68	00	01	70
		69	00	08	33

[फा. सं. आर-25011/13/2005-ओ.आर.-I]

एस. के. चिटकारा, अवर सचिव

New Delhi, the 14th September, 2005

S. O. 3318.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 1907 dated the 24th May, 2005, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of crude oil from Paradip in the State of Orissa to Haldia in the State of West Bengal by Indian Oil Corporation Limited ;

And whereas, the copies of the said notification were made available to the public on 27-6-2005.

And whereas, the competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act, has submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government, after considering the said report, is satisfied that the right of user in the land specified in the schedule appended to this notification should be acquired ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land shall instead of vesting in the Central Government, vest from the date of publication of this declaration, in Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

Schedule

Police Station : Sutahata District : Purba Midnapur State : West-Bengal

Name of Village	Jurisdiction List No.	Plot. No.	Area Hectare	Are	Square Metre
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Iswardahajalpai	53	1	00	00	87
		3	00	01	09
		15	00	15	29
		17	00	03	91
		62	00	01	74
		67	00	00	20
		68	00	01	70
		69	00	08	33

[F. No. R-25011/13/2005-O.R.-I]
S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2005

का. आ. 3319.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ और तारीख की नीचे दी गई अनुसूची में यथाउल्लेखित तारीख की अधिसूचना, का.आ संख्या द्वारा उन अधिसूचनाओं से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि के अधिकार के अर्जन का अधिकार प्राप्त किया था।

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुऐ, उक्त भूमियों में जो सभी विल्लंगमो से मुक्त हैं, उपयोग का अधिकार इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित किया था।

और सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दी है कि गुजरात राज्य में मुन्द्रा से कंडला हाइड्रोकार्बन पाइपलाइन के मार्गाधिकार में अनुसूची में उक्त ग्रामों की भूमियों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। अत: इन भूमियों में प्रचालन की समाप्ति की जाए जिसका संक्षिप्त विवरण इस अधिसूचना की संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया जाता है।

अत: अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) नियम, 1963 के नियम 4, के स्पष्टीकरण-1 के अधीन अपेक्षानुसार उक्त अनुसूची के स्तंभ 7 में उल्लेखित तारीख की प्रचालन की समाप्ति की तारीखों के रूप में घोषित करती है।

अनुसूची

क्र. सं.	का.आ.सं.एवं दिनांक	ग्राम का नाम	तहसील/तालुका	जिला	राज्य	प्रचालन की समाप्ति की तारीख
1	2	3	4	5	6	7
1	1606 दि. 28.05.03	मीठी रोहर चुडवा	गांधीधाम	कच्छ	गुजरात	07/12/2004
	1607 दि. 28.05.03	कुंभारीया मिंधीयाला वीडी सिनुग्रा नागलपर मोटी नागलपर नानी अंजार राताातलाव वरसामेडी	अंजार	कच्छ	गुजरात	07/12/2004

[फा. सं. आर-25011/11/2005-ओ.आर.-I]

एस. के. चिटकारा, अवर सचिव

New Delhi, the 15th September, 2005

S. O. 3319.—Whereas, by the notifications of the Government of India in the ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O.Number and date as mentioned in the schedule below issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right o User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government acquired the right of user in the lands specified in the Schedule appended to those notification;

And whereas, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government vested the right of user in said lands, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, the Competent Authority has made a report to the Central Government that the pipeline for the purpose of transport of petroleum products from Mundra to Kandla through the villages in the State of Gujarat mentioned in the Schedule has been laid in the said lands, so the operation may be terminated in respect of the land description of which in brief is specified in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, as required under explanation–1 of rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 1963, the Central Government hereby declares the dates mentioned in Column 7 of the said Schedule as the dates of termination of operation.

SCHEDULE

Sl.No.	S.O. No. & Date	Name of village	Taluka	District	State	Date of Termination of operation
1	2	3	4	5	6	7
1	1606 dated 28.05.03	Mithirohar Chudva	**Gandhidham**	**Kachchh**	**Gujarat**	**7/12/2004**
2	1607 dated 28.05.03	Kumbhariya Mindhiala Vidi Sinugra Nagalpar Moti Nagalpar Nani Anjar Rata talav Varsamedi	**Anjar**	**Kachchh**	**Gujarat**	**7/12/2004**

[F. No. R-25011/11/2005-O.R.-I]
S. K. CHITKARA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2005

का. आ. 3320.— केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्यप्रदेश राज्य में मांगल्या (इंदौर) संस्थापन से हरियाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती

हैं, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिए उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री दीपक नन्दी, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई - मांगल्या पाइपलाइन विस्तार परियोजना, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, बी-105, इन्द्र विहार, तलवण्डी, कोटा -324005 (राजस्थान) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील : पिड़ावा जिला : झालावाड़ राज्य : राजस्थान

क्र0	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1	सेमलीकल्याण	257	0.5740
		246	0.1592
		331	0.0520
		254	0.0150
		276/459	0.0720
		238	0.1520
		231	0.0510
		333	0.0100
		229	0.0940
		220	0.0300
		222	0.0650
		223	0.0360
		212	0.0080
		191	0.0300
		187	0.0150
		186	0.1370
		185	0.0150
		180	0.0080
2	मुंडला	659	0.0072
		660	0.0144
3	फतेहगढ़	422/1103	0.0144
4	कचरा खेड़ी	606	0.0288
5	निमाहेड़ा	199/545	0.0864
		445	0.0144
		442	0.2160
		443	0.0040
6	डावल	121/752	0.0220
		114/744	0.1230
		105	0.1100
		104	0.0580
		101	0.1950

क्र0	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
6	डावल (जारी.....)	95/776	0.0300
		95	0.0510

हरीश कुमार -- अवर सचिव

[फा0सं0आर0-31015/ 84 /2004-ओ आर II]

New Delhi, the 15th September, 2005

S.O. Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh, an extension pipeline to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan in the NCT of Delhi should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule, may, within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Deepak Nandi, Competent Authority, Mumbai-Manglya Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, B-105, Indravihar, Talwandi, Kota-324005 (Rajasthan).

SCHEDULE

TEHSIL : PIDAWA DISTRICT : JHALAWAR STATE : RAJASTHAN

S.No.	NAME OF VILLAGE	SURVEY NO.	AREA IN HECTARE
1	2	3	4
1	SEMLI KALYAN	257	0.5840
		246	0.1692
		331	0.0520
		254	0.0150
		276/459	0.0720
		238	0.1520
		231	0.0510
		333	0.0100
		229	0.0940
		220	0.0300
		222	0.0650
		223	0.0360
		212	0.0080
		191	0.0300
		187	0.0150
		186	0.1370
		185	0.0150
		180	0.0080
2	MUNDLA	659	0.0072
		660	0.0144
3	FATEHGARH	422/1103	0.0144
4	KACHRA KHEDI	606	0.0288
5	NIMAHEDA	199/545	0.0864
		445	0.0144
		442	0.2160
		443	0.0040
6	DAWAL	121/752	0.0220
		114/744	0.1230
		105	0.1100
		104	0.0580
		101	0.1950
		95/776	0.0300
		95	0.0510

[F.N. R-31015/ 84 /2004-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secretary

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2005

का. आ. 3321.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्य प्रदेश में मांगल्या (इन्दौर) संस्थापन से हरयाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्दीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50), की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिये उसमे उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री दीपक नन्दी, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई–मांगल्या पाइपलाइन विस्तार परियोजना, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, बी–105, इन्द्र विहार, तलवंडी, कोटा – 324005 (राजस्थान) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील : खानपुर जिला : झालावाड़ राज्य : राजस्थान

क्र0	ग्राम का नाम	सर्वे नम्बर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1	बोरदा	142	0.0742
		163	0.1274
		160	0.0199
		521	0.0077
		139	0.0144
		143	0.0216
		149	0.1800
		158	0.0144
		178	0.2376
2	चोसला	200	0.0216
		195	0.6000
3	पनवाड़	194	0.7200
		91	0.0432
		87	0.0127
		86	0.0258
		22	0.1070
		44	0.0277
		45	0.0486
		58	0.0442
		71	0.0362
		297	0.0324
		352	0.0077
		372	0.0446
		236	0.0432
		237	0.0216
		298	0.1440
4	उम्मेदपुरा	348	0.0020
		144	0.0430
		114	0.0040
		145	0.0290
		146	0.0290
		115	0.3100
		118	0.2900
		124	0.1730
		123/206	0.0360
		125	0.2160
		134	0.1160
		137	0.1000

1	2	3	4
4	उम्मेदपुरा (जारी....)	133	0.0040
		138	0.0720
		34	0.0150
		36	0.1000
		35	0.0150
		9	0.0720
		10	0.3680
		11	0.1450
		8	0.1300
		5	0.5050
		2	0.0220
5	हीचर	80/398	0.0072
		275	0.0216
		277	0.1944
		278	0.1957
6	लायफल	132/881	0.1184
		123	0.0273
7	बागोद	128/269	0.1526
		14	0.0216
		90/292	0.1920
		90/293	0.1920
8	जीरापुर	334	0.0375

हरीश कुमार, अवर सचिव
फा०सं०आर०–31015/ 75 /2004–ओ आर–II

New Delhi, the 15th September, 2005

S. O. 3321.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh, an extension pipeline to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan in the NCT of Delhi should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Deepak Nandi, Competent Authority, Mumbai-Manglya Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, B-105, Indravihar, Talwandi, Kota-324005 (Rajasthan).

SCHEDULE

TEHSIL : KHANPUR **DISTRICT : JHALAWAR** **STATE : RAJASTHAN**

S.No.	NAME OF VILLAGE	SURVEY NO.	AREA IN HECTARE
1	2	3	4
1	BORDA	142	0.0742
		163	0.1274
		160	0.0199
		521	0.0077
		139	0.0144
		143	0.0216
		149	0.1800
		158	0.0144
		178	0.2376
		200	0.0216

1	2	3	4
2	CHOSLA	195	0.6000
		194	0.7200
3	PANWAD	91	0.0432
		87	0.0127
		86	0.0258
		22	0.1070
		44	0.0277
		45	0 0486
		58	0.0442
		71	0.0362
		297	0 0324
		352	0 0077
		372	0.0446
		236	0.0432
		237	0 0216
		298	0 1440
		348	0.0020
4	UMMEDPURA	144	0 0430
		114	0 0040
		145	0.0290
		146	0 0290
		115	0.3100
		118	0.2900
		124	0.1730
		123/206	0.0360
		125	0.2160
		134	0 1160
		137	0.1000
		133	0.0040
		138	0.0720
		34	0.0150
		36	0.1000
		35	0.0150
		9	0.0720
		10	0.3680
		11	0.1450
		8	0.1300
		5	0.5050
		2	0.0220
5	HICHAR	80/398	0.0072
		275	0.0216
		277	0.1944
		278	0.1957
6	LAIFAL	132/881	0.1184
		123	0.0273
7	BAGOD	128/269	0.1526
		14	0.0216
		90/292	0 1920
		90/293	0.1920
8	JIRAPUR	334	0.0375

HARISH KUMAR, Under Secretary
[F.N. R-31015/ 75 /2004-OR-II]

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2005

का. आ. 3322.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्य प्रदेश में मांगल्या (इन्दौर) संस्थापन से हरयाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक विस्तार पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50), की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिये उसमे उपयोग के अधिकार के अर्जन के सम्बन्ध में श्री दीपक नन्दी, सक्षम प्राधिकारी, मुम्बई–मांगल्या पाइपलाइन विस्तार परियोजना, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, बी–105, इन्द्र विहार, तलवंडी, कोटा – 324005 (राजस्थान) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील : खानपुर — जिला : झालावाड़ — राज्य : राजस्थान

क्र0	ग्राम का नाम	सर्वे नम्बर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1	समदखेड़ी	17	0.0220
		18	0.3250
		23	0.1100
		22	0.0870
		19	0.0040
		20	0.3250
		30	0.0150
		4	0.3450
		6	0.4470

[फा0सं0आर0–31015/75/2004–ओ आर–II]

हरीश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 15th September, 2005

S. O. 3322.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh, an extension pipeline to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan in the NCT of Delhi should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said Schedule may within twenty one days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Deepak Nandi, Competent Authority, Mumbai-Manglya Pipeline Extension Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, B-105, Indravihar, Talwandi, Kota-324005 (Rajasthan).

SCHEDULE

TEHSIL : KHANPUR — DISTRICT : JHALAWAR — STATE : RAJASTHAN

S.No.	NAME OF VILLAGE	SURVEY NO.	AREA IN HECTARE
1	2	3	4
1	SAMADKHEDI	17	0.0220
		18	0.3250
		23	0.1100
		22	0.0870
		19	0.0040
		20	0.3250
		30	0.0150
		4	0.3450
		6	0.4470

HARISH KUMAR, Under Secretary

[F.N. R-31015/ 75 /2004-OR-II]

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 2005

का. आ. 3323.— केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 432 तारीख 04 फरवरी, 2005, जो भारत के राजपत्र तारीख 5 फरवरी, 2005 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में मध्यप्रदेश राज्य में मांगल्या (इंदौर) संस्थापन से हरियाणा राज्य में पियाला तथा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बिजवासन तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए मुंबई–मांगल्या पाइपलाइन विस्तार परियोजना के माध्यम से भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी य

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 12 मार्च, 2005 को उपलब्ध करा दी गई थी य

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है य

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात , और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चिय किया है य

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है य

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : पिड़ावा | जिला : झालावाड़ | राज्य : राजस्थान

क्र0	ग्राम का नाम	सर्वे नम्बर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1	सरखेड़ी	977	0.0648
		952	0.1224
		953	0.0072
		976	0.2232
		975	0.2376
		973	0.1944
		968	0.1584
		669	0.1368
		667	0.0792
		555	0.0216
		556	0.2664
		559	0.0720
		560	0.1008
		561	0.1440
		563	0.0864
		564	0.0360
		591	0.0144
		592	0.0648
		593	0.1224
		511	0.0288
		508	0.0020
		510	0.1440
		470	0.2376
		452	0.2016
		441	0.1944
		442	0.0360
		443	0.0936
		444	0.1440
		445	0.2592
		446	0.0040
		432	0.0576
2	रामपुरिया	672	0.0288
		671	0.0504

1	2	3	4
2	रामपुरिया (जारी........)	670	0.0072
		679	0.0432
		681	0.2232
		683	0.1440
		686	0.1440
		687	0.0072
		689	0.3672
		669	0.0360
		690	0.0432
		691	0.0072
		668	0.0360
		667	0.0216
		666	0.1512
		646	0.1800
		644	0.1152
		643	0.1224
		641	0.2088
		597	0.0144
		542	0.2232
		544	0.0144
		545	0.0576
		547	0.0360
		548	0.0288
		549	0.0072
		550	0.0504
		551	0.0432
		552	0.0504
		190	0.0288
		179	0.0144
		185	0.1440
		189	0.1080
		187	0.1224
		227	0.0360
		221	0.0072
		228	0.1080
		229	0.1728
		230	0.0040
		231	0.0288
		232	0.0792
		245	0.2232
		247	0.1800
		248	0.1440
		121	0.0720
		120	0.0504
		119	0.3528
		118	0.0720
		115	0.2808
		111	0.1008
		110	0.0288
		81	0.0720
		85	0.1440
		82	0.1008
		84	0.0040
		83	0.0288
3	रामटी	172	0.0504
		173	0.1224
		171	0.2880
		169	0.0144
		147	0.2880
		142/540	0.0072
		140	0.2520
		139	0.1080
		138	0.0360
		137	0.1440
		134	0.1440

1	2	3	4
3	रामटी (जारी...)	135	0.0144
		130	0.0144
		93	0.1080
		96	0.1440
		97	0.2016
		98	0.0648
		99	0.1512
		76	0.0360
		73	0.0144
		51	0.1584
		67	0.5472
		64	0.0216
		59	0.2880
4	शेरपुर	653	0.0288
		652	0.1944
		626	0.0072
		627	0.2592
		628	0.2016
		629	0.2016
		621	0.2304
		620	0.0216
		604	0.2592
		603	0.0864
		602	0.2232
		601	0.0720
		338	1.6632
		337	0.0288
		336	0.2664
		332	0.0648
		331	0.1584
5	दौलतपुरा	349	0.0432
		342	0.0720
		348	0.1080
		347	0.1296
		349	0.6552
		350	0.0040
		384	0.0072
		354	0.2376
		357	0.3312
		360	0.0144
		304	0.2376
		527/302	0.1224
		524/302	0.2376
		521/301	0.0864
		522/301	0.2160
		525/301	0.2520
		268	0.2448
		267	0.0040
		266	0.0144
		264	0.1872
		263	0.1008
		260	0.1440
		258	0.2376
		257	0.1440
		256	0.1512
6	धरोनिया	1717	0.8208
		1718	0.3744
		1734	0.0216
		1790/1945	0.1728
		1790/2009	0.0216
		1791	0.0864
		1789	0.0216
		1773	0 1440
		1776	0.0864
		1777	0.1080

1	2	3	4
6	घरोनिया (जारी.......)	1779	0.1440
		1780	0.1440
		1781	0.0072
		1782	0.0864
		1783	0.1656
		1784	0.0216
		1787	0.0144
		1807	0.0216
		1808	0.1872
		1856	0.0072
		1820	0.0936
		1819	0.0040
		1821	0.0864
		1822	0.0864
		1847	0.0864
		1846	0.0040
		1848	0.0576
		1872	0.0792
		1839	0.1224
		1838	0.0936
		1837	0.0792
		1835	0.1368
		1833	0.0360
7	निमाहेडा	166	0.1296
		167	0.0504
		168	0.0432
		186	0.2088
		185	0.0720
		187	0.2304
		196	0.0432
		195	0.0792
		194	0.1440
		199	0.0216
		193	0.0288
		200	0.1224
		201	0.0720
		447	0.0720
		448/561	0.0576
		448/562	0.0504
		448/563	0.0504
		448/564	0.0720
		452	0.0144
		526	1.5192
8	कचरा खेडी	661/700	0.0936
		661/701	0.0288
		661/705	0.0288
		661	0.6120
		654	0.0360
		650	0.0792
		649	0.0288
		645	0.1368
		644	0.0504
		642	0.1584
		638	0.0864
		639	0.0216
		437	0.1080
		630	0.1512
		631	0.0216
		629	0.0144
		521	0.0036
		522	0.0072
		523	0.0576
		520	0.0072
		524	0.0864
		525	0.1080

1	2	3	4
8	कचरा खेडी (जारी......)	526	0.0072
		528	0.0720
		529	0.0144
		533	0.0792
		538	0.1512
		536	0.0144
		537	0.0144
		539	0.0360
		603	0.0648
		604	0.0936
		601	0.0792
		600	0.0648
		599	0.0792
		599/729	0.1080
		598	0.0216
9	फतेहगढ	597	0.2664
		581/1109	0.0216
		581	0.0576
		580	0.0216
		525/1082	0.1584
		515	0.0288
		517	0.0792
		518	0.1008
		519	0.2304
		524	0.0720
		521	0.1224
		522	0.0144
		523/1107	0.0360
		545	0.1368
		523/1108	0.0360
		523	0.0216
		506	0.1368
		546	0.0288
		547	0.0288
		497/1173	0.0072
		497	0.0576
		490/1104	0.0020
		490	0.0288
		489	0.0648
		488	0.0288
		487	0.0072
		486	0.0720
		485	0.0020
		481	0.0288
		478	0.0936
		479	0.0144
		475	0.0288
		474	0.0504
		473	0.0216
		472	0.0144
		470	0.0576
		471	0.0144
		468	0.0144
		463	0.0144
		466	0.0072
		465	0.0288
		459	0.0576
		455/1172	0.1728
		454/1171	0.0432
		446	0.0216
		757	0.0576
		758	0.1008
		422	0.0144
		759	0.0216
		444	0.0020

1	2	3	4
9	फतेहगढ (जारी......)	428	0.0720
		427	0.0936
		424	0.0648
		423	0.0288
		421	0.0648
		420	0.0360
		419	0.0360
		417	0.0432
		418	0.0072
		413	0.0216
		411	0.0020
		412	0.0432
		409	0.0218
		408	0.0288
		405/1100	0.0040
		405	0.0288
		404	0.1080
		400	0.0288
		399	0.0432
		403	0.0072
		385	0.0360
		384	0.1872
		383	0.0144
		380	0.0792
		379	0.0504
		823/1122	0.1224
		823	0.1584
		824	0.0072
		825	0.1080
		927	0.3816
		926	0.1368
		923	0.2664
		922	0.0360
		921	0.0864
		920	0.0792
		901	0.1440
		902	0.1512
		912	0.0288
10	खिजरपुर	6	0.1800
		7	0.0720
		9	0.2664
		28	0.0864
		29	0.1008
		30	0.0936
		31	0.1944
		33	0.0792
		35	0.2592
		36	0.0576
		79	0.0576
		99	0.0072
		102	0.2736
		78	0.1296
		115	0.1080
		116	0.0936
		125	0.0648
		128	0.0216
		129	0.1296
		124	0.0072
		123	0.0040
		144	0.1296
		145	0.0288
		159	0.0144
		158	0.0792
		160	0.0288
		186	0.0144

1	2	3	4
10	खिजरपुर (जारी.......)	187	0.0432
		185	0.0040
		179	0.0040
		190	0.0864
		192	0.0360
		193	0.0144
		194	0.0020
		196	0.0504
		195	0.0144
		199	0.0576
		200	0.0432
		396	0.0936
		395	0.1152
		397	0.0864
		394	0.1152
		458	0.0144
		398	0.3096
		455	0.0020
		399	0.0020
		401	0.0216
		402	0.0360
		421	0.0576
		422	0.0432
		427	0.1944
		428	0.0432
		429	0.0144
		430	0.0040
		197	0.0288
11	बासोर	927	0.0144
		917	0.1296
		918	0.0144
		919	0.0360
		920	0.0144
		921	0.2160
		943	0.0216
		942	0.1584
		941	0.1080
		940	0.1152
		939	0.0936
		946	0.0360
		950	0.1296
		949	0.0648
		956	0.1296
		957	0.0144
		959	0.0288
		958	0.0072
		984	0.1008
		955	0.1440
		960	0.1224
		983	0.0648
		982	0.0040
12	आसोंदिया	2	0.2376
		3	0.0144
		4	0.0216
		5	0.1440
		5/407	0.0864
		13/409	0.1944
		36	0.1440
		35	0.0144
		34	0.0864
		37	0.0144
		33	0.0864
		15	0.0144
		20	0.4104
		96	0.0144

1	2	3	4
12	आसोंदिया (जारी......)	99	0.1800
		102	0.1296
		101	0.0792
		103	0.1728
		106	0.0936
		108	0.0936
		107	0.0072
		121	0.0216
		120	0.0020
		122	0.1584
		131	0.1152
		130	0.3024
		129	0.0072
		128	0.0578
		161	0.0216
13	कोटडी खुर्द	15	0.0288
		14	0.0360
		18	0.1080
		19	0.0072
		26	0.1944
		25	0.1368
		27	0.0072
		32	0.1944
		33	0.1944
		37	0.0144
		93	0.1872
		98	0.0504
		99	0.1008
		103	0.2592
		89	0.1152
		88	0.0144
		87	0.2808
		82	0.2304
		81	0.2448
		70	0.2736
14	सेमली भवानी	251	0.0216
		253	0.2232
		259	0.1152
		258	0.0504
		257	0.0648
		260	0.0020
		256	0.2088
		247	0.1008
		246	0.0432
		243	0.0020
		266	0.0288
		305	0.0720
		306	0.1656
		319	0.1368
		320	0.2448
		323	0.0020
		322	0.1512
		321	0.0072
		324	0.0144
		422	0.2736
		419	0.0216
		420	0.3528
		421	0.0576
		407	0.4104
		456	0.1080
		406	0.0144
		396	0.0216
		395	0.2088
		393	0.0576
		397	0.1368

1	2	3	4
15	बीरबंद	361	0.0144
		362	0.1368
		373	0.0144
16	वीवल खेडा	301	0.0072
		302	0.1008
		303	0.0792
		317	0.2664
		318	0.1368
		320	0.0144
		369	0.0144
		368	0.0144
		370	0.2160
		371	0.1728
		388	0.0360
		390	0.1728
		391	0.0216
		369	0.0072
		395	0.2520
		396	0.0144
		343	0.0040
		399	0.1728
		495	0.0072
		546	0.1368
		566	0.1080
		564	0.2016
		569	0.0072
		570	0.1440
		870	0.2808
		869	0.2088
		861	0.0144
		864	0.1224
		863	0.1584
17	मुंडला	856	0.0720
		855	0.1296
		858	0.0072
		859	0.1008
		865	0.1152
		861	0.0040
		864	0.0936
		866	0.1224
		867	0.0936
		795	0.2304
		803	0.2016
		789	0.0040
		792	0.0020
		791	0.1368
		790	0.1368
		771	0.2880
		772	0.1584
		774	0.0504
		775	0.0072
		770	0.0216
		649	0.0144
		651	0.4608
		650	0.0020
		653	0.0216
		654	0.0720
		656	0.1728
		657	0.0216
		658	0.0792
		661	0.0040
		176	0.0576
		667	0.0288
		668	0.0288

1	2	3	4
17	मुंडला (जारी......)	669	0.0566
		670	0.1728
		671	0.0144
		537	0.0040
		535	0.1008
		542	0.0020
		534	0.0720
		523	0.0144
		533	0.1512
		531	0.1440
		528	0.0040
		529	0.0040
		530	0.0072
		312	0.0144
		313	0.0144
		314	0.0144
		315	0.0504
		316	0.0216
		317	0.0288
		319	0.0288
		320	0.0288
		321	0.0144
		322	0.0144
		323	0.0936
		324	0.0288
		340	0.1296
		300	0.0020
		339	0.0040
		341	0.0720
		359	0.0216
		358	0.0648
		360	0.0144
		357	0.0360
		354	0.0020
		368	0.0792
		367	0.0144
		371	0.0576
		370	0.0144
		372	0.0720
		378	0.0072
		377	0.1080
		376	0.0360
		375	0.0216
		389	0.1512
		393	0.0072
		388	0.0144
18	कल्याणपुरा	36	0.0648
		35	0.0936
		37/89	0.1008
		44	0.0216
		77	0.4032
		76	0.1296
		75	0.0288
		74	0.0738
		46	0.0020
		49	0.0072
		57	0.1512
		52	0.0216
		53	0.0504
		54	0.0576
		55	0.0040
		56	0.0576
		28	0.0648
		59	0.1080
		60	0.0864
		43	0.0288

1	2	3	4
19	बजरंगपुरा	59	0.0360
		57	0.0576
		58	0.2160
		56	0.0504
		54	0.1152
		6	0.0216
		7	0.0504
		8	0.0360
		9	0.1224
		10	0.0576
		11	0.0576
		12	0.0792
		45	0.2160
		44	0.0360
		43	0.1800
		42	0.0288
		22	0.0144
		29	0.1008
		28	0.0504
20	रघुनाथपुरा	246	0.0072
		247	0.0288
		248	0.0144
		249	0.1296
		250	0.0072
		251	0.1296
		234	0.1152
		230	0.1656
		231	0.0040
		232	0.2160
		289	0.0792
		233	0.0864
		192	0.2088
		193	0.1656
		191	0.0144
		189	0.0144
		239	0.0216
		184	0.0040
		127	0.1368
		126	0.0288
		125	0.1368
		129	0.0144
		131	0.0040
		130	0.0040
		150	0.1440
		149	0.2232
		146	0.1368
		147	0.0792
		145	0.0288
		144	0.0144
		361	0.0216
		363	0.0504
		364	0.0936
		367	0.0040
		365	0.0288
		366	0.1368
		354	0.0576
		369	0.0864
		370	0.1584
		387	0.1440
		386	0.0072
		388	0.1296
		389	0.1728
		392	0.2304
		391	0.0040

1	2	3	4
20	रघुनाथपुरा (जारी.......)	393	0.2016
		395	0.1512
21	डावल	120	0.0072
		121	0.1872
		119	0.0040
		122	0.3096
		114	0.1224
		113	0.1880
		109	0.2232
22	सालरी	1007	0.2376
		1008	0.0020
		1009	0.0072
		1002	0.1512
		1000	0.0864
		997	0.0144
		995	0.0432
		994	0.2448
		853	0.0072
		854	0.0040
		991	0.2088
		990	0.1008
		989	0.0432
		858	0.1512
		954	0.0432
		955	0.2088
		956	0.0072
		957	0.0288
		958	0.0576
		963	0.1008
		964	0.0504
		925	0.0648
		937	0.0144
		924	0.0936
		921	0.0792
		920	0.0720
		918	0.1728
		1077	0.0216
23	सेमली कल्याण	266	0.0360
		268	0.1872
		255	0.0220
		257	0.0360
		246	0.1008
		253	0.1080
		251	0.0936
		250	0.1584
		239	0.2952
		234	0.0288
		330	0.0040
		331	0.1728
		332	0.0150
		227	0.1010
		230	0.0150
		176	0.0880
		177	0.0504
		178	0.1296

[फा0सं0आर0—31015/84/2004—ओ आर—II]

हरीश कुमार , अवर सचिव

New Delhi, the 15th September, 2005

S. O. 3323.— Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O.432 , dated 4th February, 2005, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 5th February,2005, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of petroleum products through Mumbai-Manglya Pipeline Extension Project from Manglya (Indore) terminal in the State of Madhya Pradesh, to Piyala in the State of Haryana and Bijwasan in the NCT of Delhi by Bharat Petroleum Corporation Limited ;

And whereas the copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 12th March, 2005;

And whereas the competent authority has, under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said land specified in the Schedule is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration in Bharat Petroleum Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

TEHSIL : PIDAWA DISTRICT : JHALAWAR STATE : RAJASTHAN

S.No.	NAME OF VILLAGE	SURVEY NO.	AREA IN HECTARE
1	2	3	4
1	SARKHEDI	977	0.0648
		952	0.1224
		953	0.0072
		976	0.2232
		975	0.2376
		973	0.1944
		966	0.1584
		669	0.1368
		667	0.0792
		555	0.0216
		556	0.2664
		559	0.0720
		560	0.1008
		561	0.1440
		563	0.0864
		564	0.0360
		591	0.0144
		592	0.0648
		593	0.1224
		511	0.0288
		508	0.0020
		510	0.1440
		470	0.2376
		452	0.2016
		441	0.1944
		442	0.0360
		443	0.0936
		444	0.1440
		445	0.2592
		446	0.0040
2	RAMPURIYA	432	0.0576
		672	0.0288
		671	0.0504

1	2	3	4
2	RAMPURIYA (CONTD.......)	670	0.0072
		679	0.0432
		681	0.2232
		683	0.1440
		686	0.1440
		687	0.0072
		689	0.3672
		669	0.0360
		690	0.0432
		691	0.0072
		668	0.0360
		667	0.0216
		666	0.1512
		646	0.1800
		644	0.1152
		643	0.1224
		641	0.2088
		597	0.0144
		542	0.2232
		544	0.0144
		545	0.0576
		547	0.0360
		548	0.0288
		549	0.0072
		550	0.0504
		551	0.0432
		552	0.0504
		190	0.0288
		179	0.0144
		185	0.1440
		189	0.1080
		187	0.1224
		227	0.0360
		221	0.0072
		228	0.1080
		229	0.1728
		230	0.0040
		231	0.0288
		232	0.0792
		245	0.2232
		247	0.1800
		248	0.1440
		121	0.0720
		120	0.0504
		119	0.3528
		118	0.0720
		115	0.2808
		111	0.1008
		110	0.0288
		81	0.0720
		85	0.1440
		82	0.1008
		84	0.0040
		83	0.0288
3	RAMTI	172	0.0504
		173	0.1224
		171	0.2880
		169	0.0144
		147	0.2880
		142/540	0.0072
		140	0.2520
		139	0.1080
		138	0.0360
		137	0.1440
		134	0.1440
		135	0.0144

1	2	3	4
3	RAMTI (CONTD.....)	130	0.0144
		93	0.1080
		96	0.1440
		97	0.2016
		98	0.0648
		99	0.1512
		76	0.0360
		73	0.0144
		51	0.1584
		67	0.5472
		64	0.0216
		59	0.2880
4	SHERPUR	653	0.0288
		652	0.1944
		626	0.0072
		627	0.2592
		628	0.2016
		629	0.2016
		621	0.2304
		620	0.0216
		604	0.2592
		603	0.0864
		602	0.2232
		601	0.0720
		338	1.6632
		337	0.0288
		336	0.2664
		332	0.0648
		331	0.1584
5	DAULATPURA	349	0.0432
		342	0.0720
		348	0.1080
		347	0.1296
		349	0.6552
		350	0.0040
		384	0.0072
		354	0.2376
		357	0.3312
		360	0.0144
		304	0.2376
		527/302	0.1224
		524/302	0.2376
		521/301	0.0864
		522/301	0.2160
		525/301	0.2520
		268	0.2448
		267	0.0040
		266	0.0144
		264	0.1872
		263	0.1008
		260	0.1440
		258	0.2376
		257	0.1440
		256	0.1512
6	DHARONIYA	1717	0.8208
		1718	0.3744
		1734	0.0216
		1790/1945	0.1728
		1790/2009	0.0216
		1791	0.0864
		1789	0.0216
		1773	0.1440
		1776	0.0864
		1777	0.1080
		1779	0.1440

1	2	3	4
6	DHARONIYA (CONTD.....)	1780	0.1440
		1781	0.0072
		1782	0.0864
		1783	0.1656
		1784	0.0216
		1767	0.0144
		1807	0.0216
		1809	0.1872
		1856	0.0072
		1820	0.0936
		1819	0.0040
		1821	0.0864
		1822	0.0864
		1847	0.0864
		1846	0.0040
		1848	0.0576
		1872	0.0792
		1839	0.1224
		1838	0.0936
		1837	0.0792
		1835	0.1368
		1833	0.0360
7	NIMAHEDA	166	0.1296
		167	0.0504
		168	0.0432
		186	0.2088
		185	0.0720
		187	0.2304
		196	0.0432
		195	0.0792
		194	0.1440
		199	0.0216
		193	0.0288
		200	0.1224
		201	0.0720
		447	0.0720
		448/561	0.0576
		448/562	0.0504
		448/563	0.0504
		448/564	0.0720
		452	0.0144
		526	1.5192
8	KACHRA KHEDI	661/700	0.0936
		661/701	0.0288
		661/705	0.0288
		661	0.6120
		654	0.0360
		650	0.0792
		649	0.0288
		645	0.1368
		644	0.0504
		642	0.1584
		638	0.0864
		639	0.0216
		437	0.1080
		630	0.1512
		631	0.0216
		629	0.0144
		521	0.0036
		522	0.0072
		523	0.0576
		520	0.0072
		524	0.0864
		525	0.1080
		526	0.0072

1	2	3	4
8	KACHRA KHEDI (CONTD.....)	528	0.0720
		529	0.0144
		533	0.0792
		538	0.1512
		536	0.0144
		537	0.0144
		539	0.0360
		603	0.0648
		604	0.0936
		601	0.0792
		600	0.0648
		599	0.0792
		599/729	0.1080
		598	0.0216
		597	0.2664
9	FATEHGARH	581/1109	0.0216
		581	0.0576
		580	0.0216
		525/1082	0.1584
		515	0.0288
		517	0.0792
		518	0.1008
		519	0.2304
		524	0.0720
		521	0.1224
		522	0.0144
		523/1107	0.0360
		545	0.1368
		523/1108	0.0360
		523	0.0216
		506	0.1368
		546	0.0288
		547	0.0288
		497/1173	0.0072
		497	0.0576
		490/1104	0.0020
		490	0.0288
		489	0.0648
		488	0.0288
		487	0.0072
		486	0.0720
		485	0.0020
		481	0.0288
		478	0.0936
		479	0.0144
		475	0.0288
		474	0.0504
		473	0.0216
		472	0.0144
		470	0.0576
		471	0.0144
		468	0.0144
		463	0.0144
		466	0.0072
		465	0.0288
		459	0.0576
		455/1172	0.1728
		454/1171	0.0432
		446	0.0216
		757	0.0576
		758	0.1008
		422	0.0144
		759	0.0216
		444	0.0020
		428	0.0720
		427	0.0936

1	2	3	4
9	FATEHGARH (CONTD.....)	424	0.0648
		423	0.0288
		421	0.0648
		420	0.0360
		419	0.0360
		417	0.0432
		418	0.0072
		413	0.0216
		411	0.0020
		412	0.0432
		409	0.0216
		408	0.0288
		405/1100	0.0040
		405	0.0288
		404	0.1080
		400	0.0288
		399	0.0432
		403	0.0072
		385	0.0360
		384	0.1872
		383	0.0144
		380	0.0792
		379	0.0504
		823/1122	0.1224
		823	0.1584
		824	0.0072
		825	0.1080
		927	0.3816
		926	0.1368
		923	0.2664
		922	0.0360
		921	0.0864
		920	0.0792
		901	0.1440
		902	0.1512
		912	0.0288
10	KHIJARPUR	6	0.1800
		7	0.0720
		9	0.2664
		28	0.0864
		29	0.1008
		30	0.0936
		31	0.1944
		33	0.0792
		35	0.2592
		36	0.0576
		79	0.0576
		99	0.0072
		102	0.2736
		78	0.1296
		115	0.1080
		116	0.0936
		125	0.0648
		128	0.0216
		129	0.1296
		124	0.0072
		123	0.0040
		144	0.1296
		145	0.0288
		159	0.0144
		158	0.0792
		160	0.0288
		188	0.0144
		187	0.0432
		185	0.0040
		179	0.0040

1	2	3	4
10	KHIJARPUR (CONTO....)	190	0.0864
		192	0.0360
		193	0.0144
		194	0.0020
		196	0.0504
		195	0.0144
		199	0.0576
		200	0.0432
		396	0.0936
		395	0.1152
		397	0.0864
		394	0.1152
		458	0.0144
		398	0.3096
		455	0.0020
		399	0.0020
		401	0.0216
		402	0.0360
		421	0.0576
		422	0.0432
		427	0.1944
		428	0.0432
		429	0.0144
		430	0.0040
		197	0.0288
11	BANOR	927	0.0144
		917	0.1296
		918	0.0144
		919	0.0360
		920	0.0144
		921	0.2160
		943	0.0216
		942	0.1584
		941	0.1080
		940	0.1152
		939	0.0936
		946	0.0360
		950	0.1296
		949	0.0648
		956	0.1296
		957	0.0144
		959	0.0288
		958	0.0072
		984	0.1008
		955	0.1440
		960	0.1224
		983	0.0648
		982	0.0040
12	ASONDIYA	2	0.2376
		3	0.0144
		4	0.0216
		5	0.1440
		5/407	0.0864
		13/409	0.1944
		36	0.1440
		35	0.0144
		34	0.0864
		37	0.0144
		33	0.0864
		15	0.0144
		20	0.4104
		96	0.0144
		99	0.1800
		102	0.1296
		101	0.0792
		103	0.1728

1	2	3	4
12	ASONDIYA (CONTD.....)	106	0.0936
		108	0.0936
		107	0.0072
		121	0.0216
		120	0.0020
		122	0.1584
		131	0.1152
		130	0.3024
		129	0.0072
		128	0.0576
		161	0.0216
13	KOTRI KHURD	15	0.0288
		14	0.0360
		18	0.1080
		19	0.0072
		26	0.1944
		25	0.1368
		27	0.0072
		32	0.1944
		33	0.1944
		37	0.0144
		93	0.1872
		98	0.0504
		99	0.1008
		103	0.2592
		89	0.1152
		88	0.0144
		87	0.2808
		82	0.2304
		81	0.2448
		70	0.2736
14	SEMLI BHAWANI	251	0.0216
		253	0.2232
		259	0.1152
		258	0.0504
		257	0.0648
		260	0.0020
		256	0.2088
		247	0.1008
		246	0.0432
		243	0.0020
		266	0.0288
		305	0.0720
		306	0.1656
		319	0.1368
		320	0.2448
		323	0.0020
		322	0.1512
		321	0.0072
		324	0.0144
		422	0.2736
		419	0.0216
		420	0.3528
		421	0.0576
		407	0.4104
		456	0.1080
		406	0.0144
		396	0.0216
		395	0.2088
		393	0.0576
		397	0.1368
15	BORBANDH	361	0.0144
		362	0.1368
		373	0.0144
16	DIWAL KHEDA	301	0.0072

1	2	3	4
16	DIWAL KHEDA (CONTD....)	302	0.1008
		303	0.0792
		317	0.2664
		318	0.1368
		320	0.0144
		369	0.0144
		368	0.0144
		370	0.2160
		371	0.1728
		388	0.0360
		390	0.1728
		391	0.0216
		389	0.0072
		395	0.2520
		396	0.0144
		343	0.0040
		399	0.1728
		495	0.0072
		546	0.1368
		566	0.1080
		564	0.2016
		569	0.0072
		570	0.1440
		870	0.2808
		869	0.2088
		861	0.0144
		864	0.1224
17	MUNDLA	863	0.1584
		856	0.0720
		855	0.1296
		858	0.0072
		859	0.1008
		865	0.1152
		861	0.0040
		864	0.0936
		866	0.1224
		867	0.0936
		795	0.2304
		803	0.2016
		789	0.0040
		792	0.0020
		791	0.1368
		790	0.1368
		771	0.2880
		772	0.1584
		774	0.0504
		775	0.0072
		770	0.0216
		649	0.0144
		651	0.4608
		650	0.0020
		653	0.0216
		654	0.0720
		656	0.1728
		657	0.0216
		658	0.0792
		661	0.0040
		176	0.0576
		667	0.0288
		668	0.0288
		669	0.0566
		870	0.1728
		671	0.0144
		537	0.0040
		535	0.1008
		542	0.0020

1	2	3	4
17	MUNDLA (CONTD....)	534	0.0720
		523	0.0144
		533	0.1512
		531	0.1440
		528	0.0040
		529	0.0040
		530	0.0072
		312	0.0144
		313	0.0144
		314	0.0144
		315	0.0504
		318	0.0216
		317	0.0288
		319	0.0288
		320	0.0288
		321	0.0144
		322	0.0144
		323	0.0936
		324	0.0288
		340	0.1296
		300	0.0020
		339	0.0040
		341	0.0720
		359	0.0216
		358	0.0648
		360	0.0144
		357	0.0360
		354	0.0020
		368	0.0792
		367	0.0144
		371	0.0576
		370	0.0144
		372	0.0720
		378	0.0072
		377	0.1080
		376	0.0360
		375	0.0216
		389	0.1512
		393	0.0072
		388	0.0144
18	KALYANPURA	36	0.0648
		35	0.0936
		37/89	0.1008
		44	0.0216
		77	0.4032
		76	0.1296
		75	0.0288
		74	0.0738
		48	0.0020
		49	0.0072
		57	0.1512
		52	0.0216
		53	0.0504
		54	0.0576
		55	0.0040
		56	0.0576
		28	0.0648
		59	0.1080
		60	0.0864
		43	0.0288
19	BAJRANGPURA	59	0.0360
		57	0.0576
		58	0.2160
		56	0.0504
		54	0.1152

1	2	3	4
19	BAJRANGPURA (CONTD....)	6	0.0216
		7	0.0504
		8	0.0360
		9	0.1224
		10	0.0576
		11	0.0576
		12	0.0792
		45	0.2160
		44	0.0360
		43	0.1800
		42	0.0288
		22	0.0144
		29	0.1008
		28	0.0504
20	RAGHUNATHPURA	246	0.0072
		247	0.0288
		248	0.0144
		249	0.1296
		250	0.0072
		251	0.1296
		234	0.1152
		230	0.1656
		231	0.0040
		232	0.2160
		289	0.0792
		233	0.0864
		192	0.2088
		193	0.1656
		191	0.0144
		189	0.0144
		239	0.0216
		184	0.0040
		127	0.1368
		126	0.0288
		125	0.1368
		129	0.0144
		131	0.0040
		130	0.0040
		150	0.1440
		149	0.2232
		146	0.1368
		147	0.0792
		145	0.0288
		144	0.0144
		361	0.0216
		363	0.0504
		364	0.0936
		367	0.0040
		365	0.0288
		366	0.1368
		354	0.0576
		369	0.0884
		370	0.1584
		387	0.1440
		386	0.0072
		388	0.1296
		389	0.1728
		392	0.2304
		391	0.0040
		393	0.2016
		395	0.1512
21	DAWAL	120	0.0072
		121	0.1872
		119	0.0040
		122	0.3096

1	2	3	4
21	DAWAL (CONTD....)	114	0.1224
		113	0.1880
		109	0.2232
22	SALRI	1007	0.2376
		1008	0.0020
		1009	0.0072
		1002	0.1512
		1000	0.0864
		997	0.0144
		995	0.0432
		994	0.2448
		853	0.0072
		854	0.0040
		991	0.2088
		990	0.1008
		989	0.0432
		858	0.1512
		954	0.0432
		955	0.2088
		956	0.0072
		957	0.0288
		958	0.0576
		963	0.1008
		964	0.0504
		925	0.0648
		937	0.0144
		924	0.0936
		921	0.0792
		920	0.0720
		918	0.1728
		1077	0.0216
23	SEMLI KALYAN	266	0.0360
		268	0.1872
		255	0.0220
		257	0.0360
		246	0.1008
		253	0.1080
		251	0.0936
		250	0.1584
		239	0.2952
		234	0.0288
		330	0.0040
		331	0.1728
		332	0.0150
		227	0.1010
		230	0.0150
		176	0.0880
		177	0.0504
		178	0.1296

[F.N. R-31015/ 84/2004-OR-II]

HARISH KUMAR, Under Secretary

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 2005

का.आ. 3324.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एस. सी. सी. एल. प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण/गोदावरीखानी (संदर्भ संख्या 70/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22013/1/2005-आई.आर.(सी-II)]

एन.पी. केशवन, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 24th August, 2005

S.O. 3324.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 70/2004) of the Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Godavarikhani as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the the management of SCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 24-08-2005.

[No. L-22013/1/2005-IR (C-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CHAIRMAN, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, GODAVARIKHANI

PRESENT :

Smt. K. SUVARCHALA, M.A. B.L., Chairman-cum-Presiding Officer

Monday, the 25th day of July, 2005

Industrial Dispute No. 70 of 2004

Between :

Gundaboina Yellaiah, S/o Komuraiah,
Age 52, Years, Occ : Coal Filler.
Employment Code No. 1193678 (Ex.) GDK 8 Incline,
Godavarikhani, H. No. 8-4-363, Ramanagar,
Godavarikhani, Distt. Karimnagar-505 209. A.P.

..........Petitioner

AND

1. The Colliery Manager,
   GDK-8A Incline,
   Godavarikhani.
2. The Chief General Manager,
   S.C. Co, Ltd, Ramagundam Area-II
3. The Managing Director (Admn.)
   S.C. Co, Ltd, Kothagudem,
   Distt. Khamam, A.P.

.........Respondant

This petition coming before me for final hearing in the presence of Sri Ch. Raja Bjujanga Rao, Advocate for the Petitioner and of Sri D. Krishna Murthy, Advocate for the respondents and having stood over for consideration till this date, the Court passed the following :—

AWARD

1. The Petitioner filed the petition U/Sec. 2-A (2) of I.D. Act, to set-aside the dismissal order passed by the 2nd respondent vide office order No. PRG/II/GY/1209, dated 30-5-2001 and direct the respondents to reinstate the Petitioner into service with continuity of service and all other attendant benefits including full backwages.

2. The averments of the petition are as follows :—

The Petitioner worked as a Coal Filler. His services were regularised. At material time, the petitioner was working under the 1st respondent in 8-A Incline. The petitioner worked as Coal Filler and maintained attendance till 1999. The petitioner blessed with a female child Rajakumari after 20 years after his marriage. The girl is suffering with congential Acyanotic heart disease sympomatic for the 3rd day after birth i.e., on 29-4-1994 the petitioner has no one to look-after except his illiterate wife to look-after the alling daughter Rajakumari. He had provided medical treatment to his daughter at Singareni Collieries Area Hospital, Ramagundam, Osmaina Gandhi Hospital, Hyderabad and Nizam Institute of Medical Sciences, Hyderabad by spending huge amounts. Due to that he attended to his duties only 18 days. Chargesheet was issued to him on 28-3-2000 under order No. 25/25 "Habitual Late Attendance and habitual absence from duties without sufficient cause". The 1st respondent without giving sufficient opportunity to the petitioner, submitted enquiry report to 2nd respondent. The respondent dismissed the petitioner w.e.f. 31-5-2001. The said orders were also not served on the petitioner. That the absence from duties is neither wilfull nor intentional one, but for the reasons mentioned above, which are beyond control of the petitioner. The petitioner had worked in the company for more than 10 years. The 1st respondent had conducted enquiry in the absence of the petitioner without giving ample opportunity to the petitioner to cross examine the witness. The petitioner had incurred expenditure to provide medical aid to Rajakumari at NIMS Hyderabad. Due to the dismissal he suffered with financial crisis. Hence, he filed the petition for the above said relief.

3. To this, the 2nd respondent filed counter denying the averments of the petition. R-1 & R-3 filed Memo adopting the counter of R-2. The averments of the counter are as follows :—

I. D. No. 70/2004.

The petitioner was appointed as Badli Filler and later on he was promoted as Coal Filler. The petitioner was not regular to his duties since 1996. He attended 125 days in the year, 1996, 88 days in the year, 1997. 52 days in the year, 1998, 18 days in the year, 1999, 10 days in the year, 2000. Charge sheet was issued on 28-3-2000 under Clause 25 (25) of the approved Standing Orders of the respondents company for habitual absenteeism for his duties without sufficient cause. The petitioner failed to give his explanation to the charge-sheet. As such, enquiry proceeding were initiated duly issuing enquiry notice to the petitioner. The petitioner failed to attend to his duties. The enquiry notice was sent to his native place by Regd. Post. The same was returned un-served by the postal

authorities stating that "addressee of out station". The respondent company published the enquiry notice on 23-1-2001 in Vartha Daily newspaper advising his to attend the enquiry on 30-1-2001. The petitioner failed to attend the enquiry. The same was conducted on 30-1-2001 in his absence. The respondent sent show-cause notice on 3-5-2001 to the petitioner calling for his marks about the enquiry. the petitioner inspite of receipt of show cause notice on 6-5-2001,. did not choose to make any representation against the findings of the enquiry report. Even after receiving charge sheet on 28-3-2000. The petitioner attended for only 10 days during the year, 2000 the attendence of the petitioner is very much less for the last 5 years and he has failed to improve inspite of receiving charge-sheet, the services were terminated on 30-5-2001 w.e.f., 31-5-2001.

The respondent company employed more than 95,000 persons which includes workmen executives and supervisors. The production results depends upon the overall attendance and performance of each and every individual. Due to the absence of the workman the planely schedule was suddenly disturbed. Hence, the petition may be dismissed.

4. On behalf of the petitioner, Ex. W-1 to Ex.W-12 are marked.

On behalf of the respondents Ex. M-1 to Ex. M-10 are marked.

5. Heard both sides.

6. It is an admitted fact that the petitioner worked as Coal Filler in the respondent company. Charge was framed against the petitioner for his unauthorised absence. Chargesheet is marked as Ex. M-1. Enquiry notice was sent to the petitioner i.e., marked as Ex. M-2. Enquiry nomination letter is marked as Ex. M-3. Another enquiry notice was sent to the petitioner i.e., Ex. M-4. Undelivered postal cover is marked as Ex. M-5. The contention of the respondent is that the petitioner left the work place without any prior intimation. The notice was also published in Telugu daily newspaper. The Paper is marked as Ex. M-6. The enquiry procds., and report of domestic enquiry is marked as Ex. M-7. Show cause notice and acknowledgement is marked as Ex. M-8. The Petitioner submitted mercy petition i.e. marked as Ex M-9. In that he admitted that he could not submit his respresentation to the chargesheet. The reasons stated by the petitioner is that his daughter suffering with heart disease. He is roaming around the hospitals i.e. from area hospital Ramagundam to NIMS, Hyderabad. The petitioner filed identity certificate for the purpose of arranging treatment at outside hospital on payment basis i.e. marked as Ex. W-2. He also filed Osmania General Hospital, Echo-colour Doppler supd. i.e. marked as Ex. M-3. The petitioner also gave application to the Management for payment of Rs. 21,500/- towards the medical bills of his daughter i.e. marked as Ex. W-4. Letter addressed by the Superintendent, Area Hospital to Chief Cordiologist. Osmania General Hospital is marked as Ex. W-5. Nizam Institue of Medical Sciences, out-patient Card is marked as Ex. W-6. Nizam Institute of Sciences, dated 2-3-1996 is marked as Ex. W-7. The discharge card is marked as Ex. W-8. NIMS Evening Special Clinic Card is marked as Ex. W-9. NIMS Morning Special Clinic Card dated 6-9-1999 is marked as Ex. W-10. NIMS report is marked as Ex. 11. NIMS Morning Clinic card dated 9-7-2001 is marked as Ex. W-12.

Ex. W-2 to Ex. W-12 shows that the petitioner is carrying his daughter to the hospitals for treatment. The contention of the petitioner is that no opportunity was given to him to participate in the enquiry. But the returned postal cover and publication in Vaartha paper marked as Ex. M-5 and Ex. M-6 shows that an opportunity was given to the petitioner. Further in his mercy petition. i.e. marked as Ex. M-9, he admitted that he could not give explanation due to his daughter's illness. The show cause notice was received by the petitioner. It is duty of the petitioner to attened his duties or to know about the action taken by the respondents. In the mercy petition marked as Ex. M-9, the petitioner admitted his fault. The domestic enquiry was conducted as per the rules. The petitioner is showing the cause for his absence that his daughter fell sick and he is roaming around the hospitals. The company paid medical bills of his daughter as admitted by the petitioner. I feel that under the circumstances, a lesser punishment will meet the ends of justice. The respondents are directed to reinstate the petitioner as Coal Filler afresh.

In the result, the petition is partly allowed. The respondents are directed to reinstate the petitioner into service as afresh. The petitioner shall be kept under observation for a period of one year. There shall be no order as to costs.

Typed to my dictation, corrected and pronounced by me in the open court on this, the 25th day of July, 2005.

K. SUVARCHALA, Chairman-cum-Presiding Officer

Appendix of Evidence

Witnesses Examined

For Workman :— —NIL—

For Management :— —NIL—

Exhibits

For Workman :—

Ex. W-1	Dt. 30-5-01	Office Order
Ex. W-2	Dt. —	X-copy of Identity certificate for the purpose of arranging treating at outside hospitals on payment basis.
Ex. W-3	Dt. 07-1-95	Case sheet of Rajkumari
Ex. W-4	Dt. —	Application of petitoner, X-copy.
Ex. W-5	Dt. 21-9-95	Lr. addressed to the Supdt/ Chief Cordiologist, O. G. Hospital, Hyd., by Medical Supdt., Area Hospital, GDK, X-copy.
Ex. W-6	Dt. 30-9-95	O. P. Card of Rajkumari.
Ex. W-7	Dt. 2-3-96	O. P. Card of Rajkumari.
Ex. W-8	Dt. 29-3-96	Discharge Record.
Ex. W-9	Dt. 24-9-98	NIMS case-sheet of G. Rajkumari.

Ex. W-10	Dt. 6-9-99	Rajkumari medical record book
Ex. W-11	Dt. 10-7-01	X-Ray report of G. Rajkumari
Ex. W-12	Dt. 9-7-01	NIMS O. P.. O. P. card of Rajkumari.

For Management :—

Ex. M-1	Dt. 28-3-00	Charge sheet
Ex. M-2	Dt. 14-9-00	Enquiry notice
Ex. M-3	Dt. 18-9-00	Enquiry Officer nomination lr.
Ex. M-4	Dt. 24-12-00	Enquiry notice
Ex. M-5	Dt. 26-12-00	Undelivered postal returned cover with ack..
Ex. M-6	Dt. 23-1-01	Paper publication of enquiry notice in Vaartha Telugu daily news paper.
Ex. M-7	Dt. 20-2-01	Enquiry proceedings and report of domestic enquiry.
Ex. M-8	Dt. 3-5-01	Show cause notice and ack.,
Ex M-9	Dt. 11-7-01	Mercy petition submitted by the petitioner.
Ex. M-10	Dt. 30-5-01	Dismissal order issued to the petitioner.

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 2005

का.आ. 3325.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एच. एम. टी. एल. प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अजमेर (संदर्भ संख्या सी. जी. आई. टी.-12/02) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/103/2002-आई.आर.(सी.एम-II)]

एन.पी. केशवन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th August, 2005

S.O. 3325.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award Ref. CGIT 12/02 of the Industrial Tribunal, Ajmer, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of Hindustan Machine Tools Ltd., and their workmen, received by the Central Government on 25-08-2005.

[No. L-42012/103/2002-IR(CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

अनुबंध

न्यायालय श्रम एवं औद्योगिक न्यायाधिकरण, अजमेर (राज.)

पीठासीन अधिकारी : सी जी. एस. शेखावत, आरएचजेएस

प्रकरण संख्या—सीआईटीआर 12/02

[रेफरेंस नं. एल-42012/103/2002-आईआर (सी एम-II) दि. 30-10-02]

हयूबल मार्शल ओबिडाया, फ्लैट नं. 52 अनुराग भवन, आनंद नगर, क्रिश्चियनगंज, अजमेर

... प्रार्थी

बनाम

दी चीफ जनरल मैनेजर, हिंदुस्तान मशीन टूल्स लिमिटेड, ब्यावर रोड, अजमेर

... अप्रार्थी

उपस्थित : श्री महावीर चंद जैन, विद्वान अधिवक्ता, प्रार्थी

: श्री मनोज शर्मा, विद्वान अधिवक्ता, अप्रार्थी

दिनांक-6-8-05

अवार्ड

केंद्र सरकार द्वारा प्रेषित विवाद निम्नानुसार है :—

"क्या महाप्रबंधक, हिंदुस्तान मशीन टूल्स लिमिटेड, अजमेर द्वारा कर्मकार श्री हयूबल ओबिडाया को आदेश दि. 10-8-1990 के द्वारा सेवामुक्त किया जाना उचित एवं वैध है? यदि नहीं तो कर्मकार क्या राहत पाने का अधिकारी है?"

नोटिस के उपरांत उभयपक्ष उपस्थित आये। प्रार्थी ने क्लेम का विवरण और संशोधित क्लेम का विवरण तथा प्रतिपक्षी ने उसका उत्तर प्रस्तुत किया। तदुपरांत उभयपक्ष का श्रवण कर मेरे विद्वान पूर्वाधिकारी ने 5-4-04 के आदेश द्वारा प्रारंभिक बिंदू के रूप में यह निर्णित किया कि प्रार्थी प्रतिपक्षी द्वारा नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के हनन का आरोप विभागीय जांच के संबंध में "स्बस्टेंशिएट" नहीं कर सका है। इस प्रकार विद्वान पूर्वाधिकारी ने विभागीय जांच नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों के अनुकूल होना निर्णित किया है। अत: इस आदेश द्वारा दंडादेश के औचित्य के बिंदु को निर्णित किया जा रहा है।

उभयपक्ष का श्रवण किया, पत्रावली का अवलोकन किया।

प्रार्थी कर्मकार के विद्वान अभिभाषक का तर्क है कि आरोप पत्र प्रदर्श एम-23 के अनुसार प्रार्थी के विरुद्ध अप्रैल, 1987 से मार्च 1988 तक की अवधि में बिना पूर्व सूचना एवं छूट्टी स्वीकृति के अनाधिकृत रूप से 158.50 दिन अनुपस्थित रह कर स्थाई आदेशों की धारा 21(5) सपठित 23 [(बीबीएमएम) (पीपी) एस एस] के अंतर्गत दुराचरण का आरोप है। उनका तर्क है कि आदेश 24 (1) के अंतर्गत अनुपस्थिति के संबंध में केवल परिनिंदा या चेतावनी का ही दंड दिया जा सकता है। सेवा समाप्ति का नहीं। उनका यह भी तर्क है कि आदेश 23 के संबंध में कोई विवरण आरोप पत्र में अंकित नहीं हुआ है। इस प्रकार उनका तर्क है कि प्रार्थी को सेवामुक्ति का दिया गया दंड अत्यधिक, न्यायालय की अंतरात्मा को झकझोर देने वाला है।

इसके विपरीत प्रतिपक्षी के विद्वान अभिभाषक ने 2005 (2) जे. टी. 583 एवं सिंडीकेट बैंक के दृष्टांत को प्रस्तुत करते हुए तर्क दिया कि प्रस्तुत कंपनी केंद्र सरकार की आर्थिक मदद पर है और इस प्रकार ऑक्सीजन पर निर्भर होने के कारण अत्याधिक रूग्ण मानी जा सकती है। उनका तर्क है कि आरोप पत्र में अनुपस्थित रहने की निरंतर पुनरावृत्ति का उल्लेख करते हुए दिये गये सलाह पत्र, आरोप पत्र, चेतावनी पत्र, री-कॉल नोटिस और पूर्व में की गयी सेवा-समाप्ति का उल्लेख किया गया है। उनका तर्क है कि 12-1-81 से 25 सलाह पत्र, दिये जा चुके हैं किंतु फिर भी प्रार्थी के आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ। उनका तर्क है कि प्रतिपक्षी संस्थान और यूनियन ने समझौता पत्र प्रदर्श एम-69 निष्पादित किया गया जिसकी शर्त चार के अनुसार अनुपस्थिति के मामले में कर्मचारी को एक अवसर और दिये जाने का प्रावधान सेवा समाप्ति से पूर्व रखा गया किंतु फिर भी प्रार्थी निरंतर अनुपस्थिति का दुराचारी है। अत: उनके अनुसार सेवा समाप्ति का दंड उचित है। उनका तर्क है कि उक्त समझौता केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि अनेक व्यक्तियों के लिए किया गया है। अंत में उनका तर्क है कि समझौते का उल्लंघन स्थाई आदेश की धारा 23 का उल्लंघन है जो धारा 24(6) के अंतर्गत सेवा समाप्ति योग्य है। उनका तर्क है कि यह न्यायालय दंड में क्यों हस्तक्षेप करे इसका कोई कारण प्रार्थी के प्रतिनिधि नहीं बता पाये हैं, अत: उनके अनुसार प्रार्थी को दिया गया दंड समुचित है।

मैंने उभयपक्ष के तर्कों पर विचार कर लिया है। पत्रावली जांच पत्रावली का अध्ययन कर लिया है। यूनियन और प्रतिपक्षी संस्थान के मध्य हुए समझौता पत्र प्रदर्श एम-69 की शर्त 4 में निम्न प्रावधान रखा गया है।—"यह कि जो श्रमिक आदतन गैर-हाजिर रहते हैं वे जिनकी जांच कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है तथा दंड दिये जाने की प्रक्रिया शेष हो, को आखरी बार कड़ी चेतावनी देकर एक बार और मौका दिया जाता है अगर ऐसे श्रमिक पुन: गैरहाजिर रहते हैं तो उनके संस्थान में स्थाई आदेशों के अनुसार कार्यवाही की जा सकेगी।"

उक्त समझौता पत्र के पश्चात् की अनुपस्थिति 158.50 दिन के संबंध यह आरोप पत्र है, प्रार्थी को पूर्व में सुधारात्मक रुख से दिये गये पच्चीस सलाह पत्र का भी उल्लेख है। इसके अतिरिक्त एक चेतावनी पत्र, एक री-कॉल नोटिस का भी उल्लेख है। प्रार्थी को दिये गये अन्य आरोप पत्रों का भी उल्लेख है। इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रार्थी बिना अवकाश स्वीकृत करवाये अनुपस्थित रहने का आदी है। एक अंतिम अवसर समझौता पत्र के अनुसार देने पर भी वह अनुपस्थित रहने का आदी है। संस्थान और यूनियन के मध्य हुआ समझौता केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि अनेक व्यक्तियों के लिए है। इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रार्थी ने अनुपस्थित रहकर समझौते का भी उल्लंघन किया है और अनुपस्थिति का अभ्यस्त है। ऐसी स्थिति में धारा 24(6) स्थाई आदेश के अंतर्गत सेवा समाप्ति का दंड दिया जाना विधि-सम्मत है।

इस संबंध में दृष्टांत 2803 लैब आई सी. 1202 चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर/पी. सी. कक्कड़ का माननीय उच्चतम न्यायालय का दृष्टांत महत्वपूर्ण है, जिसमें वेडनसबरी के, सी. सी. एस. यू. के. 95(6) एस. सी. सी. 749, 87(4) एस. सी. सी. 611 रणजीत ठाकुर का केस एंव 1987 ए. सी. 514 के दृष्टांतों का विस्तृत उल्लेख किया गया है उक्त दृष्टांतों में प्रतिपादित सिद्धांतों पर विचार करने के पश्चात् मेरे विनम्र मत में अनुशासनिक प्राधिकारी के आदेश में ऐसी कोई त्रुटि, अवैधता, अनियमितता या न्यायालय की अंतरात्मा को झकझोर देने वाले तथ्य नहीं हैं, जिनका वर्णन वेडनसबरी सी. सी. एस. यू. के, रणजीत ठाकुर या अन्य केस में किया गया है। ऐसी स्थिति में अनुशासनिक प्राधिकारी का दंडादेश विधि-सम्मत एवं उचित है।

आदेश

फलत: प्रस्तुत विवाद का उत्तर इस प्रकार से दिया जाता है कि दी चीफ जनरल मैनेजर, हिंदुस्तान मशीन टूल्स, अजमेर द्वारा श्रमिक ह्यूबल मार्शल ओबिडाया को दि. 10-9-90 से सेवामुक्त करना उचित एवम वैध है ? प्रार्थी ह्यूबल मार्शल ओबिडाया कोई राहत प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

जी. एस. शेखावत, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3326.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-II के पंचाट (संदर्भ संख्या 91/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/67/98-आई.आर.(सी.-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3326.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref No. 91/99) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-II now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of CCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-08-2005.

[No. L-20012/67/98-IR(C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Biswas, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1) (d) of the I. D. Act, 1947.

REFERENCE No. 91/1999

Parties : Employers in relation to the management of Bachra Colliery of M/s CCL and their workman.

APPEARANCES :

On behalf of the workman : Mr. K. Chakravorty, Ld. Advocate

On behalf of the employers : Mr. D. K. Verma, Ld. Advocate

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, Dhanbad, the 5th August, 2005

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred them under Section 10(1) (d) of the I. D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No. L-20012/67/98-IB (C-1) dated the 29th January, 1999.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bachra Project of Central Coalfields Ltd. in terminating the services of Sri Somar Mahto Ex-Loader on the ground of unauthorised and habitual absent is right and justified. If not, to what releif is the workman entitled?".

2. The case of the concerned workman according to written statement submitted by the sponsoring union on his behalf in brief is as follows :—

The sponsoring union submitted that the concerned workman was a permament workman under the management. They submitted that for better treatment he taking casual leave from the authority went to his native village but as his ailment aggravated he could not attend to his place of duty. Accordingly, he informed the management about his illness and prayed for granting leave enclosing medical certificate in support of his illness.

They alleged that management instead of sanctioning leave as prayed for issued charge sheet dated 6-2-85 to him. He submitted reply to the said charge sheet denying the charges brought against him.. They alleged that instead of accepting his reply the Disciplinary Authority decided to hold domestic enquiry against him and appointed Enquiry Officer. The said Enquiry Officer not only was baised but also in violation to the principle of natural justice conducted the said domestic enquiry against him and submitted his report holding him guilty to the charges brought against him. They alleged that the Disciplinary Authority relying on the said perverse report of the Enquiry Officer dismissed him from service illegally, arbitrarily and violating the principle of natural justice. There after, he submitted representation to the management with prayer to reconsider his order of dismissal but as they did not consider his prayer he raised an Industrial Dispute for conciliation which utltimately resulted reference to this Tribunal for adjudication.

The Sponsoring union accordingly submitted prayer to pass award directing the management to reinstate the concerned workman in his service from the date of dismissal setting aside that order with full back wages and other conse-quential relief.

3. Management on the contrary after filling written statement-cum-rejoinder have denied all the claims and allegations which the sponsoring union asserted in the written statement submitted on behalf of the concerned workman.

They submitted that the concerned workman started absenting from duty w.e.f. 6-2-95 unauthorisedly and without giving any infromation to them. Accordingly, the Disciplinary Authority issued charge sheet No. PO(B)/PD/Absent/ II "B"/95/224-51 dated 27-2-95. After receipt of the said charge sheet concerned workman submitted his reply but as it was not satisfactory, a domestic enquiory was initiated against him. They disclosed that during hearing of domestic enquiry proceeding the enquiry officer give him full opportunity to defend his case. They further disclosed that after completion of the hearing of enquiry preceeding the Enquiry Officer submitted his report holding him guilty to the charges brought against him. The disciplinary Authority, thereafter, dismissed the concerned workman from his serivce w.e.f. 26-12-1995.

They submitted that the Disciplinary Authority neither committed any illegality nor took any arbitrary decision in dismissing the concerned workman from service and for which he is not entitled to get any relief in view of his prayer. Accordingly, they submitted prayer to pass award rejecting the claim of the concerned workman.

4. POINTS TO BE DECIDED.—

"Whether the action of the management of Bachra Project of Central Coalfields Ltd. in termnating the services of Sri Somar Mahto Ex-Loader on the ground of unauthorised and habitual absent is right and justified. if not, to what relief is the workman entitled ?".

5. FINDING WITH REASONS.—

It transpires from the record that before taking up hearing of this case on merit it was taken into consideration whether domestic enquiry held against the concerned workman was fair, proper and in accordance with the principle of natural justice. The said issue on preliminary point was disposed of in favour of the management vide order No. 14 dated 1-2-2005.

Now the point for consideration is whether the management have been able to substantiate the charge brought against the concerned workman and if so whether there is scope to review the order of dismissal issued against the management by the Disciplinary Authority.

The specific contention of the Management is that the concerned workman without giving any information or taking prior permission from the authority started remaining himself absent from duty unauthorisedly with effect from 6-2-95.

Accordingly, the Disciplinary Authority issued chargesheet to him Vide No. PO (B) /PD/Absent/II"B"/ 95/2247-51 dated 27-2-95 After receipt of the said chargesheet concerned workman submitted his reply. The chargesheet as well as reply given by the concerned workman during evidence of M.W.I. were marked as Exht. M-1 & M-2 respectively. It is the specific contention of the concerned workman that as he was not keeping good health for a considerable period for his better treatment he went to his native village taking casual levave but unfortunately owing to his serious illness he failed to attend to his place of work for duty and he intimated this fact to the Management with a prayer for sanctioning further leave. He alleged that instead of sanctioning leave they issued charge sheet to him. It transpires from the record that the concerned workman not only remained present at the time of hearing of the enquiry proceeding but also full opportunity was given to him to defend his case. Not only before the enquiry officer but also in course of hearing of this case by this Tribunal neither he nor his sponsoring union could be able to produce a single medical paper to show that he was under treatment and for which he could not attend the place of his work for duty. It has been disclosed by him that the went to his native village for his treatment taking casual leave but failed to disclose for how many days and from which period he took casual leave. Considering the materials on record there is sufficient reason to hold that the concerned workman has failed to justify his claim that for his serious illness he could not attend to his duty.

It is seen that management issued charge sheet to him on 27-2-1995 for his unauthorised absence i.e. from 6-2-1995 to 27-2-1995, he remained himself absent from duty. It is his claim that he sent intimation to the Management about his illness and prayed for sanction of his leave. Inspite of claiming so in course of hearing he has failed to produce any paper to show that he gave due intimation of his ailment to the management. Accordingly, in absence of cogent document I find no scope to accept the said plea. As the concerned workman remained absent from duty unauthorisedly and as such unauthorised absence amounted to misconduct as per clause 17(1)(d) & (n) as per Standing Order Management was justified in issuing charge sheet to the concerned workman. On careful consideration of all material facts I hold that management have been able to substantiate the charge brought against him.

It is seen that after completion of hearing of the enquiry proceeding the enquiry officer submitted his report which during evidence of M.W. I. was marked as Exht. M-6. It is seen further that Disciplinary Authority after considering the said report and also considering other material aspects dismissed him from service. The order of dismissal from service duuring evidence of M.W. I. was marked as Exht. M-7.

Now let it be considered if there is scope to review that order of dismissal in view of provision as laid down u/s 11-A of the Industrial Dispute Act.

Sec. 11-A of the Act speaks :

"Where an industrial dispute relating to the discharge or dismissal of a workman has been referred to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal for adjudication and, in the course of the adjudication proceedings, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified, it may, by its award, set aside the order of discharge or dismissal and direct reinstatement of the workman on such terms and conditions, if any as it thinks fit, or give such other relief to the workman including the award of any lesser punishment in lieu of discharge or dismissal as the circumstances of the case may require."

Therefore, it is to be looked into as per provision of this section if the said order of dismissal issued by the Disciplinary Authority was justified and the same was proportionate to the misconduct committed by him. As per charge sheet it appears that the same was issued for remaining his unauthorised absence from 6-2-95 to 27-2-95 i.e. for a period of 21 days. It is the contention of the management relying on the charge sheet that he also remained on unauthorised absence from 6-6-1994 to 28-7-1994 but no evidence is forthcoming which step they took against him for committing misconduct on that ground. Therefore, there is reason to believe that they accepted the absence of the concerned workman and for which they did not consider necessary to issue any charge sheet to him.

Therefore, it is seen that for 21 days unauthorised absence from duty by the concerned workman he was dismissed from service. There is no dispute to hold that he committed misconduct but considering the length of absence there is no scope to arrive into such conclusion that the misconduct which he committed was so grave that the deserved the order of dismissal from service. There is no dispute to hold that management is very much entitled to inflict punishhment on the workman if allegation of misconduct as per charge sheet is proved against him. The Order of dismissal is considered as most severe punishment if it is imposed on any workman. Therefore, before imposing any such punsihment degree of misconduct committed by a workman and its impact falls in the administration or in the production of the management are require to be looked into.

Here in the instant case there is no allegation that on the same ground the concerned workman was charge sheeted and instead of imposing any punishment though opportunity was given to him for his rectification in future

misused the same. There is also no evidence that he was beyond any rectification. Inspite, only for absence of 21 days he was dismissed from service. There was scope on the part of the disciplinary Authority to give him an opportunity for his rectification in future before imposing such severe punishment.

Considering all aspects carefully and also considering the nature of misconduct committed by him there is sufficient reason to hold that the order of dismissal from service issued against him was absolutely disproportionate to the misconduct committed by him and for which it should be considered as injustified.

Accordingly, on review relying on the provision of Section 11-A of the I.D. Act I hold that order of dismissal of the concerned workman from service was not only unjustified but also disproportionate to the misconduct committed by him and for which the said order of dismissal is hereby set aside. In the result the following award is rendered :

> "That the action of the management of Bachr Project of Central Coal Field Ltd., in terminating the service of Sh. Somar Mahto, ex-Loader on the ground of unauthorised and habitual absent is not right and justified.
>
> Consequently, Management is directed to reinstate the concerned workman named above to his service from the date of dismissal within three months from the date of publication of the award in the Gazette of India. However, the concerned workman will not be entitled to get any back wages and consequential relief."

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3327.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को.को. लि., के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-I के पंचाट (संदर्भ संख्या 56/96) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/214/95-आई.आर.(सी.-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3327.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.56/96) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-08-2005.

[No. L-20012/214/95-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. I) DHANBAD

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1) (d)(2A) of I. D. Act.

Reference No. 56/1996

Parties : Employers in relation to the management of Industry Colliery of M/s. BCC Ltd.

AND

Their Workmen

Present : Shri Sarju Prasad, Presiding Officer

APPEARANCES :

For the employers	:	None
For the workman	:	None

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, the 11th August, 2005

AWARD

By Order No. L-20012/214/95-IR (Coal-I) dated 20/22-8-1996 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

> "Whether the Claim of the Union that the Management of Industry colliery of M/s. B.C.C.L. did not provide employment to Shri Mohan Manjhi PRM is legal and justified ? If so, to what releif is concerned workman entitled ?".

2. This reference case is of the year 1996. But even today (11-8-2005) none has appeared on behalf of the concerned workman to take any step, despite registered notice was sent. Therefore, it appears that neither the sponsoring union nor the concerned workman is interested to contest the case.

3. Under such circumstances, I render a 'No Dispute' Award in the present reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3328.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को. को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-I के पंचाट (संदर्भ संख्या 175/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-20012/275/2001-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3328.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 175/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I Now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/275/2001-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act.

Reference No. 175 of 2001

Parties : Employers in relation to the management of Sijua Area of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

Present : Shri Sarju Prasad, Presiding Officer

Appearances :—

For the Employers : Shri D. K. Verma, Advocate

For the Workmen : Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, the 11th August, 2005

AWARD

By Order No. L-20012/275/2001-IR(C-I) dated 10-8-2001 the Central government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the demand of Bihar Colliery Kamgar Union for fixation of pay scale of Kali Dusad in Grade-II Clerk at Rs. 2545 with effect from 10-6-1991 as per NCWA is legal and justified? If yes, what relief the concerned workman is entitled and from what date?"

2. Shri D. Mukherjee appearing on behalf of the workman concerned submitted on 9-8-2005 that the concerned workman is not interested to contest his case and also prayed for passing of 'no dispute' award in the case.

3. In view of such submission being made by Sri Mukherjee I render a 'No Dispute' Award in this reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3329.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को. को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-1 के पंचाट (संदर्भ संख्या 30/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल.-20012/234/1997-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3329.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 30/1998) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/234/1997-IR (C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act.

Reference No. 30 of 1998

Parties : Employers in relation to the management of Murulidih 20/21 Pits Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

Present : Shri Sarju Prasad, Presiding Officer

Appearances :

For the Employers : Shri D. K. Verma, Advocate

For the Workmen : None

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, the 11th August, 2005.

AWARD

By Order No. L-20012/234/1997-IR(Coal-I) dated 15-5-1998 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the dismissal of Shri Rajendra Mahto an explosive carrier of Murulidih 20/21 Pits Colliery of M/s. BCCL Mohuda Area No. II is genuine and justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

2. This reference case is of the year 1998. Despite sending registered notice even on 10-8-2005 none appeared on behalf of the concerned workman. Therefore, it seems that neither the sponsoring union nor the concerned workman is interested to contest the case.

3. In such circumstances, I render a 'No Dispute' Award in the present reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3330.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को. को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-I के पंचाट (संदर्भ संख्या 111/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल.-20012/744/1997-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3330.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 111/1998) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/744/1997-IR (C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act.

Reference No. 111 of 1998

Parties : Employers in relation to the management of Angarpathara Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

Present : Shri Sarju Prasad,

Presiding Officer

Appearances :

For the Employers : Shri D. K. Verma, Advocate

For the Workmen : Shri D. Mukherjee, Secretary, B. C. K. U.

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, the 2nd August, 2005

AWARD

By Order No. L-20012/744/1997-IR(C-I) dated 30-11-1998 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"क्या अंगारपथरा कोलियरी द्वारा झाकरी समिति तथा मेडिकल बोर्ड द्वारा सुनिश्चित की गई कर्मकार की जन्म तारीख (5-7-1986 को 45 वर्ष) को नजरदांज करते हुए, नंदखुरकी कोलियरी द्वारा उनके अन्तिम वेतन प्रमाण पत्र में सूचित जन्म तारीख (31-1-35) के आधार पर श्री किशोरी सोनार को दिनांक 31-1-95 से सेवानिवृत्त किया जाना न्यायोचित है ? यदि नहीं तो वे किस राहत के पात्र हैं ?"

2. This reference case was fixed for adducing evidence on behalf of the management on 16-8-05. But today Shri D. Mukherjee, appearing on behalf of the workman files a petition duly signed by the concerned workman stating therein to pass a 'No Dispute' Award in this case as the concerned workman is not interested to contest the case.

3. In view of such submission made by Sri Mukherjee on behalf of the workman, the order dated 4-5-2005 is recalled and I render a 'No Dispute' Award in the present reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3331.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को. को. लि.

के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-I के पंचाट (संदर्भ संख्या 81/1999) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल.-20012/540/1998-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3331.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 81/1999) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/540/1998-IR (C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act. 1947.

Reference No. 81 of 1999.

Parties : Employers in relation to the management of Angarpathara Colliery, M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

Present : Shri Sarju Prasad, **Presiding Officer.**

Appearances :

For the Employer	:	None
For the Workmen	:	None
State : Jharkhand		Industry : Coal.

Dated, the 2nd August, 2005.

AWARD

By Order No. L-20012/540/1998-IR(C-I) dated 17-5-1999 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"क्या अंगारपथरा कोलि.बी. सी. सी. एल. के प्रबधतंत्र द्वारा श्री जगनन्दन शर्मा नाइट गार्ड के आश्रित पुत्र को NCWA IV पैरा 9-4-2 के अंतर्गत नौकरी न देना उचित व न्याय संगत है ? यदि नहीं तो उक्त आश्रित किस राहत के पात्र हैं तथा तारीख से ?"

2. This reference case is of the year 1999. Despite notice issued to the sponsoring union, even on 29-7-2005 neither the sponsoring union nor the concerned workman appeared to take any step in this case. It, therefore, seems that they are not interested to contest the case.

3. Under such circumstances, I render a 'No Dispute' Award in the Present Reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3332.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी. सी. एल. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-I के पंचाट (संदर्भ संख्या 337/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल.-20012/356/2000-आई.आर. (सी-I)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3332.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 337/2000) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of CCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/356/2000-IR (C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act. 1947.

Reference No. 337 of 2000.

Parties : Employers in relation to the management of Jarangdih Colliery of M/s. C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

Present : Shri Sarju Prasad, **Presiding Officer.**

Appearances :

For the Employers	:	Shri D. K. Verma, Advocate.
For the Workmen	:	Shri K. Chakravarty, Advocate
State : Jharkhand		Industry : Coal.

Dated, the 2nd August, 2005.

AWARD

By Order No. L-20012/356/2000-IR (C-I) dated 29-11-2000 the Central Government in the Ministry of

Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Jarangdih Colliery of M/s. C. C. Ltd. in not accepting the date of birth as 28-11-46 mentioned in the matriculation certificate of Sh. Awdhesh Kumar Singh is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. In this case Shri K. Chakravarty, appearing on behalf of the workman concerned submitted on 1-8-2005 that the concerned workman is not interested to contest the case and also prayed for passing a 'No Dispute' Award in this reference case.

3. In view of such submission made on behalf of the concerned workman, I render a 'No Dispute' Award in the present reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3333.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को. को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-I के पंचाट (संदर्भ संख्या 40/1998) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल.-20012/680/1997-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3333.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 40/1998) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/680/1997-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act.

Reference No. 40 of 1998.

PARTIES : Employers in relation to the management of Dugda Coal Washery of M/s. B.C.C. L.

AND

Their Workmen.

PRESENT : SHRI SARJU PRASAD, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers	:	None
For the Workmen	:	None
State : Jharkhand		Industry : Coal.

Dated, the 11th August, 2005.

AWARD

By Order No. L-20012/680/1997-IR(C-I) dated 13-8-1998 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Dugda Coal Washery of M/s. BCCL in not regularising the services of Shri Birendra Kumar Sahu is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?"

2. Despite sending registered notice to the parties none is appearing on behalf of the concerned workman to take any step in this case. Therefore, it appears that neither the concerned workman nor the sponsoring union is interested to contest the case.

3. Under such circumstances I render a 'No Dispute' Award in the present reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3334.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को. को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-I के पंचाट (संदर्भ संख्या 21/2000) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/236/1999-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3334.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 21/2000) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/236/1999-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act.

Reference No. 21 of 2000.

PARTIES : Employers in relation to the management of Bhalgora Project of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT : SHRI SARJU PRASAD, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers	:	Shri H. Nath, Advocate.
For the Workmen	:	Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union
State : Jharkhand		Industry : Coal.

Dated, the 10th August, 2005.

AWARD

By Order No. L-20012/236/1999-IR(C-I) dated 20-12-1999 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the demand of Union for regularisation of S/Shri Ram Rekha Harijan, (2) Jamuna Prasad, (3) Dhaneshwar Majhi, (4) Md. Mustafa and (5) Ram Jatan Prasad and to regularise them on the position being held in time rated jobs is justified? If so, to what relief these workmen are entitled to?"

2. This reference case was received in this Tribunal on 6-1-2000. Ultimately the case was fixed on 18-10-2002 for adducing evidence on behalf of the workmen. But since last several dates the concerned workmen is not appearing before this Tribunal to adduce his evidence. It, therefore, appears that the concerned workmen is not interested to contest the case.

3. Under such circumstances, I render a 'No Dispute' Award in the present reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3335.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को. को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-I के पंचाट (संदर्भ संख्या 86/1999) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/568/1998-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3335.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 86/1999) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-I now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/568/1998-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference U/s. 10(1)(d)(2A) of I.D. Act.

Reference No. 86 of 1999.

PARTIES : Employers in relation to the management of Block-II Area of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT : SHRI SARJU PRASAD, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers	:	None
For the Workmen	:	None
State : Jharkhand		Industry : Coal.

Dated, the 10th August, 2005.

AWARD

By Order No. L-20012/568/1998-C-I dated 17-5-1999 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of M/s. BCCL in not recording the date of birth of the concerned workman according to the documents available to them and also in not sending the concerned workman to the Medical Board for assessment of age, is correct and justified? If not to what relief the workman is entitled to?"

2. This reference case is of the year 1999. But since last several dates none is appearing on behalf of the workman concerned to adduce evidence on behalf of the

workman. It seems that neither the concerned workman nor the sponsoring union is interested to contest the case further.

3. In such circumstances, I render a 'No dispute' Award in this reference case.

SARJU PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3336.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा. को. को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-II के पंचाट (संदर्भ संख्या 231/1999) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/554/1998-आई.आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3336.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 231/1999) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-II now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-8-2005.

[No. L-20012/554/1998-IR (C-I)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

PRESENT

Shri B. Biswas,
Presiding Officer

In the matter of an Industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 231 of 1999

Parties : Employers in relation to the management of Bararee Colliery of M/s. BCCL, P. O. Bhulan Bararee, Distt. Dhanbad and their workman.

APPEARANCES :—

On behalf of the workman : Mr. R.R. Ram, Ld. Advocate.

On behalf of the employers : Mr. D. K. Verma, Ld. Advocate

State : Jharkhand Industry : Coal.

Dated, Dhanbad, the 5th August, 2005

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication *vide* their Order No. L-20012/554/1998-C-I dt. the 17th March, 1999.

SCHEDULE

"Whether dismissal from service of Sri Sarju Rabidas w.e.f. 23-4-97 by the management of BCCL, Bararee Colliery Ltd. is proper, legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled to."

2. The case of the concerned workman according to written statement submitted by him in brief is as follows :

The concerned workman submitteed that he was loader posted at Bararee Colliery under the management. He alleged that management dismissed him from service with effect from 23-4-97 vide letter No. BBC/97/1036 dated 23-4-97 on the charge of his remaining absent from duty for the period from 18-12-95 to 3-11-96.

He submitted that owing to his illness he was under treatment for the period from 13-12-95 to 3-11-96 and to that effect he sent information to the management. He was declared medically fit on 4-11-96 and with his medical certificate of fitness he came to his place of work with a view to resume his duty but management did not allow him to join his duty and thereafter issued charge sheet to him bearing No. BBC/96/6737 dt. 12-11-96 for remaining absent from duty w.e.f. 13-12-95. He disclosed that on receipt of the said charge sheet he submitted his reply wherein he disclosed the ground of his absence but management instead of accepting his reply initiated domestic enquiry against him. The Enquiry Officer though conducted the said enquiry against him was not in accordance with the principle of natural justice and accordingly after completion of that so-called enquiry submitted a perverse report holding him guilty to the charges brought against him. He submitted that the said Enquiry Officer during hearing of the enquiry proceeding did not give him fair opportunity to defend his case. However, management after completing the said enquiry handed over a copy of the enquiry report to him to which he again gave his reply but the Disciplinary Authority without considering his reply dismised him from service illegally, arbitrarily and violating the principle of natural justice. After passing the said order of dismissal he again submitted representation to the management with prayer for his reinstatement into service but that as was not considered by them he raised an Industrial Dispute for conciliation which ultimately resulted reference to this Tribunal for adjudication. The concerned workman accordingly submitted his prayer to pass award directing the management to reinstate him in service from the date of dismissal setting aside that order with full back wages and other consequential reliels.

3. Management on the contrary after filing written statement-cum-rejoinder have denied all the claims and allegations which the concerned workman asserted in his written statement. They submitted that the concerned

workman started himself absenting from duty w.e.f. 13-12-95 without giving any intimation or taking prior permission from the authority. They disclosed that as the said unauthorised absent from duty amounted to misconduct the Disciplinary authrority as per provision laid down in certified standing Order applicable to the workman of their Company issued charge sheet to him dt. 12-11-96. After receipt of the said charge sheet concerned workman submitted his reply but as the reply given by him was not satisfactory it was decided to hold domestic enquiry against him and accordingly Mr. A.B. Sinha, Personnel Manager, Bararee Colliery was appointed as Enquiry Officer to conduct the said domestic enquiry.

They submitted that in course of hearing of the said enquiry not only the concerned workman was present but also full opportunity was given to him to defend his case.

They submitted that the said enquiry officer after completing hearing of the enquiry proceeding submitted his report holding the concerned man guilty to the charge brought against him. They further submitted that copy of the enquiry report was handed over to him for submitting his explanation further before taking decision against him and he submitted his explanation. The Disciplinary Authority thereafter considering his explanation, enquiry report and other materials dismissed him from service of the company. They submitted that considering conduct of the concerned workman they neither committed any illegality nor took any arbitrary decision in dismissing him from service. Accordingly, they submitted prayer to pass award rejecting the claim of the concerned workman.

4. **POINTS TO BE DECIDED**

"Whether dismissal from service of Sri Sarju Rabidas w.e.f. 23-4-97 by the management of BCCL Bararee Colliery Ltd. is proper, legal and justified? If not to what relief the workman is entitled to."

5. **FINDING WITH REASONS**

It transpires from the record that before taking up hearing of this case on merit date was fixed for taking into consideration if domestic enquiry conducted against the concerned workman was fair, proper and in accordance with the principle of natural justice. The said issue on preliminary point was disposed of in favour of the management vide order No. 13 dt. 1-10-04.

Now the point for consideration is whether the management have been able to substantiate the charge brought againt him and if so whether there is any scope to review the said order of dismissal u/s 11-A of the Industrial Disputes Act.

Considering the materials on record there is no dispute to hold that the concerned workman was a loader at Bararee Colliery. It is the specific allegation of the management that the concerned workman started remaining himself absent from duty w.e.f. 13-12-95 without giving any intimation or taking prior permission from the management. As the said unauthorised absence amounted to misconduct as per clause 26:1:1 of the Certified Standing Order applicable to the workman of the Company. The Disciplinary Authority issued charge sheet to him which in course of hearing was marked as Ext. M-1. The charge sheet was issued on 12-11-96. Therefore it transpires clearly that from 13-12-95 to 12-11-96 the concerned workman remained himself absent from duty. It is admitted fact that concerned workman not only received charge sheet but also submitted its reply. From the reply given by the concerned workman it transpires that owing to his illness he could not attend to his duty w.e.f. 13-12-95 and remained under treatment of Private Doctor of the nursing home till 3-11-96. He further submitted that he gave due intimation to the management about his ailment and in support of his claim he relied on three receipts of Under Certificate of Posting. The Enquiry Officer in his report considered those postal receipts but did not accept the same as the concerned workman could not establish if the same were related to any written information given to the management intimating the reason of his absence. I have considered the postal receipts produced by the concerned workman but in course of hearing he has failed to justify if the same were connected with any written information given by him to the management about his ailment. Therefore, I find no scope to take cognizance of the said postal receipts in support of the claim of the concerned workman. It is admitted fact that the concerned workman left the place of his work without giving any intimation or taking prior permission from the management w.e.f. 13-12-95 and in this way he remained absent unauthorisedly till 12-11-96, i.e., the day when charge sheet against him was issued for committing misconduct on the ground of absenteeism. It is the contention of the concerned workman that he was declared medically fit by his attending Doctor on 4-11-96 and on the same day he came to his place of work with a view to resume his duty but management did not allow him to work. On the contrary they issued charge sheet against him. In spite of getting opportunity the concerned workman failed to substantiate the fact that with medical certificate of fitness he came to his place of work on 4-11-96 with a view to resume his duty and for which I find no scope to accept the such contention. It is clear that he remained absent from duty for about an year without prior permission or giving any intimation to the management, Accordingly, this aspect I hold that management was justified to issue charge sheet against him. Considering all materials on record I further hold that management also have been able to substantiate the charge brought against the concerned workman.

It is seen that the Disciplinary Authority considering enquiry report, explanation given by the concerned workman and also considering other material aspects dismissed him from service. The order of dismissal during hearing was marked as Exht. M-1/8. The said order of dismissal came into effect from 23-4-97.

Now the point for consideration is whether the said order of dismissal deserves to be reviewed as per Sec. 11-A of the Industrial Disputes Act.

Sec. 11-A of the Industrial Disputes Act speaks as follows :

"where an industrial dispute relating to the discharge or dismissal of a workman has been referred to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal for adjudication and, in the course of the adjudication proceedings, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified, it may, by its award, set aside the order of discharge or dismissal and direct reinstatement of the workman on such terms and conditions, if any, as it thinks fit, or give such other relief to the workman including the award of any lesser punishment in lieu of discharge or dismissal as the circumstances of the case may require."

Therefore, according to the provision of this section it is to be taken into consideration if the said order of dismissal was justified and proportionate to the misconduct committed by the concerned workman.

Charge sheet issued to the concerned workman during hearing was marked as Exht. M-1. As per the charge sheet concerned workman was given 48 hours time to submit his reply. As per clause 27 : 1 of the Certified Standing Order where a workman is charged with a misconduct which may lead to imposition of minor penalty, he shall be informed in writing of the allegation made against him and shall be given an opportunity to explain his conduct within 48 hours.

Again clause 29 : 1 of the Certified Standing Order has clearly mentioned which punishment the Disciplinary Authority can impose on the workman if the charge of misconduct is proved against him when opportunity was given to him to submit his reply to the charge sheet within 48 hours as per provision of clause 27 : 1 of the Certified Standing Order.

Dismissal of a workman from service amounts to major penalty and in such case Disciplinary Authority should issue charge sheet in compliance to clause 27:2 of the Certified Standing Order.

Here it is clear that intention of the Disciplinary Authority was to impose light punishment as laid down in clause 29:1 and for which complying the provision of clause 27:1 they issued charge sheet to the concerned workman. It is really shocking to note that at the time of imposing punishment they ignored the provision of the Certified Standing Order which has been discussed above. Moreover, the attitude of the Disciplinary Authority has exposed clearly that they did not consider the observation of the Enquiry Officer which he made in his report before dismissing the concerned workman from his service.

It is the specific claim of the concerned workman that owing to his illness he could not attend to his duty and in support of his claim not only he submitted medical certificate of fitness but also submitted prescriptions before the Enquiry Officer. The Enquiry Officer in the last part of his report very clearly observed to the effect "that it is fact that Sri Sarju Rabidas was suffering from the disease and under the treatment of Private Nursing Home but his only fault that he has not inform the management about his sickness". Considering this report there is no dispute at all to hold that for his sickness the concerned workman was not in a position to attend his duty. His only fault was that he started remaining himself absent from duty without taking permission or without giving any intimation to the management. That is why the management was justified in issuing charge sheet against him. However, by the said charge sheet he was asked to submit his reply within 48 hours as per provision of clause 27:1 of the Certified Standing Order.

When it appears very clearly from the enquiry report that the concerned workman actually was lying sick during the period of his absence there was scope on the part of the Disciplinary Authority to consider his punishment as per provision laid down in cluse 27:1 read with clause 29:1 of the Certified Standing Order. It it seen that ignoring the said provision they issued order of dismissal relying on clause 27:2 read with clause 29:1 (ii) of the Certified Standing Order arbitrarily.

In view of the facts & circumstances discussed above I find no hesitation to say that order of dismissal from service issued against the cocerned workman was not at all justified and absolutely disproportionate to the misconduct committed by him and for which there is ample scope to review that order in view of provision laid down u/s 11-A of the I.D. Act. Accordingly, the order of dismissal from service issued by the management is set aside and in the result the following award is rendered:

"That dismissal from service of Sri Sarju Rabidas. w.e.f. 23-4-97 by the management of BCCL, Bararee Colliery Ltd. is not proper, legal and justified.

Accordingly, management is directed to reinstate the concerned workman named above to his service within three months from the date of publication of the award in the Gazette of India, w.e.f. 23-4-97. The concerned workman will not get any back wages and other consequential reliefs during this period. However, his continuity in service will not be affected in the matter of counting his retirement benefits."

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3337.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-II के पंचाट (संदर्भ संख्या 21/96) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/348/94-आई. आर. (सी-1)]

एस. एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3337.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 21/96) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Dhanbad-II now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 26-08-2005.

[No. L-20012/348/94-IR (C-1)]

S. S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT

SHRI B. BISWAS,
Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No. 21 of 1996

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Govindpur Colliery of M/s. BCCL and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workman : Mr. Karu Ram, General Secretary, Dalit Mazdor Sangh

On behalf of the employers : Mr. D.K. Verma, Advocate

State : Jharkhand Industry : Coal

Dhanbad, the 29th July, 2005

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/348/94-IR (Coal-I), dated the 27th Feb., 1996.

"Whether the demand of the union of departmentalisation/regularisation of the services of S/Shir Babulal Mahato and 126 Benami Wagon Loaders as per annexure below under the services of the Company of M/s. BCCL justified? If so, to what relief are these Benami Loaders entitled?"

2. Case of the concerned workmen according to Written Statement submitted by the sponsoring on their behalf in brief is as follows :—

The sponsoring union submitted that the concerned workman were deployed by the management as permanent Wagon Loader at Govindpur Colliery since long and they discharged their duties for years together continuously under direct control and supervision of the management. They submitted that the management maliciously did not maintain statutory documents regarding the concerned workman with a view to deprive them of their legitimate demand and claims. Management also did not pay them wages as per rate fixed by NCWA and thereby exploited them for years together. Accordingly they submitted representation to the management for payment of wages as per NCWA and also asked them to maintain statutory documents regarding them but to no effect. They alleged that these workmen created pressure for maintaining proper register and document and also in the matter of payment of wages as per NWCA they stopped them from service in violation of the natural justice. Accordingly they raised industrial dispute before the ALC(C) Dhanbad on 5-9-91 for conciliation which ultimately resulted reference to this Tribunal for adjudication. The sponsoring union submitted prayer to pass Award directing the management to regularise them as Wagon Loaders with full back wages and other consequential relief.

3. Management on the contrary after filing Written Statement-cum-rejoinder have denied all the claims and allegations which the sponsoring union asserted in the Written Statement submitted on behalf of the concerned workmen. They submitted that they have their sufficient number of permanent Wagon Loaders as well as sufficient number of pay loadres for loading coal in the wagons both manually as well as mechanically. Accordingly there was no requirement of any extra hands to be engaged as Wagon Loaders for loading coal in the wagons at the Railway siding. They submitted that the local management never authorised any officer including Agent, Manager to recruit any workman for their deployment to any job without obtaining due approval from the Directors of the Company. They disclosed that they have their own recruitment policy and for recruitment of persons the formalities relating to notification to Employment Exchange have to be complied with and after proper selection the workmen are recruited. Accordingly the claim of the sponsoring union about engagement of the concerned workmen in the year 1986 and stopped them from work in the year 1992 finds no basis at all. They further disclosed that Attendance Registers are maintained in the colliery under the provision of Mines Act and Mines Rules to record the attendance of the workmen who work in the Colliery. As they are very much well aware that failure of maintenance of statutory records will invite criminal prosecution against the Manager, Agent and owner and they are liable to face imprisonment. As such question of engaging the concerned workmen in the colliery without maintaining proper register as alleged in nothing but a false claim which cannot be relied upon. In view of the facts and circumstances management submitted

prayer to pass Award rejecting the claim of the concerned workmen.

4. **POINTS TO BE DECIDED :**

"Whether the demand of the Union for departmentalisation/regularisation of the services of S/Shri Babulal Mahato and 126 Benami Sagon Loaders as per annexure below under the services of the Company of M/s. BCCL is justified? If so, to what relief are these Benami Loaders entitled? "

5. **FINDING WITH REASONS :**

It transpires from the record that inspite of getting sufficient opportunities the sponsoring union have failed to examine a single witness in support of their claim. At the time of submitting Written argument they only relied on certain documents marked as Ext. W-1 to W3. Management also did not adduce evidence in support of their claim inview of the fact that the concerned workmen have failed to establish their claim that they were the workmen of the management. It is the contention of the sponsoring union that the concerned workmen were engaged as wagon loaders by the management in the year 1986 and in that capacity they worked continuously till 1991. It is their further contention that though the concerned workmen like permanent workmen used to discharge their duties as wagon loader for loading coal in the wagons management never paid wages to them as per NCWA. They even did not maintain proper register to show that those workmen being engaged by them discharged their duties as wagon loaders. Accordingly they submitted representation to the management and created pressure on them for regularisation of the said workmen and as a result of which management stopped them from work illegally, arbitrarily and violating the principle of natural justice. On the contrary claim of the management is that they have sufficient number of wagon loaders to load wagons manually as well as sufficient number of pay loaders for loading coal in the wagons mechanically. Accordingly question of engaging the concerned workmen as wagon loaders did not arise. They submitted further that they have their own recruitment rules in the matter of selection of any workman to work in the Colliery. They further submitted that as per Mines Act & Rules maintenance of statutory registers are compulsory and violation of the same not only invites criminal prosecution but also invites imprisonment if the allegation is proved. Accordingly the allegations which the sponsoring union have made against them finds no truth at all.

6. Considering the submissions of both sides it has to be taken into consideration if the concerned workmen, as alleged, worked under the management and discharged their duties as wagon loaders in between the period from 1986 to 1991. When the management categorically denied the fact initial burden rests on the sponsoring union to establish three materials ingredients viz. (1) that the concerned workmen were deployed by the management to work as wagon loaders, (2) that the management without maintaining any statutory register in respect of the concerned workmen deployed them to work and (3) that the management used to pay wages to them far below the rate of NCWA. Representative of the concerned workman during argument submitted that the documents marked as Ext. W-1 to W-3 will expose clearly that the concerned workmen were engaged by the management to work as wagon loaders. I have carefully considered the documents in question and from these documents it transpires that a talk was initiated in between the sponsoring union as well as the management in the matter of settlement of dispute in the connection with the instant reference case and to that effect in view of the instruction of the management the sponsoring union submitted a list of the wokmen with no objection certificate on their part. It is seen that the said negotiation did not yield any fruitful result. Therefore, on the basis of this document there is no scope at all to arrive into any conclusion that the concerned workmen were actually engaged by the management to work as wagon loaders. When the said talk of settlement failed it was the responsibility upon the sponsoring union to adduce evidence with a view to substantiate their claim. Documents marked as Ext. W-1 to W-3 shows clearly that the said talk of settlement was initiated while the instant reference was pending very much before this Tribunal. No satisfactory explanation on the part of the sponsoring union is forthcoming why they failed to produce any material document during pendency of hearing of this case to show how the concerned workmen were engaged by the management and how they were exploited. Not a single scrap of paper is forthcoming on the part of the sponsoring union to show that they received wages from the management far below the rate of wages fixed by NCWA. It should be borne into mind that facts disclosed in the Written Statement cannot be considered as substantive piece of evidence until and unless the same is substantiated by cogent material document as well as oral evidence as burden of proof was on the sponsoring union to establish their initial claim. They cannot deny their responsibility to establish the claim in question, but they have failed to do so lamentably. Therefore, relying on the facts disclosed in the Written Statement submitted by the sponsoring union there is no scope at all to uphold the contention of the sponsoring union that the concerned workmen as wagon loaders worked under the management from 1986 to 1991 continuously and inspite of submitting representation they refused to regularise them. They had the scope to produce copies of representation to establish the genuinity of their prayer but that too they did not consider necessary to file before this Tribunal. Therefore, I find no hesitation to say that the sponsoring union lamentably has failed to substantiate their claim and for which they are not entitled to get any relief. In the result, the following Award is rendered :—

"The demand of the Union for employment/ departmentalisation of the services of S/Shri Babulal Mahato and 126 others (as per list) by the management of Govindpur Area No. II of M/s. BCCL is not justified. Consequently, the concerned workmen are not entitled to get any relief."

B. BISWAS, Presiding Officer

ANNEXURE

1. Babulal Mahato
2. Subhash Kisku
3. Bajrangi Bhuiya
4. Manohar Paswan
5. Bal Mukund Ram
6. Sukhdeo Ram
7. Raj Kumar Ram
8. Shiv Lal Marmu
9. Somra Marandi
10. Bijay kumar Sinha
11. Gaur Ch. Das
12. Sobaran Manjhi
13. Basdev Das
14. Madan Bhuiya
15. Kismis Bhuiya
16. Deva Bhuiya
17. Krishna Nandan Yadav
18. Mahabir Yadav
19. Shri Yadav
20. Raj Kumar Yadav
21. Arjun Yadav
22. Raghunandan Majhi
23. Ram Ashish Bhuiya
24. Chandreshwar Bhuiya
25. Parmeshwar Bhuiya
26. Rameshwar Bhuiya
27. Kanti Devi
28. Jogeshwar Bhuiya
29. Bachhi Devi
30. Puran Mahato
31. Gopal Mahato
32. Anand Prasad Berma
33. Ram Balak Prasad
34. Sitaram Singh
35. Chandrika Singh
36. Uday Kr. Singh
37. Jitendra Kr. Singh
38. Birendra Kr. Singh
39. Ramesh Mahato
40. Mohammaed Usfak
41. Md. Israil
42. Md. Safij
43. Md. Rasid
44. Md. Samilem
45. Dinanath Sharma
46. Ajit Kr. Singh
47. Bineshwar Choudhary
48. Surjug Choudhary
49. Shankar Bhuiya
50. Rajdeo Jamadar
51. Mahendra Choudhary
52. Ram Shankar Bhuiya
53. Moti Bhuiya .
54. Mahabit Bhuiya
55. Bela Bhuiya
56. Ranjit Kr. Sao
57. Deep Narayan Sharma
58. Prakash Bhuiya
59. Chandrika Singh
60. Uday Kr. Singh
61. Shyam Kr. Bhuiya
62. Ram Avatar Bhuiya
63. Dev Saran Prasad
64. Ashok Prasad
65. Birendra Kumar
66. Suresh Prasad
67. Ramdev Bhuiya
68. Jogendra Das
69. Sumindra Prasad
70. Ishwar Datta
71. Ram Prasad Paswan
72. Anil Kr. Kausal
73. Ram Naresh Prasad
74. Md. Noor Islam
75. Md. Latif Ansari
76. Krishnadeo Mondal
77. Raj Kapur Singh
78. Sanjay Kumar
79. Sachitananda Kr. Singh
80. Sanjiv Rajan Kumar
81. Dharmendra Kumar
82. Suresh Thakur
83. Ananda Kumar Gupta
84. Naresh Ram
85. Ram Hari Manjhi
86. Hari Shankar Prasad
87. Arjun Paswan
88. Krishna Thakur
89. Siv Mohan Pandey
90. Baldev Pandey
91. Nakul Pandey
92. Dharmath Pandey
93. Shyam Lochan Pandey
94. Prakash Pandey
95. Birendra Prasad
96. Akhiklal Sao
97. Arun Kr. Pandey
98. Byas Kr. Pandey
99. Chandradev Thakur
100. Shiv Jatan Thakur
101. Sa. Narayan Paswan
102. Anand Pd. Sharma
103. Karu Bhuiya
104. Hari Pada Pankaj

105. Mohan Prasad
106. Patiraj Yadav
107. Subash Manjhi
108. Binendra Manhhi
109. Pagal Manjhi
110. Pabod Majhi
111. Bijay Manjhi
112. Bimal Manjhi
113. Balaram Prasad
114. Majan Ram
115. Sanu Ram
116. Ram Naresh Yadav
117. Sashi Bushan Prasad
118. Janki Thakur
119. Rambrichh Singh
120. Hari Nandan Paswan
121. Shyam Sundar Paswan
122. Md. Parwej Alam
123. Rajo Yadav
124. Chasin Bhuiya
125. Shiv Kr. Paswan
126. Bhola Bhuiya
127. Raghunath Yadav

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3338.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भा.को.को. लि. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, धनबाद-II के पंचाट (संदर्भ संख्या 81/93)को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012/296/92-आई. आर. (सी-1)]

एस.एस. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3338.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 81/93) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Dhanbad-II as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of BCCL and their workman, which was received by the Central Government on 26-08-2005.

[No. L-20012/296/92-IR (C-1)]

S.S. GUPTA, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Biswas, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No. 81 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Bhowra South Colliery of M/s. BCCL and their workman.

APPEARANCES :

On behalf of the workman : Shri S.N. Goswami, Ld. Advocate

On behalf of the employers : Shri H. Nath, Ld. Advocate

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, Dhanbad, the 5th August, 2005

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/(296)/92-I.R. (Coal-I), dated the 5th July, 1993.

SCHEDULE

"Whether the action of Bhowra South Colliery of M/s. BCCL in terminating the services of Shri Jalleshwar Modi, D.C. Loader, Bhowra South Colliery, U.G. Mines, w.e.f. 14-3-89 is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. Case of the concerned workman according to Written Statement submitted by the sponsoring on his behalf in brief is as follows :—

The sponsoring union submitted that the concerned workman was a permanent D.C. Loader at Bhowra (S) Colliery, Bhowra Area No. XI. Initially on 5-9-1970 he got his appointment as Miner. They submitted that during long tenure of service he never received any charge sheet or warning letter from the management for committing any misconduct. On 1-7-87 he fell ill seriously and for which went to his native village and remained under treatment of Dr. T.B. Burnal of Chandan Kiari. They submitted that as the concerned workman was not in a position to attend his duty on the ground of his illness he sent letters to that effect to the management on 3-7-88 and 6-8-88. They submitted that after recovery from his ailment when he came to his place of work with medical certificate of fitness with a view to resume his duty management instead of allowing him to work issued charge sheet to him vide No. BCCL/PD/BH/8/88/A/1316 dt. 8-8-1988. On receipt of the said charge sheet he also submitted his reply on 3-9-88

They alleged that management violating the provision of Sec. 25F of the I.D. Act. Terminated him

from his service and deleted his name from the roll of the Company without providing any reasonable opportunity or conducting any enquiry.

They submitted that thereafter he submitted several representations to the management with prayer to reinstate him in service but to no effect.

They alleged that the order of dismissal of the concerned workman was illegal, arbitrary not only but also it violated the principle of natural justice and for which he raised an Industrial Dispute for conciliation which ultimately resulted reference to this Tribunal for adjudication. The sponsoring union on behalf of the concerned workman accordingly, submitted prayer to pass award directing the management to reinstate him in service setting aside the order of termination with full back wages and consequential relieves.

3. Management on the contrary after filing written statement-cum-rejoinder have denied all the claims and allegations which the sponsoring union asserted in the written statement submitted on behalf of the concered workman.

They submitted that the concerned workman was charge sheeted due to his long unauthorised absence from his duty. A Departmental enquiry in view of charge sheet issued to him was held against him. After departmental enquiry the concerned workman was found guilty to the charges framed against him and accordingly he was dismissed from service w.e.f. 13-3-89.

After passing that order of dismissal on request of the workman as well as union for his reinstatement on the ground that he belonged to Schedule Caste/Schedule Tribe. The matter was enquired and ultimately the H.Q. on enquiry did not find the concerned workman to be member of Schedule Caste/Schedule Tribe community and accordingly the request for his reinstatement in service was regretted vide Letter Dt. 28/29-10-91. They submitted that the sponsoring union raised Industrial Dispute before ALC(C) on 7-10-91, i.e. 2 ½ years after the order of dismissal without showing any sufficient cause for this delay. They submitted that delay of more than two years in raising Industrial Dispute makes the claim a Stale claim which is not maintainable in the eye of law. Accordingly, they submitted prayer to pass award rejecting the claim of the concerned workman.

4. **POINTS TO BE DECIDED**

"Whether the action of Bhowra South Colliery of M/s. BCCL in terminating the services of Shri Jalleshwar Modi, D.C. Loader, Bhowra South Colliery, U.G. Mines, w.e.f. 14-3-89 is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

5. **FINDING WITH REASONS:**

It transpires from the record that before taking up hearing of this case on merit it was taken into consideration if domestic enquiry held against the concerned workman as claimed by the management was fair, proper and in accordance with the principle of natural justice. The said issue on preliminary point was disposed of vide order No. 66 dt. 21-5-04 against the management and for which opportunity was given to them to adduce evidence on merit to establish the charge brought against the concerned workman but that too was not availed of by the management.

In view of this position the point which is to be taken into consideration is whether termination of the concerned workman from his service by the management was justified.

Considering the materials on record there is no dispute to hold that concerned workman was D.C. Loader of Bhowra (S) Colliery. It is admitted fact that the concerned workman was absent from duty w.e.f. 1-7-87 to 3-9-88. It has also been admitted by him that on 3-9-88 when he came to his place of work with a view to resume his duty along with Medical Certificate but management instead of allowing him to work issued charge sheet bearing No. BCCL/PD/BH/8/88/A/1316 dt. 8-8-88 to which he submitted his reply. It is the specific allegation of the sponsoring union that management without holding any domestic enquiry and also without giving him any opportunity to hear dismissed him from service.

Therefore, from the submission of the sponsoring union it has been exposed that concerned workman was absent from duty w.e.f. 1-7-87 to 3-9-88; a charge sheet dt. 8-8-88 was issued to him on 3-9-88 when he came to his place of work with medical certificate with a view to resume his duty and thereafter he was dismissed from service vide letter No. PS/BM(5)/89/DISS/455 dt. 13-3-89.

It is the contention of the sponsoring union that neither any domestic enquiry was held nor any opportunity was given to the concerned workman to defend his claim before he was dismissed from his service by the management. The management on the contrary counteracting the claim of the sponsoring union submitted that before terminating the concerned workman from service domestic enquiry was held against him and due opportunity was given to him to defend his case. In spite of claiming so the management have failed to produce a single scrap of paper to show that domestic enquiry was held against him. Even they have failed to disclose the name of the Enquiry Officers who conducted domestic enquiry against him. Issuance of charge sheet is one thing while to start domestic enquiry is other thing. Therefore, as charge sheet was issued to the concerned

workman there is no reason to hold that in view of the said charge sheet domestic enquiry was actually conducted against him and full opportunity was given to him to defend his case. Until & unless this fact is established there is no scope to uphold the contention of the management particularly when the concerned workman specifically has denied such claim.

During hearing management even failed to produce any copy of the charge sheet issued to the concerned workman. To that effect they have also failed to submit any explanation. The charge sheet was issued against him with the allegation of committing misconduct. Therefore, burden of proof was on the management to establish the charge brought against him. It is admitted fact that he was dismissed from service but failed to disclosed on the basis of which element such order was issued. It is not expected that with fendalitive attitude the management is supposed to deal with the case of their own workmen. There is no dispute to hold that the concerned workman for a long period remained himself absent from duty and for which charge sheet was issued to him. Before holding a workman guilty to the charge it is to be looked into whether reasonable opportunity was given to him or not to assign the reason of his absence. In the instant case the concerned workman specifically asserted that after receipt of the charge sheet he not only submitted his reply but also produced necessary medical certificate to show that he was actually lying ill and for which he was not in a position to attend his duty.

It is seen that ignoring the medical certificate and reply given by the concerned workman management dismissed him from service which I should say was not only illegal but also arbitrary as it violated the principle of natural justice. Issuance of charge sheet to any workman does not signify that he committed misconduct without establishing the charge brought against him. As the management lamentably failed to establish the charge brought against the workman. In spite of getting ample opportunity I should say that the letter of dismisal issued against him should be considered illegal and for which it is not binding upon him. In the result the following award is rendered :

That the action of Bhowra South Colliery of M/s. BCCL in terminating the services of Shri Jalleshwar Modi, D.C. Loader, Bhowra South Colliery. U.G. Mines, w.e.f. 14-3-89 was not justified and for which the said order of dismisal is set aside.

Management is directed to reinstate the concerned workman named above to his service with effect from the date of his dismissal within three months from the date of publication of the award in the Gazette of India. The concerned workman however, will not be entitled to get any back wages and other consequential relieve, if any.

B. BISWAS, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3339.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार आई.एफ.एफ.सी.एल. प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण अहमदाबाद (संदर्भ संख्या 1202/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-42012/289/2001-आई. आर. (सीएम-II)]

एन.पी. केशवन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3339.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1202/04) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad (Gujarat) as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Indian Farmers Fertilizer Co-operative Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 29-08-2005.

[No. L-42012/289/2001-IR (CM-II)]

N.P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B.I. KAZI B.SC., LL.M. Presiding Officer

Industrial Dispute No. 1202/04

(Old ITC No. 17/2002 transferred from I.T. Ahmedabad)

The Sr. General Manager,
Indian Farmers Fertilizer Co-operative Ltd.
Kandla (Kutch) ... First Party

V/s.

Sh. D.V. Jadeja
D-137, IFFCO Colony,
Udayanagar, Gandhidham (Kutch) ... Second Party

APPEARANCE

First Party : S.B. Gogia

Second Party : Absent

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by order No. L-42012/289/2001-IR (CM-II) dated 05-08-02 to this Tribunal for adjudication. The Terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of IFFCO Kandla in removing Sh. D.V. Jadeja, Chief Operator from service w.e.f. 4-5-2000 is legal and justified? If not to what relief he is entitled to"

2. The Second Party was issued a notice to file the statement of claim by this Tribunal 27-08-2002. The date to file the statement of claim was 28-11-2002. The appropriate Government has also directed the second party to file the statement of claim with relevant document and list of reliance and witness to the Tribunal within 15 days of the receipt of the order.

3. However, the proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party is failed to submit a statement of claim after 2 years and 2 months from the date of reference. Thus Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in the dispute. Thus the second party has failed to prove that his removal from the service w.e.f. 4-5-2000 is illegal and unjust.

Looking to the above observation I hereby pass the following order.

ORDER

The action of the management of IFFCO Kandla in removing Sh. D.V. Jadeja, Chief Operator from services w.e.f. 4-5-2000 is legal and just. The workman is not entitled to any relief. The reference is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad
Date 18-01-05

B.I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3340.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, एफ. सी. आई. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नम्बर-1, चण्डीगढ़ (संदर्भ संख्या 190/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-22012/235/1997-आई आर (सी-II)]

एन.पी. केशवन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3340.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 190/98 of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 30-08-2005.

[No. L-22012/235/1997-IR (C-II)]

N.P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI RAJESH KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-1, CHANDIGARH

Case No. I.D. 190/98

Shri Rajinder Kumar,
House No. 886,
Gali No. 3,
Kat Atma Singh,
O/S Ram Bagh,
Amritsar ... Applicant

Versus

The Sr. Regional Manager,
FCI, RO (PB), Sector 34,
Chandigarh ... Respondent

APPEARANCES

For the Workman : Shri G.S. Bal Advocate

For the Management : Shri S.K. Gupta

AWARD

Passed on 29-7-2005

Central Government. *vide* notification No. L-22012/235/97/IR (C.II) dated 14-09-1998 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of management of FCI in changing cadre from typist to Accounts w.e.f. 11-1-1985 and promotion to the post of AGII (A/Cs) w.e.f. 31-12-1987 of Shri Rajinder Kumar is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled and from what date?"

2. The case taken up in Lok Adalat. The authorised representative of the workman Shri G.S. Bal withdraw the present reference *vide* his statement recorded on 21-7-05 to this effect. In view of the same, the present reference is returned as withdrawn in Lok Adalat Central Government be informed. File be consigned to record.

Chandigarh
29-7-2005

RAJESH KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3341.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बड़ोदा के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, अहमदाबाद (गुजरात) के पंचाट (संदर्भ संख्या 911/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/168/2001-आई आर (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3341.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 911/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad (Gujarat) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of Bank of Baroda, and their workmen, which was received by the Central Government on 30-8-2005.

[No. L-12011/168/2001-IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT:

Shri B. I. Kazi, B. Sc., L.L.M.,
Presiding Officer

Industrial Dispute No. 911/04

(Old ITC No. 2/2002 transferred from I.T. Ahmedabad)

The Regional Manager,
Bank of Baroda, Nadiad Region,
1430, Behind Kanya Vidyalaya,
Nadia (Gujarat)-387 001 ... First Party

V/s.

The General Secretary,
Bank of Baroda Employees Union, C/o Bank of Baroda,
6th Floor, Gandhi Road,
Ahmedabad (Gujarat)-380 001 .... Second Party

APPEARANCES:

First Party : Absent

Second Party : Absent

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by Order No. L-12011/168/2001-IR(B-II) dated 29-11-2001 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the demand of the Bank of Baroda, Employees Union in demanding quashing and setting aside order dated 29-8-2000 passed by Appellate Authority of Bank of Baroda in case of Shri M.C. Dhobi, Peon Nadiad Main Branch is justified ? If so what relief the concerned workman is entitled ?"

2. The second party was issued a notice to file the statement of claim by this Tribunal on 22-11-2002. The date to file the statement of claim was 9-1-2003. The appropriate Government has also directed the second party who raised the dispute to file the statement of claim with relevant document and list of reliance and witness to the tribunal within 15 days of the date of receipt of the order.

3. However, proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party is failed to submit a statement of claim after 2 years from the date of reference. Thus this Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in the dispute. Thus the demand of the second party quashing and setting aside order dated 29-8-2000 passed by the Appellate Authority of Bank of Baroda in case of Shri M.C. Dhobi, Peon Nadiad Main Branch is not just.

Looking to the above observation I hereby pass the following order :

ORDER

The demand of the Bank of Baroda, Employees Union in demanding quashing and setting aside order dated 29-8-2000 passed by Appellate Authority of Bank of Baroda in case of Shri M.C. Dhobi, Peon, Nadiad Main Branch is not just. The workman is not entitled to any relief. The reference is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad.

Date : 17-1-2005

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3342.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, अहमदाबाद (गुजरात) के पंचाट (संदर्भ संख्या 263/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/139/1999-आई आर (बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3342.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central

Government hereby publishes the Award (Ref. No. 263/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad (Gujarat) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the management of Bank of India, and their workmen, which was received by the Central Government on 30-4-2005.

[No. L-12011/139/1999 - IR(B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT:

Shri B. I. Kazi, B. Sc., LL.M.,
Presiding Officer

Industrial Dispute No. 263/2004

(Old ITC No. 10/2000 transferred from I.T. Ahmedabad)

The Regional Manager,

Bank of India,

Zonal Office Bhadra,

Ahmedabad .... First Party

V/s.

The General Manager,

Bank of India Staff Union,

C/o Bank of India,

Ahmedabad and Gujarat Branches, Bhadra,

Ahmedabad .... Second Party

APPEARANCES:

First Party : P. S. Chari

Second Party : Amrish N. Patel, Kalpesh Vekariya

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by Order No. L-12011/139/1999- IR(B-II) dated 21-1-2000 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bank of India, in terminating the service of Shri Hasmukh G. Suthar w.e.f. 15-7-1998 on the alleged charged of misconduct *vide* charge sheet dated 13-3-1997 is legal and justified ? If not, then to what relief the concerned employees is entitled to?"

2. The second party was issued a notice to file the statement of claim by this Tribunal on 7-2-2000. The date of file the statement of claim was 14-03-2000. The appropriate government has also directed the second party who has raised the dispute to file the statement of claim with relevant document and list of reliance and witness to the Tribunal within 15 days of the receipt of the order.

3. However, proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party is failed to submit a statement of claim after 4 years and 10 months from the date of reference. Thus Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in the dispute. Thus the second party has failed to prove that his termination of service w.e.f. 15-7-1998 is illegal and unjust.

Looking to the above observation I hereby pass the following order :

ORDER

The action of the management of Bank of India in terminating the service of Shri Hasmukh G. Suthar w.e.f. 15-7-1998 on the alleged charged of misconduct *vide* charge sheet dated 13-3-1997 is legal and just. The workman is not entitled to any relief. The reference is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad.

Date : 18-1-2005

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3343.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय नं.-1, चंडीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 61/99) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/16/1998-आईआर(बी-II)]

सी. गंगाधरण, अवर सचिव

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3343.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 61/99) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh No. 1, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the management of Punjab National Bank, and their workmen, received by the Central Government on 30-8-2005.

[No. L-12011/16/1998-IR (B-II)]

C. GANGADHARAN, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI RAJESH KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I, CHANDIGARH

Case No. I.D. 61/99

The President,
New Bank of India Empls. Union (NZ), C/o. EG 810-A,
Mohalla Gobindgarh,
Jalandhar City (Pb.), Jalandhar Cantt.

...Applicant

Versus

(1) The Punjab National Bank,
The Assistant General Manager (P), PNB, Head Office
7, Bhikaji Kama Place, Africa Avenue,
New Delhi-110066.

...Respondent

APPEARANCES :

For the workman : Shri D.P. Tank
For the management : Shri M. S. Chauhan

AWARD

Passed on 29-7-2005

Central Government *vide* notification No. L-12011/16/98-IR (B-II) dated 16-02-1999 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the demand made by the New Bank of India Employees Union (NZ) that the employees of Punjab National Bank working in the State of Punjab under their eight regional offices who have worked on 12-4-95 having declared as Public Holiday under the negotiable Instruments Act are entitled for overtime allowance is proper, legal and justified ? If so, to what relief are the concerned wokrmen entitled ?"

2. The case taken up in Lok Adalat. The authorised representatives of the parties withdraw the present reference in settlements vide their statements recorded on 11-7-05 to this effect in view of the same, the present reference is returned as withdrawn in Lok Adalat Central Govt. be informed, file be consigned to record.

Chandigarh.
29-7-2005

RAJESH KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का. आ. 3344.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण बीकानेर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी.आई.टी. 1/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41015/2/2001-आई. आर. (बी-I)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3344.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (C.I.T. No. 1/2002) of the Central Government Industrial Tribunal Bikaner now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman, which was received by the Central Government on 30-08-2005.

[No. L-41015/2/2001-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

अनुबंध

: औद्योगिक विवाद अधिकरण, बीकानेर :

पीठासीन अधिकारी : श्री के.एल. माथुर, आर.एच.जे.एस.

नं. मु. केन्द्रीय औद्यो. वि. प्रसंग सं. 1 सन् 2002

हिंगलाजदान पुत्र श्री कनेरदान जाति चारण निवासी गाँव उदासर पो. कल्याणपुरा, तहसील सरदारशहर जिला चूरू —प्रार्थी/श्रमिक

विरुद्ध

———

1) महाप्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर

2) प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा अनूपगढ़ (राजस्थान)।

—अप्रार्थीगण/नियोजक

प्रसंग अन्तर्गत धारा 10 (1)(टी), औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

उपस्थिति :—

1) श्री अरविन्द सिंह सेंगर, श्रमिक प्रतिनिधि, प्रार्थी पक्ष के लिये

2) श्री एच.के. महोबिया, अभिभाषक, अप्रार्थीगण के लिये

दिनांक : 5 मार्च, 2005

—अधिनिर्णय—

श्रम मंत्रालय, भारत सरकार ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (जिसे आगे चलकर केवल अधिनियम कहा गया है) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन जारी आदेश सं. एल-41015/2/2001-आई.आर. (बी.आई.) दिनांक 12 दिसम्बर,

2001 के द्वारा एवम् जारी समसंख्यक शुद्धि-पत्र दिनांक 7-12-2004 के द्वारा प्रेषित इस प्रसंग के अन्तर्गत निम्न विवाद अधिनिर्णयार्थ इस अधिकरण में भेजा था :—

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner & Jaipur in terminating the services of Shri Hinglaj Dan S/o Shri Kamar Dan Charan w.e.f. 9-4-1979 is justified or not? If not, what relief the concerned applicant is entitled?"

2. उक्त प्रसंग प्राप्त होने पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया गया, दोनों पक्षकारों द्वारा अपने-अपने लिखित अभिवचन पेश किये गये हैं अर्थात् प्रार्थी हिंगलाजदान द्वारा प्रस्तुत क्लेम विवरण का जबाव अप्रार्थी नियोजक पक्ष द्वारा दिया गया है।

3. संक्षेप में, प्रकरण के तथ्य इस प्रकार बतलाये गये हैं कि प्रार्थी श्रमिक हिंगलाजदान द्वारा इस आशय के साथ क्लेम पेश किया गया है कि उसके सेवापृथक विवाद में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका सं. एस.बी. सिविल रिट पेटिसिन नं. 1194/2001 में पारित निर्णय की पालना में यह रेफरेन्स इस न्यायालय में अधिनिर्णयार्थ प्राप्त हुआ है; प्रार्थी श्रमिक के अनुसार वह अप्रार्थी स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर (जिसे आगे चलकर केवल अप्रार्थी बैंक कहा जावेगा) के नियोजन में अप्रार्थी सं. 1 के अधीन अनूपगढ़ शाखा में चपरासी के पद पर 20-1-1979 को नियुक्त हुआ तथा अपनी नियुक्ति तिथि से सेवा-पृथक करने की तिथि 9-4-1979 तक लगातार कार्य करते हुए 80 दिन की सेवा पूर्ण कर चुका था, इस अवधि के दौरान उसके कार्य के एवम् सेवा के सम्बन्ध में कभी कोई शिकायत अथवा आरोप नहीं था, प्रार्थी की सेवा अप्रार्थी संस्थान बैंक की शाखा अनूपगढ़ पर चपरासी के पद पर प्रतिदिन 8 घंटे से अधिक की रही है, प्रार्थी एक औद्योगिक कर्मकार है अत: प्रार्थी की सेवा अधिनियम एवम् औद्योगिक विवाद नियम, 1957 तथा बैंक प्रबन्धतंत्र द्वारा जारी बाई पार्ट सेटलमेंट एवम् किये गये समझौता दिनांक 17-11-87 के अनुसार समाप्त नहीं की जा सकती, प्रार्थी ने अपनी सेवा मुक्ति को अधिनियम की धारा 2 (00) के तहत छंटनी बतलाते हुए अधिनियम की धारा 25-एच एवम् नियम 77-78 का उल्लंघन करते हुए प्रार्थी को सेवा पृथक करने के पश्चात् अप्रार्थी द्वारा सर्वश्री भरतसिंह, सुरेन्द्र, अशोक कुमार, नंदराम, श्याम मीणा, सुरेश धोबी, सोमदत, सुरेन्द्र सिंह, प्रदीप हरीजन आदि अनेक कर्मकारों को 5-10-89 को नियोजित किया और प्रार्थी को नियोजन के हक से वंचित रखा है। आगे यह भी बताया है कि गैर कानूनी रूप से सेवा समाप्त करने पर प्रार्थी द्वारा तुरन्त इस सम्बन्ध में अप्रार्थी नियोजक के समक्ष लिखित व मौखिक निवेदन करने पर उसे पुन: सेवा में लिये जाने का मौखिक आश्वासन देकर इंतजार में बैठाये रखा, प्रार्थी द्वारा अपनी उक्त मांग संघ के माध्यम से उठाने पर भी अप्रार्थी द्वारा कोई निस्तारण नहीं किया तब माननीय उच्च न्यायालय में रिट याचिका प्रस्तुत करने एवम् माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय दिनांक से प्रार्थी का यह विवाद रैफरेन्स करने का आदेश हुआ है, इस प्रकार प्रकरण में हुई सम्यक देरी क्षमा योग्य है। अंत में सेवा की निरन्तरता के साथ-साथ सवेतन बहाल करने की प्रार्थना की गयी है।

4. अप्रार्थी नियोजक पक्ष द्वारा प्रस्तुत जबाव क्लेम में प्रकरण का प्रतिवाद करते हुए जबाव दिया गया है कि विवाद का गठन सही रूप से नहीं किया गया है, अप्रार्थी पक्ष का जबाव है कि प्रार्थी व अप्रार्थीगण के मध्य कर्मकार के संबंध नहीं थे, उसके प्रकरण पर औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 एवम् औद्योगिक विवाद नियम, 1957 के अंतर्गत बाई पार्ट सेटलमेंट दिनांक 17-11-87 लागू नहीं होता है, प्रार्थी श्रमिक की परिभाषा में नहीं आता है। अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी को सेवामुक्त ही नहीं किया गया है, प्रार्थी सर्वश्री भरतसिंह, सुरेन्द्र आदि का मुकाबला नहीं किया जा सकता है। अप्रार्थी का जबाव है कि प्रार्थी ने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया है, प्रार्थी स्वयं को अनूपगढ़ में नियोजन का अधिकारी मानकर आया है एमव प्रबंधक एसबीबीजे अनूपगढ़ को पक्षकार बताकर आया है, वह समस्त बीकानेर क्षेत्र को विभिन्न बैंक शाखाओं में नियोजित व्यक्तियों से मुकाबला करके स्वयं का अधिकार स्थापना करने का प्रयत्न कर रहा है, प्रार्थी की नियुक्ति कभी भी नियमों के अनुसार नहीं होने के कारण उसे नियोजन में रहने का अधिकार भी प्राप्त नहीं था, बैंक में अचानक अधिक कार्य होने या किसी के छुट्टी पर जाने के कारण उस अवधि में अस्थाई रूप से कार्य करवाने से कोई अधिकारी किसी व्यक्ति को स्थाई नियोजन का प्राप्त नहीं हो सकता है, अप्रार्थी के अनुसार उसने पूरे आठ घंटे कार्य नहीं किया है मात्र लगभग डेढ़ दो घंटे कार्य करता था अन्य सभी तथ्यों को अस्वीकार करते हुए यह भी जबाव दिया है कि प्रार्थी के प्रकरण में देरी कतई क्षमा योग्य नहीं है। अतिरिक्त आपत्तियों में यह भी अंकित किया गया है कि प्रार्थी ने कथित सेवा मुक्ति 9-4-79 से करीब 23 वर्ष बाद विवाद प्रस्तुत किया है जो पोषणीय नहीं है, प्रार्थी स्वच्छ हाथों से न्यायालय के समक्ष नहीं आया है, वह कोई अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है, प्रार्थी को मालूम है कि बैंकिंग सेवा में रिकार्ड संग्रहण की अवधि निश्चित है, 1979 व उससे पूर्व का अधिकतर रिकार्ड नष्ट किया जा चुका है तथी वह मुकदमा लेकर आया है, अप्रार्थी के अनुसार 23 वर्ष तक नियोजन हेतु वह अप्रार्थी के पास क्यों नहीं आया व उसने कथित विवाद इतने समय तक क्यों नहीं उठाया वर्णित नहीं किया है और उसके क्लेम से ही स्पष्ट है कि वह इतने लम्बे समय तक अन्यत्र अधिक लाभप्रद नियोजन या कार्य पर तल्लीन रहा है, बैंकिंक सेवाओं में नियोजन के लिये केन्द्रीय सरकार ने प्रक्रिया निर्धारित की हुई है जिसके अनुसार ही चयन समिति द्वारा चयनित व्यक्ति को ही नियुक्त करने का प्रावधान है, अप्रार्थी सं. 2 शाखा प्रबंधक अनूपगढ को प्रार्थी को नियोजन का अधिकार नहीं था और अप्रार्थी सं. 1 द्वारा प्रार्थी को नियोजित नहीं किया गया और अप्रार्थीगण ने 9-4-79 को प्रार्थी को सेवामुक्त भी नहीं किया है। अधिनियम की धारा 25-एच. की पालना हेतु बैंक द्वारा समय-समय पर विज्ञप्तियां निकालीं जिसका लाभ प्रार्थी ने नहीं लिया है तथा स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों पर एक ही समझौता लागू नहीं किया जा सकता है दोनों अलग-अलग संस्थान हैं और सेवा शर्तें एवम् यूनियन व प्रबंधतंत्र भी भिन्न-भिन्न है। अंत में प्रार्थी का क्लेम खारिज करने की प्रार्थना की गयी है।

5. पक्षकारों द्वारा अपने-अपने पक्ष समर्थन में साक्ष्य भी प्रस्तुत की गयी है, एवम् साक्ष्य के दौरान प्रार्थी हिंगलाजदान ने स्वयं का शपथपत्र पेश किया है और प्रलेखीय साक्ष्य में दस्तावेजात प्रदर्श डब्ल्यू. 1 लगायत प्रदर्श डब्ल्यू. 5 तक के दस्तावेज पेश किये गये हैं। इसके विपरीत अप्रार्थी नियोजक पक्ष द्वारा सर्वश्री आर.के. बोथरा, बन्नानाथ सिद्ध,

भीमसेन तोमर के शपथपत्र पेश हुए हैं तथा प्रलेखीय साक्ष्य में प्रदर्श एम-1 ता. 4 तक के दस्तावेजात भी प्रस्तुत किये हैं, दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे पक्ष के साक्षी से जिरह भी की गयी है।

6. विद्वान पक्षकारों की बहस एवम् पत्रावली के अवलोकन से हम देखते हैं कि हमारे समक्ष लंबित इस प्रसंग के निस्तारण के लिये प्रमुख रूप से विचारणीय प्रश्न यही है कि क्या प्रार्थी श्रमिक हिंगलाजदान को 9-4-79 से सेवायें समाप्त करना उचित था या नहीं? यदि नहीं तो श्रमिक क्या राहत प्राप्त करने का अधिकारी है?

इस विचारणीय बिन्दु को सिद्ध करने का भार श्रमिक पर ही था।

इस संबंध में यहां यह उल्लेख करना समीचीन होगा कि श्रमिक द्वारा नियोजक से रिकार्ड तलब करवाने के प्रार्थनापत्र के जबाव में नियोजक द्वारा यह बतलाया गया है कि बैंक में रिकार्ड सुरक्षित रखने के नियमों के अनुसार 5 वर्ष पश्चात् रिकार्ड नष्ट कर दिया जाता है एवम् इस संबंध में बन्नानाथ सिद्ध का शपथपत्र भी प्रस्तुत किया गया है और इसी कारण मांगा गया रिकार्ड न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया जा सका है।

7. इस संबंध में प्रार्थी हिंगलाजदान द्वारा साक्ष्य के दौरान प्रस्तुत अपने शपथपत्र में क्लेम के तथ्यों की पुनरावर्ती करते हुए बताया गया है कि अप्रार्थी सं. 1 के अधीन उसकी नियुक्ति अनूपगढ़ शाखा में 20-1-79 को चपरासी के पद पर हुई और उस तिथि से सेवा पृथक करने की तिथि 9-4-79 तक लगातार नियमित व स्थाई प्रकृति के कार्य पर अप्रार्थी सं. 2 के अधीन नियमित संवर्ग के कार्य पर कार्य किया है, इस संबंध में अप्रार्थी सं. 2 द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र प्रदर्श डब्ल्यू. है। अप्रार्थी संस्थान एक व्यवसायिक बैंकिंग संस्था है जिसका व्यवसाय व कारोबार लाभ अर्जित करने का होते हुए एक औद्योगिक संस्था रही है और प्रार्थी के साथ उसके संबंध मजदूर और मालिक के रहे हैं तथा प्रार्थी की सेवायें अप्रार्थी के अधीन किसी भी अस्थाई योजना या अनुबंध पर अथवा अंशकालीन कर्मकार के रूप में नहीं रहीं बल्कि स्थाई प्रकृति के कार्य पर बतौर कर्मकार के रही है। अप्रार्थी सं. 1 के निर्देश पर अप्रार्थी सं. 2 द्वारा मौखिक आदेश 9-4-79 को बाद दोपहर से प्रार्थी की सेवायें बतौर छंटनी समाप्त कर दी गयी और ऐसा करने के पूर्व प्रार्थी को कोई नोटिस अथवा नोटिस वेतन एवम् छंटनी मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया तथा प्रार्थी के साथ व बाद में नियोजित कर्मकारों की वरिष्ठता सूची प्रकाशित नहीं की गयी एवम् प्रार्थी की सेवायें समाप्त करने के पश्चात् अप्रार्थीगण द्वारा अनेक नये कर्मकारों की सेवा में बनाये रखा जो आज भी कार्यरत है तथा प्रार्थी की सेवा समाप्ति के पश्चात् सर्वश्री भंवरसिंह, सुरेन्द्र, अशोक कुमार, नंदराम, श्याम मीणा, सुरेश कुमार धोबी, सोमदत्त, सुरेन्द्र सिंह व प्रदीप हरिजन आदि को लिसरेजित किया गया जो आज भी कार्यरत है परन्तु प्रार्थी को नियोजन के लिये आहूत नहीं किया गया। केन्द्रीय श्रम मंत्रालय के समक्ष प्रबंधतन्त्र एवं ऑल इंडिया स्टेट बैंक स्टाफ फैडरेशन के मध्य 17-11-87 को हुआ समझौता प्रदर्श डब्ल्यू-2 है जिसकी पालना में प्रार्थी ने आवेदन प्रदर्श डब्ल्यू-3 किया था फिर भी प्रार्थी को साक्षात्कार के लिये आहूत नहीं किया गया। प्रार्थी की सेवायें बतौर छंटनी समाप्त करने पर प्रार्थी द्वारा इस संबंध में अप्रार्थी सं. 1 को अभ्यावेदन दिया गया एवम् विभागीय संघ के माध्यम से मांग उठायी परन्तु अप्रार्थीगण द्वारा इसका निस्तारण नहीं करके प्रार्थी को पुनः सेवा में लिये जाने का आश्वासन दिया जाकर इंतजार में रखा और फिर मौखिक इन्कार होने पर प्रार्थी द्वारा माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के समक्ष रिट याचिका प्रस्तुत करनी पड़ी जिसका निर्णय प्रदर्श डब्ल्यू.-4 है एवम् श्रम मंत्रालय द्वारा दिया गया रैफरेन्स आदेश प्रदर्श डब्ल्यू-5 है। अप्रार्थी सं. 2 के अप्रार्थी सं. 1 के अधीन रहे एवम् जिन कर्मकारों की सेवा में अप्रार्थी के अधीन विभिन्न शाखाओं में 80 दिन की होने पर उसको नियमित सेवा का लाभ दिया गया तथा समझौता 17-11-87 तक किसी बैंक में 30 दिन की सेवा करने वाले कर्मचारी को भी नियमित सेवा का लाभ दिया गया था परन्तु प्रार्थी को नियमित सेवा के लाभ से वंचित रखा गया। प्रार्थी ने अपनी शैक्षणिक योग्यता व अनुभव के सम्बन्ध में अपना आवेदन प्रदर्श डब्ल्यू-2 प्रस्तुत किया था। अप्रार्थी सं. 1 द्वारा 6-11-85 को जारी अधिसूचना की कोई लिखित सूचना शपथकर्ता प्रार्थी को नहीं दी गयी एवम् सार्वजनिक तौर पर प्रकाशित भी नहीं करवाया है, प्रार्थी के साथ व बाद में नियुक्त किये गये कनिष्ठ कर्मकारों का मूल अभिलेख अप्रार्थी के कब्जे में रहा है जो जानबूझकर न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया है। सेवा समाप्ति के समय से ही प्रार्थी बेरोजगार रहा है और कहीं भी नियोजित नहीं है। प्रार्थी ने प्रतिपरीक्षण में स्वीकार किया कि मैंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में कभी काम नहीं किया, प्रदर्श डब्ल्यू 1 पर तत्कालीन मैनेजर छाबड़ा के हस्ताक्षर हे जिसमें अंकित अवधि 80 दिन तक ही मैंने काम किया है और समझौता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों के साथ हुआ था, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के कर्मचारियों के साथ नहीं। प्रदर्श डब्ल्यू-3 ताजा भरा हुआ है जो पहले का भरा हुआ नहीं है। प्रदर्श एम-1 मैंने 3-10-2000 को भरा था। यह सही है कि इस प्रमाणपत्र के अनुसार 1979 में काम किया था। 1976 से 1985 के बीच की अवधि में 90 दिन काम करने वाले व्यक्तियों को बैंक ने नियुक्ति के लिये नोटिफिकेशन निकाला होगा मेरे पास कोई सूचना नहीं आयी। मैं अखबार नहीं पढ़ता हूँ इसलिये 1987 में नियुक्ति की बाबत जारी अधिसूचना सभी अखबारों में निकाली हो तो पता नहीं है। यह सही है कि मैंने तो मात्र 80 दिन ही काम किया है। शपथपत्र की मद सं० 4 में अंकित कर्मचारी किस तारीख को नियुक्त हुए तारीख महीना या साल पता नहीं है इनको लगे हुए 7-8 साल हो गये हैं। मैंने 1979 से 2001 तक की अवधि के लिये बैंक में नियुक्ति के लिये दिये जाने वाला कागज पेश नहीं किया है। अनूपगढ़ शाखा में अधीनस्थ स्टाफ में दो चपरासी थे। एक बंशीधर मिड्डा और दूसरा मैं था तथा तीन गार्ड थे। यह कहना गलत है कि जब मैं स्थाई चपरासी या गार्ड छुट्टी पर जाता तब उस अवधि में मुझे काम पर रखते हों। यह सही है कि शपथपत्र की मद सं० 4 में अंकित किसी भी कर्मचारी ने अनूपगढ़ शाखा में काम नहीं किया। यह सही है कि 9-4-79 को ए.जी.एम. साहब अनूपगढ़ नहीं आये थे और मैं अभी अकाल में मजदूरी करता हूँ।

इसी सम्बन्ध में नियोजक के साक्षी आर.के. बोथरा द्वारा प्रस्तुत शपथपत्र के अनुसार प्रार्थी को उसकी कार्य अवधि में चपरासी के पद पर कभी नियुक्ति नहीं दी गयी उस समय हमारी शाखा में प्रबन्धक एच.के. अरोड़ा एवम् अधिकारी बी.डी. मल थे जो सेवानिवृत्त होकर बाहर चले गये थे। जनवरी 1979 से अप्रैल, 1979 के मध्य जब

हिंगलाजदान ने कार्य किया तब किशनलाल व बंशीधर स्थाई स्टाफ थे लेकिन किसनलाल अक्सर बीमार हो जाता था इसलिये शाखा प्रबन्धक को कहने पर उन्होंने अस्थाई रूप से 80 दिन दो घंटे के लिये रखा था और अवधि समाप्त होने पर उसने आना बन्द कर दिया था, मेरी जानकारी के अनुसार मेरी कार्य अवधि में अनूपगढ़ शाखा में भंवरसिंह, सुरेन्द्र अशोक कुमार, नंदराम, श्याम मीणा, सुरेश धोबी, सोमदत्त, सुरेन्द्र सिंह व प्रदीप कभी कार्यरत नहीं रहे तथा हिंगलाजदान अस्थाई रूप से कार्यरत अकेला ही व्यक्ति था और कोई व्यक्ति नहीं था। 1979 में बीकानेर में रीजनल कार्यालय, जोनल कार्यालय एस.बी.बी.जे. नहीं था तथा उस समय बीकानेर में आर.एम., ए.जी.एम. महाप्रबन्धक का पद नहीं था, 9-4-1979 को महाप्रबन्धक या शाखा प्रबन्धक ने हिंगलाजदान को सेवामुक्त नहीं किया। प्रदर्श डब्ल्यू 1 बैंक से जारी हुआ या नहीं पता नहीं क्योंकि इस पर डिस्पेच नंबर नहीं है, 1979 में बैंक में कितने आदमी थे ध्यान नहीं है। यह सही है कि हिंगलाजदान ने अनूपगढ़ शाखा में काम तो किया था, बाई-पार्ट सैटलमेंट का ज्ञान मुझे नहीं है। मैं वहां पर 1986 में पदस्थापित नहीं था, मुझे पता नहीं है कि बैंक द्वारा उनके अधीन 30 दिवस कार्य करने वाले व्यक्तियों को नियोजित कर लिया हो ऐसे कर्मकारों का रिकार्ड नहीं देखा जिनको 30 दिवस कार्य पूरा करने के कारण रख लिया हो।

इसी सम्बन्ध में गवाह बन्नानाथ सिद्ध का बतलाना है कि अनूपगढ़ शाखा में प्रबन्धक के पद पर कार्यरत हूँ, हिंगलाजदान हमारी शाखा में कार्य करने के पश्चात् अन्यत्र चला गया था, मुकदमा होने के बाद मालूम हुआ कि हिंगलाजदान उदासर चारणान तहसील सरदाशहर का रहने वाला है जो भिवाड़ी में रहता है, जो प्रार्थनापत्र प्रदर्श-1 में स्पष्ट किया है प्रार्थी ने प्रदर्श-डब्ल्यू 3 फर्जी बनाकर न्यायालय में पेश किया है। गवाह ने प्रतिपरीक्षण में बताया कि हमारे पास हिंगलाजदान का कोई रिकार्ड नहीं है। प्रदर्श एम-1 में भिवाड़ी का पता अंकित है इसलिये कहता हूँ कि वह भिवाड़ी में काम करता है। हमारे ऊपर बाइ-पार्ट सैटलमेंट लागू नहीं है बल्कि आफिसर्स सर्विसेज रेगुलेशन लागू होते हैं। कहना गलत है कि जिन श्रमिकों ने 30 दिन से अधिक समय में कार्य किया हो उन्हें बैंक ने पुन: नियोजित कर लिया हो। प्रदर्श एम-2 सर्कुलर बैंक द्वारा जारी किया गया था। इसी सम्बन्ध में गवाह भीमसैन तोमर का बतलाना है कि वह एस.बी.बी. जे. में 6-11-73 से कार्यरत है, बैंक में अधीनस्थ स्टाफ के लिये भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार भर्ती की एक निश्चित प्रक्रिया है जिसमें पहले पद घोषित होते हैं और उसके उपरान्त जिले के नियोजन कार्यालय आदि से निर्धारित योग्यता के अनुसार आवेदन मांगे जाते हैं। शाखा प्रबन्धक को अधीनस्थ सेवा में नियुक्ति करने के अधिकार नहीं है। बैंक के भूतपूर्व अस्थाई कर्मचारियों को बैंक की स्थाई सेवा में अन्तर्लयन करने हेतु आवेदन पत्र मांगे गये थे जिनकी सूचना विज्ञप्ति के द्वारा भी दी गयी थी परन्तु हिंगलाजदान ने इन विज्ञप्तियों के सम्बन्ध में एक बार भी आवेदन नहीं किया जिससे स्पष्ट होता है कि वे बैंक सेवा में नियुक्ति के इच्छुक नहीं थे। प्रदर्श एम-2 के द्वारा 1-1-76 के पश्चात् 90 दिन या अधिक दिन तक सेवा करने वालों के लिये 14-12-85 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे फिर 5-12-1989 के द्वारा 1-7-75 से 31-10-84 के मध्य कुल 90 दिन या अधिक अवधि तक कार्य करने वालों से 30-12-89 तक आवेदन मांगे गये थे इस बाबत परिपत्र प्रदर्श एम-4 है तथा प्रदर्श एम-3 के द्वारा बैंक में अस्थाई कार्य करने वाले समस्त अस्थाई कर्मचारियों से 15-6-87 तक आवेदन मांगे गये थे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवम् ऑल इंडिया स्टेट बैंक इंडिया स्टाफ फेडरेशन के मध्य हुआ समझौता प्रदर्श-डब्ल्यू 10 हमारी बैंक से सम्बन्धित नहीं है तथा यह समझौता हमारे बैंक के कर्मचारियों पर लागू नहीं है। गवाह ने प्रतिपरीक्षण में स्वीकार किया कि प्रार्थी को अस्थाई रूप से निश्चित अवधि के लिये रखा था ऐसे कर्मकारों को वरिष्ठता सूची में नहीं बनाते थे। मैं अनूपगढ़ शाखा में कभी नहीं रहा।

8. विद्वान पक्षकारों की बहस एवम् पत्रावली के अवलोकन से हम देखते हैं कि स्वयं नियोजक ने भी स्वीकार किया है कि प्रार्थी की नियुक्ति निश्चित अवधि के लिये की गयी थी जिसकी जानकारी स्वयं श्रमिक को भी थी और इसी कारण वह 9-4-79 के बाद उपस्थित नहीं हुए एवम् 9-4-79 के बाद उसकी सेवावधि भी नहीं बढ़ायी गयी। यह तथ्य नियोजक के जवाब के पैरा सं० 32 में भी अंकित किया गया है; इस प्रकार यह तो निश्चित है कि प्रार्थी ने अप्रार्थीगण के अधीन 9-4-79 तक कार्य किया है। इसकी पुष्टि स्वयं प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रमाणपत्र प्रदर्श डब्ल्यू 1 से भी होती है जिसके अनुसार प्रार्थी ने स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर में अनूपगढ़ शाखा में 20-1-1979 से 9-4-1979 तक चपरासी के पद पर 80 दिन के लिये कार्य किया था। हालांकि नियोजक पक्ष ने प्रदर्श डब्ल्यू 1 को स्पष्ट शब्दों में स्वीकार तो नहीं किया है परन्तु स्पष्ट शब्दों में इसका खण्डन भी नहीं किया है एवम् नियोजक ने यह बतलाया है कि 5 वर्ष पश्चात् रिकार्ड नष्ट कर देते हैं एवम् 1979 तक का एवम् इसके बाद का रिकार्ड नष्ट किया जा चुका है, इसी कारण उपस्थिति आदि का रिकार्ड न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया जा सका है एवम् इस सम्बन्ध में अप्रार्थी नियोजक की ओर से बन्नानाथ सिद्ध का शपथपत्र भी प्रस्तुत हुआ है। एक ओर तो श्रमिक जो कि अप्रार्थी को अनूपगढ़ शाखा में कार्य करना बतलाता है, स्वयं की कथित सेवामुक्ति के पश्चात् अप्रार्थीगण द्वारा भंवरसिंह, सुरेन्द्र आदि को नियोजित करना कहता है एवम् दूसरी ओर जिरह में स्वीकार करता है कि इन कर्मचारियों में से किसी ने भी अनूपगढ़ शाखा में कार्य नहीं किया है। ऐसी सूरत में प्रार्थी का यह कथन कि नियोजक ने धारा 25-एच का उल्लंघन किया है स्वत: गलत साबित हो जाता है क्योंकि बैंक की प्रत्येक शाखा अपने आप में एक स्वतंत्र इकाई है एवम् जब प्रार्थी को सेवामुक्ति के पश्चात् अप्रार्थी को अनूपगढ़ शाखा में भंवरसिंह व सुरेन्द्रसिंह आदि को नियुक्त नहीं किया गया तब प्रार्थी को इस तर्क का किसी भी रूप में लाभ नहीं मिल सकता। जहां तक द्विपक्षीय समझौते प्रदर्श डब्ल्यू-2 का प्रश्न है यह समझौता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का स्टाफ के साथ हुआ था अत: इस समझौते को अप्रार्थी नियोजक के लिये बाध्यकारी नहीं कहा जा सकता। एवम् इस समझौते के सम्बन्ध में दिये गये प्रार्थी के तर्कों का कोई भी लाभ प्रार्थी को नहीं दिया जा सकता। नियोजक के साक्षीगण ने स्वीकार किया है कि जिन कर्मचारियों ने बैंक में 90 दिन सेवा पूरी कर ली थी उन्हें पुन: सेवा में लिये जाने हेतु अवसर दिया गया था जिस सम्बन्ध में विज्ञप्ति प्रदर्श एम-2-3-4 जारी की गयी थी एवम् 90 दिन का कार्य कर चुके कर्मचारियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे जबकि प्रार्थी ने स्वयं की स्वीकारोक्ति के अनुसार नियोजक

के अधीन केवल 80 दिन तक ही कार्य किया था अतः प्रार्थी इन विज्ञप्तियों के सम्बन्ध में आवेदन करने को अधिकृत तो नहीं था। अतः इन विज्ञप्तियों का लाभ भी प्रार्थी को नहीं दिया जा सकता परन्तु फिर भी प्रार्थी ने प्रदर्श डब्ल्यू-3 के द्वारा आवेदन करना बतलाया है और प्रतिपरीक्षण में स्वीकार कर लिया है कि प्रदर्श डब्ल्यू-3 ताजा भरा हुआ है पहले का भरा हुआ नहीं है अर्थात् प्रार्थी ने अप्रार्थी नियोजक को विज्ञप्ति प्रदर्श एम-2-3-4 के सन्दर्भ में निर्धारित अवधि में आवेदन नहीं किया और वह ऐसा आवेदन करने के लिये पात्र भी नहीं था। तथ्यों की भिन्नता के कारण 2001 (1) एस०एल०आर० पृष्ठ 535 में विक्रमादित्य पांडे विरुद्ध औद्योगिक न्यायाधिकरण व अन्य के प्रकरण में, 2003 एस.सी.सी. (एल. एण्ड एस.) पृष्ठ 1170 में इंचार्ज गवर्नमेंट हाईड फ्लाईंग सेंटर विरुद्ध रामा राम व अन्य के प्रकरण में, ए०आई०आर० 1986 एस.सी. 132 में एच.डी. सिंह विरुद्ध रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के प्रकरण में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा तथा आर.एल. आर. 1991 (1) पृ. 577 में महाप्रबन्धक उत्तरी रेलवे, नई दिल्ली विरुद्ध जज, केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण व अन्य के प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय का लाभ नहीं दिया जा सकता। 2001 लेब. आई. सी. 2814 में सपन कुमार पंडित विरुद्ध उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत मंडल व अन्य के प्रकरण में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित इस सिद्धान्त का लाभ नियोजक को नहीं दिया जा सकता कि श्रमिक द्वारा यह विवाद बहुत देरी से उठाया गया है। अप्रार्थीगण द्वारा उनके अधीन 90 दिन पूर्ण कार्य करने वाले कर्मचारियों को आहूत किया गया था एवम् ऐसा अधिकार 80 दिन का सेवाकाल पूर्ण करने वाले श्रमिकों को नहीं दिया गया था। अतः श्रमिक को इस तर्क का लाभ नहीं दिया जा सकता कि उसकी सेवामुक्ति के पश्चात् बैंक ने प्रदर्श एम-2-3-4 द्वारा नई नियुक्तियाँ आहूत की हैं; ऐसा ही सिद्धान्त जे०टी० 1999(6) पृष्ठ 538 में एन.एस. गिरी विरुद्ध कार्पोरेशन ऑफ सिटी ऑफ मेंगलोर व अन्य के प्रकरण में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिपादित किया गया है। इस प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य है कि उसे नियोजित करने का या सेवा से पृथक करने का कोई भी आदेश प्रस्तुत नहीं किया है, श्रमिक का ऐसा तर्क भी नहीं है कि उसको सेवा में जाने से किसी ने रोका हो अतः इन हालात में 2000 ड्रा (सी.एल.आर. 901) में नरेन्द्र सिंह सोलंकी बनाम रॉ एण्ड फिनिशिंग प्रोडक्शन व अन्य के प्रकरण में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त का लाभ नियोजक पक्ष को दिया जाता है। यह भली प्रकार प्रमाणित है कि श्रमिक ने निश्चित अवधि के लिये ही कार्य किया था जिसके सम्बन्ध में नियोजक का तर्क है कि एक कर्मचारी के बीमार होने के कारण श्रमिक को नियुक्त किया गया था; हालांकि अवकाश अवधि हेतु नियुक्ति का कोई भी रिकार्ड या प्रमाण नियोजक ने प्रस्तुत नहीं किया है परन्तु इतना अवश्य है कि श्रमिक ने 80 दिन की निश्चित अवधि के लिये ही कार्य किया था अतः 2002 (II) सी.एल.आर. 1043 में गिरधर गोपाल सेनी विरुद्ध औद्योगिक न्यायाधिकरण व अन्य के प्रकरण में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त के अनुसार पुनः नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं है। चूंकि श्रमिक की नियुक्ति एक निश्चित अवधि के लिये की गयी थी अतः वह अवधि समाप्त होते ही श्रमिक का नियोजन स्वतः ही समाप्त हो जाता है। इस प्रकार की स्वतः सेवा समाप्ति को सेवा से पृथक किया जाना नहीं कहा जा सकता ऐसा ही सिद्धान्त 2001 (II) सी.एल.आर. पृष्ठ 88 में बी.पी. दास गुप्ता विरुद्ध चीफ ऑफ एअर स्टाफ व अन्य के प्रकरण में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित किया गया है।

9. उपरोक्त विवेचन के आधार पर हम देखते हैं कि श्रमिक की नियुक्ति एक निश्चित अवधि के लिये की गयी थी जो 80 दिन की थी जिसे स्वयं श्रमिक भी प्रदर्श डब्ल्यू. 1 द्वारा प्रमाणित कर चुका है एवम् नियोजक द्वारा प्रदर्श एम-2-3-4 विज्ञप्तियों के द्वारा 90 दिन सेवा पूर्ण कर चुके श्रमिकों को पुनः सेवा हेतु आहूत किया गया था अतः श्रमिक को पुनः नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं है। चूंकि श्रमिक को निश्चित अवधि के लिये नियुक्त किया गया था जो अवधि समाप्त होते ही श्रमिक का नियोजन स्वतः ही समाप्त हो गया था अतः यह नहीं माना जा सकता कि श्रमिक की सेवायें बतौर छंटनी नियोजक द्वारा समाप्त की गयी। श्रमिक ने साक्ष्य में प्रस्तुत शपथपत्र की पैरा सं० 4 में स्वयं की सेवामुक्ति के पश्चात् जिन नई नियुक्तियों का उल्लेख किया है उनके बारे में स्वीकार किया है कि वे नियुक्तियां नियोजक की अनूपगढ़ शाखा में नहीं की गयी थी, बैंक की प्रत्येक शाखा एक स्वतंत्र ईकाई होती है एवम् किसी दो शाखाओं में किये गये नियोजन की तुलना नहीं की जा सकती, श्रमिक को उसकी शाखा से भिन्न अन्य शाखा में सेवा समाप्ति के पश्चात् की गई नियुक्तियों के आधार पर कोई अधिकार उत्पन्न नहीं होता है एवम् जिस समय श्रमिक ने अप्रार्थी सं० 2 के अधीन कार्य किया था उस समय नियोजक का बीकानेर कार्यालय अस्तित्व में ही नहीं था एवम् अप्रार्थी सं. 1 द्वारा न तो श्रमिक को नियुक्त किया गया और न ही सेवा समाप्त की गयी है अतः अनूपगढ़ शाखा के अलावा अन्य शाखा में अप्रार्थी सं० 1 द्वारा कोई भी नियुक्ति की जाती है तो उसका कोई लाभ प्रार्थी को नहीं मिलता है। हालांकि अप्रार्थी सं० 1 द्वारा कोई नियुक्ति करने की पुष्टि श्रमिक ने नहीं की है। इस प्रकार हम देखते हैं कि श्रमिक की सेवायें 9-4-1979 से समाप्त करने के कार्य को श्रमिक की छंटनी नहीं माना जा सकता, श्रमिक की नियुक्ति निश्चित अवधि के लिये 80 दिन की अवधि के लिये की गयी थी जो अवधि समाप्त होते ही श्रमिक का नियोजन स्वतः ही समाप्त हो गया था जिसे किसी भी रूप में अनुचित या विधि विरुद्ध नहीं कहा जा सकता अतः श्रमिक कोई राहत प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

10. अतः केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रेषित इस प्रसंग को उत्तरित करते हुए यह पंचाट इस प्रकार पारित किया जाता है कि प्रार्थी हिंगलाजदान की सेवायें 9-4-1979 से समाप्त करने के कार्य को श्रमिक की छंटनी नहीं माना जा सकता, श्रमिक की नियुक्ति 80 दिन की निश्चित अवधि के लिये की गयी थी जो अवधि समाप्त होते ही श्रमिक का नियोजन स्वतः ही समाप्त हो गया था, ऐसी सेवा समाप्ति को किसी भी रूप में अनुचित या विधि विरुद्ध नहीं कहा जा सकता। अतः श्रमिक किसी प्रकार की कोई राहत व राशि अप्रार्थी स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर या अप्रार्थीगण से प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

उक्त अधिनिर्णय प्रकाशनार्थ अधिनियम की धारा 17(1) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार को भेजा जावे।

11. आज्ञा आज दिनांक 5-3-2005 को विवृत्त न्यायालय में सुनाई गई।

के०एल० माथुर, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3345.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जयपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी.जी.आई.टी.-36/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल.-12012/105/2001-आई.आर. (बी-I)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3345.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. CGIT-36/2001) of the Central Government Industrial Tribunal/ Labour Court, Jaipur now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Aravali Kshetriya Gramin Bank and their workman, which was received by the Central Government on 30-08-2005.

[No. L-12012/105/2001-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JAIPUR

Case No. CGIT-36/2001.

Reference No. L-12012/105/2001-IR(B-I)

Sh. Gopal Sharma,
S/o Sh. Sohan Lal Sharma,
R/o Todharai Singh,
Modhiya Ka Mohalla,
Distt. Tonk (Raj.) . . . Applicant

Versus

Chairman/General Manager,
Aravali Kshetriya Gramin Bank,
Regional Office, 11-12,
Jawahar Nagar, Mantown,
Sawai Madhopur (Raj.). . . . Non-applicant

PRESENT :

Presiding Officer		**: Sh. R.C. Sharma**
For the applicant	:	Sh. K.S. Rathore
For the non-applicant	:	Sh. Rupen Kal.
Date of award	:	26-7-2005

AWARD

1. The Central Government in exercise of the powers conferred under Clause 'D' of sub-sections 1 & 2(A) to Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (hereinafter referred to as the 'Act') has referred this industrial dispute for adjudication to this Tribunal which runs as under :—

"Whether Shri Gopal Sharma S/o Shri Sohan Lal Sharma was in continous service of Aravali Kshetriya Gramin Bank at Tonk from September 1997 to August 1998 or not as defined under Section 25 (B) of I.D. Act, 1947? If yes, to what relief is Shri Gopal Sharma is entitled?"

2. The workman has pleaded in his claim statement that he was employed as a 4th Class on daily wages on 2-9-97 in area office of the non-applicant bank, who was thereafter transferred to Bambhore where he worked upto 13-8-98, but his service was dispensed with on 14-8-98 without following the provision under Section 25-F of the Act. He has further stated that the work was taken from him by the employer under the various names as stated at para 5 of the claim statement, but the payment of wages was made to him through the vouchers. He has objected it before the concerned authority, but his request was not acceded to. He has also mentioned that no seniority list was prepared and at the time of terminating his service, the junior workmen to him were retained by the bank in violation of Section 25-G of the Act and after his termination fresh recruitment was made by the bank without following the provision under Section 25-H of the Act. He has urged that his termination order be declared as unjustified and illegal and he be reinstated in the service with its continuity and consequential benefits.

3. The non-applicant, disputing the claim, has averred in his written counter that the workman was employed as a part-time employee for cleaning and dusting in the premises who worked only about 2-3 hours a day and had performed the work on the days exhibited in the table contained at para 2 of the written statement. As per the averments of the non-applicant, the workman has worked only 46 days in the year 1997 and 25 days in the year 1998, 71 days in total, who did not turn up after 31-3-98. It has been further stated that after following the prescribed procedure the appointments are made in the bank, that no work was taken from the workman under the fictitious names as alleged by him and that no fresh appointment was made since the day the workman stopped working with the bank. The non-applicant has categorically stated that the workman has never continuously worked over 240 days in a calendar year.

4. In the rejoinder, while reiterating the facts as narrated in his claim statement, the workman has stated that he was a full-time employee who used to work 8 hours a day.

5. In the evidence, the workman has submitted his affidavit and in the defence, the counter-affidavits of MW-1, Chandrashekhar Pancholi and MW-2, Vasiulla Khan have been placed on the record. All the three witnesses were cross-examined by the respective opposite representative. Both the parties have also led the documentary evidence on the record.

6. I have heard both the parties and have scanned the record.

7. On the pleadings, the following points for determination spring up :

I. Whether the workman had continuously worked over 240 days in a calendar year

preceding to the date of his termination as defined under Section 25-B of the Act?

II. Whether at the time of terminating the service of the workman, junior employees to him were retained by the bank in violation of Section 25-G of the Act?

III. Whether after the termination of the workman, new recruitments were made by the bank without affording an opportunity of employment to the workman in violation of Section 25-H of the Act?

Point No. 1

8. The ld. representative for the bank contends that the workman had continuously worked from 2-9-1997 to 13-8-1998 and had completed more than 240 days in the preceding calendar year, but his service was terminated without following the requirements under Section 25-F of the Act. His next submission is that the employer had taken the work from the workman but the payment of wages was made to him through the cheques under the fictitious names and that on the basis of such documents it is proved that he had completed 240 days of actual service.

9. Countering the submissions, the ld. representative for the non-applicant contends that the workman has failed to prove on the basis of the record that he had completed 240 days in a calendar year and that he has admitted that the payment of wages was made to him through the cheques. The ld. representative further contends that on the basis of the cheques which are produced by the bank pursuant to the direction of the Court, it is not proved that the workman had completed 240 days of work in a calendar yuear. The ld. representative for the non-applicant in support of his submission has relied upon **2003 (III) LLJ Raj. 198** and **(2002) 3 SCC 25.**

10. I have bestowed my anxious consideration to the rival contentions and have carefully gone through the judicial pronouncements referred to before me.

11. Now, the question which crops up for consideration is whether the workman in accordance with the provision envisaged under Section 25-B (2) (1) (II) has completed 240 days in the preceding calendar year to the date of his termination.

12. The workman in support of his contention has adduced Ex. W-1 and Ex. W-2, the instruments through which the payment of wages was made to him. *Vide* Ex. W-1 dated 1-8-1998, wages worth Rs. 1144 was paid to him for 21 days of work performed by him. Similarly, *vide* Ex. W-2 dated 14-8-1998 Rs. 599 were paid to him as wages for the work of 11 days done by him. In addition to these documents, the workman has also relied upon the cheques Ex. M-13 to Ex. M-24 by saying that through these cheques the payment of wages was made to him under the fictitious names and it was he who had performed the work in reality, but to deprive him of his legal claim the payment of wages was made under the fictitious names.

13. So far as the payment of wages through the instruments Ex. W-1 and Ex. W-2 is concerned, with the assistance of these documents it could not be proved that the workman had performed 240 days of actual work in the calendar year nor these days could be linked with the period in question. Admittedly, the cheques Ex. M-13 to M-24 are in the names of different persons other than the workman and to rebut this fact that the payment of wages was not made to the bearers of the cheques, but it was made to the workman, he could not bring out any convincing documentary or oral evidence on the record. He has admitted in his cross-examination that the payment of wages is made by the bank through the cheques and vouchers and the payment of wages through the cheques Ex. M-1 to Ex. M-9 was made to him. Although, he has deposed that the persons in whose favour the cheques Ex. M-13 to Ex. M-24 were issued were not employed by the bank, but he could not produce any supportive evidence on this point.

14. Contrary to it, the bank has come with a plea that the payment of wages was made to the workman through the cheques Ex. M-1 to Ex. M-9 which bear his name respectively and through the three advices Ex. M-10 to Ex. M-12. When the workman has admitted this fact that the cheques Ex. M-1 to Ex. M-9 carry his name respectively, then there is nothing to disbelieve the submission advanced on behalf of the bank that the payment of wages was made to the workman through the cheques bearing his name and the amount of the cheques Ex. M-13 to M-24 was given to the bearers of these cheques. As such, the workman has not been able to satisfy that the payment of wages through the cheques Ex. M-13 to Ex. M-24 was only made to him and on the basis of these documents, the working days cannot be reckoned in favour of the workman.

15. The workman's deposition is that he had continuously worked as a full-time employee from 2-9-1997 to 13-8-1998, but has admitted that appointment and termination order were not issued to him in writing. Therefore, his oral evidence stands uncorroborated by any other cogent evidence. On the other hand, the non-applicant at para 2 of his written-counter has exhibited a table detailing the number of days, the amount of wages paid to the workman and the cheque no, through which the payment of wages was made to him and has come with a specific plea that the workman has worked only for 46 days in the year 1997 and 25 days in the year 1998. With the assistance of the instruments Ex. M-1 to M-12, he has endeavourd to show that the workman had intermittently worked during the period from 13-10-1997 to 1-3-1998 only for 71 days in total and subsequent to 1-3-1998, he did not turn up to the work. This evidence adduced on behalf of the non-applicant could not be rebutted by the workman. As such, the workman has failed to prove that he had completed 240 days in a calendar year preceding to the date of his termination.

16. The submission of the ld. representative for the non-applicant that the workman could not adduce the reliable documentary evidence to prove this fact is fortified by the decision reported in **(2002) 3 SCC 25.**

His submission further finds strength from the decision 2003 (III) LLJ Raj. 198, wherein his Lordship has observed that where the workman had performed for intermittent periods and no proof of 240 days of continuous service could be produced, then in such a case, he is not entitled for the benefit under Section 25-F of the Act.

17. Accordingly, this point is decided against the workman and in favour of the non-applicant..............

Point No. II & III

18. The ld. representative for the workman contends that the junior employees to the workman were retained by the bank while the service of the wrokman was terminated and this fact has been admitted by the management witnesses. This submission has been opposed on behalf of the bank by contending that no junior person was retained. Similarly, the ld. representative for the workman has contended that after the termination of the workman, fresh hands were recruited by the bank. This contention has also been opposed on behalf of the bank and the ld. representative for the bank has submitted that in the reference the date of termination of the service of workman has not been mentioned, therefore, the question of termination cannot be decided in this matter. The ld. representative has placed his reliance upon 2002 (2) WLN 671.

19. Indeed, the workman has agitated both these issues in his pleadings by stating that at the time of terminating his service the junior employees to him were retaind by the bank and that subsequent to his termination the bank had recruited the fresh hands. On behalf of the bank, these contentions have been sought to be controverted. On behalf of the workman, the management witnesses have also been cross-examined on both these points respectively. But now the question which emerges is whether both these issues which relate to the protection under Sections 25-G and 25-H of the Act respectively, being not covered in the terms of reference, can be considered by the Tribunal or not. The terms of the reference speak as to whether the workman was in continuous service in the non-applicant bank from September, 1997 to August, 1998 or not as defined under Section 25-B of the ID Act. Thus, this reference is only limited to the benefit available to the workman under Section 25-B of the Act. Evidently, the date of termination of the service of the workman has not been mentioned in this reference. Therefore, the jurisdiction which is conferred by this reference to this Court is only limited to the completion of 240 days of actual service by the workman in a calendar year preceding to his date of termination as defined under Section 25-B of the Act and the question of termination has not been referred to this Tribunal vide the reference in question, whereas both these issues relate to the termination of the workman. Though enough opportunity was afforded to the workman to get it amended, yet it was in vain. Again, it is a well-settled law that the Tribunal cannot travel beyond the terms of the reference which is equally applicable to the contesting parties to the dispute. Therefore, the pleadings adopted by the workman on both these points cannot be entertained and the submissions advanced on his behalf cannot be considered by this Tribunal in the absence of the jurisdiction in view of the terms of the reference pending before it. In 2002 (2) WLN 671, a question was posed before the Hon'ble High Court as to whether the date of termination can be modified by the Court even on the basis of the consent of both the parties and the Hon'ble Court has observed that it does not fall within the jurisdiction of the Tribunal. In conformity with the decisions rendered by the Hon'ble Supreme Court, the Hon'ble Court has observed that jurisdiction to deal with a case is a creation of the statute and it cannot be created by acquiescence of the party or by the order of the Court. The Hon'ble Court goes on to say that the Tribunal can deal with only the dispute referred to it and the matters incidental thereto, but cannot travel beyond the terms of reference. The Hon'ble Court has referred to the observation made by their Lordships of the Hon'ble Apex Court in AIR 1979 SC 1356, which says that the Industrial Tribunal has no jurisdiction to go beyond the terms of the reference and to enquire into the question which is not involved in the reference and if the Tribunal travels beyond the terms of the reference, the award is nullified and would not confer any right upon the party.

20. Following the principle propounded by the Hon'ble High Court supra, this Court has got no jurisdiction to adjucicate on both these issues which are not covered by the terms of the reference. With these observations, both these points stand disposed of.

21. To conclude, the workman is entitled to no relief.

22. In the result, the reference is answered in the negative against the workman and in favour of the management and it is held that the workman was not in continuous service of the non-applicant bank at Tonk from September, 1997 to August, 1998 as defind under Section 25-B of the Act. The claim of the workman is dismissed. An award is passed in these terms accordingly.

23. Let a copy of the award be sent to the Central Government for publication under Section 17(1) of the Act.

R.C. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3346.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एल.आई. सी. ऑफ इंडिया के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, सं. 1, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या आई.डी. 143/1999) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल.-17012/51/1997-आई.आर. (बी-1)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3346.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. ID

No. 143/1999) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, No. 1, New Delhi now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workman, which was received by the Central Government on 30-08-2005.

[No. L-17012/51/1997-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

PRESIDING OFFICER : SHRI S.S. BAL

I.D. No. 143/99

In the matter of dispute between :

Ms. Rama Thakur, Assistant,
C/o Shri C.B. Kaushik,
36, M.C.D. Colony, Azadpur,
Delhi-110033. : Workman

Versus

The Senior Divisional Manager,
L.I.C. of India, D.O. -II,
Having its office at Jeevan Pragati
Plot No. 6, Distt. Centre, Laxmi Nagar,
New Delhi-110092. : Management

APPEARANCES:

None for the Workman.

Shri S. M. Bhatnagar for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-17012/051/97-IR(B-I) dated 29-6-98 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the offer of appointment given by LIC of India to workman Ms. Rama Thakur as temporary Asstt. is inconformity with the provision of law? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The Case of the workman as culled from record is that she was appointed as Assistant (temporary) on 26-3-1996 and her services were terminated verbally on 23-7-96 without assigning any reason and ground and the workman served upon the management demand notice dated 6-2-97 and 26-2-97 but all in vain. It is further stated that after failure of conciliation proceedings before the A.L.C. the dispute was referred to this Tribunal and in view of the above facts workman claims to be reinstated in service as Assistant w.e.f. 26-3-96 with all service benefits.

3. The case was contested by the management by filing written statement denying the claim of the workman and prayed that the claim of the workman be dismissed as the same is without any merit.

4. The workman filed rejoinder reiterating her claim statement and denying the contents of written statement.

5. Thereafter management evidence was recorded and case was fixed for evidence of the workman on 21-3-2002 and thereafter 18 adjournments have been granted to the workman to adduce her evidence but till today she do not file affidavit in evidence though Shri Rajesh Gupta Co-worker of the workman last appeared in this case on 19-10-2004 and thereafter none appeared for workman. It appears that the workman is not interested in prosecution of this case. Hence 'No Dispute Award' is passed accordingly and file be consigned to record room.

Dated : 10-08-2005

S. S. BAL, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3347.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या आई.डी. 473/04 एवं 495/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० (1) एल.-41011/43/2001-आई.आर. (बी-1)]

[सं० (2) एल.-41011/5/2002-आई.आर. (बी-1)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3347.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. ID - 473/04 & 495/04) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Ahmedabad now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workmen, which was received by the Central Government on 30-08-2005.

[No. (1) L-41011/43/2001-IR (B. 1)]

[No. (2) L-41011/5/2002-IR (B1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AT AHMEDABAD

PRESENT : Shri B. I. Kazi, B. Sc., L.L.M.

Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 473/04

(Old ITC No. 23/2002 transferred from I.T. Ahmedabad)

The Divisional Railway Manager,
Western Railway,
Prarapnagar,
Baroda-390 004 : First Party

V/s

The General Secretary,
Pachim Railway Karmchari Parishad,
E/209, Sarvottam Nr. Railway Colony,
Sabarmati,
Ahmedabad : Second Party

APPEARANCES :

First Party : Absent

Second Party : B. K. Sharma

1. The Government of India has referred the Industrial dispute between the above parties by order No. L-41011/43/2001 (IR B-I) dated 11/03/2002 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of Paschim Railway Karmachari Parishad, Ahmedabad for giving seniority to Shri Ravindra Kumar Janitory from the year of his appointment and subsequently all benefits of promotion to him is justified? If yes, what relief the concerned employee is entitled?"

2. The second party was issued a notice to file a statement of claim by this Tribunal 17-06-2002 but no statement claim has been filed by the second party. The second party has submitted an authority to represent the second party. By Ex. 8 the second party has been submitted an application to withdraw the reference and it was stated in that application that Shri Ravindra Kumar Janitory, (Workman) is satisfied and he does not want to adjudicate the matter and prayed to allow the second party to withdraw the matter.

3. Looking to the fact of Ex. 8, the Tribunal has allowed to withdraw the reference. Hence I hereby pass the following order.

ORDER

Application Ex. 8, is here by allowed. The second party is allowed to withdraw the reference. The reference is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date 22-02-2005

B. I. KAZI, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, AT AHMEDABAD

PRESENT : Shri B. I. Kazi, B. Sc., L.L.M.

PRESIDING OFFICER

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 495/04

(Old ITC No. 45/2002 transferred from I.T. Ahmedabad

(a) The Divisional Railway Manager,
Western Railway,
Pratapnagar,
Baroda-390 004

(b) The General Manager,
Western Railway,
Church gate,
Mumbai.

(c) The Sr. Divisional Mech. Engineer,
W/R diseal Shed : First Party

V/s

The General Secretary,
Pachim Railway Karmchari Parishad,
E/209, Sarvottam Nr. Railway Colony,
Sabarmati,
Ahmedabad : Second Party

APPEARANCES :

First Party	:	Absent
Second Party	:	B.K. Sharma

1. The Government of India has referred [illegible]ustrial Dispute between the above parties by order No. L-41011/5/2002 [IR (B-I)] dated 27-06-2002 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action adopting the Shed Seniority and not the original seniority by the management of Sr. D.M.E., Western Railway, Diesel Shed Vatva while posting employee to Sr. DME Roster is genuine, legal and favourable to common employee? If not what relief the Union is entitled? and Whether the action of the Sr. D.M.E., Western Railway. Diesel Shed Vatva in not putting O.S. in the Sr. D.M.E. Roster required under existing arrangement is legal and proper? If not, what relief such employees are entitled?"

2. The second party was issued a notice to file a statement of claim by this Tribunal on 13-08-2002 but no statement of claim has been filed by the second party. The second party has submitted an authority to represent the second party. By Ex. 5 the second party has submitted an application to withdraw the reference and it was stated that applicant is satisfied and he does not want to adjudicate the matter and prayed to allow the second party to withdraw the matter.

3. Looking to the fact of Ex. 5, the Tribunal has allowed to withdraw the reference. Hence I hereby pass the following order.

ORDER

Application Ex. 5, is hereby allowed. The second party is allowed to withdraw the reference. The reference is hereby disposed off. No order as to cost.

B. I. KAZI, Presiding Offficer

Ahmedabad

Date 22-02-2005

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3348.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन. एफ. रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण गुवाहटी, असम के पंचाट (संदर्भ संख्या 14/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल.-41011/49/2002-आई.आर. (बी-1)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3348.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government here by publishes the award (Ref. No. 14/2004) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Guwahati, Assam now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of N. F. Railway

and their workmen, which was received by the Central Government on 30-08-2005.

[No. L-41011/49/2002-IR (B-1)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, GUWAHATI, ASSAM

Present : Shri H. A. Hazarika,
Presiding Officer,
CGIT-cum-Labour Court,
Guwahati.

Ref. Case No. 14 of 2004

In the matter of an Industrial Dispute between :

- The Management of N.F. Railway, Guwahati.

V/s

Their Workmen represented by the,
General Secretary,
Rail Mazdoor Union,
27/B, Rest Camp,
Pandu.

Date of Award : 23-08-05

AWARD

1. The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, *vide* its order No. L-41011/49/2002-IR (B-1) referred this Industrial Dispute arose between the employers in relation to the Management of the General Manager (P), N.F. Railway, Guwahati and their Workmen, Sri N.S. Singh, Sri Prabin Biswas, Sri Dipti Rabi Das, Shri Khagen Ch. Roy and Sri Suresh Ch. Roy all PWI, Gr. II N. F. Railway to adjudicate and to pass an award on the strength of powers conferred by Clause(d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 on the basis of the following Schedule.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of N.F. Railway, Maligaon, Guwahati in depriving S/Shri N. S. Singh, Prabin Biswas, Dipti Rabi Das, Khagen Ch. Roy and Suresh Ch. Roy all PWI Gr. II for promotion to PWI Gr. I in implementation of the Rly. Board's Order of re-structuring and guidelines for promotion under No. PC-W/91/CRC/1 dated 27-1-93. is justified? If not, what relief the concerned 5 PWI Gr. II are entitled to?"

2. The matter was initially referred to State Industrial Tribunal, Guwahati and on being establishment of this CGIT-cum-Labour Court, North East Region, Guwahati, the matter is transferred and received by this Tribunal on 7-12-2004 for disposal as per procedure.

3. On being appeared by both the parties the proceeding is proceeded here for disposal being Numbered 14/2004 as per Procedure.

4. The case of the Workmen in short—that they are working as PWI, Grade-II in the Engineering establishment under N.F. Railway Administration with entire satisfaction of their Superiors since inception of their appointment.

5. That the Railway Board under the Ministry of Railways, New Delhi *vide* its order No. PC-W/91/CRC/1 dated 27-1-1993 granted re-structuring benefits to the Group of staff in the cadre of PWI in Grade-I on promotion from PWI, Grade-II by modified Selection and instructed all the Zonal Railways to implement the benefits under the order with effect from 1-3-1993.

6. That the Workmen are deprived from the re-structural benefit under the said order when the Workmen deprived from the categorical restructuring benefit. They tried to negotiate their disputes through their Union to get restructural benefits granted by the Railway Board but the Management did not consider their "just dues" and as a result of which they were not benefited as instructed by the order of the Railway Board stated herein before.

7. That a conciliation proceeding was taken up by the ALCC, Guwahati at the instance of their Union but the Management remain absent from attending the conciliation proceeding in spite of issuance of repeated notices by the Labour Commissioner as a result of which the conciliation proceeding taken up by the Labour Commissioner was failed.

8. That the total vacancy occurred as a result of creation of Additional Posts and existing vacancies of CPWI and PWI-Grade-I, as on 1-3-93 and to be filled up by holding modified selection in the PWI-Grade-II Cadre were arose 27 posts, out of which 17 posts were filled up by the Management by way of modified selection leaving aside 10 vacancies.

9. That the Workmen are eligible for promotion as PWI-Grade-I on the process of modified selection but they were deprived and not allowed to take restructural benefit though some of them got promotion in 1994 and in 1995.

10. That the action of the Management in implementing the Railway Board direction and guidelines to provide restructuring benefit is not done due to unfair play and caused miscarriage of justice. Hence, they prayed for an award to get promotional benefit to the post of Grade-I, PWI as per the relevant guidelines of the Railway Board.

11. The case of the Management from their W.S. in brief is that Workmen S/Shri N. S. Singh, Prabin Biswas, Dipti Rabi Das, Khagen Ch. Roy and Suresh C. Roy—all Permanent Way Inspectors now re-designated as Section Engineers who can control the Group-'D' and Group 'C' staff including the Artesian staff. They are the Disciplinary Authority of Group 'D' and Group 'C' staff even they are appointing authority or employer in respect of Casual Labourers and substitutes. Hence, they are the part of the Management and cant not be termed as Workmen under the Act.

12. That the Railway Board's letter dated 27-1-93 was correctly implemented and no staff was deprived from the restructuring benefit.

13. That the claimants forwarded their claims for negotiation through an unrecognized Union who could represent their grievances through a recognized Union before the Management.

14. That the matter moved by the calimants who are not workmen can not be the issue within the ambit of ALC (C), Guwahati. Hence, the issue was not at all an Industrial Dispute.

15. That the modified selection for 20 posts of PWI/1 was held and 20 PWI/2 were promoted to the post of PWI/1, hence question of deprivation of 9 PWI/1 in the modified selection does not arise. The post occurred due to restructuring benefits was with effect from 1-3-93 were filled up in the modified selection and as such, the question of taking restructuring vacancy in the subsequent selection (positive act of selection) does not arise.

16. That the vacancy occurred as a result of restructuring benefit of the PWI/2 were promoted to PWI/1 against the restructuring vacancy including Shri R. N. Saha who was selected in the selection of PWI/1 led in the year 1992 but his promotion was not affected prior to 1-3-93 and as such his promotion was regularized against the restructuring vacancies with effect from 1-3-93 as he was the senior most incumbent. Hence, the Management denied the claim of the claimant as absolutely baseless. The Railway Board instruction in its letter dated 27-01-93 was correctly implemented and Staff was not deprived.

17. Heard the arguments submitted by learned Advocates Mr., K. K. Biswas, for the Workmen and also Mr. S. Bhattacharjee for the Management.

18. Management examined Mr. Majibur Rahman only as MW. 1 and the Workmen examined Prabir Biswas as WW. 1 and Mr. Amiya Kr. Ganguly as WW. 2 All the witnesses are cross-examined by the opponent learned Advocates. The evidences are recorded by my own hand. Persued all the evidences including the exihibited documents etc. submitted by both the parties.

19. I find from the evidence of MW-1 that in 1993 Modified Selection was done for the post of PWI/1 numbering 20 posts. In that Modified Selecion all the 20 Posts of PWI/II were promoted to PWI/I.

20. During the course of argument Mr. K. K. Biswas agitated that there were 27 Posts occurred out of which only 17 posts were filled up on promotion and 10 Posts are lying vacant. But as stated above in the evidence of Management I find in 1993, 20 posts of PWI/I were filled up by promotion by Modified Selection by 20 PWI/Grade-II. The Petitioner side though claimed that 10 posts are not filled up there is no specified and authentic evidence of lying vacant of 10 specified and pin-pointed posts. It is also deposed by the MW-1 that the person selected earlier can not be included in the Modified Selection so also can not be considered the regular and normal selection.

The learned Advocate for the Management agitated on the point of identity of the claimant Petitioners but in the evidence of solitary MW admittedly it is found that he knows the claimants except Khagen Ch. Roy. What I find it is a matter of record as regard identity. Such identity challenged is not entertainable in present facts and circumstances of the case. Because it is not a criminal case.

22. As per evidence of MW, Dipti Rabidas retired on 1-10-96, There is no scrap of paper that being aggrieved Dipti Rabidas agitated that injustice is done while he was in service. I also found from Ext. H that in reply to a representation the Management intimated Sri Prabir Biswas that his seniority does not come as PWI/Grade-I against the Post available due to restructuring of cadre with effect from 1-3-93. There is also question that the claimants are not Workmen. Even if they are not workmen yet as argued by the learned Advocate Mr. K. K. Biswas for claimants that there is no bar for them to agitate the matter. But what I find they must be competent and entitled to get Modified Selection for restructuring benefit under the Railway Board Circular.

23. On perusal of the Ext. A Railway Board's letter NO. E.C. 3/91/CRC/1 dated 27-01-93, I find as per guide line their should be constitution of Selection Board. The Selection Board is empowered to call the eligible candidates for selection of modified selection. There is nothing from the Union or Workman side that no Selection Committee is made or the Selectiion Committee made is biased to the claimant side.

24. The Selection Committee is at liberty to call the eligible candidates. The Selection Committee is to make panel or a list of candidates entitled for modified selection to offer restructuring benefits.

25. In my opinion to get restructuring benefit the claimant must prove that they became competent to get restructuring benefit. But there is no evidence that they became competent for pin-pointed and specified post occurred against their posts. It is pertinent to note here that in doing the process of modified selection, the Selection Board will make a panel equal to number of vacancies (page 19, para-11.5.3) in the relevant circular.

26. That there is no evidence that depriving them some others who are not competent are given the restructuring benefit. It is to be marked in written statement of the Management page No. 4 Para No. 9 that as a result of restructuring of the PWI/2 were promoted to PWI/I against the restructuring vacancy including Sri R. N. Saha who was selected in the selection of PWI/I led in the year 1992 but his promotion was not effected prior to 1-3-93 and as such his promotion was regularized against the restructuring vacancy with effect from 1-3-93 as he was the senior most incumbant. On verification in Ext. C I find the name of R. N. Saha is apparent in this list in Sl. No. 2. What I find the Management has not committed any injustice to the claimants in implementing the Railway Board's circular.

27. Under the above facts and circumstances I find the action of the Management in implementing of the Railway Board's order of restructuring is justified. No injustice is done to the claimants respectively Sri N. S. Singh, Prabir Biswas, Dipti Rabidas, K. C. Roy and S.C. Roy, PWI/Gr. II. They are not entitled for any relief prayed for. Accordingly Schedule (issue) is decided in favour of the Management. To make it more clear the claimants are not entitled for any benefit.

28. Accordingly send the award to the Government concerned for proper procedure immediately.

H. A. HAZARIKA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2005

का.आ. 3349.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेस्टर्न रेलवे के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण अहमदाबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी-236/04, 586/04, 587/04, 894/04, 1181/04, 1200/04, 322/04) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-08-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-41025/4/2005-आई.आर.(बी-I)
सं. एल-41012/163/97-आई.आर.(बी-I)
सं. एल-41012/198/2001-आई.आर.(बी-I)
सं. एल-41012/82/2003-आई.आर.(बी-I)
सं. एल-41012/274/2003-आई.आर.(बी-I)
सं. एल-41012/219/2003-आई.आर.(बी-I)
सं. एल-41012/222/99-आई.आर.(बी-I)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th August, 2005

S.O. 3349.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (CGIT-236/04, 586/04, 587/04, 894/04, 1181/04, 1200/04, 322/04) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ahmedabad now as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway and their workmen, which was received by the Central Government on 30-08-2005.

[No. L-41025/4/2005-IR (B-I)
No. L-41012/163/97-IR (B-I)
No. L-41012/198/2001-IR (B-I)
No. L-41012/82/2003-IR (B-I)
No. L-41012/274/2003-IR (B-I)
No. L-41012/219/2003-IR (B-I)
No. L-41012/222/99-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri . B. I. KAZI. B. Sc., L. L. M., Presiding Officer

Com. C.G.I.T.A. No. 322/04

(Old Com. No. 2/98)

Hanif Mastan & Others
C/o Western Railway Kamdar Sangh
Gurunagar. Gandhidham
Kutch. ....Complainant

V's.

Divisional Railway Manager,
Bhavanagar Division,
Bhavnagar Pur .... Opponent

APPEARANCES :

Complainant : Shri Y.C. Rajyaguru,
Opponent : Shri O. P. Vashisths

ORDER

1. The complainant has filed this complaint under section 33 A of the Industrial Dispute Act in the Reference (I.T.C.) No. 47/97. It is prayed by the complainant that the Hon'ble Court may be pleased to decide the complaint and pass such orders as it may deem fit and proper. And it is further prayed that the Hon'ble Court may be pleased to order the opposite parties, their servant and agents not to implement the orders dated 20-4-98 annexure 'B' till the finalization of the Reference under I.T.C. No. 47/97.

2. The brief facts of the complaint is that opponent's guilty of the contravention of the provision of Section 33 of the Industrial Dispute Act, 1947. The workmen shown in the Annexure 'A' are working as loaders on the stations of the Bhavnagar Division. Doing work every loading and unloading of goods and parcels from the trains at these stations from last 15 years as Contract Labour. The workmen had raised an Industrial Dispute for the regularization of their service under Reference No. I.T.C. 47/97 which is pending before the Hon'ble Tribunal for the final disposal. The condition of service are to be remain unchanged during the pendency of the proceedings but in this case opposite party being prejudiced with the trade union activities of the workmen want to throw out of the job to these workmen and opposite party planned to handover this work to a new contractor from 1-5-1998 (M/s Amit & Co. Rly. Contractor, 116 Ektanagar, Chhani, Jakatnaka, Vadodara-390 002.) These workmen will be out of job due to the giving of the work to the new contractor. There is no means of livelihood of these workmen and their family. The deponent had issued orders dated 20-4-98 to M/s. Amit & Co. to takeover the work from these workmen *w.e.f.* 1-5-98 copy of the orders annexed and marked as 'B'. It is much essential to restrain/restrict the opposite party from giving the work of loading and unloading of goods and parcels to M/s. Amit & Co. till the finalization of the Reference I.T.C. No. 47/97. Thus it is prayed that not to implement the issued on 20-4-98 till the finalization of the Reference.

3. The Hon'ble Tribunal passed the order dated 20-4-98 and granted *ex-parte, ad-interim* relief in terms of prayer clause 3 till 11-5-98.

4. A notice was issued to the opponent by Ex. 6. Reply and objection was filed on behalf of the oponent No. 1 to 7. The brief fact of the reply is that the complaint is illegal, invalid and not maintainable. Looking to the nature of interim relief claimed by the opponent it appears that it is as good as final relief which can not be granted at the interim stage therefore it is deserved to be discharged. According to the provision of the I.D. Act, every individual person who is aggrieved can file the complaint under section 33 A of the I.D. Act and if one is filed on behalf of the other employees in that case authorization of the other complainants are required to be produced. The present complainant is not authorized by the persons shown Annexure A-1. The opponent has filed a reply in Reference No. 47/97 and the opponent relies upon it and it

may be considered as part of this reply. There is no violation of Section 33 and there is no cause for filing of this complaint. The contentions of para 1 (a) of the complaint is disputed and the issue related to contract labour is outside the scope and the ambit of courts jurisdiction. Persons shown in Annexure-A are not regular employees of the Railway establishment but whenever any exigency arises, they are engaged by the station masters as on piece rates and paid labour charges in accordance to notified and agreed rates. They are not on the muster roll of the railway and they are not recruited by the railway. The persons are engaged in loading and unloading of parcels/goods as per provision of para 2302(iii) of IRCM volume 2. The work can be done through regular staff through duly authorized contractors and also through stations masters authorized in this behalf. Thus concerned workmen authorized to act as handing contractor by letters dated 24-8-94 and 2-3-95 and payment is made to them on the basis of actual weight handled by them and station muster can ask anybody to do the work. It is not regular nature of work being done continuously 8 hours a day. The work is entrusted as and when requirements arises. The work is of casual nature and same is done on intermittent bases and they are not regular servants. Thus till the status is not decided no relief can be granted it is denied that the persons are working since last 15 years. Contract is awarded from 1-5-98 to private contractors M/s. Amit & Co. Baroda. No *prima-facie* case of the complainants and balance of convenience is not also in their favour. There is no case of irreparable loss and injury. Thus interim relief may be vacated.

5. After hearing both the parties the Hon'ble Tribunal has passed an order dated 29-5-1998 below Ex. 1 and interim relief granted *ex-parte* earlier has been vacated. Then after the complainant gave an application by Ex. 9 and the Tribunal passed an order dated 29-5-98. Then after by Ex. 10 an application was given by Shri Hanif Mastan Fakhir and stay was extended up to 22-6-98. However against the order of Hon'ble Industrial Tribunal vacating the stay Special Civil Application No. 4539/1998 with Special Application No. 7515/1998 was filed in the Hon'ble High Court of Gujarat.The opponent has preferred the Letters Patent Appeal against the order of the Hon'ble High Court has passed an order to stay the order dated 6-10-98 passed in Special Civil Applicatin No. 4539/98.

6. However a notice was issued to the complainant to remain present on 26-06-2002. Till the date of passing of this order the complainant did not remain present for the adjudication of this complainant. Nearly 3 and ½ years has been passed after this notice but no care has been taken by the complainant to prove the contentions of the complaint before this Tribunal. Thus looking to the order of the Hon'ble High Court this complaint become infructuous. Thus it is necessary to disposed off this complaint, in the light of the order passed by the Hon'ble High Court of Gujarat in Letters Patent Appeal 4539/98, hence I hereby pass the following order :

ORDER

The complaint is hereby disposed off for want of prosecution. No order as to cost.

B. I. KAZI, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri. B. I. KAZI, B. Sc., L. L. M., Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE No. 1181/04

(Old ITC No. 20/2001 transferred from I. T. Ahmedabad)

a. General Railway Manager,
Western Railway Churchgate Mumbai,

b. The Dy. Chief Engineer (Const.),
Western Railway Ahmedabad.

c. The DRM, Western Railway,
Rajkot. ....First Party

V/s.

M/s Manjuben Devjibhai
C/o The President, Saurashtra Employees
Union, Umesh Comm. Complex
Near Caudhary High School,
Rajkot. ....Second Party

APPEARANCES :

First Party : Absent

Second Party : Absent

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by order No. L-41012/163/97-IR (BI) dated 12-10-2001 to this Tribunal for adjudication. The Terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the claim of Ms. Manjuben Devjibhai that she was engaged as a causal labourer under the permanent way Inspector (Constitution), Western Railway, from 21-7-1979 to 20-4-81 Rajkot and her service of the I.D. Act, 1947 is correct and justified? If not what relief the concerned workman is entitled to ?"

2. The second party was issued a notice of file the statement of claim by this Tribunal on 15-10-01. The date to file the statement of claim was 16-1-2002. The appropriate Government has also directed the second party who has raised the dispute to file a statement of claim with relevant document and list of reliance and witnesses to the Tribunal within 15 days of the receipt of the order.

3. However, the proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party is failed to submit a statement of claim after 5 years from the date of reference. Thus this Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in the dispute. Thus the claim of Ms. Manjuben Devjibhai is not established and she has not proved that her termination is not in compliance of the I.D. Act, and is not correct and unjust.

Looking to the above observation I hereby pass the following order :

ORDER

The claim of Ms. Manjuben Devjibhai that she was engaged as a causal labourer under the permanent way Inspector (Constitution), Western Railway Rajkot from 21-07-1979 to 20-04-81 and her services were terminated without complying with the provisions of the I.D. Act, 1947 is not correct and just. The workman is not entitled to any relief. The reference is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 18-1-05

B. I. KAZI, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri B. I. KAZI, B. Sc., L. L. M., Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 1200/04

(Old ITC No. 15/2002 transferred from I. T. Ahmedabad)

The Divisional Railway Manager,
Western Railway Divisional Officer,
Ajmer Division
Ajmer (Rajasthan) .....First Party

V/s.

The General Secretary,
Western Railway Kamdar Sangh,
S.F.X.-140 Gurunaghar,
Gandhidham-370 201 .....Second Party

APPEARANCES :

First Party : Absent

Second Party : Absent

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by order No. L-41012/198/2001-IR (B-II) dated 9-5-2002 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of the Railway Management to remove from service to Shri Virendra Kumar P.P. S.S. Bhuj is justified? If, not what relief the workman is entitled for and since when?"

2. The second party was issued a notice to file the statement of claim by this Tribunal on 20-6-2002. The date to file the statement of claim was 6-8-2002. The appropriate Government has also directed the second party who has raised the dispute to file a statement of claim with relevant document and list of reliance and witnesses to the Tribunal within 15 days of the receipt of the order.

3. However, the proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party is failed to submit a statement of claim after 2 years 5 months from the date of reference. Thus this Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in the dispute. Thus the action of the Railway Management to remove from service to Shri Virendra Kumar P.P. under S.S. Bhuj is just.

Looking to the above observation I hereby pass the following order :

ORDER

The action of the Railway Management to remove from Shri Virendra Kumar P.P. under S.S. Bhuj is just. The workman is not entitled to any relief. The reference is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 18-1-05

B. I. KAZI, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri. B. I. KAZI, B. Sc., L. L. M., Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 894/04

(Old ITC No. 6/2003 transferred from I. T. Ahmedabad)

The Divisional Railway Manager,
Western Railway Bhavnagar Division,
Bhavnagar (Gujarat) 364 001 .....First Party

V/s.

Shri Bala Tappoo,
Village Fulsar, Taluka Talaja Distt.
Bhavnagar (Gujarat) 364 001 .....Second Party.

APPEARANCES :

First Party : D. S. Trivedi

Second Party : Absent

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by order No. L-41012/82/2003-IR (B-I) dated 31-7-2003 to this Tribunal for adjudication. The Terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of DRM, Western Railway Bhavnagar and others in not including name of Shri Bala Tapoo Jadav, Ex.Casual Labour in the Live Register for further consideration is justified? If not what relief the workman is entitled for?"

2. The second party was issued a notice of file the statement of claim by this Tribunal on 24-9-2003. The date to file the statement of claim was 12-1-2004. The appropriate Government has also directed the second party who has raised the dispute to file a statement of claim with relevant document and list of reliance and witness to the Tribunal within 15 days of the receipt of the order.

3. However, the proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party is failed to submit a statement of claim after 1 year from the date of reference. Thus Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in the dispute. Thus the second party has failed to prove his claim, hence his demand is not just and proper.

Looking to the above observation I hereby pass the following order :

ORDER

The action of the Management of DRM, Western Railway Bhavangar and others in not including name of Shri Bala Tapoo Jadav, Ex. Causal Labour in the Live Register for further consideration is just and legal. The workman is not entitled to any relief. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 18-1-05

B. I. KAZI, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri . B. I. Kazi, B. Sc., L. L. M., Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 587/04

(Old ITC No. 04/04 transferred from I. T. Ahmedabad)

The Chief Project Manager,
Western Railway,
Ahemdabad.

The Chief Project Manager,
North Western Railway,
Zonal Office, Jaipur,
Jaipur. .....First Party

V/s.

Shri Raghuveer Singh Sisodia,
General Secretary Paschim Rly.
Karmachari Parishad Jai Prakash Chowk,
Khanpur, Ahmedabad .....Second Party

APPEARANCES :

First Party : Shri N.S. Shevade

Second Party : Absent

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by order No. L-41012/274/2003-IR (B-I) dated 15-3-2004 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

क्या नियोजन मुख्य परियोजना प्रबन्धक, उत्तर पश्चिम रेलवे जोनल कार्यालय जयपुर एवं मुख्य परियोजना प्रबन्धक, पश्चिम रेलवे अहमदाबाद के द्वारा कर्मकार श्री राजमणीकम पुत्र श्री रामचन्द्र को जन्म तिथि दिनांक 10-3-43 मानकर मुख्य परियोजना प्रबन्धक प.रे. जयपुर के द्वारा पत्र क्रं ई/949/1-जेपी दिनांक 17-10-00 के तहत सेवा से पृथक करना एवं पूर्ण वेतन लाभ/भत्ते आदि का भुगतान नहीं करना उचित एवं वैद्य है ? यदि नहीं तो कर्मकार अपने नियोजक से क्या राहत पाने का अधिकारी है ?

2. The second party was issued a notice to file the statement of claim by this Tribunal on 13-4-04. The date of file the statement of claim was 18-6-2004. The appropriate Government has also directed the second party who raised the dispute to file the statement of claim with relevant documents and list of reliance and witness to the Tribunal within 15 days of the date of receipt of the order.

3. However, proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party is failed to submit the statement of claim 6 months from the date of reference.

Thus Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in the dispute. Thus the second party has failed to prove the justification of demand.

Looking to the above observation, I hereby pass the following order :

ORDER

The second party has failed to prove that the termination order No. E. 949/1-GP *i.e.*, 17-10-00 is illegal and improper. The second party is not entitle to any benefit. the reference is hereby rejected for want of prosecution. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 18-1-05

B. I. KAZI, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri . B. I. Kazi, B. Sc., L. L. M., Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 586/04

(Old ITC No. 02/04 transferred from I. T. Ahmedabad)

1. The General Manager,
Western Railway,
Churchgate,
Mumbai-400 001.

2. The Divisional Railway Manager,
Western Railway Divisional Office,
Kothi Compound,
Rajkot-360 001

3. The Sr. Divisional Mechanical Engineer (Diesel),
Western Railway,
Diesel Loco Shed, Sabarmati,
Ahmedabad 380 001 ....First Party

V/s.

1. Shri Hon. Secretary,
General Workman's Union Sinduri Devasthan,
S.T. Nagar Road, P.O. Godhra,
Dist. Panchmahal ....Second Party

Appearances :

First Party : Absent

Second Party : Absent

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by order No. L-41012/219/2003-IR (B-I) dated 09-01-2004 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of General Manager, Western Railway, and others stopping two increments without future effect of Shri D. G. Thakar, Fitter Gr.II Diesel Loco Shed, Western Railway, Sabarmati, Ahmedabad vide order dated 10-05-2002 for creating disturbance in Shed & trouble in atmosphere is justified and legal? If not what other relief the workman is entitled to?"

2. The second party was issued a notice of file the statement of claim by this Tribunal on 03-03-04. The date of file the statement of claim was 22-03-2004. The appropriate Government has also directed the second party who raised the dispute to file a statement of claim with relevant documents and list of reliance and witnesses to the Tribunal within 15 days of the date of receipt of the order.

3. However, proper opportunity was given by this Tribunal to file a statement of claim to the second party. The second party failed to submit the statement of claim 1 year from the date of reference.

Thus this Tribunal has reason to believe that the second party is not interested in dispute. Thus the second party has failed to prove that the stoppage of two increments without future effect of Shri D.G. Thakar, vide order dated 10-05-2002 is unjust and illegal.

Looking to the above observation, I hereby pass the following order :

ORDER

The action of the management of General Manager, Western Railway, and others stopping two increments without future effect of Shri D.G. Thakar, Fitter Gr.II Diesel Loco Shed, Western Railway, Sabarmati, Ahmedabad vide order dated 10-05-2002 for creating disturbance in Shed & trouble in atmosphere is just and legal. The workman is not entitled to any relief. The reference is hereby rejected. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 18-1-05

B. I. KAZI, Presiding Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT AT AHMEDABAD

PRESENT :

Shri. B. I. KAZI, B. SC., L. L. M., Presiding Officer

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 236/04

(Old ITC No. 167/99 transferred from I. T. Ahmedabad)

The Divisional Railway Manager,
Western Railway Pratapnagar,
Baroda-390 004 .....First Party

V/s.

The President,
Pashchim Railway Karamchari Parishad,
E/209, Sarvottam Nagar,
New Railway Colony, Sabarmati,
Ahmedabad-380 001 .....Second Party

Appearances :

First Party : Shri R. P. Sharma

Second Party : Shri S. B. Nigam

AWARD

1. The Government of India has referred the Industrial Dispute between the above parties by order No. L-41012/222/99-IR B-I dated 24-11-99 to this Tribunal for adjudication. The terms of reference is as under :

SCHEDULE

"Whether the action of the Railway Administration, Western Railway, Baroda Division, Baroda and its Officers in fixing the pay of Shri Samant N., Pointman Sabarmati at Rs. 3150/- in the revised pay scale of Rs. 2610/ 3540/- is proper and justified/ If not to what other relief Shri Samant N. is entitled to?"

AND

"Whether the action of the Railway Administration, Western Railway, Baroda Division Baroda and its Officers is not releasing the payment/benefits flowing out of order dated 19-03-1996 and other consequential benefits i.e. arrears of stagnation increment from 1-5-1995 to 31-12-1995, differences/ arrears of bonus for the years 1995 and 1996, etc, is proper and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to and what other directions are necessary in the matter?"

2. A notice has been issued to the second party to file a statement of claim. The second party has filed a statement of claim by Ex. 3. He prayed that pay shall be re-fixed from 1-5-96 and different and dues to paid him with interest.

3. A notice was issued to the first party to file a written statement. Thus first party has submitted a written statement by Ex. 6.

4. During the course of proceedings the representative of the second party has given a purshis by Ex. 13 as stated that the first party has complied all the demands raised in the reference.

5. As the first party has fulfilled all the demands raised by the second party and there is amicable solution to the disputes are looking to the facts on Ex. 13 I hereby pass the following order :

ORDER

As the first party has fulfilled all the demands raised by the second party in this reference and looking to the purshis Ex. 13 submitted by the second party, the reference is hereby disposed off. No order as to cost.

Ahmedabad

Date : 22-1-05

B. I. KAZI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2005

का.आ. 3350.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कृष्णा ग्रामीण बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, बंगलौर के पंचाट (संदर्भ संख्या सी आर-29/02) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-8-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल.-12012/55/2002-आई.आर. (बी-I)]

अजय कुमार, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st August, 2005

S.O. 3350.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. CR-29/02) of the Central Government Industrial Tribunal/ Labour Court, Bangalore now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Krishna Grameena Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 31-8-2005.

[No. L-12012/55/2002-IR (B-I)]

AJAY KUMAR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated : 24th August, 2005

PRESENT :

Shri A. R. Siddiqui, Presiding Officer

C. R. No. 29/02

I PARTY	**II PARTY**
Shri Sanjeeva Kumar V. Metre, Near Basveswara Temple, M. Basvakalyana, Basvakalyana Taluk, Bidar District, Karnataka.	The Chairman, M/s. Krishna Grameena Bank, H.O, M. V. Layout, Gulbarga, Karnataka.

AWARD

1. The Central Government by exercising the powers conferred by clause (d) of sub-section 2A of the Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred this dispute *vide* order No. L-12012/55/2002-IR (B-1)) dated 12th Jun, 2002 for adjudication on the following schedule :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Krishna Grameena Bank (HO), Gulbarga (Karnataka) in terminating the service of Shri Sanjeeva Kumar V. Metre w.e.f. Nov. 2000 is justified? If not, what relief the workman is entitled ?"

2. The case of the first party workman as made out in his Claim Statement, in brief, is that he joined the services of the management bank as a Helper/Attendant on 19-8-1996 at its Basavakalyana Branch and worked with all diligence and devotion having a clean record of service continuously up till 10-10-2000. When all of a sudden the Branch Manager asked him not to come to work from that day onwards. He made several attempts with the Branch Manager to report for work subsequent to 10-10-2000 and also made a written representation on 28-6-2001 to reinstate him in service but in vain. Therefore, on 1-7-2001 he raised industrial dispute with the Assistant Labour Commissioner, Bellary which resulted in the present reference. He contended that since he worked continuously for a period of 240 days and more in each calendar year from 1996 to 2000 continuously, had perfected his right to regularise his services, discharging duties of a permanent workman. Therefore, the action of the management in refusing work to him amounts to illegal retrenchment as there was no notice given to him nor any compensation amounts was before his services were terminated. In the result he contended that the action of the management suffers from violation of provisions of Section 25 F and 25 N of the ID Act and therefore, is liable to be set aside with a direction to the management to reinstate him in service with all consequential benefits.

3. The management by its Counter Statement while resisting the claim of the first party, *inter alia*, contended that the services of the first party workman were utilized as a casual labourer as and when necessity arose, purely on temporary and daily wages basis, it was not a regular posting and against any vacant post. His services were casual in nature and there was no continuity in service and therefore, there is no question of terminating his services. It contended that the first party never completed more than 240 days or more in each year of his service more particularly during the preceding 12 months of his alleged termination of service and therefore, provisions of ID Act as quoted by the first party do not come into play and the management was not obliged to issue any notice or to pay any retrenchment compensation amount before alleged termination. It contended that the first party's claim is false and an after thought inasmuch as he raised the Industrial Dispute only on 1-7-2001 after a long gap of his alleged termination. Therefore, the reference is liable to be dismissed.

4. During the course of trial, the management examined one witness, MW1 by filing its affidavit statement. It is in tune with what the management contended in its Counter Statement in response to the

2636 GI/05-29

Claim Statement of the first party, therefore, need not be once again repeated. On his part first party also filed an affidavit statement in his examination chief and in his further examination chief he got 20 documents marked at Ex.W1 to Ex. W20. His statement in his affidavit is again almost the replica of his Claim Statement, however, specifying the actual days of working from 1996 to 2000 at para 4 as under :—

Para 4 :— That I had worked continuously for 96 days during 1996-97, excluding Sundays and Holidays, 228 days during 1997-98 (excluding Sundays and Holidays), 285 days during 1998-99 (Excluding Sundays and Holidays), 285 days during 1999-2000 (excluding Sundays and Holidays). Thus I had worked for more than 240 days in a year during 1997-98, 1998-99 and 1999-2000 (including Sundays and Holidays). During the period from 1-4-2000 to 9-10-2000 (excluding Sundays and Holidays), I had worked continuously for 148 days (excluding Sundays and Holidays). I was paid wages for the number of days worked in a month. I have documents to show that I worked for more than 240 days in a year up to 1999-2000.

5. I would like to refer their statements in cross-examination and the documents referred to supra as and when found necessary. The documents marked on behalf of the first party at Ex.W1 to W20 are as under :—

Ex.W1— Annual Bonus Voucher for the year 1997.

Ex.W2— Wage slip for the period from 1-4-97 to 31-3-98

Ex.W3— Annual Bonus paid to the first party for the year 1999

Ex.W4— Bonus voucher for the year 1999 issued to the first party.

Ex.W5— Wage Particulars for the period from 1-4-99 to 31-3-2000.

Ex.W6— Wage slip for the month of October 1999.

Ex.W7— Wage slip for the month of November 1999.

Ex.W8— Wage Slip for the month of December 1999.

Ex.W9— Wage slip for the month of January 2000 and February 2000.

Ex.W10— Wage Slip for the month of March 2000.

Ex.W11— Service particulars for the month of June 2000.

Ex.W12— Service particulars for the month of July 2000.

Ex.W13— Service Particulars for the month of August 2000.

Ex.W14— Service particulars for the month of September 2000.

Ex.W15— Salary Slip for the month of April 2000.

Ex.W16— Salary Slip for the month of May 2000.

Ex.W17— Salary Slip for the month of June 2000.

Ex.W18— Salary Slip for the month of July 2000.

Ex.W19— Salary Slip for the month of August 2000.

Ex.W20— Cash Voucher dated 4-10-2000.

6. Learned counsel for the management in his arguments submitted that the dispute raised by the first party is spurious one raised with ulterior motive for financial gain and it is evident from the fact that he remains silent for about a period of 10 months from the date of his alleged termination in raising the dispute. His next argument was that there has been no evidence produced by the first party to prove that he worked for 240 days or more in any calendar year, particularly, in a year preceding his termination.

7. Whereas, learned counsel for the first party argued that merely because the first party raised this dispute after some delay not knowing his legal rights, claim cannot be dumped as false and spurious. He contended that the document produced by the first party and his oral statement coupled with the statement of MW1 in his cross-examination would establish the fact that the first party worked for a period of 240 days and more continuously during the years 1996-2000 and more particularly during the year 1999-2000 immediately preceding his termination. Therefore, he submitted that it is a clear cut case of violation of provisions of Section 25F read with Section 2(00) of the ID Act and therefore, termination being illegal as a result of illegal retrenchment is liable to be set aside granting the reliefs sought for by the first party. He cited a ruling reported in 2004 III LLJ 555 SC-Krishna Bahdur Vs Purna Theatre and Others.

8. After having gone through the records, I find substance in the arguments advanced by the first party. First of all there is no denial of the fact by the management that the first party having joined the services of the branch in question in 1996, was in its service as a Helper/Attendant at least on a temporary basis working as a casual worker till he was refused work on 10-10-2000.

9. Coming to the evidence of the management, except the lone testimony of MW1, who admittedly did not work at Basavakalyana Branch and whose statement in cross-examination is said to be based on a statement prepared by the bank fails to carry any weight or importance, that statement itself not being produced before this tribunal though he is said to have seen the

statement. Further he was unable to say, for how many days in each year from 1996 onwards the first party worked unless he once again goes through the statement. Therefore, the statement of MW1 in his affidavit which is just a replica of the case made out by the management by its Counter Statement being an hear-say evidence not supported by any document deserves no credence in the eye of law. Neither the above said statement said to be available with the branch concerned based on which MW1 deposed is made available to this tribunal nor any other document was produced by the management to justify its claim that the first party did not work continuously for 240 days or more in any of the calendar year much less in a year preceding his alleged termination. The burden to prove this fact cast heavily upon the shoulders of the management for the simple reason that the management never disputed the fact that the first party was in service of the bank from 1996 till October, 2000. On the other hand the first party as noted, has filed an affidavit and para 4 of his affidavit brought on record, in no uncertain terms has spoken to the fact as how many days he worked in each of the year between the above said period. As per the above said statement, he worked for 96 days during the year 1996-97, 228 days during year 1997-98, 285 days during the year 1998-99 and 285 days during the year 1999-2000 excluding Sundays and Holidays in all these years. In addition to that, he also worked for 148 days from 1-4-2000 to 9-10-2000. First of all this statement of first party, very strangely, in his cross-examination has gone unchallenged and uncontroverted. Not a single suggestion much less specifically made to the first party denying his statement at para 4 of the affidavit except to suggest that he did not work continuously for 240 days or more in the calender year preceding the month of October, 2000. More over, the above said statement of the first party has been very much corroborated and supported by the aforesaid documents at Ex.W1 to W20. The veracity and genuineness of those documents has again remained undisputed. These are all the Xerox copies of the documents except Ex.W2, pertaining to the branch in question bearing the signature of the Manager of the brnach and that appears to be reason for the management in not challenging those documents. As per Ex. W1, which is the statement for payment of bonus for the year ending 31-3-1997, the working days of the first party have been shown as 96 days. Ex. W2 showing the payment of wages and the days of the work by the first party is for the period from 1-4-97 to 31-3-98 to show that he worked for 228 days. Ex. W3 is again the statement showing the payment of bonus and the number of working days shown as 285 days pertaining to the year ending 31-3-99. Ex. W4 is another bonus payment statement for the year ending 31-3-99 showing actual working days as 285 days. As per Ex. W5 which is the statement with regard to the days worked and payment made by and for the first party, he is shown to have worked for a period of about 285 days. It is for the period from 1-4-99 to 31-3-2000. Ex. W6 to W8 and W15 to W19 are the slips issued by the branch concerned showing the working days and the payment of wages by and to the first party. As per Ex. W6 for the month of October, 1999 he worked for 22 days. As per Ex. W7 for the month of November he worked for 23 days. As per Ex. W8 he worked for 26 days for the month of December, 1999. As per Ex. W9 he worked for 25 days for the month of January and for 29 days for the month of February 2000, for the month of March 2000 as per Ex. 10 he worked for 25 days, for the month of April 2000 he worked for 22 days, for the month of May 25 days, for the month of June 23 days, for the month of July 2000, 27 days, for the month of August 22 days and for the month of September 12 days. He was also paid wages for the month of October 2000 as per Ex. W20 (The figures and wordings are not very much legible). Therefore, from the above statements, genuinness of which as noted above, not denied and disputed by the management would substantiate and establish the above said statement of first party made at para 4 of his affidavit.

10. As seen above, the only statement made by MW1 in his cross-examination was to the effect that the first party did not work for 240 days or more in a year immediately preceding his alleged termination. He did not dispute the figures of the working days of first party in the earlier years. To decide the controversy in between the parties we are also not very much concerned as to whether in the earlier years 1996-97, 1998-99 the first party actually worked for 240 days or more or not. Here we are concerned to see as to whether he actually worked for 240 days or more during the 12 calendar months i.e. October 1999 to October 2000 and this fact as noted above, has been very much substantiated and corroborated in the oral as well as in the documentary evidence produced by the first party. The documents at Ex. W6 to Ex. W19 would speak to the fact that in those 12 calendar months, the first party worked for 285 days, of course there is some artificial breaks of one or two days in between the months that too excluding the Sundays and Holidays. Therefore, in the instant case, the mandate of Section 25(B) that first party worked for 240 days and more in a particular calendar year has been very much complied with. Now this being the case, it cannot be said that provisions of Section 25 F read with Section 2(00) of the ID Act are not attracted. If that were to be the case, undisputedly, there being neither any notice issued nor wages were paid in lieu of the notice nor any retrenchment compensation was paid to the first party before he was refused work or his services were brought to an end, in the result, it will be a case of illegal termination amounting to illegal retrenchment as defined under Section 2(oo) of the ID Act and since the

mandatory provisions of Section 25F are not complied with, the termination amounts to illegal termination void ab initio. Their Lordship of Supreme Court in the case referred to supra and cited on behalf of the first party ruled that Section 25F(b) of the ID Act was imperative and contravention thereof would render the retrenchment void abinitio. In the result this court has absolutely no hesitation in its mind to set aside the termination as illegal and void abinitio.

11. Now coming to the relief of reinstatement, back wages etc. The natural corollary on setting aside the termination, must follow the reinstatement of the first party workman. As far as the back wages are concerned, there has been no evidence much less in the statement of MW1 to say that the first party has been gainfully employed when was out of its service. On the part of the first party in his affidavit at para 7 he has stated that he has remained unemployed unable to secure any service and he is without any income from the date he was denied work by the management. It is on record that the first party was getting a daily wages of Rs. 50 as on 10-10-2000 when he was refused work by the bank. Therefore, in my opinion this being a meager salary amount, he shall be entitled to the back wages at the above said rate from the date of his termination till he is reinstated in service, of course, without any continuity of service and other consequential benefits, his services being rendered as a casual labourer on temporary basis. Accordingly the reference is answered and following award is passed.

AWARD

The Management is directed to reinstate the workman in service with full back wages at the rate of Rs. 50 per day including Sundays and Holidays without any continuity of service and other consequential benefits.

(Dictated to PA transcribed by her corrected and signed by me on 24th August 2005)

A. R. SIDDIQUI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2005

का.आ. 3351.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, सी.पी.डब्ल्यू.डी. के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण अरनाकूलम (संदर्भ संख्या 2/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-9-2005 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/42/2004-आई.आर. (सीएम-II)]

एन. पी. केशवन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st September, 2005

S.O. 3351.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. 2/2005) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court, Ernakulam as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Central Public Works Department and their workmen, received by the Central Government on 1-9-2005.

[No. L-42012/42/2004-IR (CM-II)]

N. P. KESAVAN, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM

PRESENT:

SHRI P. L. NORBERT, B.A., LL.B, Presiding Officer

(Friday the 26th day of August, 2005/ 4th Bhadrapadam 1927)

C.R. 2 of 2005

Workman:

K. Raveendran,
Manalayathu Veedu
Kodunganoor P.O.
Thiruvananthapuram
Represented by the Branch Secretary
CPWD Mazdoor Union
Thiruvananthapuram

By Advocate Sri Haripad K.R.C. Pillai

Management:

The Superintending Engineer,
Central Public Work Department,
CGO Complex, Poonkulam,
Vellayani, Thiruvananthapuram

By Advocate Sri Thomas Mathew Nellimoottil

AWARD

This is a reference made by the Central Government under Section 10(1)(d) and (2A) of Industrial Disputes Act, 1947 to this Court for adjudication. The dispute referred is :—

"Whether the demand of the Central PWD Mazdoor Union, Manalayathu Veedu, Kodunganoor P.O., Thiruvananthapuram-695013 for the regularization of Shri K. Raveendran, Beldar as Laboratory Assistant w.e.f. 17-4-1995 is legal and justified ?"

2. On notice, both sides entered appearance. The workman represented by Branch Secretary, CPWD Mazdoor Union, Thiruvananthapuram filed a claim statement contending as follows :—

Shri K. Raveendran jointed service of CPWD on 9-12-1985 as NMR Carpenter at Thiruvananthapuram. He was confirmed in the service as an unskilled worker (Beldar) on 1-3-1993 After two years, on 10-4-1995 he

was transferred to quality Control Section, Thiruvananthapuram by the Superintending Engineer, Thiruvananthapuram. There he was performing the duties of Laboratory Assistant. He has the qualification to be a Lab Assistant. The Work Charge Beldars who were peforming the duties of Lab Assistant but were not paid the scale of pay in the higher post, had raised a dispute demanding higher pay and it was subjected to arbitration. An arbitration award was passed which was modified by the Hon'ble Delhi High Court. On the basis of the arbitration award, the Department of CPWD issued an OM on 9-9-1999 directing re-categorisation of Work Charge establishment staff of CPWD and payment of higher scale of pay mentioned in the OM. The claimant is entitled to similar treatment as he is performing the duties of Lab. Assistant and he has the requisite qualification for that post. However, he is not paid emoluments in tune with his duties. Therefore, he claims higher scale of pay as mentioned in OM of 9-9-1999 and regularization as Lab. Assistant from 17-4-1995.

3. The management (Supdg. Engineer, CPWD, Thiruvananthapuram) filed written statement denying the claim of the worker and contending that the worker was transferred to Quality Control Section on 10-4-1995 as Beldar and not as Lab. Assistant. His duty in the Quality Control Section was to carry materials brought for testing to the room of testing and take them back. The testing work is done by Assistant Engineer, Quality Control. He is the technically qualified person. Shri K. Raveendran was not performing the duty of Lab. Assistant at any time but only helping the A.E. in carrying out the test by bringing building materials to the Lab room and taking them back. The OM of 9-9-1999 is applicable only to those Work Charge Beldars on the roll of CPWD on 1-4-1981 and not thereafter. Shri K. Raveendran was regularized as Work Charge Beldar only on 1-3-1993. There is no post of Lab. Assistant in the Southern region of CPWD. There is no necessity also at present to create such a post. The worker does not have required qualification to be a Lab. Assistant either by direct recruitment or by promotion. He is age-barred and he has no experience as per Recruitment Rules. Lab. Assistant is not a promotion post either. Under the circumstances, the claim of the worker can not stand and is liable to be dismissed.

The points for consideration are :

(1) Was the worker transferred to Quality Control Section as Beldar or Lab. Assistant ?

(2) Was the worker performing the duties of a Lab. Assistant in Quality Control Section ?

(3) Is he entitled to higher pay scale ?

(4) Is he entitled for regularization as Lab. Assistant ?

(5) Relief and costs.

5. Evidence consists of the oral testimony of WW1 and documents Exts. W1 to W4 on the side of Union and MW1 and Exts. M1 and M2 on the side of management and Court Exts. X1 & X2.

Point No. 1 :

6. There is no dispute that Shri K. Raveendran was appointed as Beldar in CPWD on 9-12-1985, that he was confirmed as Beldar on 1-3-1993, that he was transferred to Quality Control Section, Thiruvananthapuram on 10-4-1995. and that he joined duty in quality Control Section in 17-4-1995. The dispute arose after he was transferred to Quality Control Section, Thiruvananthapuram. He is demanding higher pay in accordance with the higher duties he has been performing. This is stoutly denied by the management. Ext. X2 is the order of transfter of Shri K. Raveendran from the office of TCSDIII to Quality Control Section vice Shri D. Devadasan who was transferred to TCSDIII Belair Complex. Admittedly, there is no post of Lab. Assistant at present in Quality Control Section. Therefore, there was no question of transferring Shri K. Raveendran to Quality Control Section as Lab. Assistant. What was the post held by Shri D. Devadasan in Quality Control Section is not known. Whatever that be, as per Ext. X2 transfer order, Shri K. Raveendran who was a Beldar in TCSDIII was transferred as a Beldar and not as Lab. Assistant to Quality Control Section. The point is answered accordingly.

Point No. 2

7. The major dispute is whether Shri K. Raveendran was performing the duties of Lab. Assistant in Quality Control Section. Let me say at the outset that there is no other staff or officer in Quality Control Section other than the Assistant Engineer (QC) and Shri K. Raveendran, whatever be his designation. The Assistant Engineer has to perform the quality tests of building materials like bricks, tiles, metal, concrete mixture, wood, etc. for their moisture content, compression strength, etc. He has also the duty to visit construction sites at different places from Thiruvananthapuram to Thrissur. These facts are admitted and there can be no doubt that many construction work of Central Government institutions may be going on at the same time in different places from Thiruvananthapuram to Thrissur. The AE(QC) has to visit all these places to check the quality of building materials as well as the quality of the work in progress. A question therefore arises who will then attend to the quality testing work in the Lab at Thiruvananthapuram in the absence of A.E. No doubt, he is the technically qualified person to conduct the tests. The answer of Ex. Engineer (MW1) who gave evidance on behalf of the management is that the A.E. will arrange his work in such a way that there is no clash between the work in the construction sites and the work in the Lab at

Thiruvananthapuram. No doubt, nothing is impossible if one wants to do something. But, the question is whether it is practical for one person to attend to the work in the sites and in the Lab always. It is in this background that the worker says that he is performing the duties of a Lab. Assistant. But, the statement of the worker cannot be gulped without probe. Though the worker and the Ex. Engineer when they mounted the box stuck to the claim and denied the claim respectively, the documents produced in this case clinch the issue. Ext. X1 is a letter of Supdg. Engineer, TCC, CPWD, Thiruvananthapuram to the Chief Engineer, SZ III, CPWD, Bangalore dated 14-6-2000. It is stated in the letter that Shri K. Raveendran, Beldar is performing the duties pertaining to quality control unit w.e.f. 17-4-1995. As per O.M. dated 9-9-1999, a Beldar performing the duty of Lab Assistant and having requisite qualification is entitled for higher scale of pay. In order to meet the demand of Shri K. Raveendran for higher scale of pay a post of Lab Assistant has to be created in the Southern region of CPWD. Hence necessary sanction for creation of a post of Lab. Assistant for quality control unit of Thiruvananthapuram Central Circle was sought in the letter. Ext. W2 is letter dated 11-7-2003 of A.E. (QC) to the S.E., Thiruvananthapuram Central Circle. The letter mentiones that Shri K. Raveendran is assisting A.E. (QC) in conducting various tests of building materials. Ext. W3 is another letter of the Ex. Engineer, TCC, CPWD, Thiruvananthapuram to S.E., TCC, Thiruvananthapuram dated 31-7-2003. It is stated in the letter that Shri K. Raveedran, Beldar is assisting in conducting tests in Quality Control Lab. These three letters speak for themselves about the nature of work being done by the worker in Quality Control Section. A.E. (QC) himself says that the worker is assisting him in conducting quality tests. Any amount of oral testimony cannot substitute the documentary evidence. The letters were written in the ordinary course without foreseeing an adjudication of this nature. Therefore the letters depict the actual situation that existed at the relevant time. Statements in the box are moulded to suit to the claims and counter claims. The management relying on another letter of A.E. (QC) dated 8-8-2003 (Ext. M2) written to S.E., contended that K. Raveendran is not engaged for conducting tests or typing job in the lab. What is stated in Ext. M2 is that the worker is not engaged for conducting various tests independently. The A.E. appears to be in an embarrassing position knowing not whether to admit or to deny the nature of work being done by K. Raveendran in quality Control Section. A.E. was replying to a letter of S.E. dated 1-8-2003 referred in Ext. M2 (probably containing some query about Beldar's work). The letter reveals that the A.E. is straining to deny fully that K. Raveendran is performing the duty of a Lab. Assistant. That is why he has very carefully worded the letter stating "I am not engaging the official for conducting various tests <u>independently"</u> (emphasis supplied).

8. What exactly is the nature of the work done by K. Raveendran in the laboratory is not disclosed by the management. It is repeatedly stated that K. Raveendran is not performing the duties of a Lab. Assistant and he was never engaged as Lab. Assistant. According to MW1, the job of K. Raveendran is to carry building materials to the testing place and take them back after the test and return them to the persons who brought the materials for test. According to him, there is neither a Lab. Assistant nor a Lab. Attendant in the Quality Control Section. The work of an Attendant is also done by Assistant Engineer (QC). It is difficult to believe that an Engineer would do the work of an Attendant especially when a Beldar is available in a Section. The Beldar cannot remain a spectator when A.E. is doing the menial work of an Attendant. Though he is not duty bound, he will be compelled to help A.E. in the exigency of the situation. The A.E. (QC) being a technically qualified person needs only do the actual testing and recording of the result of the tests. But, before testing some preliminary arrangements have to be made. That has to be done by the Lab Assistant. What are the pretesting arrangements to be made, there is none to speak. MW1, Ex. Engineer who has no control over the A.E. (QC) and no supervisory capacity over the Lab. (QC) has come forward to speak on behalf of the management. For reasons best known to the management, the competent witness, AE (QC) is not examined. The actual truth would have come out had he been examined. Somehow, he is kept in the background and a person totally unconnected with the matter is put in the box to discharge the duty of tendering evidence on the side of management. In the light of the admissions in Exts. X1, W2 & W3 and the circumstances mentioned above, I have no hesitation to find that Shri K. Raveendran, though he was transferred to Quality Control Section as Beldar, has been performing the duties of a Lab. Assitant. Answered accordingly.

<u>Points No. 3 & 4:</u>

9. The demand is for regularization of the worker as Lab. Assistant from 17-4-1995 and for payment accordingly. I have already observed that there is no sanctioned post of Lab. Assistant in the Southern Region of CPWD. If so, to regularize the worker in that category a post has to be created. The question is whether this Court has the competence to direct the department to create a post. I am afraid, it is beyond the pales of this Tribunal to do so. It is the province of the concerned Department to create posts. An employee cannot stake a claim to a post which does not exist. According to the learned counsel for the Union, the Industrial Tribunal has ample power to vary the terms of contract and order to re-categorise the worker if situation demands. The learned counsel relied on a passage from

O.P. Malhotra's "The Law of Industrial Disputes' Vol. I, Sixth Edition, pages 963 & 964 to bring home his contention that it is always open to industrial adjudication to consider the condition of employment of labour and to vary them, if found necessary. Another passage from page 966 of the same book touching this aspect reads as follows :—

"The industrial tribunals intended to adjudicate industrial disputes between the management and workmen, settle them, and pass effective awards in such a way that industrial peace between the employers and the employees may be maintained so that there can be more production to benefit all concerned. For the above purpose, the industrial tribunals, as far as practicable, should not be constrained by the formal rules of law and should avoid inability to arrive at an effective award to meet justice in a particular dispute".

The Federal Court in Western India Automobile Association. *v.* Industrial Tribunal, Bombay (1949) LLJ 245 at 256 [AIR (36) (1949) Federal Court 111] observed that adjudication does not mean adjudication according to strict law of master and servant. The award of the Tribunal may contain provisions for settlement of a dispute which no court could order if it was bound by ordinary law, but the Tribunal is not fettered in any way by these limitations. In the decided case the Industrial Dispute was whether a dismissed employee can be ordered to be reinstated. That case cannot be compared with the case on hand. In the present case, the workman was appointed only as a Beldar and not as a Lab. Assistant. Therefore, there is no contract of service with regard to the post of Lab. Assistant. There is no post also of Lab. Assistant in the Quality Control Section or in the Southern Region of CPWD. Therefore, until such a post is sanctioned by competent authority the employee cannot claim the post. The creation of the post of Lab. Assistant and re-categorisation of Beldar as Lab. Assistant is not a term of contract of service in the instant case. There was no promise also to absorb him as Lab. Assistant Therefore, this Court cannot direct the management to create a post and appoint the worker in that post. It is for the department to consider that aspect and if found necessary, sanction the post. Whether the workman has the requisite qualification for the post of Lab. Assistant as mentioned in the Recruitment Rules Ext. M1 is a matter for consideration by the department at the appropriate time. As per Ext. M1, Recruitment Rules, a Lab. Assistant can be appointed either by direct recruitment or by promotion/deputation or transfer. In case of direct recruitment the age limit is 18-25 years and qualification is matriculation and two year's experience in a laboratory. If the appointment is by promotion/transfer, then there is no age limit but should have passed matriculation and possess 5 year's experience as a Laboratory Attendant. So far as K. Raveendran is concerned, he was transferred to Quality Control Section on 17-4-1995 and has been working there gaining experience of a Lab. Assistant. It is again a matter for consideration by the management. Suffice it to say that this Tribunal is not competent to direct the management to sanction a post and regularize the worker in that post.

10. However, the worker has been performing the duties of a Lab. Assistant ever since he was posted in Quality Control Section. I have already mentioned that there is ample documentary evidence to prove that aspect. Besides, there was a conciliation for settlement of dispute between the management and the worker in the presence of Assistant Labour Commissioner, Thiruvananthapuram on 26-2-2004. But, the conciliation was a failure and hence the dispute was referred to this Court. Ext. W1 is the copy of conciliation procedings aforementioned. It shows that MW1, who represented the management in the conciliation had suggested to the Assistant Labour Commissioner that the Department would consider the demand for payment of honorarium to K. Raveendran for having discharged the duty of Lab. Assistant up to the period he had worked. This is an added admission on behalf of management that the so called Beldar was not working merely as a Beldar but was performing higher duties. If so, is he not entitled for better pay of that of a Lab. Assistant even though such post is not yet sanctioned? It is to be noted that in other regions of CPWD, there is a category of Lab. Assistant and that is why Recruitment Rules provide for selection of Lab. Assistants. Sometime in the past Beldars who were performing the duties of Lab. Assistant made a demand for regularization in the post of Lab. Assistant and higher scale of pay. This was a subject of arbitration and an arbitration award was passed which was modified by Hon'ble Delhi High Court. On the basis of the Arbitration Award, an O.M. dated 9-9-1999 was issued by the department and Beldars who were on the roll of CPWD as on 1-4-1981 and performing the duties of Lab. Assistant were directed to be re-classified as Lab. Assistant and pay scale of that post. No doubt, Shri K. Raveendran was appointed as Beldar only in 1985. Therefore, the O.M. and the arbitration award do not apply to his case. The Demand of K. Raveendran or similar Beldars performing the duties of Lab. Assistant after 1-4-1981 has not been a subject of adjudication or arbitration so far. However, The situation is similar to the one mentioned above and in O.M. (W4) dt. 9-9-1999. Therefore, a question arises whether Shri K. Raveendran is entitled for similar treatment regarding pay. It is held in Randhir Singh *v.* Union of India (1982) 1 LLJ 344-345 (SC) by the Hon'ble Supreme Court that though the principle of "equal pay for equal work" is not expressly declared to be a fundamental right, it is a Constitutional goal. The requirement of A.39 (d) of the Constitution,

i.e. equal pay for equal work, is meant for everyone both men and women. Hence, the principle has assumed the status of a fundamental right in service jurisprudence. Directive Principles, therefore, have to be read into the fundamental rights as a matter of interpretation. The Principle of "equal pay for equal work" partakes the character of a fundamental right (A. 14&16). Referring to the social justice in Industrial adjudication it was observed by V.R. Krishna Iyer J. of the Hon'ble Supreme Court, as he then was, in the Indian Express Newspapers (Bombay) Pvt. Limited *v.* Indian Express Newspapers Pvt. Limited (Bombay) Employees' Union (1978) 2 LLJ 11, 12-13 (SC) that Industrial Jurisprudence is not static, rigid or textually cold but dynamic burgeoning and warm with life. It answers in emphatic negative the biblical interrogation—"What men is there of you whom if his son asks bread will give him a stone"? The Industrial Tribunals of India in areas unoccupied by precise block letter law, go by the Constitutional mandate of social justice in the claims of the 'little people'.

11. Taking into consideration the fact that K. Raveendran though has been performing the duties of a Lab. Assistant, was paid the remuneration of a Beldar only and in the light of similar benefits given to Beldars of earlier period (as per W4), it is only fair and just to pay him according to the duties performed by him, namely that of Lab. Assistant. He has the right for such higher scale of pay from the time he was posted in Quality Control Section on 17-4-1995 and so long as he performs the duties of Lab. Assistant. Points are answered accordingly.

Point No. 5 : (See award portion)

12. In the result an award is passed allowing the claim of the worker in part finding that the worker Shri K. Raveendran is entitled for scale of pay as mentioned in Ext. W4 w.e.f. 17-4-1995 onwards. However, he is not entitled to demand regularization as Lab. Assistant until such a post is sanctioned by the department and he is selected to that post. The parties will suffer their respective costs. The Award will take effect one month after its publication in the official Gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed out by her, corrected by me and passed the award this the 26th day of August, 2005.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

Ernakulam

APPENDIX

Witness for the Workman :

WW1 — Shri K. Raveendran—worker, CPWD.

Witness for the Management :

MW1 — Shri Rafi Mohammed, Executive Engineer, CPWD.

Exhibits for the Workman

W1 — Photocopy of the conciliation proceedings held on 26-02-2004.

W2 — Photocopy of letter of A.E. (QC) to the Supdg. Engineer, CPWD, Thiruvananthapuram dt. 11-07-2003.

W3 — Photocopy of letter of Ex. Engineer to the Supdg. Engineer, CPWD, Thiruvananthapuram dt. 31-07-2003.

W4 — Photocopy of OM No. 22/09/1993 EC X of Dte. General of Works, CPWD, New Delhi, dt. 09-09-1999.

Exhibits for the management

M1 — Photocopy of Recruitment Rules notified by Ministry of Works & Housing (Works Division), Govt. of India dt. 17-06-1976.

M2 — Photocopy of letter of A.E. (QC) ot the Supdg. Engr., CPWD, Thiruvananthapuram dt. 8-8-2003.

Exhibits of the Tribunal

X1 — Letter of Supdg. Engr. No. 10/3/TCC/2000/EI/3429 to the Chief Engineer, SZIII, CPWD, Bangalore dt. 14-06-2000.

X2 — Photocopy of Transfer Order No. 10/3/95/TCC/1327 issued by the Supdg. Engr., CPWD, Thiruvananthapuram dt. 10-04-1995.

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3352.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 01 सितम्बर, 2005 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

क्र. सं.	राजस्व ग्राम का नाम	तालूक	जिला
1.	रामनताली	तलिपरम्ब	कण्णूर
2.	कान्हीरोड	कण्णूर	कण्णूर
3.	मुकेरी	कण्णूर	कण्णूर
4.	पाणियन्नूर	तलश्शेरी	कण्णूर

[सं० एस-38013/50/2005-एस एस-1]

संयुक्ता रे, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3352.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st September, 2005 as the date on

which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter-V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely :—

Sl. No.	Name of Revenue Village	Taluk	District
1.	Ramanthali	Thaliparamba	Kannur
2.	Kenhirode	Kannur	Kannur
3.	Mukreri	Kannur	Kannur
4.	Panniannur	Tellicherry	Kannur

[No. S-38013/50/2005-S S-I]

SANJUKTA RAY, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2005

का.आ. 3353.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 01 सितम्बर, 2005 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

क्र. सं.	राजस्व ग्राम का नाम	तालूक	जिला
1.	एलयक्काड	मीनाचल	कोट्टयम
2.	मीनाचिल	मीनाचल	कोट्टयम
3.	लालम	मीनाचल	कोट्टयम
4.	वल्लिचिरा	मीनाचल	कोट्टयम
5.	कुरूविलन्गाड	मीनाचल	कोट्टयम
6.	पेरूर	कोट्टयम	कोट्टयम
7.	वापूर	चंगनाश्शेरी	कोट्टयम
8.	नीडुम्कुन्नम	चंगनाश्शेरी	कोट्टयम

[सं० एस-38013/49/2005-एस एस-1]

संयुक्ता रे, अवर सचिव

New Delhi, the 29th August, 2005

S.O. 3353.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st September, 2005 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter-V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely :—

Sl. No.	Name of Revenue Village	Taluk	District
1.	Elayakkad	Meenachal	Kottayam
2.	Meenachil	Meenachal	Kottayam
3.	Lalam	Meenachal	Kottayam
4.	Vallichira	Meenachal	Kottayam
5.	Kuruvilangad	Meenachal	Kottayam
6.	Peroor	Kottayam	Kottayam
7.	Vazhoor	Changanacherry	Kottayam
8.	Needumkunnam	Changanacherry	Kottayam

[No. S-38013/49/2005-S S-I]

SANJUKTA RAY, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2005

का.आ. 3354.—केन्द्रीय सरकार संतुष्ट है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड में सेवाओं को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 8 के अन्तर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उप-खण्ड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० एस-11017/1/2003-आई. आर. (पी.एल.)]

जे.पी. पति, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 1st September, 2005

S.O. 3354.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the Hindustan Aeronautics Limited which is covered by item 8 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of Clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/1/2003-IR (PL)]

J.P. PATI, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.